॥ ओ ३ म् ॥

सरस्वतीकोशः

पं०जीवारामोपाध्यायप्रणीत

SARASWATI KOSH

PUBLISHED BY

Pandit JIWA RAM Sharma,

ALIRAUL,

MORADABAD

द्वितीयवार १०००	संवत् १९८० विक्रमीय	मूल्य १) सजिल्द १।।-)

Printed by Kailaschandra
at the Lakshmi Narayan Press Moradabad

ओ३म् तत्सत्

सरस्वतीकोश

अर्थेऽपि अर्थेऽपि सदा महेश्वरो, धर्मोऽपि सामर्थ्यमय जगत्प्रभुः ।
मत्वा प्रणम्य जगदीश्वर विभु विरच्यते सर्वहिताय कोशकः ॥

अ-पु॰वर्णमालाका पहिला अक्षर। अभाव। न होना।

अंश पु॰विभाग हिस्सा, साझा।
अंशल त्रि॰बलवान्,बली,जोरावर
अंशिन् त्रि॰ हिस्सेदार, शरीक।
अंशु पु॰प्रभा किरण, वेग।
अंशुक न॰वस्त्र, महीन कपड़ा।
अंशुमाला स्त्री॰किरणोंका समूह
अंस न॰कन्धा।
अंसकूट पु॰बैलकी पीठका ऊपर का उठा हुआ हिस्सा। ठाठा
अंहस् न॰पाप,गुनाह,बुराकाम।
अकर्ण त्रि॰बिनकान,बधिर बहिरा
अकर्मण्य त्रि॰ न काम करनेवाला।
अकस्मात् अ॰अचानक,एकाएक
अकाण्ड पु॰विनाअवसर,विनाकारण
अकाम पु॰बिना इच्छा।

अकाय पु॰बिना शरीर, बेजिस्म।
अकारण न॰ बिना हेतु,बिना॰प्रयोजन के सबब। बेफायदा।
अकार्य न॰चोरी। जुआ आदिबुरे काम।
अकाल पु॰बुरा समय, बेवक्त।
अकिञ्चन त्रि॰निर्धन गरीब।
अकुतोभय त्रि॰ न डरने हारा।
अकृत्य न॰चोरी आदि बुरे काम।
अकौशल न॰ चतुराई बिन, बिना होशियारी।

अक्का स्त्री॰ माता। अम्बा अम्मा
अक्रूर पु॰ यदुकुलका राजा। दयालु
अक्षत त्रि॰ न टूटाहुआ चावल।
अक्षमा स्त्री॰न सहना,ईर्षा करना।
अक्षय पु॰न॰जिसका नाश न हो
अक्षर पु॰अकारादि वर्ण,नाशरहित

अक्षरचण पु०लेखक, लिखनेहारा
अक्षशौण्ड पु०पक्का जुआरी ।
अक्षोट पु०अखरोट वृक्ष ।
अक्षौहिणी स्त्री०सेना । फौज ।
अखण्ड त्रि० सम्पूर्ण, जिसका खण्ड न हो ।
अखाद्य त्रि०जो खानेके लायक नहो।
अगद् पु०औषध, दवा ।
अगदङ्कार पु०वैद्य,हकीम,डाक्टर
अगम पु०जहाँ पहुंच न सके ।
अगस्त्य पु०एक मुनिका नाम है।
अगाध त्रि०बहुत गहरा ।
अग्नि पु०वह्नि । आग ।
अग्निकोण न०पूर्व और दक्षिण के बीचकी दिशा।
अग्निगर्भ पु० सूर्यकान्तमणि, आतिशी शीशा ।
अग्निप्रस्तर पु०आगको पैदाकरने वाला पत्थर । चकमक ।
अग्निवाहु पु०धूम,धुआं ।
अग्निम पु०आगकी तरह चमकने वाला सोना ।
अग्निष्टोम पु० यज्ञ विशेष
अग्नीध्र पु०पुरोहित विशेष[अधिक
अग्र न० आगे,आगेका भाग प्रधान
अग्रकाय पु०न०शरीरका आगेका भाग । हिस्सा ।
अग्रग त्रि०आगे चलनेवाला,प्रधान
अग्रगण्य त्रि०प्रथम गिना गया । मुखिया ।
अग्रजाति स्त्री०ब्राह्मण । विप्र
अग्रणी त्रि० स्वामी । आगे चलनेवाला ।
अग्रनासिका स्त्री०नाककी नोक ।
अग्रसर त्रि०आगे जाने वाला ।
अग्रहर पु०प्रथम वस्तु,पानेयोग्य।
अग्राह्य त्रि० न लेने योग्य ।
अग्रीय पु०श्रेष्ठ,उत्तम,बड़ा भाई ।
अग्रेग त्रि०आगे जानेवाला सेवक
अग्रेदिधिषु पु०विधवाके साथ विवाह करनेवाला ।
अग्र्य पु०बड़ा भाई । प्रधान,श्रेष्ठ
अघ न०पाप,दुःख,व्यसन,गुनाह।
अघोष पु०शब्दरहित।जो घोषनहो
अघ्न्य पु०जोमारनेयोग्य नहो गाय
अङ्क पु०गोद । समीप, पास ।
अङ्कन त्रि०चिह्न करनेका साधन, मोहर ।
अङ्कित त्रि० चिह्न किया गया, गिनाया गया ।

अङ्कुर पु०न० बीजसे जो प्रथम उत्पन्न होता है।
अङ्कुश पु०न हाथी को चलाने का साधन। गज़। आंकुश।
अङ्गमर्द पु० देहकी पीड़ा।
अङ्गज न०पुत्र,रुधिरकेशजोदेहसेहो
अङ्गण न०आंगन। चौक।
अङ्गद पु० न० बाहु भूषण वालि का पुत्र।
अङ्गना स्त्री० स्त्रीमात्र औरत।
अङ्गारिका स्त्री० अंगाठी।
अङ्गिका स्त्री० अंगिया।
अङ्गीकार पु०स्वीकृत मंजूर।
अङ्गीकृत त्रि०स्वीकार कियागया
अङ्गुरीय न० अंगूठी। मुन्दरी।
अङ्गुल न० आठ जौ का माप
अङ्गुलित्र न० अङ्गुलियों को रक्षा करने वाला दस्ताना।
अङ्गुष्ठ पु०अंगूठा
अङ्गुष्ठमात्र त्रि० अंगूठा भर।
अङ्हस् न० पाप, गुनाह।
अचक्र त्रि०पहिये बिना व्यापार रहित।
अचर न०ठहरा हुआ पृथ्वी आदि
अचल न० न चलनेवाला, पृथ्वी आदि।

अचिन्त्य न० जिसका विचार न होसके।
अचिर न०कुछ समय रहने वाला
अचिरद्युति स्त्री०विद्युत् बिजली।
अचिरप्रभा स्त्री०बिजली।
अचेतन त्रि०ज्ञान न होना। जड़।
अचैतन्य त्रि०ज्ञान शून्य, चेतनता रहित।
अच्छ त्रि०सुन्दर,स्वच्छ, साफ।
अच्छोदनन०मृगया,शिकार, अहेर
अच्युत पु० न गिराहुआ विष्णु।
अज पु०जो पैदा नहो, जीव ईश्वर प्रकृति।
अजगव पु० न० शिवका धनुष।
अजक्षीर न० बकरीका दूध।
अजगर पु० बड़ा सांप।
अजघन्य त्रि० अच्छा, श्रेष्ठ
अजाजीविक पु० जिसका जीवन बकरा बकरी द्वारा चले।
अजथ्या स्त्री० बकरोंका समूह
अजन्त पु०जिसके अन्तमें स्वरहो
अजमीढ पु० अजमेर नगर
अजमोदा स्त्री० अजवायन
अजन्म पु० जन्मरहित।
अजस्र न० निरन्तर। हरवक्त

अजाजी स्त्री० जीरा
अजानि पु०स्त्रीरहित।बिना औरत-
वाला।
अजिह्म पु०जो कुटिल नहीं। सीधा
अजीर्ण न० अपच । बदहजमी
अजीव त्रि० बिना जीव । मुर्दा
अजेय त्रि० जिसे जीता न जासके
अज्ञ त्रि० मूर्ख । ज्ञानशून्य
अज्ञान न०मूर्खता।बेवकूफी।अविद्या
अञ्चल पु०कपड़े का कोना। पल्ला
अञ्जन न०कज्जल, काजल, सुरमा
अञ्जलि पु०ल्प फैलाकर दोनों हाथ
जुड़े हुए।
अटवि-वीस्त्री०वन। जङ्गल [घूमना
अटाट्यास्त्री०निरर्थकघूमना।बेफायदा
अट्टहास पु० बल पूर्वक हँसना।
जोर से हँसना।
अट्टाल पु० मकानके ऊपर का
मकान।
अट्टालिका स्त्री०राजमहल।प्रासाद
अणु त्रि० बहुत छोटा जर्रा
अणुमा स्त्री० बिजुली।
अण्डज पु० अंडेसे निकलाहुआ,
पक्षी।
अण्डालु पु० मत्स्य । मछली।

अतएव अ० इसलिये । एतदर्थ।
अतथा अ० वैसा नहीं।
अतथ्य त्रि० मिथ्या। झूठ
अति अ० बहुत, प्रशंसा
अतिक्रम पु० लांघजाना। नियम
को भूल जाना।
अतिक्रान्त त्रि० लांघगया।अपनेक्रम
को भूलगया।
अतिक्रुद्ध त्रि० बहुत गुस्से में
आगया बड़ा क्रोधी।
अतिजव त्रि० शीघ्रगन्ता। जल्द
चलने वाला।
अतिजागर पु० निद्रा रहित
जिसको नींद न हो।
अतितराम् अ०बहुतही।जियादा तर
अतिथि पु०जिसके आने जानेकी
तिथि नियत न हो। मुसाफिर
सन्यासी।
अतिपतन न० नाश। बरबादी।
अतिपातक न० बड़ापाप। बड़ा
गुनाह।
अतिबल त्रि० बहुत बली। बहुत
जोरावर
अतिरिक्त त्रि० अलावा, सिवाय
अतिरूक्ष त्रि० बहुत रूखा। स्नेह
शून्य।

अतिविकट पु॰ बहुत बड़ा। बड़ा भयानक।
अतिशय पु॰ अधिक। बहुत।
अतीत त्रि॰ भूतकाल
अतीन्द्रिय त्रि॰ जो इन्द्रियों से न जाना जाय।
अतीव अ॰ अतिशय। बहुत।
अतुल त्रि॰ उपमारहित बेमिसाल
अत्यन्त अ॰ बहुत ही। अतिशय
अत्यन्तकोपनत्रि॰ जिसका स्वभाव ही क्रोधी हो।
अत्यन्ताभाव पु॰ किसी वस्तु का सर्वथा। न होना।
अत्यल्प त्रि॰ बहुत थोड़ा। बहुत छोटा।
अत्याचार पु॰ अनुचित कर्म, ज्यादती।
अत्युक्ति स्त्री॰ बढ़ाकर कहना जिस में जो गुण न हो उसको बताना
अथ अ॰ अनन्तर, बाद, प्रश्न, मङ्गल, पक्षान्तर।
अथकिम् अ॰ स्वीकार, मंजूर, हां
अथवा अ॰ वा, या।
अदर्शन त्रि॰ जो देखने में न आसके
अदाह्य त्रि॰ जो जल न सके।
अदीन त्रि॰ जो कायर न हो।
अदृष्ट त्रि॰ जो देखा न गया हो।
अदृष्टपूर्व त्रि॰ जो पूर्व न देखा हो
अद्भुत अ॰ विचित्र। जो अचानक होजाय।
अद्य अ॰ आज। वर्तमान दिन।
अद्यतन त्रि॰ आजका काम। आज की वस्तु।
अद्यत्वे अ॰ अब, इस समय।
अद्रितनया स्त्री॰ पार्वती।
अद्रीश पु॰ हिमालय। पर्वतस्वामी
अद्वितीय त्रि॰ जिसके सदृश और न हो। ईश्वर
अद्वैत त्रि॰ जो दो नहीं परमात्म
अधम त्रि॰ कुत्सित पामर-नीच।
अधमर्ण त्रि॰ ऋणी कर्ज़ा लेनेवाला
अधर पु॰ होठ। नीचे का होठ
अधरेद्युस् अ॰ आगे वाला परसों
अधर्म पु॰ वेद विरुद्ध कार्य। पाप
अधस् अ॰ नीचे। नीचे
अधस्तात् अ॰ नीचे-जैसे नि...
अधिक त्रि॰ बहुत, ज़ियादा, अनेक
अधिकरण न॰ सप्तमी विभक्ति...
अधिकार पु॰ स्वामित्व-स्वत्व हक़

अधिकृत पु० आयव्यय निरीक्षक। मालिक, जिसको किसी कर्म का अधिकार दियागया हो।
अधिक्षेप पु० तिरस्कार, अपमान, तौहीन।
अधिगत पु० जाना गया, पायागया
अधिगम पु० जानना, पाना, मानना
अधित्यका स्त्री० पर्वत के ऊपर की भूमि।
अधिप त्रि० राजा, प्रभु, स्वामी, मालिक।
अधिपति पु० प्रभु, स्वामी, मालिक
अधिमास पु० लौंदका महीना, मलमास।
अधिराज पु० सार्वभौम चक्रवर्ती राजों का राजा
अधिरोहिणी स्त्री० सीढ़ी, नसैनी
अधिवास पु० निवास।
अधीत त्रि० पढ़ा हुआ। पढ़ना।
अधीन त्रि० आपस कार्यमें आगया स्वाधीन।
अधीर त्रि० चञ्चल अपने को वशमें न रखना।
अधीश त्रि० सार्वभौम, चक्रवर्ती शाहन्शाह।
अधीश्वर त्रि० चक्रवर्ती। स्त्री० अधीश्वरी।
अधुना म० इस समय। अब
अधृष्ट त्रि० लज्जाशीलालाजवाला
अधोंऽशुक न० लहँगा। नीचे पहरने का वस्त्र
अधोमुख त्रि० जिस का नीचे को मुख हो
अधो लोक पु० भूमिके नीचे पाताल
अध्ययन न० पढ़ना
अध्यवसाय पु० निश्चय करना। यह ऐसे ही है।
अध्यापक त्रि० पढ़ाने वाला। उपाध्याय
अध्यापन न० पढ़ाना स्त्री अध्यापन
अध्याय पु० सर्ग, वर्ग, अङ्क, पर्व उल्लास
अध्यारूढ त्रि० पढ़ने वाला
अध्यारोप पु० और में दूसरे की भावना करना।
अध्याशन पु० भोजन पर भोजन करना
अध्याहार पु० ऊहा, अन्य किसी शब्दको लेकर समझा देना।
अध्येषण न० प्रार्थना। मांगना।

अध्रुव त्रि० चञ्चलाओ सदा न रहे
अध्वग पु० पथिक मुसाफिर ।
अध्वनीन त्रि० पथिक मुसाफिर
अध्वर पु० हिंसारहित यज्ञ,
अध्वर्यु पु० यजुर्वेद का ज्ञाता ।
ऋत्विज ।
अनघ त्रि० पापरहित । दुःखहीन ।
अनच्छ त्रि० मैलाकलुषाअप्रसन्न
अनडुह पु० बैल । वृषभ
अनध्याय पु० न पढ़ना
अनन्त पु० जिसका अन्त न हो ।
अनर्गल त्रि० बिना रोक टोक ।
जबरजोर रहित
अनर्घ त्रि० जिसका मूल्य न हो
सके अमूल्य ।
अनर्थ पु० जिसका अर्थ न हो ।
निष्प्रयोजन बेफायदा ।
अनर्थान्तर न० एक अर्थ वाला
अनल पु० अग्नि । आग
अनवधानता स्त्री० प्रमाद । भूल
अनवरत त्रि० लगातार । निरन्तर
उत्कट
अनवसर त्रि० असमय । बेवक्त
अनवस्कर त्रि० निर्मल । विमल
साफ ।

अनशन न० न खाना । उपवास
अनसूया स्त्री०, गुणों में दोषारोप
करना । अत्रिमुनि की स्त्री
अनाकुल त्रि० न घबड़ाया हुआ ।
अव्यग्र ।
अनागत त्रि० आने वाला समय ।
अनाचार पु० आचार का न होना
अनातप पु० धूपका न होनाछाया
अनादर पु० अपमान । तिरस्कार ।
बेइज्जती ।
अनादि पु० जिसकाआदि शुरुनहो
अनामय पु० रोग का न होना ।
आरोग्य
अनायास पु०बिनाप्रयत्नाकमश्रम
अनारत न० लगातार । सन्तत
अनार्जव पु० कुटिलता । असरलता
अनावृष्टि स्त्री० वर्षा का न होना
अनास्था स्त्री० अनादर अप्रतिष्ठा
अनिल पु० वायु । हवा
अनिलसख पु०वायुकामित्र अग्नि
अनिवार त्रि० जिसका निवारण
न होसके,
अनिष्ट त्रि०बुरा । दुःखका साधन
पाप
अनीक न० सेना । फौज

अनीश पु० जिस का कोई स्वामी न हो

अनीह त्रि० जिसकी कोई इच्छा न हो

अनु अ० पीछे, निकृष्ट । लक्षण, वीप्सा

अनुकम्पा स्त्री० दया, मेहरबानी कुछ हिलना ।

अनुकर्षण न० पीछेसेआगे खींचना

अनुकामीन त्रि० इच्छापूर्वक चलने वाला

अनुकूल त्रि० सहचर मुआफिक

अनुक्रम पु० परिपाटी । सिलसिला

अनुक्रमणिका स्त्री० भूमिका।दीबाचह ।

अनुग त्रि० पीछेचलनेवाला सहचर

अनुगत त्रि० शरणापन्न । अधीन

अनुगम पु० पीछेजाना सहायीहोना

अनुग्रह पु० कृपा, दया, महरबानी

अनुचर त्रि० साथजानेहारासेवक दास ।

अनुज त्रि० छोटाभाई

अनुज्ञा स्त्री० आदेश । हुकम

अनुताप पु० पश्चात्ताप । पछतावा

अनुत्तर त्रि० जिसका उत्तर न दिया हो ।

अनुधावन न० पीछे दौड़ना तलाश करना

अनुनय पु० विनय । प्रार्थना प्रणिपात झुकना ।

अनुनासिक पु० ङ ञ ण न म मुख सहित नासिकासे जो बोला जावे

अनुपपत्ति त्रि० असंगत ।दलीलका न होना

अनुपम त्रि० उपमाशून्यबेमिसाल

अनुपलब्धि स्त्री० अप्राप्तिनमिलना

अनुपान न० औषधके साथमें मधु आदि देना

अनुपूर्व पु० यथाक्रम।सिलसिलेवार

अनुप्रास पु० तुल्यवर्णकी रचना

अनुभव पु० प्रथमज्ञान । तजुर्बा

अनुमत त्रि० सम्मत । मंजूर

अनुमति स्त्री० मानलेना । मंजूरा

अनुमान न० धूमको देखकर अग्नि का होना

अनुमोद पु० अन्यके कथनके अनुसार स्वयं मानकर कहना । ताईद

अनुराग पु० अतिप्रीति प्रेम, स्नेह

अनुराधा स्त्री० २७नक्षत्रों में१७वाँ नक्षत्र

अनुरूप अ० एक जैसा,सदृश रूप वाला।
अनुरोध पु० रुकावट । अनुसरण
अनुलाप पु० बार बार कहना
अनुलेप पु० चन्दन आदिका मलना
अनुलोम पु० यथाक्रम सिलसिले वार
अनुवाद पु० जाने अयको वर्णन करना । तर्जुमा
अनुवासन न० धूपआदिसे सुगन्धि युक्त करना
अनुशय पु० अतिद्वेष । बहुतवैर
अनुशासन न० आज्ञा-हुकम शासन
अनुशीलन न० बार २ विचारना । बार २ अभ्यास करना
अनुष्ठान न० वेद विहित शुभकर्म करना
अनुसन्धान न० अन्वेषण तलाश करना
अनुसरण न० पीछेजाना पीछाकरना
अनूचान पु० वेदज्ञ । वेदका जानने वाला
अनून न० सम्पूर्ण पूरा
अनृत न० मिथ्या । झूठ
अनेक त्रि० बहुत । एक से भिन्न
अनेकप पु० जो मुख और सूंड से पीता है । हाथी ।
अनेकरूप त्रि० जिसके बहुत रूपहों
अनेहस् पु० दिवस । दिन
अनोकह पु० वृक्ष दरक्त । पेड़
अन्त अ० नाश,कोना सीमा, हद
अन्तःकरण न० मन बुद्धि चित्त अहङ्कार
अन्तःपुर न० रनवास
अन्तक पु० नाश करने वाला । यम मृत्यु
अन्तकर त्रि० नाश करनेवाला ।
अन्तग त्रि० पार जाने वाला।
अन्तर न० अवकाशअवधि[भीतरी
अन्तरङ्ग त्रि० जिसके अङ्गभीतरहों
अन्तरा अ० बिना मध्य निकट
अन्तराय पु० विघ्न । रुकावट
अन्तराल न० मध्य । बीच
अन्तरिक्ष न० आकाश । आसमान
अन्तरित त्रि० बीचमें आगया तिर-स्कृत
अन्तरीप पु० जिसके मध्यमें जल हो द्वीप-जज़ीरा
अन्तरे अ० मध्य बीच
अन्तरेण अ० बिना-बीच
अन्तर्दाह पु० भीतर जलन
अन्तर्धान न० छिपना ओट होना

अन्तर्द्धि पु० छिपना-आच्छादन ढकना
अन्तर्गत त्रि० गुप्त छिपाहुआ
अन्तर्यामिन् पु० भीतरका हाल जानने वाला ईश्वर
अन्तर्वत्नी स्त्री० गर्भवती स्त्री
अन्तर्हित त्रि० गुप्त छिपाहुआ
अन्तिक त्रि० जो पास रहे,पास
अन्तिम त्रि० पीछेका, आखिरी
अन्त्य पु० सबसे पीछे-चाण्डाल
अन्त्यज पु० चाण्डाल प्रभृति
अन्त्येष्टि स्त्री०मृतदाह-अन्तिम-संस्कार
अन्दू स्त्री० निगड-ज़ंजीर
अन्ध त्रि० दोनों आखोंसेनदेखने वाला
अन्धकार पु० न० तम-अन्धेरा
अन्धकूप पु० अन्धेरा कुआ। जहाँ बहुत अन्धेरा हो। व्यतिरेक।
अन्यत्र अ० बिना, दूसरी जगह,
अन्यथा अ० नहीं तो। दूसरीरीति से, बिना, झूठ।
अन्यदा अ० कालान्तर में। फिर कभी
अन्याय पु० अनुचित, असंगत। उल्टा जुल्म।
अन्योन्य त्रि० परस्पर, आपस में
अन्योन्याभाव पु० आपस में एक दूसरे का न होना।
अन्योन्याश्रय त्रि० एक दूसरेका सहारा
अन्वय पु० वंश। पदोंकी परस्पर आकाङ्क्षा।
अन्वयव्याप्ति स्त्री०अन्वयके साथ नियमसे रहना जैसे जहाँ धूम होगा वहाँ अग्नि अवश्य होगा
अन्वयसर्ग पु० जैसा चाहते हो वैसा करो ऐसी आज्ञा।
अन्वादेश पु० कहे हुये को पुनः कहना। जैसे इसने व्याकरण तो पढ़ लिया है अब गणित पढ़ाइये।
अन्वेषण न० खोज ढूंढना वाञ्छा चाह।
अप् स्त्री० जल नीर, पानी
अप अ० वियोग विकार,उलटापन
अपकार पु० बुराई, अनिष्ट, वैर, दुश्मनी।
अपकृष्ट त्रि० अधम, नीच। हीन।

अपक्रम पु० पलायन, भागना, अध्रुवि

अपक्रिया स्त्री० द्रोह, वैरअपकार

अपक्रोश पु०निन्दा,बुराई अपवाद

अपक्षेपण न० नीचे को फेंकना।

अपचयपु०हानि नुकसान,घटाना

अपचार पु० भ्रष्टाचार, बुराकाम।

अपत्य न० सन्तान। औलाद।

अपत्रप त्रि० लज्जाहीन, बेशरम।

अपथ न० कुमार्ग, बुरा रास्ता।

अपथ्य त्रि० हानिप्रद वस्तु नुक सान देने वाली चीज़।

अपदेश पु० छल, बहाना, लक्ष्य निशान, निमित्त।

अपनयन न० दूरकरना, खण्डन करना

अपभ्रंश न०गिरना अशुद्धोच्चारण

अपमान न० अवज्ञा निरादर बे इज्ज़ती

अपरति स्त्री विराग हटजाना।

अपरत्र अ परलोक में,पीछे दूसरा समय।

अपराध पु० पातक पाप गुनाह।

अपराह्न पु०दिनका तीसरा पहर

अपरिग्रह पु० स्वीकार न करना दान न लेना।

अपरिच्छिन्न त्रि० इयत्ता रहित असीम। बेहद्

अपरेद्युस् अ० दूसरे दिन परसों

अपरोक्ष न० प्रत्यक्ष। सामने

अपर्याप्त त्रि०अपूर्ण। जो पूरानहो

अपलाप पु०सत्यकोछिपाना,स्वीकार न करना।

अपवाद पु० निन्दा,बाधकविरोध

अपवारण न० अन्तर्धान। छिपना पर्दा।

अपाय पु० नाश, हटाना, दुःख, आपत्ति

अपितु अ० किन्तु। यदि यद्यपि।

अपिधान न० ढकना। आच्छादन

अपूप पु० पूड़ा। पूआ।

अपेक्षा स्त्री० आकांक्षा। निस्बत

अबाध त्रि० जिसमें बाधा न हो।

अब्ज न० कमल पङ्कज

अब्द पु० बादल। मोथा। सम्वत्

अब्धि पु० समुद्र। सागर

अभ्र न० बादल। मेघ

अभय न अर्थ का नहोना। बेडर

अभाव पु० न होना। मरना

अभिज्ञ त्रि० चतुर,परिचितजानकार

अभिख्या स्त्री० प्रथम उपका नाम

अभिधेय त्रि॰ नाम वाला।
अभिहनन न॰ दोनो ओरसेघाघना
अभिनीत त्रि॰ सीखा हुआ। शिक्षित।
अभिप्राय पु॰ मतलब। आशय।
अभिभव पु॰ पराजय।हारतिरस्कार
अभिमत त्रि॰ सम्मत। आदृत
अभिमान पु॰ अहङ्कार। दर्प। घमण्ड
अभिमुख। त्रि॰ सम्मुख सामने।
अभियुक्त त्रि॰ प्रतिवादी। मुल्जिम
अभियोग पु॰ मुकद्दमा।
अभिराम त्रि॰ सुन्दर प्रिय मनोहर
अभिरूप पु॰ पण्डित, चन्द्रमा, मनोहर, कामदेव।
अभिलाव पु॰ काटना। छेदना
अभिलाप पु॰ इच्छा,चाह,मनोरथ लोभ।
अभिवाद पु॰ प्रणाम, वन्दना।
अभिवादन न॰ वाचिक प्रणाम, नमस्कृति
अभिविधि पु॰ मर्यादा, व्याप्ति, यहां से यहां तक
अभिव्यक्त पु॰ प्रत्यक्ष, प्रकाशित, रोशन।
अभिव्याप्ति स्त्री॰पूरी तरहसे मिलना,सम्पूर्ण अङ्गोंसे सम्बन्ध
अभिशाप पु॰ मिथ्या, अपवाद, शाप।
अभिषङ्ग पु॰ तिरस्कार, निन्दा।
अभिषेक पु॰पदपर नियत करना तिलक
अभिसन्ताप पु॰शाप देना तपना
अभिसन्धान न॰वञ्चन प्रतारण, ठगना, अनुराग।
अभिसम्पात पु॰गिरना, पतन।
अभिसर त्रि॰ अनुचर, सेवक।
अभिसर्जन न॰ देना वध, खून।
अभिसार पु॰ बल, युद्ध सहाय।
अभीक त्रि॰भमुक,स्वामी दयाहीन
अभीक्ष्णम् अ॰ बारम्बार, नित्य। हरएक।
अभीरु पु॰ निर्भय। [चाहाहुआ
अभीष्ट त्रि॰वाञ्छित,प्रिय,मनोहर
अभेद पु॰ एक रूप। बिनाफर्क।
अभ्यङ्ग पु॰ तेल आदिका मलना
अभ्यञ्जन न॰ तेल लगाना।
अभ्यन्तर न॰बीच। भीतर।
अभ्यर्ण त्रि॰समीप, पास,निकट
अभ्यवहार पु॰ भोजन, खाना।

अभ्यसन न• अभ्यास। बार २ एक काम को करना।
अभ्यागत पु• अतिथि, महात्मा।
अभ्याश पु• समीप अवश्यमेव।
अभ्यास पु• एककार्यको बार २ करना महावरा
अभ्याहार पु• मोजन। आहार देखते २ चुरालेना
अभ्युच्चय पु• अभ्युदय। वृद्धि। तरक्की।
अभ्युत्थान न• आदरसे उठकर आगे लेना। उठना।
अभ्युदय पु• वृद्धि। बढ़तीतरक्की
अभ्युपगम पु• मानलेना। निकट आगया। युक्ति, दलील।
अभ्युपाय पु• स्वीकार। मंजूर। अच्छा उपाय
अभ्यूह पु• तर्क। दलील
अम पु• रोग। बिना पकाफलादि
अमङ्गल पु• अप्रसन्नता। एरंड का वृक्ष।
अमत्र न• भोजनका पात्र बर्तन।
अमर पु• जो मरे नहीं।
अमराद्रि पु• सुमेरु पर्वत।
अमर्ष पु• क्रोध। गुस्सा कोप
अमर्षण त्रि• क्रोधी गुस्सैवाला
अमल न• निर्मल। साफ दोष रहित।
अमात्य पु• मन्त्री। मन्शु। वजीर
अमित्र पु• शत्रु। दुश्मन। वैरी।
अमुत्र न• परलोक दूसरा जन्म।
अमूर्त त्रि• जिसका आकार न हो आकाश। वायु। आत्मा
अमृतफला स्त्री• अमलकी। आमला
अमृतवल्ली स्त्री• गुडूची गुर्च
अमेध्य न• अपवित्र। नापाक
अमोघ त्रि• सफल जो व्यर्थ न हो
अम्बक न• नेत्र। आँख। लोचन
अम्बर न• आकाश। वस्त्र कपड़ा
अम्बष्ठ पु• चिकित्सक। हकीम
अम्बा स्त्री• जननी माता
अम्बालिका स्त्री• विचित्र वीर्य की मा पाण्डुकी मा।
अम्बिका स्त्री• धृतराष्ट्र की माता
अम्बु न• जल। पानी। तोय।
अम्बुकणा स्त्री• पानीकी बूंद
अम्बुज न• कमल। चन्द्रमा
अम्बुद पु• मेघ। बादल
अम्बुधि पु• समुद्र। सागर
अम्बुरुह न• पद्म, कमल।

अवतार पु॰ जनम, पारद्दोनागङ्गादि
अवदात पु॰ श्वेत, सुन्दर चिट्टारंग
अवदारण न॰ खनित्र, कुद्दाल
अवद्य त्रि॰ अधम, नीच, पापी
अवधान न॰ मनोयोग, गौर अवधारी
अवधारण न॰ निश्चयकरण
अवधि पु॰ सीमा, हद्द, काल,
अवन न॰ प्रीणन, तसल्ली, रक्षण
अवनत त्रि॰ नम्र, झुकाहुआ।
अवनी स्त्री॰ पृथिवी, जमीन।
अवन्तिका स्त्री॰ उज्जैन
अवपात पु॰ नीचे गिरना
अवमानना स्त्री॰ अपमान। बेअदबी
अवयव पु॰ शरीरके भाग, आजा
अवर त्रि॰ चरम, आखिरी पिछला
अवरति स्त्री॰ विराम, ठहरना। अन्त
अवरूढ त्रि॰ अवतीर्ण उतरा हुआ
अवरोध पु॰ निरोध, रोक
अवरोह पु॰ अवतरण, उतरना।
अवलम्ब पु॰ आश्रय, सहारा, शरण।
अवलिप्त त्रि॰ अहङ्कारी, मगरूर
अवलेप पु॰ गर्व, अहङ्कार, गरूर
अवलेह पु॰ चटनी।
अवलोकन न॰ दर्शन, देखना।
अवश त्रि॰ नस्वाधीन, परवश बेबस
अवशिष्ट त्रि॰ बाकी, अधिक, भिन्न
अवश्य अ॰ त्रि॰ सर्वथा, जरूर
अवसर पु॰ प्रस्ताव, प्रसंग, समय मौका।
अवसर्प पु॰ चर। दूत। कासिद
अवसान न॰ विराम, समाप्ति आखीर, हद्द
अवस्कन्द पु॰ शिविर, छावनी, आक्रमण
अवस्कर पु॰ कूड़ा
अवस्तार पु॰ जवनिका कनात, पर्दा
अवस्था स्त्री॰ आयु। उम्र दशा। हालत
अवस्थान न॰ स्थिति, जगह
अवस्रंसन न॰ अधःपतन। नीचे गिरना
अवहेल न॰ स्त्री॰ अनादर। बेअदबी
अवाङ्मुख त्रि॰ जिसका नीचे को मुख हो।
अवाच्य न॰ जो कहनेके योग्य नहो
अवि पु॰ भेड़। बकरा। सूर्य।
अवितथ न॰ सत्य। सच [कानहोना
अविद्या स्त्री॰ ज्ञान न हुआ अविद्या

अंवलीत पु० अशिक्षित । न सीखा हुआ ।
अविरत त्रि०लगातार विरामशून्य
अविरल त्रि०सघन निविड मिला हुआ
अविवेक पु० अज्ञानता । वेवकूफी
अविश्रान्त त्रि०विरामशून्य।लगातार
अविस्पष्ट न० गोलमाल जो साफ साफ न हो
अवेक्षण न०दर्शनादेखनादेखभाल
अव्यय पु० सर्वविभक्तियों तथा सर्व वचनों एवं जो सर्वलिंगों में सम रहता हो
अशन न० भोजन । खाना
अशनाया स्त्री०भूख भति भूख ।
अशनि पु० वज्र । बिजली ।
अशरीर त्रि०जिसका शरीर न हो परमात्मा ।
अशित त्रि० भक्षित खाया हुआ ।
अशिश्वी स्त्री० पुत्र विहीनासन्तो । वेभौलाद औरत
अशीति स्त्री० अस्सी ८०
अशुभ त्रि० पाप । अमङ्गल
अशेष त्रि० समस्त । सब
अशोच्य त्रि० जो शोक करने के योग्य न हो ।
अशौच अपवित्रता । नापाकी ।
अश्मरी स्त्री० पथरी की बीमारी
अश्रान्त त्रि० सन्तत ।लगातार न थका हुआ ।
अश्रु पु० आँसू । नेत्र जल ।
अश्रुत त्रि० जो सुना नहो । अनसुना
अश्लील न० ग्राम्यभाषा । गाली गलौज ।
अश्व पु० घोटक । घोड़ा
अश्वतर पु०खिच्चर अश्वतर
अश्वमुख पु०घोड़े कासा मुँहवाला
अश्वमेध पु० यज्ञविशेष
अश्ववार पु० सवार । घुड़चढ़ी ।
अश्वारि पु० भैंसा । महिष ।
अश्वारोह पु० सवार । घोड़ेपर चढ़नेवाला ।
अषाढ पु० असाढ़ापाढ़मासकानाम
अष्टधा प०अष्टप्रकार ।आठतरहसे
अष्टधातु पु० सोना चादी तांबा पीतल कांसो जस्ता कलीलोहा
अष्टमी स्त्री आठें एकतिथिकानाम
अष्टांग पु०योग विशेष०यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार ध्यान धारणा समाधि ।

असंख्य त्रि० जिसकी संख्या न हो। बेशुमार।
असभ्य खल। नीच। पामर।
असमञ्जस न० असंगत। जो युक्तियुक्त न हो।
असमय पु० दुष्काल। बेवक्त।
असमर्थ त्रि० दुर्बल। अशक्त। कमजोर।
असम्मत त्रि० अनभिमत। उलटा बरक्स। [अपभ्रंश
असाधु त्रि० असज्जन। दुरात्मा
असाध्य त्रि० जिस का उपाय न होसके। दुर्दम।
असाम्प्रतम् अ० अयुक्त। ना मुमकिन। बेमौका। [निःसार
असार पु० जिस में सार न हो।
असि पु० तलवार। खड्ग तरवार
असिधेनुका स्त्री० छुरिका। छुरी।
असु पु० प्राण। चित्त। दिल।
असुख न० दुःख। क्लेश। तकलीफ
असुर पु० सूर्य। रात्रि। दैत्य।
असूयक त्रि० गुणों में दोष लगाने वाला। चुगलखोर।
असूया स्त्री० निन्दा। बुराई।
अस्तम् अ० नाश। तबाह होना।
अस्तमन न० अस्त होना सूर्यादि का छिपना।
अस्ति अ० स्थिति, विद्यमानता, मौजूदगी
अस्तु अ० आज्ञा, ऐसाहो, थोड़ा
अस्त्यान न० भर्त्सन, मलामत मिराक्ष। [हथियार
अस्त्र न० फेकने योग्य बाण आदि
अस्थान न० नामुनासिब जगह।
अस्नाविर न० नाड़ीनसोंसे रहित
अस्मद् त्रि० हम, आत्मवाचीसर्वनाम
अस्मिता स्त्री० मोह मिथ्या ज्ञान।
अस्वतन्त्र त्रि० पराधीन, परवश।
अहंयु त्रि० अहङ्कारी, घमंडी।
अहङ्कार पु० अभिमान, गरूर।
अहम्मति स्त्री० अज्ञान, अविद्या, भ्रम। [दिनका मास
अहर्गण पु० दिनों का समूह ३०
अहर्दिव न० प्रतिदिन, रोजमर्रा।
अहर्मुख पु० दिन का प्रथम भाग, प्रत्यूष प्रातः।
अहस्कर पु० सूर्य, भानु। सूरज।
अहह अ० आश्चर्य, खेद, अति क्लेश।
अहार्य्य पु० जो चुराया न जासके

अहि पु० सांप, सर्प, सूय, मीन।
अहिंसा स्त्री० मन वाणी कर्म से किसीको दुःख न देना।
अहित पु० दुखद् अमकूल दुःख देने वाला।
अहिलता स्त्री० पानकी बेल।
अहीरणि पु० दो मुख वाला सांप
अहो अ० शोक करुणा धिक्कार विषाद, सम्बोधन [धकान।
अहोयत अ०शोक बोधक दया अम
अहोरात्र पु० रातदिन। अहर्निश
अह्नय अ० शीघ्र जल्दी।

(आ)

आकम्पित त्रि० कांपता हुआ।
आकर पु०खान धातु निकालनेका स्थान।
आकर्षिक पु० अयस्कान्त चुम्बक
आकलन न०इच्छा गिनती, सोचना
आकस्मिक त्रि०अचानक एकाएकी
आकांक्षा स्त्री०चाह,इच्छा,अभिलाष।
आकाय पु०निवास गृह।श्मशानाग्नि
आकार पु० मूर्त्ति मनका अभिप्राय स्वरूप।
आकारणा स्त्री० बुलाना, पुकारना
आकालिक त्रि०बिना समय,बेवक्त पैदा हुई चीज।
आकाश पु० गगन, आसमान।
आकाशवल्ली स्त्री० अमरबेल।
आकुञ्चन न०सकोड़ना,सकोच।
आकुल त्रि०व्याकुल,घबराया हुआ।
आकृति स्त्री० आकार, शकल।
आक्रन्द पु० ऊंचे स्वर से रोना चिल्लाना
आक्रम पु० पगसे दबाना। चढ़ाई करना। [स्थान
आक्रीड पु० खेलकी जगह क्रीड़ा
आक्रोश पु० निन्दा करना शाप। पुकारना।
आक्षीव पु०मत्त मतवाला,पागल
आक्षेप पु०कलङ्कलगाना तानादेना
आख पु० खनित्र, फावड़ा [खोदने वाला।
आखनिक पु० चोर, सुअर चूहा,
आखु पु० चूहा, चोर, सुअर।
आखेट पु० मृगया शिकार।
आखेटिक पु० शिकारी भयानक
आख्या स्त्री०संज्ञा नाम कहना।
आख्यात त्रि० कहागया, वर्णन-कियागया।
आख्यातृ त्रि०कहनेवाला अध्यापक

आख्यान न० इतिहास कथा कहानी
आख्यायिका स्त्री० कथा, कहानी
आगत त्रि० उपस्थित, हाजिर, आगया।
आगम पु० आना, शास्त्र।
आगस् न० अपराध,पाप चूक,भूल
आगार न० स्टेशन,पड़ाव, स्थान।
आघात पु० चोट, आहनन।
आघ्राण न० गन्धकाले।।,गन्धग्रहण सूंघना।
आचार पु० चालचलन व्यवहार।
आचार्य पु० शिक्षक, ज्ञानदाता, अध्यापक।
आच्छन्न त्रि० ढका हुआ, ढपला, हुआ।
आच्छादन न० वस्त्र, कपड़ा, पर्दा
आच्छिन्न न० कट हुआ। पलसे पड़ाहुआ।
आजि स्त्री० समरभूमि। लड़ाईकी जगह। [गुजर
आजीव पु० जीविका, निर्वाह,
आज्ञा स्त्री० निर्देश शासन, हुक्म
आज्य न० घृत, घी।
आञ्जनेय पु० हनुमान्।
आटविक त्रि० जङ्गली वनचर।
आटोप पु० अहङ्कार, वेग जोर।
आडम्बर पु० हर्ष। खुशी, अहङ्कार, वेग
आढक पु० न० अरहर,अन्नविशेष
आढ्य त्रि० पु० क, मिलाहुआ, मालदार
आतङ्क पु० रोग, सन्ताप। भय।
आतप पु० पीड़ा, गर्मी धूप।
आतपत्र न० छाता। छतरी
आतिथ्य न० अतिथि सेवा।
आतुर त्रि० रोगी,पीड़ित दुखिया
आत्मघोष पु० काक, कौवा,कुत्ता
आत्मज पु० पुत्र, बेटा, लड़का।
आत्मदर्श पु० दर्पण शीशा।
आत्मनीन त्रि० अपना पुत्र, स्वहितकारी
आत्मम्भरि पु० अपनाही पेट भरनेवाला पेटू
आत्मरक्षा स्त्री० अपना रक्षण। स्वपालन। अपना बचाव
आत्मार्थीन पु० अपने वश पुत्र।
आत्मसात् अ० अपने साथ अपने काबू में।
आत्मीय त्रि० स्वकीय। अपना।
आदर पु० मान, प्रतिष्ठा, इज्जत।
आदर्श पु० दर्पण, नमूना।

आदान न० लेना, ग्रहण।
आदि पु० प्रथम पहिले होना
आदित्य पु० सूर्य। सूरज। –
आदिपुरुष पु० ईश्वर,परमात्मा।
आदिम पु० पहिले हुआ। आदि
का आदम। [किया गया।
आदृत त्रि० पूजा गया। आदर—
आदेश पु० आज्ञा हुकम इत्तिला
आद्य त्रि० प्रथम हुआ। प्रथम
आद्यून त्रि० जिस सर्वदा खाने
का ही ध्यान रहे
आधमर्ण्य न० कर्जा। [आसरा।
आधार पु० अधिकरण आश्रय।
आधि पु० मनोव्यथा मनकी पीड़ा
आधिक्य न० बहुतायत ज़ियादती
आधिदैविक त्रि० अग्नि आदि से
उत्पन्न हुआ दुख। [पना।
आधिपत्य न० स्वामित्व मालिक
आधिभौतिक त्रि० व्याघ्र सर्पादिक
से उपजा दुःख। [मया
आधुनिक त्रि० इदानींतन अबका,
आधेय त्रि० एक वस्तु के ऊपर
दूसरी वस्तु जैसे चौकी पर
पुस्तक। [रोग।
आध्मान पु० पेटका फूलना। वायु

आध्यात्मिक त्रि० शोक मोह
ज्वरादिसे पैदा हुआ दुख।
आध्यान न० चिन्ता। शोच। फिक्र
आनक पु० युद्धका बाजा। मृदङ्ग।
आनत त्रि० झुका प्रणाम,विनययुक्त
आनन न० मुख। मुंह।
आनन्द पु० हर्ष। सुख। [illegible]।
आनन्दमय पु० जिससे प्रसन्नता
ही प्रसन्नता हो।
आनाय पु० जाल फांसा।
आनाह पु० [illegible]। कब्ज
आनुकूल्य न० अनुकूलता। मुआ-
फिक [अटकल से हुआ।
आनुमानिक त्रि० अनुमान से।
अनृत त्रि० जिसके मिथ्या कार्य
हों झूठा। झूठ।
आन्तर त्रि० बीच। बीच का
आन्दोलन न० बारम्बार झोलना हलाना
आन्धसिक पु० पाचक रसोइया
आन्वीक्षिकी स्त्री० तर्कविद्या। इल्म
मन्तक।
आपगा स्त्री० नदी। दरिया। [बाज़ार
आपण पु० दूकान,क्रयविक्रयव्यव-
आपणिक त्रि० दुकानदार,व्यापारी
आपात पु० गिरनेका समय। मार्ग

आपान न० जहां बहुत से शराबी मिलकर शराब पीते हैं।शराब पीने का स्थान। [थोड़ामोटा
आपीन न० ऊध। प्रेम। स्फीत।
आपृच्छा स्त्री० आलाप पूछना। बातचीत।
आप्तकाम त्रि० जिसने अपनी इच्छा पूरी करली हो।
आप्लव पु० स्नान, नहाना।
आविल त्रि०कलुष।काला।नासाफ़
आभरण न० भूषण।जेवर।गहना।
आभा स्त्री० चमक। शोभा।
आभाषण न० आलाप।बातचीत।
आभास प०प्रतीति। प्रतिबिम्ब
आभीक्ष्ण्य न० पौन पुन्य। बार बार होना।
आभीर पु० अहीर। ग्वाला।
आभीरपल्ली स्त्री०ग्वालों का घर।
आम त्रि०अपक्व। जो पका न हो अजीर्ण रोग। [बावत
आमन्त्रण न०बुलाना। निमन्त्रण
आमय पु०मारना।रोग।खौंचागया।
आमर्दन न०रगड़।छूना।बिचारना।
आमर्ष पु० क्रोध। गुस्सा।
आमलक पु० आमलावृक्ष।

आमाशय पु० नाभि और स्तनोंके बीचका भाग। अपाक भाग।
आमिष न० पु०मांस। उत्कोच।
आमोद पु० बहुतगन्ध।हर्ष।खुशी। सुन्दर। लास।
आम्नाय पु० वेद। आगम। निगम
आम्र पु०आमकापेड़।आमकाफल
आम्रेडित त्रि०बारबारकहा बचन।
आय पु० आमदनी।
आयत त्रि०लम्बा। तूल
आयतन न०आश्रम बैठक। विश्राम स्थान। [आसहद।
आयत्त त्रि० आधीन। वशीभूत।
आयाम पु० दैर्घ्य। लम्बाई
आयास पु० परिश्रम। मेहनत।
आयु पु० न० जीवनकाल। उम्र
आयुध न० अस्त्र हथियार। प्रहरण मात्र।
आयुर्वेद पु० चिकित्साशास्त्र, तिब
आयुष्य त्रि०आयु हितकारी पथ्य हितकारी।
आयोजन न० लगाना। जोड़ना। उद्योग मिहनत।
आयोधन न०युद्धभूमि,लड़ना युद्ध
आरट्टज पु० अरट्ट देशका घोड़ा।

आरब्ध त्रि० आरम्भ किया गया।
 शुरू किया गया
आरम्भ पु० शुरू। त्वरा। उद्यम
आरात् म० समीप, पास नजदीक
आराधन न० उपासना।पूजन।तोषण
आराम पु० उपवन। बाग
आरोग्य न० रोगका न होना।तन्दु
 रुस्ती।
आरोप पु० भीरमें और धर्मप्रतीत
 होना जैसे रस्सी में सांपका
 ज्ञान।
आरोह पु० चढ़ना। आरोहण
आर्जव पु० सरलता। सीधापन
आर्त त्रि० दुःखों पीड़ित।
आर्द्र त्रि० गीला। जलसिक्त।
आर्द्रक न० अदरक [शुद्ध
आर्य पु० सज्जन। साधु स्वामी
आर्यपुत्र पु० पति मालिक।
आर्यमिश्र त्रि० श्रेष्ठ मान्य
आर्यावर्त्त पु० पवित्रभूमिभारतवर्ष
आर्ष त्रि० ऋषियों से बनायाहुआ
 शास्त्र
आलभन न० स्पर्श छूना पाना
आलम्ब पु० आश्रय सहारा मदद
आलम्भ पु० सम्यक्प्राप्ति अच्छे
 प्रकार प्राप्त होना छूना
आलय पु० स्थान गृह घर खाना
आलवाल न० थाला क्यारा
आलस्य न० सुस्ती प्रमाद आलसी
आलाप पु० कथोपकथन सम्भा-
 षण बातचीत [भ्रमर।
आलि-ली स्त्री० सेतु पुल। सखी।
आलिङ्गन न० प्रीतिपूर्वक आपसमें
 मिलना। चिपटना। लिपटना
आलिम्पन न० मङ्गलार्थलेपन।
आवरण न० ढाल। पर्दा।
आवर्त्त पु० जलका घूमना। भ्रमर।
आवर्त्तन न० पिलोना। आलोड़न।
आवर्त्तित त्रि० लौटाया गया।
 अभ्यास किया गया।
आवश्यक त्रि० जरूरी।
आवसथ पु० निवासस्थान। गृह
आवास पु० निवासस्थान। घर
आवाहन न० बुलाना। पुकारना
आवृत्ति स्त्री० अभ्यास। बार २
 गुणना। लौटना
आवेश पु० अहङ्कार क्रोधागुस्सा।
आवेग पु० घबराहट। चिन्ता।शोक
आशंसु त्रि० इच्छुक। उम्मेदवार
आशङ्का स्त्री० त्रास। डर। संशय शक
आशय पु० अभिप्राय।मतलब आधार

आशा स्त्री० उम्मेद । दिशा । इच्छा
आशित त्रि० भुक्त । खाया हुआ
आशीर्वाद पु० आशीर्वचन । मङ्गल वचन । असीस [सूर्य ।
आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला । वायु
आशुतोष त्रि० शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
आश्रम पु० ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वान प्रस्थ, संन्यस्त
आश्रय पु० आसरा । सहारा । मदद
आश्रित त्रि० शरणागत, शरणमेंपड़ा
आश्वास पु० आश्रयदान तसल्ली
आषाढ पु० असाढ़ एक मासकानाम
आसन न० उपवेशन । बैठना
आसन्न न० समीप पास नजदीक
आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका मानने वाला ।
आस्तीर्ण त्रि० फैलाहुआ । विस्तृत
आस्था स्त्री० आशा । उम्मेद
आस्पद न० प्रतिष्ठा । इज्जत
आस्य न० मुख । आनन
आस्वाद पु० स्वाद । रस सुवाद।
आहव न० युद्ध । संग्राम
आहार पु० भोजन । खाना । [इप
आहोस्वित् अ० अथवा । प्रश्न विक-
आह्निक त्रि० दैनिक, रोजाना, रोजी
आह्लाद पु० प्रसन्नता हर्ष खुशी
आह्वान न० बुलाना । आकरण ।

(इ)

इक्षु पु० गन्ना, मीठे रसवाला पौधा
इक्षुसार पु० गुड़ गन्नेका रस ।
इक्ष्वाकु पु० सूर्यवंशी प्रथमराजा
इङ्गित न० मर्माभिप्राय, आशय, सूरत
इच्छा स्त्री० अभिलाष । चाह
इज्या स्त्री० यज्ञ । दान । मिलाप
इतर त्रि० अन्य, और, भिन्न, नीच
इतरेतर त्रि० अन्योन्य । परस्पर । [आपस में
इतस् अ० यहांसे इधरसे । यहा
इतस्ततः अ० इधर उधर
इति अ० निदर्शन प्रकार, । समाप्ति
इतिहास पु० पुरावृत्त तवारीख
इत्थम् अ० इसप्रकार । इसतरह
इदम् अ० यह
इदानीम् अ० इससमय । इसवक्त,
इद्ध न० दीप्त । प्रकाश । रोशन
इध्म न० काष्ठ लकड़ी
इन पु० सूर्य । स्वामी । मालिक
इन्दु पु० चन्द्र । चांद
इन्दुमती स्त्री० अजराजाकी स्त्री ।
इन्द्र पु० सूर्य । परमात्मा

इन्द्रजाल न० कपटमाया।बाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि० छलिया मदारी
इन्द्रप्रस्थ न० देहलीनगर
इन्द्रिय न० श्रोत्र, त्वचा, चक्षु जिह्वा।
नासिका, हस्त, पाद, पायु,
उपस्थ, वाक् मन। ध्यास
इन्द्रियार्थ पु० इन्द्रियों का विषय।
शब्दादि।
इन्धन न० काष्ठ, लकड़ी
इयत्ता स्त्री० सीमा। हद परिमाण
इरा स्त्री० भूमि।पृथ्वी। जमीन
इषु पु तीर बाण [दो।मूण
इषुधि पु० जहां बाण रक्खा जाता
इष्टका स्त्री० ईंट
इष्टि स्त्री० यज्ञ। क्रतु। होम
इह अ० इस समय। यहां

(ई)

ईक्षण न० दर्शन। देखना
ईदृश त्रि० ऐसा। इस तरह का
ईप्सित त्रि० चाहागया। इष्ट
ईर्म न० व्रण। फोड़ा। जख्म
ईर्ष्या स्त्री० वैर हसद [परमेश्वर
ईश्वर पु० जन्मादि से रहित।
ईश पु० स्वामी। परमात्मा
ईषत् अ० अल्प। थोड़ा। कुछ
ईषद्गर्भ पु० कुछगर्म
ईहा स्त्री० चेष्टा।वाञ्छा चाह
ईहित त्रि० चाहागया

(उ)

उक्त त्रि० कथित। कहागया
उक्ति स्त्री० कथन। कहना
उग्रसेन पु० कंसका पिता
उचित त्रि० यथार्थ। मुनासिब।ठीक
उच्च त्रि० उन्नत। ऊंचा
उच्चतरु पु० नारियलका पेड़
उच्चाटन न० उत्पाटन।उखाड़ना
उच्चार पु० उच्चारण। कहना मल।
विष्ठा गू।
उच्चावच त्रि० तरह२केअनेकप्रकारके
उच्छित्ति स्त्री० उच्छेद।नाश तबाह
उच्छिष्ट त्रि० खानेसेबचरहा।झूठा
उच्छीर्षक न तकिया उपधान
उच्छून त्रि० स्फीत। फूला हुआ
उच्छेद पु० छेदन तोड़ना विनाश
तबाह
उज्जयिनी स्त्री० अवन्तीपुरी उज्जैन
उज्ज्वल त्रि० दीप्त चमकताहुआ
उञ्छन पु० कण कणा।गिरेहुए अन्न
को बटोरना।
उड्डीन न० उड़ना। उड़जाना।

आशा स्त्री० उम्मेद । दिशा । इच्छा
आशित त्रि० भुक्त । खाया हुआ
आशीर्वाद पु० आशीर्वचन । मङ्गल वचन । असीस [सूर्य ।
आशुग पु० शीघ्रचलनेवाला । वायु
आशुतोष त्रि० शीघ्रप्रसन्न होनेवाला
आश्रम पु० ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ संन्यस्त
आश्रय पु० आसरा । सहारा । मदद
आश्रित त्रि० शरणागत शरणमेंपड़ा
आश्वास पु० आश्रयवान तसल्ली
आषाढ़ पु० असाढ़ एक मासकानाम
आसन न० उपवेशन । बैठना
आसन्न न० समीप पास, नजदीक
आस्तिक त्रि० ईश्वर और वेदका माननेवाला ।
आस्तीर्ण त्रि० फैलाहुआ । विस्तृत
आस्था स्त्री० आशा । उम्मेद
आस्पद न० प्रतिष्ठा । इज्जत
आस्य न० मुख । आनन
आस्वाद पु० स्वाद । रस सुमाद।
आहव न० युद्ध । संग्राम
आहार पु० भोजन । खाना । [वा
आहोस्वित् अ० अथवा । प्रश्न विकआह्निक त्रि० दैनिक, रोजाना, वैली
आह्लाद पु० प्रसन्नता हर्ष खुशी
आह्वान न० बुलाना । आकरण ।

(इ)

इक्षु पु० गन्ना मीठे रसवाला पौंड़ा
इक्षुसार पु० गुड़ गन्नेका रस ।
इक्ष्वाकु पु० सूर्यवंशी प्रथमराजा
इङ्गित न० मनोभिप्राय आशय सूरत
इच्छा स्त्री० अभिलाष । चाह
इज्या स्त्री० यज्ञ । दान । मिलाप
इतर त्रि० अन्य, और भिन्न, नीच
इतरेतर त्रि० अन्योन्य । परस्पर । [आपस में
इतस् अ० यहांसे इधरसे । यहां
इतस्ततः अ० इधर उधर
इति अ० निदर्शन प्रकार । समाप्ति
इतिहास पु० पुरावृत्त तवारीख
इत्थम् अ० इसप्रकार । इसतरह
इदम् अ० यह
इदानीम् अ० इससमय इसवक्त
इद्ध न० धूप । प्रकाश । रोशन
इध्म न० काष्ठ लकड़ी
इन पु० सूर्य । स्वामी । मालिक
इन्दु पु० चन्द्र । चांद
इन्दुमती स्त्री० अजराजाकी स्त्री ।
इन्द्र पु० सूर्य । परमात्मा

इन्द्रजाल न० कपटमाया।बाजीगरी
इन्द्रजालिक त्रि०छलिया मदारी
इन्द्रप्रस्थ न० देहलीनगर
इन्द्रिय न०श्रोत्र, त्वचा,चक्षु जिह्वा।
नासिका, हस्त, पाद, पायु
उपस्थ, वाक मन । हवास
इन्द्रियार्थ पु०इन्द्रियों का विषय।
शब्दादि ।
इन्धन न० काष्ठ, लकड़ी
इयत्ता स्त्री०सीमा। हद परिमाण
इला स्त्री०भूमि।पृथ्वी । जमीन
इषु पु० तीर, बाण [हो।सूण
इषुधि पु०जहां बाण रक्खा जाता
इष्टका स्त्री० ईंट
इष्टि स्त्री० यज्ञ । क्रतु । होम
इह अ० इस समय । यहां

(ई)

ईक्षण न० दर्शन । देखना
ईदृश त्रि० ऐसा । इस तरह का
ईप्सित त्रि० चाहागया । इष्ट
ईर्म न० व्रण । फोड़ा । जख्म
ईर्ष्या स्त्री० वैर हसद [परमेश्वर
ईश्वर पु० जन्मादि से रहित ।
ईश पु० स्वामी । परमात्मा
ईषत् अ० अल्प । थोड़ा । कुछ
ईषदुष्ण पु० कुछगर्म
ईहा स्त्री० चेष्टा ।वाञ्छा चाह
ईहित त्रि० चाहागया

(उ)

उक्त त्रि० कथित । कहागया
उक्ति स्त्री० कथन । कहना
उग्रसेन पु० कंसका पिता
उचित त्रि०यथार्थ।मुनासिब।ठीक
उच्च त्रि० उन्नत । ऊँचा
उच्चतरु पु० नारियलका पेड़
उच्चाटन न० उत्पाटन।उखाड़ना
उच्चार पु० उच्चारण । कहना मल।
विष्ठा गू।
उच्चावच त्रि०तरह२केअनेकप्रकारके
उच्छित्ति स्त्री०उच्छेद।नाश तबाह
उच्छिष्ट त्रि०खानेसेबचरहा।झूठा
उच्छीर्षक न० तकिया । उपधान
उच्छून त्रि०स्फीत। फूला सूजा
उच्छेद पु०छेदन तोड़ना विनाश
तबाह
उज्जयिनी स्त्री०अवन्तीपुरी उज्जैन
उज्ज्वल त्रि० दीप्त चमकताहुआ
उञ्छन पु०कण चुना।गिरेहुए अन्न
को बटोरना।
उड्डीन न० उड़ना । पक्षचलना।

उपज्ञा स्त्री० उपदेश किये बिना समझलेना । प्रथमज्ञान
उपढौकन न० भेंट । उपहार । पायन
उपत्यका स्त्री० पर्वत के ऊपरकी भूमि
उपदंश पु० लिंगरोग सूजाक गर्मी
उपदर्शक पु० द्वारपाल । दरबान
उपदा स्त्री० भेंट । रिशवत । उपढौकन
उपदेश पु० शिक्षा नसीहत तालीम
उपद्रव पु० उत्पात मुसीबत जुल्म
उपधा स्त्री० छल । कपट । फरेब
उपधान न० तकिया । शिरोधान
उपधि पु० छल । कपट । छद्म [प्राप्त
उपनत त्रि० उपस्थित । हाजिर ।
उपनय पु० उपनयन यज्ञोपवीत न्यायका एकअवयव ।
उपनयन न० यज्ञोपवीत । जनेऊ ।
उपनाह पु० मर्दम । मरहम ।
उपनिधि पु० न्यास । अमानत
उपनिषद् स्त्री० वेदान्त । ब्रह्मविद्या की पुस्तक
उपनेत्र न० चश्मा । ऐनक । नेत्र
उपन्यास पु० बयानरखना । अमानत ।
उपपति पु० जार । गौणपति । अन्यपति [युक्ति दलील
उपपत्ति स्त्री० सिद्धि । संगति ।
उपपन्न त्रि० युक्तियुक्त । मुनासिब
उपमा स्त्री० समानता । बराबरी
उपमान न० जिससे समानता दीजाय जैसे "चांदके समान मुख"
उपयमन पु० विवाह शादीब्याह
उपयुक्त त्रि० न्याय । ठीक २
उपयोग पु० लगाना । इस्तेमाल
उपरत त्रि० हटाहुआ । निवृत्त । मृत मराहुआ [हटना
उपरति स्त्री० उदासीनता विरति
उपराम पु० निवृत्ति । हटना आराम ।
उपल पु० पत्थर । रत्न । [ज्ञान
उपलब्धि स्त्री० प्राप्ति । हासिल ।
उपवन न० उद्यान । बाग । बना-घटी बन
उपवास पु० भोजन न करना ।
उपास [हाजिर
उपस्थित त्रि० समीपस्थित ।
उपस्पर्श पु० स्पर्श । छूना नहाना
उपहार पु० भेंट । नजर । उपदा
उपांशु अ० छिपाहुआ । अप्रकाश

उपाख्यान न० प्राचीन समाचार
उपागम पु० स्वीकार। मानलेना
उपाधि पु० पदवी। छल। नाम
उपाध्याय पु० अध्यापक मास्टर उस्ताद
उपानह् स्त्री० जूता। जूती।
उपान्त पु० निकट। नजदीक।
उपाय पु० साधन। उपगम। हासिल [इमाम
उपायन न० उपहार। पुरस्कार
उपालम्भ पु० निन्दा। उलाहना।
उपासक त्रि० उपासना करनेवाला सेवक।
उपासन न०शराभ्यासशुश्रूषासेवा
उपेक्षा स्त्री० त्याग। छोड़ना। बेपर्वाही
उप्त त्रि० बोयाहुआ धान्य।
उभयत्र अ० दोनोंस्थान दोनोंजगह
उभयथा अ० दोनोंप्रकार। दोनोंतरह
उरग पु० सर्प। सांप। अहि
उररी अ० स्वीकार। मंजूर
उरश्छद पु० कवच। सनाह बख्तर
उरस् न० वक्षस्थल। छाती सीना
उररीकृत त्रि० स्वीकृत। मंजूर
उर्वरा स्त्री० उपजाऊ भूमि। जरखेज़
उर्वी स्त्री० भूमि। जमीन।
उलूखल न० ऊखरी। उखली
उल्का स्त्री० आकाशसे गिरा हुआ तेजका समूह [हुई लकड़ी
उल्मुक न० अंगारा। लुकटा। जलती
उल्लास पु० प्रकाश। चमक। हर्ष
उल्लेख पु० लिखना। उच्चारण। बोलना
उल्लोच पु० चन्द्रातप। चांदनी।
उल्लोल पु० महातरङ्ग। बड़ीलहर
उल्ब न० जरायु। गर्भको ढाकने वाला चमड़ा। गठा।
उल्बण त्रि० स्पष्ट। साफ। व्यक्त
उशनस् पु० शुक्र।
उशीर न० वीरणमूल। खसखस
उष पु० दिन। गुग्गल। रात्रिशेष
उषस् न० प्रत्यूष। अहर्मुख सुबह
उषा स्त्री० प्रभात। प्रातः। सुबह
उषित त्रि० वासी। पर्युषित। जला हुआ
उष्ट्र पु० क्रमेल। ऊँट।
उष्णांशु पु० सूर्य। सूरज।
उष्णागम पु० निदाघकालगर्मीका समय।
उष्णीष पु० साफा। पगड़ी मुकुट

उपज्ञा स्त्री० उपदेश किये बिना समझलेना । प्रथमज्ञान
उपढौकन न० भेंट । उपहार । पायन
उपत्यका स्त्री० पर्वत के ऊपरकी भूमि
उपदंश पु० लिंगरोग सुजाक गर्मी
उपदर्शक पु० द्वारपाल । दरबान
उपदा स्त्री० भेंट । रिशवत । उपढौकन
उपदेश पु० शिक्षा नसीहत तालीम
उपद्रव पु० उत्पात । मुसीबत । जुल्म
उपधा स्त्री० छल । कपट । फरेब
उपधान न० तकिया । शिरोधान
उपधि पु० छल । कपट । छद्म [प्राप्त
उपनत त्रि० उपस्थित । हाज़िर ।
उपनय पु० उपनयन यज्ञोपवीत न्यायका एक अवयव ।
उपनयन न० यज्ञोपवीत । जनेऊ ।
उपनाह पु० मर्हम, मल्हम ।
उपनिधि पु० न्यास । अमानत
उपनिषद् स्त्री० वेदान्त । ब्रह्मविद्या की पुस्तक
उपनेत्र न० चश्मा । ऐनक । नेत्र
उपन्यास पु० वचनरचना । अमानत ।

उपपति पु० जार । गौणपति । अन्यपति [युक्ति दलील
उपपत्ति स्त्री० सिद्धि । संगति ।
उपपन्न त्रि० युक्तियुक्त । मुनासिब
उपमा स्त्री० समानता । बराबरी
उपमान न० जिससे समानता दी जाय जैसे "चांदके समान मुख"
उपयमन पु० विवाह । शादी ब्याह
उपयुक्त त्रि० न्याय । ठीक २
उपयोग पु० लगाना । इस्तेमाल
उपरत त्रि० हटाहुआ । निवृत्त । मृत । मराहुआ [हटना
उपरति स्त्री० उदासीनता । विरति
उपराम पु० निवृत्ति । हटना आराम ।
उपल पु० पत्थर । रत्न । [ज्ञान
उपलब्धि स्त्री० प्राप्ति । हासिल ।
उपवन न० उद्यान । बाग । बना-वटी बन
उपवास पु० भोजन न करना । उपास [हाज़िर
उपस्थित त्रि० समीपस्थित ।
उपस्पर्श पु० स्पर्श । छूना नहाना
उपहार पु० भेंट । नज़र । उपदा
उपांशु अ० छिपाहुआ । अप्रकाश

कणडू स्त्री० खुजली खाज
कतम त्रि० बहुतों में से कौन एक
कतर त्रि० दो में से कौनसा
कति त्रि० कितने कियत्परिमाण
कतिपय त्रि० कुछ कितने एक
कथङ्कारम् अ० किस रीतिसेकिस तरह
कथञ्चन अ० किसी तरह कैसे
कथञ्चित् अ० किसी न किसी प्रकार से
कथम् अ० किस तरह कैसे [से
कथमपि अ०बड़ी कोशिशसे आदर
कथा स्त्री० कथन कहना कहानी
कदली स्त्री० केला । रम्भा
कदा अ० किस समय । किसवक्त
कदाचन अ०किसी नकिसीसमय
कदापि अ०कभी भी किसी समयमें
कनक न० स्वर्ण । सोना ।
कनकाह्वर पु० धतूरा ।
कनकरस पु० हरताल ।
कनिष्ठ त्रि० छोटा । लघु
कनीनिका स्त्री० आंखकी पुतली
कनीयस् त्रि० छोटा । लघु भाई
कन्था स्त्री० गुदड़ी । कथड़ी
कन्द पु० वृक्षमात्र की जड़
कन्दरा स्त्री०गुहा गुफा । गह्वर ।

कन्दर्प पु० कामदेव
कन्दुक पु० गेंद चौगान
कन्यास्त्री०अनूढाकुमारीविवस्त्रयार्थ
कपट न० पु०छल फरेब धोखा
कपाट स्त्री० पु० किवाड़ कपाटी
कपालिका स्त्री०छोटाखप्परठीकरा
कपि पु० लालचन्दनबन्दर धूमर
कपिलोह न० पीतल पित्तल
कपूय त्रि० नीच कमीना अवशकष्ठ
कपोत पु० पारावत कबूतर
कपोल पु० गाल गण्ड
कफ पु० शरीरका धातु बलगम
कफणि पु० स्त्री० कुहनी
कमठ पु०कच्छप कछुआ कमण्डलु
कमनीय त्रि०कामनायोग्य मनोहर सुन्दर
कमल न० पद्म कमल [लक्ष्मी
कमला स्त्री० सुन्दर स्त्री पदमिनी
कम्प पु० वेपथु कांपना
कम्बल पु०ऊननिर्मितवस्त्र कमरी
कम्बु पु० न० शंख गज हाथी
कम्बोज पु० काबुलदेश
कम्र त्रि० कामुक सुन्दर मनोहर
कर पु० हाथ हस्त किरण
करकाञ्चल न० वरफ
करग्रह पु० विवाह शादी ।

औष्ठ्य पु० वे अक्षर जिन का उच्चारण ओठसे होता है।

(औ)

औचित्य न० उचित। योग्यता। लायकी। [चाह

औत्कण्ठ्य न०महतीच्छा। बड़ी

औत्सुक्य न० उत्कण्ठा बड़ी इच्छा

औदरिक त्रि० केवल पेट भरने में लगाहुआ। पेटू [फैयाजी।

औदार्य न० उदारता। महत्त्व।

औदासीन्य न० उदासीनता। किनारेकशी। [जुल्म

औद्धत्य न०अविनीतता मगरूरी

औलूक न० उल्लुओंका समूह।

औषध न० भेषज। दवा।

औष्ण्य न०सन्ताप। धूप। गर्मी।

औष्ण्य न० धूप। सन्तापगर्मी।

(क)

कंस पु०उग्रसेनकापुत्र,श्रीकृष्णका मामा

कंसकार पु० कसेरा।

ककुद् पु० न० बैल की पीठ का उठा हुआ मास। ठाठ

ककुभ् स्त्री० दिशा। सिम्त साइड

कक्ष पु० काख। बगल। सूखातृण

कङ्कण न० कंगन हाथका जेवर।

कङ्कतिका स्त्री० कंघी। प्रसाधनी।

कङ्कती स्त्री० कंघी केशशोधनी

कङ्गु पु० कगनी। अन्नभेद।

कच्चर त्रि० मलिन। मैला। छाछ

कच्छप पु०कूर्म। कछुआ। [चोली

कञ्चुक पु० लोहेका वर्म चोला।

कटाक्ष पु०तिरछी नजर। तिरछ

कटाह पु० भैंसका बच्चा कड़ा

कटि-टी स्त्री० कमर

कटित्र न०फाछनी लगड़ी करधनी

कटिल्ल पु० करेला कारवेल्ल

कटु न० कडुआ रसभेद

कटुकन्द पु०माहजना अदरक लशुन

कटुत्रय न० सोंठ पीपल मिर्च

कठिन त्रि० क्रूर कठोर बेरहम सख्त

कठिनी स्त्री० चाकमिट्टी खड़िया

कठोर त्रि० कठिन सख्त

कडङ्गर न भुस भूसा पु भाल

कणिक पु० कणिक मैदा गेहू का बारीक आटा

कण्टक पु० कांटा क्षुद्र शत्रु

कण्टकाशन पु० उष्ट्र ऊंट

कण्ठ पु० गला गर्दन मार

कण्ठिका स्त्री कंठी गलेका भूषण

कण्ठीरव पु० सिंह कबूतर

कर्मन् न० जिसको कर्ता करताहै। द्वितीय कारक। [का नतीजा।
कर्मफल न० काम का फल। फल
कर्मव्यतिहार पु० काम का बदला एक दूसरे का काम करना।
कर्मशूर पु० काम करने में बहादुर
कर्मसिद्धि स्त्री० काम का फल
कर्माध्यक्ष पु० कामको देखनेवाला
कर्मिष्ठ त्रि० बहुत काम करने वाला कार्यदक्ष।
कर्मेन्द्रिय न० हाथ। पांव। पायु। उपस्थ। वाक्। [कर्ण रङ्ग
कर्बुर पु० राक्षस। पाप। नानावर्ण।
कर्षक पु० कृषीवल। किसान
कर्षिणी स्त्री० बागडोर लगाम
कर्हि अ० कब। किस समय
कर्हिचित् अ० किसी समय। कभी
कल पु० मीठी और धीमी आवाज़
कलकण्ठ पु० कोइल कोकिला।
कलकल पु० कोलाहल शोला
कलङ्क पु० अपयश। अपवाद। पेट्रुअली। [नितम्ब
कलत्र न० स्वपत्नी अपनी भार्या
कलधौत न० सोना। चांदी।
कलध्वनि पु० कोइल। मोर। कबूतर

कलभ पु० पांच वर्षका हाथी का बच्चा
कलम पु० लेखनी और अन्नभेद
कलम्ब पु० नाली का शाक। शर। तीर
कलरव पु० मीठी आवाज़ वाला। कोइल। कबूतर मीठा और धीमा शब्द
कलल पु० न० जरायु। गर्भ के ढाकने का चमड़ा
कलश पु० घट। घड़ा। गागर
कलह पु० विवाद झगड़ा। लड़ाई मिथ्या [नौका। कपट
कला स्त्री० भाग। अंश। सूत्र।
कलाद पु० स्वर्णकार। सुनार।
कलानिधि पु० चन्द्र चन्द्रमा और
कल्प पु० ब्रह्माका दिन प्रलय वेदाङ्ग
कल्पक पु० नापित। नाई
कल्पना स्त्री० रचना। भेद। फर्ज़
कल्पान्त पु० प्रलय। नाश
कल्मष पु० पाप। मैला। पापी।
कल्माष पु० रंगबिरंगी। काला पीला रङ्ग।
कल्ला त्रि० बधिर। बहिरा। बोरा
कल्लोल पु० महातरङ्ग बड़ीलहर हर्ष
कवच पु० वर्म। कवच।

करणी न० हेतुकारकभेद साधन
करपत्र न० छुरा तलवार पिटारी
करतल न० हाथकी ताली हाथ[ताल
करताली स्त्री० करतलध्वनि सह०
करपल्लव पु० हाथकी अंगुली
करपाल पु० तलवार लाठी सोंटा
करभ पु० हाथीकाबच्चा ऊँटकाबच्चा
करमर्दन पु० हाथका मलना
करवाल पु० तलवार तरवार
करशाखा स्त्री० हाथकी अंगुली
कराल त्रि० विकट भयानक
करिणी स्त्री० हथिनी।
करिन पु० हस्ती हाथी
करीर पु० करीलवृक्ष घड़ा
करीष पु० न० सूखागोबर करस
करुणा स्त्री० दया कृपा मेहरबानी
करुणामय त्रि० बहुत दयालु बहुत रहीम
करेणु पु० गज हाथी हथिनी
कर्कट पु० कुलीरएक केकड़ा जल जन्तुभेद
कर्कन्धु स्त्री० बदरीफल बेर
कर्कश पु० कठोर।साहसीकूर बेरहम
कर्चूर पु० कचूर हरिताल
कर्ण पु० कानकुन्तीपुत्रअभिभुजक्षेत्र
कर्णकीटी स्त्री० कनसजुरो

कर्णगूथ न० कर्णमल कानकामैल
कर्णधार पु० मांझिक मल्लाह।
कर्णपाली स्त्री० कानकाभूषण व
कर्णपूर पु० कानकाभूषणकरनफू
कर्णवेध पु० कानोंका छेदन
कर्णजप पु० पिशुन। चुगलखोर
कर्तन न० छेदन। काटना। कात
कर्तरी स्त्री० कटारी। कैंची, चरखी।
कर्तव्य त्रि० करने योग्य काम
कर्तृ त्रि० करनेवाला। अन्य क प्रेरक।
कर्दम पु० कीचड़। पङ्क। पाप।
कर्पट पु० न० चीथड़ा। पुराना कपड़ा रूमाल।
कर्पर पु० कपाल, खप्पर कोपर
कर्पास पु० कपास। वस्त्रयोनि
कर्मकर पु० नौकर भृत्य चाकर
कर्मकाण्ड पु० नित्यकृत्य।धर्मकर्म
कर्मकार पु० लुहार,कुम्हार,बेगारी
कर्मक्षेत्र न० कामकरनेयोग्यस्थान
कर्मठ त्रि० कार्य करनेमें चतुर। कार्यकुशल [कार्यदक्ष चेतन
कर्मण्य त्रि० कार्य में योग्य।
कर्मधारय पु० एकसमासका नाम यथा "नीलोत्पलम्"

कामदुघा स्त्री॰ कामनाओंको पूरी करने वाली [पूप। हाँ

कामम् अ॰ अनुमति। दया। पर्याप्त।

कामुक पु॰ कामी। चटक

काम्य न॰ अभिलषणीय कार्य। चाहा हुआ काम।

काय पु॰ देह। शरीर। जिस्म

कायस्थ पु॰ शरीरमें ठहरा हुआ ईश्वर जाति भेद।

कायिक त्रि॰ शारीरिक। दैहिक। जिस्मानी।

कारण न॰ हेतु। जिसके विना कार्य न होसके। सबब।

कारा स्त्री॰ जेलखाना। कैदखाना

कारागार न॰ बन्धनालय। जेल खाना।

कारु त्रि॰ शिल्पी। कारीगर।

कारुणिक त्रि॰ दयालु। मेहरबान

कारुण्य न॰ दया। मेहरबानी।

कार्त्तिक पु॰ एकमहीने का नाम। कातिक।

कार्पण्य न॰ कृपणता। सूमपन।

कार्य्य न॰ काम। प्रयोजन। हेतु।

कार्श्य न॰ दुबलापन। कमज़ोरी।

काल पु॰ समय। वेला। वक्त।

कालकूट न॰ विष। ज़हर।

कालधर्म पु॰ मृत्यु। मौत।

कालिन्दी स्त्री॰ यमुना। जमुनानदी

काल्पनिक त्रि॰ कल्पित बनावटी

काव्य न॰ कविका काम। शायरी

काश पु॰ रोगभेद। खांसी। तृणभेद। कास।

काशी स्त्री॰ एक नगरी वाराणसी बनारस।

काष्ठ न॰ इन्धन। दारु। लकड़ी।

काष्ठकीट पु॰ घुन। काठका कीड़ा

काष्ठा स्त्री॰ दिशा। पर्यवसान हद्

कास पु॰ रोग भेद। खांसी।

कासमर्दी स्त्री॰ कण्टकारी। कटरी

कासार पु॰ सरोवर। तालाब।

किंवदन्ति स्त्री॰ जनश्रुति। जनकथा। कहावत।

किङ्कर त्रि॰ भृत्य। नौकर चाकर

किञ्च अ॰ आरम्भ। समुच्चय कुछ और।

किट्ट न॰ मल। कीट।

कितव पु॰ जुआरी। नीच। धूर्त।

किन्तु अ॰ परन्तु। लेकिन।

किन्नर पु॰ गवैया।

किम् अ॰ प्रश्न निषेध। क्या वितर्क

कषर पु० म० अम्ल। खट्टा।तुरशा। लवण।
कवर्ग पु० क ख ग घ ङ।
कवल पु० ग्रास। गस्सा।लुकमा
कपाट न० किवाड़
कवि पु० कविताकरनेवाला शायर
कविका स्त्री० खलीन। लगाम
कवोष्ण न० कुछगर्म
कशा स्त्री० कोड़ा। चाबुक।हंटर
कश्मल न० मूर्छा।मोह।पाप।मैल
कश्मीर पु० एक देशका नाम
कषाय पु० राग। क्रोध। रसभेद। कषाय काढ़ा।
कष्ट न० पीड़ा।व्यथा।दर्दातकलीफ
कस्तीर पु० म० राग एक धातु
कांस्य न० कांसा। फूल
काक पु० कौआ। काकपक्षी
काकली स्त्री० मधुर शब्द। मीठो भाषा [२० कौड़ी।
काकिणी स्त्री०पैसेकाचौथाभाग।
काकी स्त्री०कौएकीस्त्री। वायसी
काकुद म० तालु। तलुआ
काङ्क्षा स्त्री० इच्छा। चाह
काच पु० काच। एक धातु
काचलवण म०शोरा। कालानिमक
काञ्चन पु० सोना। नागकेसर
काञ्चनालपु०कोविदार। कचनार
काञ्ची स्त्री० तगड़ी एक नगर
काण पु०काना। काक। कौवा
काण्ड पु०म०स्तम्भ गुच्छा।डाली निर्जन स्थान [करेला
कारवीर पु० तीरवाज। मर्जीव
कातर त्रि० अधीर। व्याकुल। भीत विवश
कादम्बिक त्रि०कमीरहोनेवाला
कानन म० वन। घर
कानीन पु०बिनाव्याहीकासन्तान कर्ण। व्यास। ईसा।
कान्त पु० सूर्यकान्तमणि।मनोहर
कान्तार पु०जंगल।उपद्रव। बड़ा वन कठिनमार्ग
कान्ति पु० शोभा। दीप्ति।चमक
कान्दविक त्रि०हलवाई। मिष्टकार
कापटिक त्रि०कपटसे काम करने वाला
कापथ पु० कुमार्ग। बुरारास्ता
कापुरुष पु० निन्दित पुरुष बुरा आदमी
काम म०शुक्र। वीर्य।विषयेच्छा
कामचार पु०स्वेच्छानुकूलकरना जैसा चाहे वैसा करना।

कौक्कुटिक पु० पाखंडी । दम्भी
कौतुक न० इच्छा तमाशा
कौतूहल न० कौतुक । तमाशा
कौपीन न० लङ्गोट । लङ्गोटी पाप
कौमुदी स्त्री० चांदनी ।
कौशल्या स्त्री० रामकी माता
कौशिक पु० विश्वामित्र । उल्लू । मज्जाकी
कौशेय त्रि० रेशमी वस्त्र ।
क्रतु पु० यज्ञ । संकल्प । इन्द्रिय ।
क्रन्दन न० रोना । आंसू बहाना
क्रम पु० नियम सिलसिला, पांव रखना
क्रमुक पु० सुपारी ।
क्रमेल पु० ऊंट । ऊँठ
क्रय पु० मोल लेना । खरीदना
क्रयिक पु० खरीदार । व्यापारी ।
क्रय्य त्रि० खरीदनेके योग्य वस्तु
क्रव्य न० कच्चमांस । आममांस
क्रान्ति स्त्री० आक्रमण । चढ़ाई चलाना
क्रिमि पु० कृमि । कीड़ा । मकौड़ा
क्रिया स्त्री० कार्य करना कर्म
क्रियाफल कार्यफल कामका नतीजा
क्रीडन न० विलास, मखौल खेलना
क्रीत त्रि० खरीदा हुआ मोल लिया हुआ
क्रूर त्रि० कठिन, सख्त, निर्दयबेरहम
क्रेय त्रि० खरीदने योग्य वस्तु
क्रोड पु० न० अङ्क, गोद, इकट्ठा होना
क्रोध पु० कोप, गुस्सा, बुराई
क्रोधन पु० कोपन, गुस्सेबाज
क्रोश पु० रोना बुलाना, कोसभर
क्रोष्टु पु० जम्बुक, स्यार । गीदड़
क्लान्त त्रि० श्रमित, मेहनतसे दुखी
क्लिन्न त्रि० आर्द्र, गीला, भीगा
क्लीब पु० नपुंसक, बलहीन हीजड़ा
क्लेद पु० गीलापन तकलीफ
क्लेश पु० दुःख, रोग, अविद्या
क्वाथ पु० काढ़ा । मोटी छानीदवाई
क्षण पु० उत्सव, मेला, लहजा थोड़ा वक्त
क्षत न० घाव जख्म
क्षतघ्न पु० हिंसा से बचानेवाला
क्षत्रिय पु० राजन्य राजपूत, पालक
क्षपा स्त्री० निशा, रात्रि, रात
क्षपाकर पु० चन्द्रमा, चांद
क्षपाट पु० राक्षस, निशाचर दुश्मन
क्षमता स्त्री० योग्यता, लायकी । शक्ति

कृतश्रम त्रि० जिसने मेहनत की हो
कृतविद्य त्रि० जिसने विद्या मे अभ्यास किया हो।
कृताञ्जली त्रि० हाथ जोड़े हुए।
कृतार्थ जिसने काम करलियाहो। कृतकार्य।
कृत्य न० कार्य। काम।
कृत्रिम त्रि० बनावटी। मुतयन्ना
कृत्स्न न० सारा। पानी। कोख।
कृन्तन न० काटना। छेदन।
कृपण पु० मूर्ख। कमीना। सूम दीन
कृपाण पु० तलवार। छुरी। कैंची
कृपालु पु० दयालु। मेहरबान।
कृपीट न० जल, पेट
कृमि पु० कीट। कीड़ा।
कृश त्रि० थोड़ा। दुबला। महीन।
कृशानु पु० अग्नि। आग।
कृषक पु० किसान समय। खींचने वाला। [वैश्यकर्म
कृषि स्त्री० खेती। काश्तकारी।
कृषिबल पु० किसान काश्तकार।
कृष्णपक्ष अन्धेरा पाख।
कृष्णिका स्त्री० राई। राजसर्षप।
केतन न० घर। झण्डा चिह्न। काम
केदार पु० खेत। क्यारी।
केयूर पु० बाजूबन्द। बाहुभूषण।
केलि पु० स्त्री० परिहास मखौल
केवल त्रि० एक। अकेला।
केश पु० कच। बाल
केशवेश पु० बालों की सजावट
कैकेयी स्त्री० भरतकीमा, दशरथ पत्नी
कैतव न० छल। कपट। जुआ
कैरव न० चिट्टा कमल कुमुद
कैलास पु० एक पर्वत।
कैवर्त पु० कहार। धीवर
कोकिला स्त्री० कोइल
कोट पु० दुर्ग। गढ़। किला
कोटर पु० खोखल। वृक्षगुहा
कोण पु० कोन। खूँट
कोदण्ड न० धनुष।
कोप पु० क्रोध। गुस्सा।
कोमल न० मृदु। नरम मुलायम
कोरक पु० न० कली कमलकीसर
कोल पु० सूकर। सूअर
कोलाहल पु० शोर। गुल
कोविद पु० पण्डित। विद्वान्
कोविदार पु० कचनार। [पिटारी
कोश-ष पु० निधि, खजाना, म्यान
कोष्ठ पु० पेटा, धनादिरखनेकापात्र

खदिर पु॰कत्था । खैरकी लकड़ी
खद्योत पु॰सूर्य । जुगनू पटबीजना
खनन न॰ खोदना । फाड़ना ।
खनि-नी स्त्री॰ खान । कान
खनित्र न॰ फावड़ा । कुदाल ।
खर पु॰गर्दभ । गदहा । रासभ ।
खर्जन न॰खुजलाना खुजली फरना
खर्जू-र्जू स्त्री॰कण्डू । खुजली
खर्ब पु॰ छोटा । बौना कुब्जा ।
खल त्रि॰दुष्ट नीच।मत्न मलनेका
स्थान ।
खलति पु॰ गंजा । बालबाला।
खलि पु॰तिलतथासरसोंकामसाद
खलि-ली-न पु॰न॰लगाम कविका
खलिनी स्त्री॰ बन्न गाहनेकीजगह
खलिहान । [कारण ।
खलु ब॰निश्चये । प्रश्न । इच्छा ।
खलेकपोत पु॰ जैसे खलिहान में
एकसाथ कबूतर आकर टूटते
हैं वैसेही सब विशेषणों की
प्राप्ति । एक न्याय ।
खल्या स्त्री॰ जहां बहुत खलिहान
रक्खे जाते हैं ।
खल्ल पु॰खरलतथा मलनेका पात्र
खवाष्प न ओस । शबनम

खसखस पु॰ पोस्त । अफ़ीम
खसिक पु॰ छाजा । खीळ ।
खातक पु॰ परिखा । खाई ।
खादक पु॰भक्षी कर्जदार खानेवाला
खिन्न त्रि॰दैन्ययुक्त दुखी आळसी
खुर पु॰ पशुओं का खुर । खाट
आदि का पाया ।
खेचर पु॰ पक्षी । सूर्य आदि ग्रह
खेद पु॰ शोक दिलकी घबराहट
खेय न॰ खाई । खोदने योग्य
खेलन न॰क्रीडा । कौतुक । खेलना
खेला स्त्री॰ क्रीडा । खेलना
ख्यात त्रि॰प्रसिद्ध कथित । मशहूर
ख्याति स्त्री॰प्रशंसा स्तुति तारीफ़
ख्यापक त्रि॰प्रसिद्धि करनेवाला।

(ग)

गगन न॰ आकाश । आसमान ।
गगनेचर पु॰ सूर्य आदिग्रह ।
गङ्गा स्त्री॰ नदी विशेष ।
गङ्गाधर पु॰समुद्र पुराणमें शिव ।
गज पु॰हस्ती हाथी आठकी संख्या
गजदन्त पु॰ गणेश । लम्बोदर ।
गजानन पु॰ गणेश । लम्बोदर
गणक पु॰ गणितज्ञ । ज्योतिषी
गणिका स्त्री॰ वेश्या । रंडी

क्षमा स्त्री०तितिक्षा, सहनशीलता माफी
क्षय पु०नाश, खांसीका रोग घर
क्षर पु०मेघ, बादल
क्षात्र न०क्षत्रिय का काम
क्षान्ति स्त्री०तितिक्षा,क्षमा, सब्र, सहारना
क्षाम त्रि०क्षीण, दुर्बल, कमज़ोर
क्षार पु०खारी,नुनखरा, काच
क्षालित त्रि०साफ, धोया हुआ
क्षिति स्त्री० भूमि, पृथिवी,ज़मीन निवास
क्षितिपति पु०महीप नृपति क्षितीश
क्षिप्त त्रि०फेंकागया गिरागयाफेंसा
क्षिप्र न शीघ्र जल्दी।
क्षीण त्रि० दुर्बल। कमजोर हुआ
क्षीर न०दुग्ध। दूध। पय। पानी
क्षुद्र त्रि० अल्प। नीच। सूम। निर्दय थोड़ा।
क्षुधा स्त्री० भूख। भूख काफालगना
क्षुधार्त त्रि० भूख से पीड़ित। भूख से व्याकुल।
क्षुधित त्रि० भूखा। क्षुधायुक्त।
क्षुभित त्रि० व्याकुल। डरा हुआ मथा हुआ।
क्षुर पु० छुरा। पशु खुर
क्षेत्र न० देह। शरीर। खेत [मिट्टी]
क्षेप पु० निन्दा, अहङ्कार। देरी,
क्षेपक त्रि०फेंकनेवाला।मिलावट,
क्षेपण न० प्रेरण। फेंकना।
क्षेपिष्ठ त्रि० शीघ्र चलने वाला।
क्षेम न० कुशल। खैरियत।
क्षोभ पु० घबराहट। हलचल।
क्षौद्र न० शहद। मधु
क्षौर न०बाल बनवाना। हजामत

(ख)

खग पु०सूर्य पक्षी।वायु।चन्द्रादि।
खगोल पु० आकाश। आसमान।
खचर पु० आकाशमें चलनेवाला। सूर्यादि।
खचित त्रि०जड़ाहुआबंधाहुआबद्ध
खज पु०स्त्री०दर्वि। करछी। चमचा
खञ्जन पु०पक्षीममोला।आना
खटिक पु० खड़िया मिट्टी।
खट्वा स्त्री० खाट। चारपाई।
खड्ग पु०तलवार गैंडेकासींग।
खड्गकोष पु०तलवारकाम्यानढकना
खण्ड पु० न० भेद। टुकड़ा खांड
खण्डन न० तोड़ना। फाड़ना निकालना [गया
खण्डित त्रि० फोड़ा गया। तोड़ा

चित्य पु० आग चिता
चित्र न० तसवीर मूर्त्ति नकशा
चित्रकंठ पु० पारावत कबूतर
चित्रकार पु० तसवीर बनानेवाला
चित्रकूट पु० एक पर्वत का नाम
चित्रपट पु० रङ्गबिरंगा कपड़ा मूर्ति
चित्रपादा स्त्री० सारिका मैना
चित्रभानु पु० अग्नि सूर्य आक
चित्राङ्गद पु० शान्तनु राजा का पुत्र
विचित्रवीर्य का भाई
चिन्ता स्त्री० सोच फिक्र
चिन्मय पु० चैतन्यस्वरूप ईश्वर
चिरम् अ० दीर्घ । देरीसे
चिरक्रिय त्रि० दीर्घसूत्री सुस्त
चिरटा स्त्री० सुवासा जवानऔरत
चिरन्तन त्रि० प्राचीन चिरन्तन पुराना
चिरत्नम त्रि० प्राचीन पुरातन पुराना
चिरायुस् त्रि० बहुत समय तक
जीनेवाला [खीरा
चिर्भटी स्त्री० ककड़ी फूट ककरा
चिल्ल पु० चील नामक पक्षी
चिबुक न० ठोड़ी
चिह्न न० लक्षण निशान
चीन पु० एकदेश महीन कपड़ा
चीत्कार पु० चीखना चिल्लाना

चीर न० पु० वस्त्रका टुकड़ा फटा
चीवर न० भिक्षुक वस्त्र कौपीन ।
लँगोटी । [चुम्बक पत्थर
चुम्बक पु० अयस्कान्तमणि ।
चुरा स्त्री० तस्करता चोरी
चुलुक पु० निबिडपङ्क चहुलकोश
चुल्लि-ल्ली स्त्री० चूल्हा चूल
चूडा स्त्री० चोटी जटाजूट [मणि
चूडामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
चूत पु० आम्र आम [हुई वस्तु
चूर्ण पु० चून पिसा वस्तु पिसी
चूर्णक पु० चूरा फूटा हुआ
चूष्य त्रि० चूसने योग्य वस्तु
चेट पु० दास नौकर सेवक
चेत् अ० यदि अगर ।
चेतन पु० आत्मा । ईश्वर । रूह
जीवधारी
चेतनकी स्त्री० हरीतकी । हरड़
चेतना स्त्री० सुध । बुद्धि समझ।
चेतस् न० चित्त । दिल ।
चेल न० वस्त्र । कपड़ा ।
चेष्टा स्त्री० यत्न । हरकत प्रयत्न
चैतन्य न० चेतना । होशमे होना
चैत्र पु० एकमासका नाम । चैत
चैद्य पु० शिशुपाल

चपेट पु० चपेटा, थप्पड़, धौल
चमत्कार पु० लोकातीत वस्तु अजीब चीजको देखकर वस्मय आश्चर्य
चमर पु० चौरी, चौवर
चमस पु० म० चमचा
चम्पक चमेली।
चम्पू स्त्री० गद्यपद्य मिश्रितकाव्य
चय पु० इकट्ठा करना, गोट, समूह
चयन म० चीनना, इकट्ठा करना
चर पु० गुप्त दूत, प्रणिधि आसूस
चरण न० पु० पैर, आना खाना
चरम त्रि० अवसान, आखिरी [जगत
चराचर चलने और न चलने वाला
चरित त्रि० स्वभाव, चालचलन, लीला कथा [च ला,
चरिष्णुपु० चालाक, इधर उधरघूमने
चर्चास्त्री० विचार, बातचीतचिन्ता
चर्मकार पु० चमार, चमड़ेकाकाम करने वाला
चर्म न न० खाल, चमड़ा
चर्मपादुका स्त्री० चमड़े काजूता
चला स्त्री० चलने वाली, लक्ष्मीधन
चलाचल त्रि० अत्यन्त चंचल, काक कौवा।

चाटकेर पु० चिड़ियाका बच्चा
चटु पु० प्यारा वचन प्रियवा
चाटुपटु पु० खुशामदी,
चाणूर पु० कंस का पहलवा
चाण्डाल पु० मंगी, श्वपच
चातक पु० पपीहा
चातरी स्त्री० चतुराई, होशिया
चाप पु० धनुष कमान
चापल न० अनवस्थान चंचल
चामीकर म० स्वर्ण, सोना, धतू
चार पु० गुप्त दूत, आसूस
चारण पु यशको फैलाने वाला,
चारु पु० मनोहर सुन्दर
चालनी स्त्री० चलनी
चाष पु० नीलकण्ठ
चिकित्सक पु वैद्य हकीम डाक
चिकित्सा स्त्री० इलाज
चिकुर पु० केश, बाल
चिक्कण त्रि० मुलायम चिकना
चिच्छक्ति स्त्री० चैतन्यता
चिञ्चा स्त्री० इमलीका वृक्ष [इक
चित त्रि० इकट्ठाकियाहुआ, इक
चिति स्त्री० चिन्ता समूह चुनन
चित्त न० मन बुद्धि दिल
चित्तविक्षेप स्त्री० मनोविकार

चित्य पु० आग चिता
चित्र न० तसवीर मूर्त्ति नकशा
चित्रकंठ पु० पारावत कबूतर
चित्रकार पु० तसवीर बन नेवाला
चित्रकूट पु० एक पर्वत का नाम
चित्रपट पु० रङ्गविरंगाकपड़ामूर्त्ति
चित्रपादा स्त्री० सारिका मैना
चित्रभानु पु० अग्नि सूर्य आक
चित्राङ्गद पु० शन्तनु राजा का पुत्र
विचित्रवीर्य का भाई
चिम्मा स्त्री० सोच फक
चिन्मय पु० चैतन्यस्वरूप ईश्वर
चिरम् अ० दीर्घ। देरीसे
चिरक्रिय त्रि दीर्घसूत्री सुस्त
चिरटी स्त्री सुवासो जवानऔरत
चिरतन त्रि प्राचीनचिरन्तनपुराना
चिरन्तनत्रि प्राचीनपरातनपुराना
चिरायुस् त्रि बहुत समय तक
जीनेवाला [खीरा
चिभटी स्त्री० ककड़ी फूट कचरा
चिल्ल प चील नामक पक्षी
चिबुक न० ठोढ़ी
चिन्ह न० लक्षण निशान
चीन पु० एकदेश महीन कपड़ा
चीत्कार पु० चीखना चिल्लाना
चीरत पु० वस्त्रका टुकड़ा कपड़ा
चीवर न० भिक्षुक वस्त्र कोपीन।
लँगोटी। [चुम्बक पत्थर
चुम्बक पु० अयस्कान्तमणि।
चुरा स्त्री तस्करता चोरी
चुलुक पु निबिडपङ्क चुल्लूकोष
चुल्लि-ल्ली स्त्री० चूल्हा चूल
चूड़ा स्त्री० चोटी जटाजूट[मणि
चूड़ामणि पु० शिरोरत्न शिरकी
चून पु० आम्र आम [हुई वस्तु
चूर्ण पु चून पिसा वस्तु पिसी
चूर्णक पु चूरा कूटा हुआ
चूष्य वि० चूसने योग्य वस्तु
चेट पु० दास नौकर सेवक
चेत् अ० यदि अगर।
चेतन पु० आत्मा। ईश्वर। रूह
जीवधारी
चेतनकी स्त्री० हरीतकी। हरड़
चेतना स्त्री० सुध। बुद्धि समझ।
चेतस् न चित्त। दिल।
चेल न० वस्त्र। कपड़ा।
चेष्टा स्त्री० चलन। हरकत प्रयत्न
चैतन्य न० चेतना। होशमें होना
चैत्र पु० एकमासका नाम। चैत
चैद्य पु० शिशुपाल

चोदना स्त्री० उपदेश। नसीहत
चोद्य न० प्रश्न।सवाल पूर्वपक्ष
चोर पु० तस्कर। चोर
चोल न० चोगा। चोला। एकदेश
चोली स्त्री० कञ्चुक। अंगिया
चोष्य स्त्री० चूसने लायक
चौल न० चूडाकर्म। मुण्डन
च्यवन न० धीरे २ चूना। टपकना
च्युति स्त्री० झरना। गिरना

(छ)

छगल पु० छाग। बकरा
छटा स्त्री० दीप्ति। चमक प्रकाश
छत्र पु०छाता।छतरी।सोयेका शाक
छदि पु० पटल। छात। छत
छद्मतापस पु० छली तपस्वी
छद्मन् न० छल। कपट। धोखा
छन्द पु० इच्छा।चाह। अभिलाष
छन्दस् न० गायत्री आदि छन्द।
इच्छानुसार
छन्न त्रि० आच्छादित ढका हुआ
छर्दन पु० वमन। नीमका वृक्ष
छर्दि स्त्री० वमन होना कै
छल न० शाठ्य। कपट। शरारत
छलना स्त्री० परवञ्चन दूसरेको
ठगना
छवि स्त्री० शोभा। कान्ति चमक
छाग पु० छागल। बकरा
छात त्रि० कटा हुआ छिन्न दुर्बल
छात्रपु०विद्यार्थी तालिबइल्मशिष्य
छादन न० ढाकना। कपडा
छाया स्त्री० धूपका न होना चमक
छिक्का स्त्री० छींक
छित्वर त्रि० वैरी। दुश्मन
छिदिर पु० कुठार। कुल्हाड़ा
छिदुर त्रि० वैरी। दुश्मन
छिद्र न० छेद। दूषण। ऐब
छुरिका स्त्री०छुरी। चाकू [वचन
छेकोक्ति स्त्री०पॅचदारवचन। टेढा
छेद पु०काटना तोड़ना काटनेवाला
छोटिका स्त्री० चुटकी

(ज)

जगत् पु० संसार। दुनिया
जगत्प्राण पु० वायु। हवा
जगतीस्त्री०पृथिवी। भुवन दुनिया
जगदाधार पु० ईश। वायु
जगन्नाथ पु०संसारकास्वामीईश्वर
जग्ध त्रि०खायाहुआ। खालिया
जग्धि स्त्री० भोजन। खाना
जघन न० कमर। जांघ
जघन्य त्रि० नीच। अधम

जङ्गम त्रि० चलनेवाला । चलन शक्तिसमन्वित
जङ्गल न० एकान्त । तनहा
जङ्घा स्त्री० जाघ
जटिलपु०जटावाला।सिंह।ब्रह्मचारी
जठर न० उदर । पेट । कुक्षि
जड त्रि०मूर्ख।मूक। गूंगा । बेवकूफ
जतु न० लाख । लाक्षा
जन पु० पुरुष । लोग । आदमी
जनक पु० पिता । बाप । फादर
जनकसुता स्त्री० सीता । जानकी
जनता स्त्री०जन समूह। मनुष्योंकी भीड़ ।
जननी स्त्री० माता । अम्मा। मादर
जनपद पु० देश । मुल्क
जनमेजय पु० परीक्षित्‌राजाकापुत्र
जनश्रुति स्त्री० किंवदन्ती। कहावत
जनस्थान न०लोगोंके रहनेकीजगह
जन्तुपु०प्राणी।प्राणवाला। जीव
जन्मन् न० उत्पत्ति । पैदाइश
जन्ममास पु० जन्मका महीना
जन्मान्तर न० दूसरा जन्म
जन्माष्टमी स्त्री० श्रीकृष्णजी के जन्म की तिथि । भाद्रकृष्णा
जन्य त्रि० उ
जप पु०बारम्बारमन्त्रकोधीरेर पढना
जमदग्नि पु० परशुराम के पिता
जम्पती पु० पुरुष स्त्री । पतिपत्नी
जम्बाल पु० पङ्क।कीचड़।कीच
जम्बु-म्बू स्त्री० जामुनका वृक्ष
जम्बुक पु० गीदड़ । स्यार
जय पु० जीत । फतह
जयढक्का स्त्री० जीतकी मुनादी
जयद्रथ पु० दुर्योधनको बहिन का पति
जयन्ती स्त्री० पताका । झंडा
जयपत्र न०जीतकापत्र।फतहनामा
जया स्त्री० हरीतकी । तिथिविशेष
जरठ त्रि०कठोर।जीर्ण । बूढ़ा । वृद्ध
जरत् त्रि० वृद्ध । बूढ़ा । जर
जरन्त पु० भैंसा । बूढ़ा
जरा स्त्री० बुढ़ापा । वृद्धावस्था
जरासन्धपु०बृहद्रथकापुत्र एकराजा
जर्जर पु०न० बूढ़ा । फटापुराना
जल त्रि० मूर्ख । उदर । पामा
जलकण्टक पु० सिंघाड़ा
जलचर पु०जलजन्तु पानीकाजीव
जलज पु०पानीमेंउपजीवस्तु।कमल
जलद पु० मेघ । बादल

जलधि पु॰ समुद्र। सागर
जलनिधि पु॰ समुद्र। सागर
जलनिर्गम पु॰ पानीका निकास
जलप्राय न॰ जहा बहुत पानी हो ऐसा स्थान
जलबुद्बुद न॰ पानीका बुलबुला
जलमार्ग पु॰ प्रणाली।मोरी।नाली
जलमुच् पु॰ मेघ। बादल
जलव्यालपु॰पानीमेंरहनेवालासांप
जलहास पु॰ झाग। फेन
जलावर्त पु॰ पानीकाघूमना। भँवर
जलूका स्त्री॰ जोंक। जलजन्तु
जलेचर पु॰ पानीमें रहनेवालाजीव
जलेश्वर पु॰ समुद्र। सूर्य
जलौका स्त्री॰ जोंक
जल्प पु॰बात।गप्प बकवाद [वादी
जल्पाक पु॰ बहुतबोलनेवाला बक
जवनिका स्त्री॰ कनात। पर्दा
जवस न॰ जवासा यवस घासविशेष
जागर पु॰ जागना।नींदकानहींहोना
जागरित त्रि॰ जगाहुआ चतुर
जागर्या स्त्री॰ जागरण। जागना
जाग्रत त्रि॰ जागा हुआ [वाला
जाङ्गल त्रि॰ वनमेंहोनेवाला। वहनी
जात त्रि॰ प्रकट।जन्म।पैदाहुआ प्रशस्त
जातवेदस् पु॰ अग्नि। आग
जाति स्त्री॰ जनन। जन्म। पैदाइश
जातिफल न॰ जायफल
जातु न॰ कभी। नि सन्देह
जातुष त्रि॰ लाख से बना वस्तु लाख की चीज
जातेष्टि स्त्री॰ जातकर्म संस्कार
जात्य त्रि॰ कुलीन। खानदानी
जात्यन्ध त्रि॰ जन्मका अन्धा
जानकी स्त्री॰ जनककी पुत्री। सीता
जानपद त्रि॰ देशका। देशसे आयाहुआ
जानु न॰ घुटना। गोड़
जामदग्न्य पु॰ परशुराम [जमाई
जामातृ पु॰ जामाता। दामाद
जामि स्त्री॰ स्त्री। औरत
जायाजीव पु॰ जो स्त्रीके भरोसे जीता है। नट
जायु पु॰ औषध। दवा
जार पु॰ उपपति। यार
जारज त्रि॰ कुण्ड। हरामी
जाल पु॰ पाश। जाल [धीमर
जालिक त्रि॰ वागुरिक शिकारी।
जाल्म त्रि॰ पामर नीच।बेरहम
जाह्नवी स्त्री॰ गङ्गानदी
जिगीषा स्त्री॰ जीतनेकीइच्छा [वाला
जिज्ञासु त्रि॰ जाननेकी इच्छाकरने

जित त्रि॰जीत लिया। जीता [को जीता है
जितेन्द्रिय त्रि॰जिसने अपने इन्द्रियों
जित्वर त्रि॰जयशील, जीतनेवाला
जिष्णु पु॰जीतने वाला शूर,वीर
जिह्म त्रि॰कुटिल मन्द खोटा
जिह्वा स्त्री॰जीभ, रसना
जीन त्रि॰वृद्ध। बूढ़ा।
जीमूत पु॰मेघ। बादल
जीर पु॰जीरक। जीरा
जीर्ण त्रि॰पुराना वृद्ध,बुड्ढा पका
जीर्णोद्धार पु॰मरम्मत।
जीव पु॰जीवात्मा। रूह
जीवन न॰जीना। उम्र [नौकरी
जीवनहेतु पु॰जीने का सधन।वृत्ति
जीवन्ती स्त्री॰हरीतकी,गुडूची[राज़ी
जीविका स्त्री॰ जीवन का साधन
जुगुप्सा स्त्री॰निन्दा बदनामी
जूटिका स्त्री॰ जूड़ा। चोटी
जुष्ट न॰जूठा सेवित [चलना
जूति स्त्री॰वेगसे चलना जोरसे
जूर्ति स्त्री॰ज्वर। बुखार। ताप
जृम्भ पु॰जृम्भि का। जमुहाई
जेमन न॰भोजन। भक्षण। खाना
जेय त्रि॰जीतने योग्य
जैत्र त्रि॰जयशील,जीतनेवाला पारा

जैन पु॰जिन का उपासक[साकार
जैमिनी पु॰व्यासका शिष्यमीमां-
जोषम् अ॰सुख प्रशंसा, चुपचाप
जोषा स्त्री॰नारी। स्त्री। औरत
जोषित् स्त्री॰स्त्री। औरत
ज्ञप्ति स्त्री बुद्धि समझ, जानना
ज्ञाति पु॰सपिण्ड बन्धु खानदान
ज्ञान न॰जानना,समझना।
ज्ञानसाधन न॰जाननेका हेतुइन्द्रियें
ज्ञानापोह पु॰ विस्मरण। भूलना
ज्ञानेन्द्रिय न॰ आंख, कान, नाक,
जीभ त्वक् [भूमि
ज्या स्त्री॰धनुष का चिल्ला माता,
ज्यानि स्त्री॰जीर्ण वा वृद्धापन,हानि
ज्यायस् त्रि॰बहुत बूढ़ा बहुत बड़ा
ज्येष्ठ त्रि॰ अतिवृद्ध। बड़ा [श्रम
ज्येष्ठाश्रम पु॰गृहस्थाश्रमबड़ाआ-
ज्योक् अ॰सम्प्रति अब अल्प प्रश्न
ज्योतिर्विद्पु॰ज्योतिषी,दैवज्ञनजूमी
ज्योत्स्ना स्त्री॰कौमुदी। चांदनी
ज्यौतिष्क पु॰ ज्योतिषी नजूमी
ज्वर पु॰बुखार, ताप जूर्ति
ज्वरघ्न पु॰ज्वर का नाश करनेवाला
गिलोय
ज्वरित त्रि॰ज्वरवाला,बुखारवाला

ज्वलन पु०वह्नि । आग ।दाह जलन
ज्वलित त्रि०दग्ध । दीप्त । उज्ज्वल
चमकीला ।
ज्वाल-ला पु०स्त्री० अग्निकीलपट
ज्वालामुखी स्त्री०वह पहाड़ जिस
में से आग निकले ।

(झ)

झञ्झा स्त्री०एक प्रकारकी ध्वनी
बड़ी हवा
झटिति अ०शीघ्र,झट,उसीवक्त
झम्प पु०कूदना
झर पु०झरना
झल्लक पु०न०मजीरा
झल्लरी स्त्री०ढोल
झष पु०मत्स्य मछली ।
झामक न०झामा।बहुत पकोहुईईंट
झिल्ली स्त्री०झींगुर
झुण्ट पु०झाड़ी । स्तबक

(ट)

टङ्क पु०कोप।कोष।तरवार छैनी
टङ्कक पु०रजतमुद्रा चांदीकारुपया
टंकन पु०सुहागा
टिट्टिम पु०टिटिहरा,पक्षी
टिप्पनी स्त्री०टीका । नोट
टीका स्त्री०तिलक, वृत्ति, अर्थ
ठक्कुर पु०ठाकुर । चौधरी
डमरु पु०डौरु,एक बाजा
डल्लक न०टोकरा, डला
डिम्भ पु०शिशु बच्चा अण्डा।
डिम्भ पु०शिशु, बच्चा, मूर्ख
डीन न०उड़ना ।

(ढ)

ढक्का स्त्री०ढोल,ढालक ।

(त)

तक्र न०मट्ठा छाछ मौथामाग
तक्षक पु०बढ़ई ।सर्पान.कारीग
तच्छील त्रि०उस स्वभाव वाल
तट त्रि०कूल ।किनारा । [पास
तटस्थ त्रि०तीरका । किनारेक
तडाग पु०तालाब । ताल । स
तटिनी स्त्री०नदी । दरिया ।
तड़ाग पु० सरोवर । तालाब
तडित् स्त्री०बिजली । विद्युत
तण्डुल पु०चावल ।
तत् अ०हेतु । इसलिए
तत त्रि०फैलाहुआ।विराट्‌माप
तत्रस्थ त्रि०वहाँ होनेवाला।वह
तति स्त्री० पङ्क्ति । श्रेणी क

तत्कालपु॰उसीसमय वर्तमानसमय
तत्क्षण पु॰उसी समय।उस वक्त
तत्त्वन॰सचाई।स्वरूप।असलीवस्तु
तत्त्वज्ञान न॰यथार्थ ज्ञान सच्चाज्ञान
तत्पर त्रि॰उसमें लगाहुआ।उसीमें
फँसा हुआ।
तत्र अ॰उसमें।वहाँ।उस समय।
तत्रत्य त्रि॰वहाँका, के, की
तत्रभवत् त्रि॰पूज्य माननीय हुजूर
तथा अ॰उसी तरह। वैसेही।
तथापि अ॰ जैसाकि उसपरभी।
तथाहिअ॰निदर्शन दृष्टान्त।जैसाकि
तथ्य न॰सत्य।सच।यथार्थ
तद् त्रि॰वह। पहिले कहाहुआ।
तदा अ॰उस समय। तब
तदानीम् अ॰उस समय तब।
तद्गत त्रि॰उसी मे लगा हुआ।
तद्धन।त्र॰जिसका वही धन है सूम
तद्धित पु॰उसके लिए हित करने
वाला।व्याकरणमें एक प्रत्यय।
तद्वत् अ॰उसकेसदृश व उसकीतरह
तन्मय त्रि॰सम्मति।भाराव [पारीक
तनिमन पु॰छोटे का होना।छुटाई
तनु-तनूस्त्री॰ देह।शरीर।जिस्म कृश
तनूजत्रि॰शरीरसे उपजा पुत्र,बेटा
तनुच्छाया स्त्री॰शरीरकी छाया।
तनुत्र न॰कवच। बखतर सनाह।
तनूनपात् पु॰अग्नि। आग।
तनूरुह न॰बाल। रोम।[सूक्ष्म सूत
तन्तु पु॰ सन्तान। औलाद।
तन्तुनाभ पु॰मकड़ी।
तन्तुवाय पु॰ कोरी। जुलाहा।
तन्तुविग्रह पु॰ कदली। केला।
तन्तुशाला स्त्री॰ कपड़े बनाने का
मकान
तन्तुसन्तत त्रि॰ सिया हुआ वस्त्र
तन्त्र न॰सिद्धांत।फैसला।औषध
तन्त्रक न॰नवीन वस्त्र।नया कपड़ा
तन्त्री स्त्री॰ गिलोय। सितार।
तन्द्री स्त्री॰ प्रमीला। आलस्य।
ऊँघना। [निद्राशील
तन्द्रालु त्रि॰ बहुत सोनेवाला
तन्मय त्रि॰ वही वैसाही। तद्रूप
तन्मात्र त्रि वही। उसी शकलका
तन्वी स्त्री॰ नाजुक स्त्री। पतली
कमरवाली [आपात्
तप पु॰ ग्रीष्म। गर्मी। जेठ और
तपन पु॰सूर्य। ताप। गर्मी सूरज
तपस्या स्त्री॰ तपश्चरण। तपका
करना। [करनेवाला
तपस्विन् त्रि॰ तापस। तपस्या

तपस्विनी स्त्री० तप करनेवाली ।
दीन स्त्री । [तपही धनहै
तपोधन त्रि० तापस । जिसका
तपोधन न० तपस्या का धन ।
तमस् न० अँधेरा । तमोगुण ।
तमस्विनी स्त्री० रात्रि । रात ।
तमाल पु० एकवृक्ष तलवार ।
तमि-मी स्त्री० अन्धेरीरात [रात
तमिस्र न० स्त्री० अन्धकाराअँधेरी
तमिस्रपक्ष पु० अन्धेरा पखवाड़ा।
तमोघ्न पु० सूर्य । अग्नि चांद ।
ईश्वर ।
तमोपह पु० सूर्य । अग्नि।चांद।ज्ञान
तरक्षु पु० वृक पु० । भेड़िया ।
तरङ्गपु० ऊर्मी । लहर ।
तरङ्गिणी स्त्री० लहरोंवाली नदी।
तरण पु० न० डोंगी। पार जाना
तरणि पु० डोंगा नाव, सूर्य
तरपराय न० नदी आदिके पार
जाने का कर महसूल ।
तरल पु० चपल । चमकीला
गोली चीज ।
तरवारि पु० तरवार तलवार ।
तरसा अ० झटिति।बहुत शीघ्र झटा।
तरुषण्ड पु० वृक्षोंका समूह [ताजा
तरुण पु० युवा । जवान । मूसल।
तर्क पु० न्याय । दलील । जानने
की इच्छा ।
तर्कु पु० तकला । तकुआ[अंगुली
तर्जनी स्त्री० अंगूठे के पास की
तर्ण पु० बछड़ा । प्यारा । गीला
बच्चा [पितृयज्ञ ।
तर्पण न०प्रसन्नकरना।खुशकरना
तर्ष पु० अभिलाष । चाह । तृष्णा
तर्हि अ० तदा । तब । तो । [धन
तल पु० न० नीचेका भाग । चपेट
तलप्रहार पु० थप्पड़ मारना ।
चपेटा । आघात ।
तलित न० तलाहुआ । [हुआ
तलुन पु० जवान । पट्ठा । वायु
तल्प पु० न० शय्या खाट दारा स्त्री
तल्लज पु० प्रशस्त । बहुत अच्छा
तष्ट त्रि० छीला कियागया ।
छीला गया ।
तस्कर पु० चोर डाकू ठगाईगीर
ताडनी स्त्री० कशा । कोड़ा । चाबुक
ताण्डव न० नरनृत्य । मनुष्यका
नाच [मार्ग प्यारा ही
ताण्डवप्रिय पु० जिसे मनुष्यका
तात पु० पिता । प्यारा दयायोग्य
तात्पर्य न० आशयमतलबअभिप्राय

तादात्म्य न० उसी स्वरूपका होना
अभेद।
तादृश त्रि० वैसा। उस जैसा
तान पु० कमलकी तांत लम्बी
आवाज [जाननेवाला
तान्त्रिक त्रि० तन्त्रशास्त्रको
ताप पु० सन्ताप। शोक गर्मी।
दुःख। मुश्किल [तमालपत्र
तापस त्रि० तप करनेवाला।
तामरस न० पद्म। कमल सोना
धतूरा [महदूार
तामस त्रि० अविद्या। येसमझी
तामिस्र पु० जिसमें अन्धकारहो
ताम्बूल न० पान। नागवल्लीपत्र
ताम्बूलकरङ्क प० पानदान
ताम्बूलिक त्रि० तम्बोली पानका
व्यवहार करनेवाला
ताम्र न० तांबा। लालरङ्ग। मरण
ताम्रकार पु० ठठेरा। तांबेका
काम करनेवाला
ताम्रचूड पु० कुक्कुट मुर्गा।
ताम्रपट न० तांबे का पटरा।
पट्टी-पटला [करनेवाला
ताम्रिक पु० तांबेका व्यवहार
तार पु० प्रेरण भेजना। तार
तारक पु० केवट। मल्लाह
। आंखकी पुतली।
तारकित न० तारोंवाला आकाश।
तारतम्य न० न्यूनाधिक सिलसिला
तारापति पु० चन्द्रमा। चांद
तारापथ पु० आकाश। आसमान
तारापीड पु० एक राजा का नाम
कादम्बरी में
तार्किक पु० नैयायिक। मन्तकी
ताल पु० ताड़वृक्ष। तालीबजाना
ताला।
तालक न० ताला हरताल
तालु न० तालु। तलुआ। जीभ।
तावत् अ० तबतक। उतना अवधिहद
तिक्त पु० चरपरा। तीखा [वस्तु
तिग्म त्रि० तीक्ष्ण। तेज। तेज
तिग्मरश्मि पु० सूर्य। सूरज
तितउ पु० चलनी। चालनी
तितिक्षा स्त्री० सहनशीलता।
सहना [सहनेवाला
तितिक्षु त्रि शीत आदि को
तित्तिर पु० तीतरपक्षी
तिथि-थी पु स्त्री० तिथि तारीख
तिमि पु० मत्स्य। मछली [गीला
तिमित वि० निश्चल। कायम।

त्रसरेणु पु०परमाणुका छठा भाग
त्रस्त त्रि०भयभीत।डरा हुआ।हैरान
त्रस्नु त्रि० डरपोक । भीरु
त्रापुष त्रि० सीसेकी वस्तु
त्रि त्रि० तीन
त्रिंश त्रि० तीसवां
त्रिंशक त्रि० तीससे मोललिया।
त्रिकन० तीनोंका समूह कटिभाग
त्रिकालन०भूतभविष्यत्वर्तमान
त्रिकालज्ञ पु० तीनोंकालों को
जाननेवाला ईश्वर [पर्वत
त्रिकूट पु०जिसकीतीन चोटी हों
त्रिकोण त्रि०जिसके तीन कोनेहों
त्रिगुण न० त्रिगुना [हुआ
त्रिगुणाकृत त्रि० तीनवार जोता
त्रिजटा स्त्री० एकप्रसिद्ध राक्षसी
त्रिनेत्र पु० त्रिकालज्ञ।ईश्वर
त्रितय न० तीनहिस्से वालातीनों
त्रिदोष पु० वात पित्त कफ
सबका कोप। सन्निपात
त्रिधा अ० तीनप्रकारसे तीनतरहसे
त्रिपदी स्त्री० तीनपैरवाला एकछंद
त्रिपाद पु० तीनपैर वाला
त्रिभुज न०तीन कोन वाला क्षेत्र
त्रिभुवन न०तीनों लोक।

त्रिरेख पु०जहां तीन लकीरें हैं
त्रिलोकेश पु०तीनोंलोकोंकास्वा
त्रिलौहक न० सोनाचांदीतांबामि
हुआ [स्त्री
त्रिवर्ग पु०धर्म अर्थकाम। सत्वर
त्रिशीर्षक न०तीन शिर वाला(
त्रिशूल न०जिसमें तीन कांटेहों
त्रिहायणी स्त्री०तीन वर्षकी (
त्रुटि टी स्त्री०चूकना।थोड़ा।लेश संश
त्रेधा अ०तीन प्रकारसे तीन तरहसे
त्रैगुणिक त्रि०तिगुना करनेवाला
त्रैध न० तीनप्रकारसे। तीनतरहसे
त्रैलोक्य न० स्वर्ग मर्त्य पाताल
त्रैविद्य पु०ऋग् यजुस् साम तीनों
विद्याओं का ज्ञाता [ईश्वर
त्र्यम्बक पु० तीनोंकालोंको जाता
त्वच् चा स्त्री० खाल। छिलका
त्वचिसार पु० बांस। बंश
त्वरा स्त्री० वेग। जोर।शीघ्रता
त्वरित न०शीघ्र।जल्दी[कहाहुआ
त्वरितोदित त्रि०शीघ्रोच्चारित जल्द
त्वष्टृ पु०शिल्पी कारीगर।बढ़ई
त्वादृक्ष त्रि०तुमसा। तेरे जैसा
त्विष् -षा स्त्री०चमकादीप्ति शोभा
त्सरु पु०खड्गमुष्टि।तलवारकी मूठ

(थ)

थुत्कार पु॰ थूकने का आवाज
थैथै अ॰ किसी बाजकी आवाज की नकल

(द)

दंश पु॰ डांस यम का मच्छा
दंशन न॰ डसना। फाटना। धम
दंशित त्रि॰ कवच पहनेहुए
दंष्ट्रा स्त्री॰ डाढ दन्तपंक्ति
दक्ष त्रि॰ चतुर व ठीक कार्य कुशल होशियार
दक्षिण पु॰ दहिना भाग। सरल।
दक्षिणतस् अ॰ दक्षिणकी ओरसे
दक्षिणपूर्व स्त्री॰अग्निकोण आग्नेयी
दग्ध त्रि॰ भस्मीभूत जलाहुआ
दण्ड त्रि॰ लगुड। लाठी सजा
दण्डनीति स्त्री॰ कानून फौजदारी
दण्डपारुष्य अ॰ सजा में सख्ती
दण्डापदिक अ॰दण्डदण्डदा। दण्डम छन्द। छन्दभाग [छाछमक
दण्डहत न॰ दण्ड से मरा हुआ।
दण्डिन् त्रि॰ दण्डेवाला सन्यासी सज़ावार
दत्त त्रि॰ दिया गया, देना
दद्रु पु॰ दाद एकप्रकारका रोग
दद्रुघ्न त्रि॰दादको दूरकरनेवाला औषध।
दद्रुण त्रि॰ दाद वाली।
दद्रु स्त्री॰ दाद। चर्मरोग
दधि न॰ दही, दुग्ध विकार
दधिसार पु॰ नवनीत। मक्खन
दन्त पु॰ दांत। रद
दन्तक त्रि॰ दांत बनाने वाला
दन्तकाष्ठ न॰ दतौन। दन्त धावन
दन्तच्छद पु॰ ओष्ठ, होठ ओठ
दन्तधावनन॰दतौन दांतोंकीसफाई
दन्तबीजक पु॰ दाडिम अनारकावृक्ष
दन्तालिका स्त्री॰ लगाम।
दन्तायल पु॰ हस्ती। हाथी।
दन्तिन् पु॰ हस्ती। हाथी।
दन्तुर पु॰ बड़े दांतवाला
दन्तशूक पु॰ सर्प। सांप।
दभ्र न॰ अल्प। थोड़ा।
दमयन्ती स्त्री॰ नलराजाकी पत्नी
दम्पती पु॰ पति पत्नी। मियांबीबी
दम्भ पु॰ छल। कपट धूर्तता। पाप
दम्य पु॰ बछड़ा। बैला बैल।
दया स्त्री॰ कृपा मेहरबानी
दयालु पु॰ कृपालु। मेहरबान

दयित पु० पति । प्यारा ।
दरिद्र पु० धनहीन । दीन । दुखिया।
दर्दुर पु० बादल । मेंढक
दर्दू स्त्री० दाद रोग
दर्प पु० अहङ्कार गरूर गर्व।घमण्ड
दर्पण पु० आदर्श । शीशा । मुकुर
दर्भ पु० कुश। दाम
दर्शक पु० देखनेवाला। दिखानेवाला
दर्शन न० देखना । शास्त्र
दर्शनीय त्रि० देखनेकेयोग्य मनोहर
दल न० पत्र। पत्ता बादल टुकड़ा
दलित त्रि० प्रफुल्ल खिला हुआ
दव पु० वन । जंगल । वनकीआग
दवथु पु० जलन । गर्मी
दवाग्नि पु० वनकी आग
दविष्ठ त्रि० बहुतदूर
दशक न० दसकी गिनती । दहाई
दशधा अ० दसप्रकारसे ।दसतरहसे
दशन् त्रि दसकी गिनती । दस
दशन पु० दांत । कवच
दशम त्रि० दसवां । [तिथि
दशमी स्त्री०दशकोपूर्णकरनेवाली
दशरथ पु० रामचन्द्रजी के पिता
दशा स्त्री० अवस्था।हालत। दीपक की बत्ती
दशेन्धन पु० दीपक, दिया।
दस्यु पु० चोर डाकू शत्रु लोभ
दस्र पु० गर्दभ, गदहा ।
दहन पु० अग्नि, आग, दाह, जलन
दाक्षिणात्य त्रि० दक्षिण का के की
दाक्षिण्य न० अनुकूलता ।
दाक्षी स्त्री०पाणिनिमुनिकी माता
दाक्षीसुत पु० व्याकरण के कर्ता पाणिनि
दात्र न० काटनेकायन्त्र । हंसिया
दाम न० पालना । बन्धन ।डेरा।
दामव पु० असुर । दैत्य । राक्षस
दानवारि पु० हाथीके मदका जल
दानशील त्रि० देनेवाला । दाता
दानशौण्डत्रि०देनेमेंचतुर,अतिदानी
दापित त्रि० साधित।साधाराया। दिलाया गया ।
दामन स्त्री० न० रस्सी
दाम्भिक स्त्री० पाखंडी छलिया
दाय पु० पिताविकी बांटनेयोग्य सम्पत्ति
दायभाग पु० पैतृक धन विभाग
दायाद पु० हिस्सेदार । पुत्र
दार पु० पत्नी । स्त्री । औरत
दारक पु० पुत्र पुत्री । सन्तान
दारकर्मन् न० विवाह शादी

दारु न• काष्ठ। लकड़ी
दारुणपु•डरावना भीषण,भयानक
दारुसार न० चन्दन [काठठोकर
दार्वाघाट न० पु० काष्ठकूट
दाव पु० वन। वनकी आग आग
दावाग्नि पु०वनकी आग
दाश-स पु• सेवक। धीवर। शूद्र
दाशरथ पु० दशरथका रामचन्द्र
दाशरथि पु• दशरथके पुत्र राम
लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न
दाशार्ह पु• दान देने योग्य
दासेय पु० शूद्रकी सन्तति
दासेर पु• दासीका सन्तान
दाह पु• भस्मीकरण जलाना
दाहक त्रि• जलाने वाला
दिगम्बर पु० दिशाही जिसकेवस्त्र
-हैं संन्यासी [बाण और
दिग्ध पु• विषमें लिपटा हुआ
दिङ्मात्र न• एकओर। एकतरफ
दिधिषु-षू पु•दूसरीवार विवाहीगई
स्त्रीका पति। द्विजपयर[स्त्री
दिधिषूस्त्री•दूसरीवारविवाहीगई
दिन न० दिवस। रोज। दे
दिनकर न• सूर्य सूरज
दिनक्षय पु० दिनकी कमी

दिनपति पु• सूर्य। सूरज
दिनमणि पु० सूर्य। सूरज
दिनादि पु० प्रातः। सवेरा सुबह
दिनान्त पु• सायंकाल।शाम।साँझ
दिलीपपु•सूर्यवंशीराजारघुकापिता
दिव् स्त्री• आकाश। आसमान।
दिव न• आकाश। वन। जँगल
दिवस पु० न• दिन वासर। दे
दिवसमुख पु•प्रभात।सुबह।प्रातः
दिवस्पति पु• सूर्य। सूरज इन्द्र
दिवा न• दिवस दिन। रोज
दिवाकीर्तिपु• नापित। नाई नौआ
दिवातन त्रि०दिनमें होनेवालाकार्य
दिवान्ध पु० दिनके अन्धेउल्लू।
चिमगादड़
दिव्यगन्ध पु० जिसका मनोहर
गन्ध हो गन्धक। लौंग।
छोटी इलायची। [विचित्रवस्त्र
दिव्यौषधि स्त्री• सुन्दर औषधि
दिश-शा स्त्री• आशा दिशा तरफ
दिष्ट न० भाग्य तकदीर समय।
यह उपदेश किया गया।
दिष्टान्त पु• भाग्यका। अन्त मौत
दिष्ट्या न• मङ्गल हर्ष। भाग्यसे
मैं बहुत प्रसन्न हूं। [उपदेश
दीक्षा स्त्री• नियम संस्कार।

दीक्षागुरु पु०मन्त्र आदिका उपदेश करनेवाला उपदेशदाता शिक्षक
दीक्षित त्रि०नियमपर चलनेवाला वेदाज्ञा का पालन करनेवाला
दीधिति स्त्री० किरण रश्मि
दीन त्रि० दुःखित। निर्धन
दीनार पु० अशर्फी। मोहर पौंड
दीप पु०प्रदीप।दीपक चिराग लैंप
दीपक पु० दीपक, चिराग दिया
दीपन पु०जो खानेसे पेटकी आग को भड़काता है तगरकी जड़ मेथी। पलाण्ड
दीपमालिका स्त्री० दीपकोंकी जिसमें मालायें लगाई जाती हैं। दिवाली। दीपकसमूह
दीप्त पु०नीबू। शेर। चमकीला
दीप्ति स्त्री० कान्ति। सुन्दरता। चमक। भड़क
दीर्घ पु० बड़ा। लम्बा। आयत
दीर्घग्रीव पु०लम्बीगर्दनवाला ऊँट
दीर्घजङ्घ पु०जिसकी लम्बी टांगे हों। ऊँट [पण्डित
दीर्घदर्शिन् त्रि०विचारशील चतुर
दीर्घदृष्टि पु०दूरसे देखने वाला चतुर। पण्डित। दूरबीन
दीर्घनाद पु०शंख।लम्बी आवाज
दीर्घनिद्रा स्त्री०लम्बीनींद मौत
दीर्घसूत्र त्रि० आलसी।सुस्त ढील
दीर्घायुष्य पु०बहुत उम्रवाला
दीर्घायुस् पु० बहुत समय तक जीनेवाला—कौआ
दीर्घिका स्त्री० बावली एककूप
दीर्णत्रि०विदारित।फटाहुआफाड़ा
दुःखत्रय न०आध्यात्मिक आधि भौतिक आधिदैविक
दुःशासन पु०जिसकी बुरी आज्ञा हो दुर्योधनका छोटा भाई
दुःसह त्रि०मुशकिलसे सहनेयोग्य नागदमनी। [मूर्खलोगों
दुःस्थ त्रि०दुःखसे ठहरता हीहीन
दुःस्थित त्रि० बेचैन अशान्त दुःख में पड़ा
दुकूल न०रेशमी वस्त्र।महीनवस्त्र
दुग्ध न०क्षीर दूध
दुन्दुभि पु०नगाड़ा नौबत
दुरक्ष पु०कपटपाशा। छलकाजुआ
दुरत्यय त्रि० कठिनता से लांघने योग्य दुस्तर
दुरदृष्ट न० दुर्भाग्य। दुर्गम पाप
दुरधिगम त्रि०दुष्प्राप्य मुशकिल से मिलनेके लायक

दुरध्य पु० बुरा रास्ता कुमार्ग
दुरन्त त्रि० जिसका परिणाम बुरा हो। यथा भालेट मद्यआदि
दुराग्रह • बुरा हठ हठीला
दुराचार पु० बुरा चालचलन
दुरात्मन् त्रि० बुरा आदमी दुर्जन
दुराधर्ष पु० कठिनतासे पारहोने योग्य
दुरारोह पु० कठिनतासे चढनेयोग्य
दुरालाप पु० बुरावचन कटुवाक्य
दुरासद् त्रि० दुर्गम्य दुर्धर्ष कठिनतासे पास आनेयोग्य
दुरित न० पाप बुराकाम
दुरुक्त न० बुरा कहागया।शापालामत
दुरुत्तर त्रि० दुस्तर पाराभाव
दुरूह त्रि० दुर्ज्ञेय मुश्किल से जानने लायक
दुरोदर पु० जिसका परिणाम बुरा हो धूतकार जुआरी जुआपाशा
दुर्ग पु० किला कोट दुःखसेजाने योग्य स्थान दुर्गम देश
दुर्गत त्रि० दोषको प्राप्त दुःखबुरी हालत में पहुंचा [ता गरीबी
दुर्गति स्त्री० दुर्दशाबुरीहालत निर्धन-
दुर्गन्ध पु० बदबू बुरीबास
दुर्जन त्रि० बुरा आदमी नीचजन
दुर्जात न० व्यसनबुरी आदत आपद्
दुर्णामन् त्रि० बुरे नामवाला
दुर्दान्त पु० कठिनतासे शान्ति करने योग्य
दुर्दिन न० येमौसमके वर्षना या बादल रहना
दुर्धर्ष त्रि० जिसका सामना मुश्किल है अजोम्य है
दुर्बल त्रि० निर्बल। दुर्बल कमजोर
दुर्भग त्रि० दुर्भाग्य वह स्त्री जो पति से प्रेम नहीं करती
दुर्भिक्ष न० अकाल कहत्
दुर्मति त्रि० शठ बेवकूफ। बुरीअक्ल
दुर्मनस् त्रि० जिसका मन बिगड़ा हो व्याकुल घबराया हुआ
दुर्मुख पु० बुरेमुहवाला। घोड़ा बन्दर कड़वा बोलने वाला
दुर्मेधस् त्रि० जिसकी बुद्धि बुरी हो। मन्दमति। बेवकूफ
दुर्योधन पु० धृतराष्ट्र का बड़ापुत्र
दुर्लभ पु० जो कठिनतासे मिलसके
दुर्विध त्रि० दरिद्र निर्धन गरीब
दुहृद त्रि० शत्रु वैरी दुश्मन
दुष्कर न० मुश्किलसे करने लायक

दुष्कमन् त्रि॰ पापी पाप। बुराकाम
दुष्कृत न॰ बुराकाम। पाप गुनाह
दुष्ट त्रि॰ अधम नीच दुर्जन
बुराआदमी बदमाश [जमाई
दुहितुःपति पु॰पु त्रीकापतिजामाता
दुहितृ स्त्री॰सुता बेटी लड़की
दूत पु॰स देशहर, खबरलेजाने
वाला पैगम्बर
दूती स्त्री॰खबर लेजानेवालीस्त्री
दूत्य न॰दूतका कामहोना स्वभाव
पैगम्बरी
दूर त्रि॰अगोचर फ़ासलेसे
दूरदर्शिन् त्रि॰ चतुर पण्डित
दूर्वा स्त्री॰दूब घास
दूर्वाकाण्ड न॰ घासका गट्ठा
दूषण न॰ ऐब बुराई
दूषिका स्त्री॰नेत्रमळ कीचड़
दूषित त्रि॰निन्दितदोषलगायागया
दृढ त्रि॰बलिष्ठ मजबूत लोहा सख्त
मोटा
दृढभूमि त्रि॰मयज्ञस्थलविजयवाला
अपनेधिकारकोपक्कारखनेवाला
दृढव्रत त्रि॰नियमपरचलनेवाला
दृढसन्धि त्रि॰पक्काजोड़पक्कामेल
दृता स्त्री॰ जीरक जीरा।

दृति पु॰ चर्मपात्र मशक।
दृम्भू पु॰ राजा वज्र सूर्य साँप।
दृप्त त्रि॰ गर्वित घमण्डी।
दृशा स्त्री॰ दर्शन देखना आंख
दृषद् पु॰ स्त्री॰ पत्थर शिला
दृष्टकूट न॰ कूटप्रश्न कठिनसवाल
पहेली मुकारत।
दृष्टान्त पु॰ मरण शास्त्र मिसाल
दृष्टि स्त्री॰दर्शनदेखना बुद्धि आंख
देव पु॰ देवता आत्मा परमेश्वर
इन्द्रिय। [कुदरती ताल।
देवखात न॰ अकृत्रिमजलाशय।
देवखातबिल न॰ गुहा गुफा
देवगुरु पु॰देवताओंकेगुरु विद्वानों
के शिक्षक। [परोपकारी
देवता स्त्री॰ सूर्यआदि ३३ विद्वान
देवदारु पु॰ न॰एक विलक्षण वृक्ष
देवदासी स्त्री॰ वेश्या रंडी।
देवदीप पु॰ नेत्र आंख लोचन।
देवदेव पु॰ परमात्मा महादेव।
देवन त्रि॰पासा क्रीडा खेल चमक
व्यवहारजीतनेकीइच्छास्तुति
देवनदी स्त्री॰ गङ्गानदी।
देवपथ पु॰ सूर्यादिकोंगमनकामार्ग
आकाश विद्वानोंका मार्ग।

देवसदन न० स्वर्ग बहिश्त।
देवभूय न० देवत्व देवताहोना
देवर पु० पतिका छोटा भाई।
देवराज पु० देवताओंकाराजाइन्द्र
देवर्षि पु० क्षत्रिय ऋषि वेदद्रष्टा
वेदकेभेदकोजाननेवाला
देवल पु० पुजारीमूर्त्तिद्वाराजीविका
करनेवाला
देवलोक पु० मृत्यु परमधाम
देवव्रत पु० इन्द्रियों को जीतनेवाला
देवसात् अ० देवताओं के अधीन
देवालय पु० देवस्थान देवायतन
देवापि पु० चन्द्रवंशका एकराजा
देवी स्त्री० पटुरानी स्त्री विद्या
देवृ पु० देवर पतिका छोटा भाई।
देवेश पु० महादेव ईश्वर
देशान्तर न० अन्यदेश दूसरामुल्क
देशिक पु० पथिक उपदेशक
देशिनी स्त्री० अंगूठेकेपासकीअंगुली
देह पु० शरीर जिस्म खेपन
देहधारक पु० न० अस्थि हड्डी
देहभृत् पु० जीव रूह सोल
देहयात्रा स्त्री० जिससेशरीरचलता
है भोजन-अन्न
देहली स्त्री० दहरी चौखट
देहिन त्रि० शरीरवाला जीवप्राणी
दैत्यगुरु पु० शुक्राचार्य
दैत्यारि पु० दैत्योंकाशत्रु कृष्ण
दैन न० दीनता दीनपन कायरता
दैन्य न० दीनता कायरता [विषाद
दैव न० देवताओं का तकदीर एक
दैवज्ञ पु० ज्योतिषी गणक नजूमी
दैवत पु० न० देवताओंकासमूहदेवता
दैवतन्त्र त्रि० भाग्याधीन[समझताहै
दैवपर पु० जोभाग्यकोही अच्छा
दैववाणी स्त्री० संस्कृत भाषा
आकाश वाणी
दैवात् अ० अचानक हठसे
दैव्य न० भाग्य तकदीर जो दैवसे
किया गयाहो [किया गया
दैशिक त्रि० देशका के की देशसे
दैष्टिक त्रि० भाग्यभरोसेरहनेवाला
दोग्धृ पु० स्त्री० दुहनेवाला गोपाल
ग्वाला।
दोर्दण्ड पु० भुजा भुजदण्ड
दोर्मूल न० कक्ष कच्छ बगल कांख
दोल पु० हिंडोला झूला
दोला स्त्री० डोली झूला
दोष पु० दूषण पाप ऐब गुनाह
वात पित्त कफ तीन दोष

दोषग्राहिन् त्रि० जो दोषों को ही लेता है गुणोंको नहीं दुर्जन
दोषज्ञ त्रि० पण्डित वैद्य हकीम
दोषत्रय न०वात पित्त कफ सफरा सौदा बलगम
दोषा अ० रात्रि रात
दोह पु० दुहना दुग्ध दूध दोहनी
दोहनी स्त्री०जिसमें दूध दुहाजाये दूहनेका बर्तन [भाषामेंहोताहै
दोहा स्त्री० एक प्रकारका छन्दजो
दौर्मनस्यम०चिन्तावेमनीघबराहट
दौवारिक पु० द्वारपाल दरबान
दौष्कुलेय त्रि०नीचकुलमेंउपजामर
दौहित्र पु०लड़कीकालड़काधेवता
द्यावापृथिवी स्त्री० भूमि आकाश जमीन आसमान
द्यु पु० अग्नि सूर्य आकाश [चमक
द्युति-ती स्त्री०कान्तिशोभाप्रकाश
द्युपति पु० सूर्य सूरज
द्युम्न पु० धन दौलत बल ओर
द्यूत न०जुआकेतयपांसेकाखेलछल
द्यूतकर त्रि० जुआरी जुआ खेलने वाला
द्यो स्त्री०आकाश आसमान स्वर्ग
द्योत पु० प्रकाश आतप धूप चमक
द्रढिमन् पु० दृढ़ता पुष्टि मजबूती
द्रव पु०बहनेवालावस्तु रकीकचीज
द्रवत्व न० बहनेकाकारणबहनापन
द्रवद्रव्य न० बहने वाली चीज
द्रविड पु० एक देश । उस देशका रहने वाला
द्रविण न० वित्त,धन,पराक्रम,बल
द्रव्य न० पृथिवीआदि ६धन धातु
द्रष्टृ त्रि०विचारशील,साक्षी,गवाह
द्राक् अ० शीघ्र,झटिति,जल्द,झट
द्राक्षा स्त्री० दाख किशमिश
द्राघिमन्पु०दीर्घत्वलम्बापनलंबा
द्राघिष्ठ त्रि० बहुत लम्बा [जार
द्रावक पु० चन्द्रकान्तमणि चम्बक
द्रु पु० वृक्ष शाखा डाली [हुआ
द्रुत पु० जल्द पिघला हुआ भागा
द्रुम पु० वृक्ष दरख्त
द्रोह पु०अभिद्रोहसन्ताप,वैरदुश्मनी
द्रौपदी स्त्री०द्रुपद राजा की पुत्री
द्वन्द्व पु०दोएकसाथमिथुन कलह झगड़ा एकसमास सर्द गर्म
द्वन्द्वचर पु० चकवा चकई
द्वय न०दोकी संख्या,दोकीगिनती
द्वादश त्रि० बारहवां १२ को पूरा करने वाली संख्या

र् स्त्री॰ द्वार दर्वाजा
र न॰ दर्वाजा, उपाय वसीला
रका स्त्री॰ एक नगर
रकेश पु॰ श्रीकृष्ण
रप पु॰द्वारपाल दरबान
रयन्त्र न॰ द्वारका ताला
विंशति स्त्री॰ बाईस
त्रि॰दोकी संख्या दोकी गिनती
गु पु॰एकसमासजिसमेंसंख्या
वाचक शब्द प्रथम होता है
गुण त्रि॰ दुगुना दूना [खेत
गुणाकृत त्रि दोवार जोतागया
द्व पु॰ब्राह्मण,क्षत्रिय वैश्य पक्षी
दांत
द्वदेव पु॰ब्राह्मण ऋषि,महात्मा
जन्मन् पु॰ ब्राह्मण, क्षत्रिय,
वैश्य दांत, पक्षी
द्विजराज पु॰ चन्द्रमा। चांद
द्विजवर पु॰ विप्र ब्राह्मण
जाति पु॰ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य
पक्षी, दांत
जिह्व पु॰ सर्प सांप
य त्रि॰ दो अवयव वाला दो
भाग वाला [करने वाला
तीय त्रि॰ दूसरा दो को पूरा
द्विदत् त्रि॰ दोदांतवालाबैलआदि
द्विधा अ॰ दो प्रकारसे दोतरह से
द्विप पु॰ हस्ती हाथी
द्विपद पु॰दोपैरवाला मनुष्यपक्षी
द्विमातृक पु॰ जिसकीदोमाताहों
द्विमुख पु॰दो मुख वाला दुमुही
द्विरद पु॰ दो दांत वाला हाथी
द्विरागमन न॰ गौना [अभ्यस्त
द्विरुक्त त्रि॰ दो बार कहा गया,
द्विरूढास्त्री॰ दोवारविवाहीगईस्त्री
द्विरेफ पु॰ भ्रमर भौंरा
द्विवचन न॰दो को कहनेवाला दो
को बताने वाला प्रत्यय
द्विवार्षिक त्रि॰ दो वर्षके दो वर्ष
की उम्र वाला
द्विशफ पु॰ दो खुरवाला जानवर
द्विषन्तप पु॰शत्रुओंको तपानेवाला
द्विष्ठ त्रि॰ दो जगह रहने वाला
द्विसप्तति स्त्री॰ बहत्तर ७२ [वाली
द्विहायनी स्त्री॰दोवर्ष की अवस्था
द्विहृदयास्त्री॰गर्भवतीस्त्री [जज़ीरा
द्वीप न॰जिसके दो ओर पानीहोटा
द्वीपिन् पु॰ चीता बाघ भेड़िया
द्वेधा अ॰ दो प्रकारसे दो तरहसे
द्वेष पु॰ विरोध वैर दुश्मनी

द्वेपण त्रि० शत्रु दुश्मन वैरी
द्वैगुणिक त्रि० दूना लेने वाला ब्याज लेने वाला [सव्यावाला
द्वैत न० दो प्रकारके भेदवाला दोकी
द्वैतवादिन् त्रि० जीव और ईश्वर को पृथक् मानने वाला
द्वैध न० दो प्रकार दो तरह
द्वैपायन पु० व्यासदेव
द्वैमातुर पु० दो माताकी सन्तान दो माताओंसे पालागया [जा द्रव्य
द्व्यणुक न० दो परमाणओं से उप-

(ध)

धट पु० तुला तराजू तखड़ी
धत्तूर पु० धतूरा
धन न० वसु अर्थ दौलत [वाला
धनञ्जय पु० अर्जुन धनको जीतने
धनद त्रि० धनको देनेवाला [धनिया
धनिक पु० न० धनी दौलतमन्द
धनिष्ठा स्त्री० बहुत धनवाली अपने नामका नक्षत्र [तीरंदाज़
धनुर्धर पु० धानुष्क धनुर्धारी
धनुर्वेद पु० शस्त्रविद्या जिसमें शस्त्र अस्त्र चलाने की विधि हो
धनुष्क पु० धनुर्धारी धानुष्क
धनुष्मत् त्रि० धानुष्क धनुर्धारी
धनुस् न० चाप धनु एकराशि
धन्य पु० श्लाघ्य सराहने लायक कृतार्थ कामयाब
धन्याक न० धनियां
धन्वन्तरि पु० शिल्पशास्त्रके कर्त्ता
धमन पु० नल धोंकनी फूंकनी क्रूर बेरहम
धमक पु० फूं कनेवाला लुहार सुनार
धमनिनीस्त्री० नाडीशिरामीवागर्दन
धर पु० पर्वत पहाड़ धागा डोरा
धरणि णी स्त्री० पृथिवी भूमि ज़मीन
धरा स्त्री० पृथिवी गर्भाशय मीज़
धराधर पु० पर्वत पहाड़
धरित्री स्त्री० पृथिवी भूमि ज़मीन
धर्म पु० न० न्याय कर्तव्यकर्म वेद विहितकर्म
धर्मक्षेत्र न० धर्मका स्थान [धाम
धर्मध्वजिन् त्रि० पाखण्डी धोखे
धर्मपत्नीस्त्री० विवाहितास्त्रीस्वधर्म
धर्मपुत्र पु० धर्मकापुत्र युधिष्ठिर
धर्मराज पु० धर्मकाराजा युधिष्ठिर
धर्मलक्षण न० जिससे धर्म मालूम हो धृति क्षमा दम चोरी त्याग शौच इन्द्रियों को वश में करना धी विद्या सत्य और अक्रोध

धर्मशास्त्र न० मनु, आदिका रचा हुआ स्मृति शास्त्र [धर्मात्मा
धर्मशील त्रि० धर्मिष्ठ धार्मिक
धर्मसंस्थापन न० धर्म को कायम करना [रची गई पोथी
धर्मसंहिता स्त्री० धर्म के लिए
धर्मात्मन् त्रि० जिसका धर्म करने का स्वभाव हो
धर्माधिकरण पु० जिसे धर्म के लिए अधिकार दिया जाता है जज
धर्माध्यक्ष पु० न्यायाधीश मुन्सिफ
धर्माभास पु० मिथ्याधर्म झूठाधर्म
धर्मासन न० इंसाफ की कुर्सी
धर्मिन् त्रि० धर्मवाला पुण्यवान्
धर्मिष्ठ त्रि० महाधर्मात्मात्मा, अति पुण्यशील
धर्षण न० तिरस्कार बेइज्जती
धव पु० पति मालिक धूर्त
धवल पु० स्वेत रंग सुन्दर
धवलपक्ष पु० जिसके स्वेत पंख हों हंस बगुला शुक्ल पक्ष [क्रिया
धवलमृत्तिकास्त्री० सफेद मिट्टी ख
धवलोत्पल न० सफेद कमल
धवित्र न० व्यजन पंखा बीजना
धातु पु० वात पित्त कफ रस रुधिर मांस मेद अस्थि मज्जा शुक्र सीमा आदि भू आदि
धातुघ्न न० कांजिक काजी
धातुद्रावक न० सुहागा
धात्री स्त्री० जिसका दूध पिया जावे माता उपमाता दाई
धाना स्त्री० धन्याक धनियां सत्तू
धानी स्त्री० जिसमें रहकर पालन योग्य होसके राजधानी
धानुष्क पु० धनुधारी तीरंदाज
धान्य न० अन्न पुष्टकारक वस्तु धान धनिया
धामन् न० गेह, घर, शरीर, देह, तेज
धामनिधि पु० सूर्य । सूरज
धाय्या स्त्री० समिधा पुरोहित
धारा स्त्री० पानी की धार वर्षा
धारणा स्त्री० स्मरण शक्ति, आत्मा में चित्तकी स्थिति
धाराट पु० पपीहा, घोड़ा बादल
धाराधर मेघ बादल
धारासम्पात पु० महावृष्टि, झड़ीवर्षा
धारिणी स्त्री० भूमि ज़मीन
धारिन त्रि० धारण करने वाला
धार्मिक त्रि० धर्मशील धर्मात्मा
धार्ष्ट्य न० ढीठता, निर्लज्जता, बेशर्मी

नटन न० नाचना नृत्य
नटी स्त्री० वेश्या कंजरी नटनी
नत त्रि० नम्र झुकाहुआ
नतनासिक त्रि० जिसकी नाक
झुकी हो
नति स्त्री० प्रणाम नम्रता झुकना
नद पु० स्वाभाविक जलका प्रवाह
नदी स्त्री० पर्वत से निकलनेवाला
जल का प्रवाह दरिया
नदीज त्रि० जो नदी में पैदा हो
नदीन पु० समुद्र सागर
नदीमातृक त्रि० समुद्र सागर
नदीष्ण त्रि० नदी में तिरनेवाला
नद्ध त्रि० बंधाहुआ मिलाहुआ
ननन्द् स्त्री० पतिकी बहिन ननद
ननु अ० प्रश्न-सवाल धकीमन
बुलाना सम्बोधन
नन्द् पु० हर्ष खुशी
नन्दन पु० पुत्र खुश करनेवाला
नन्दिनी स्त्री० वसिष्ठजी की गाय
नपुंसक पु० क्लीव हीजड़ा
नप्तृ पु० पौत्र नाती पोता धेवता
नभ पु० न० सावनका महीना
आकाश आसमान
नभश्चर पु० मेघ बादल वायु हवा
पक्षी सूर्य आदि ग्रह

नभस् न० आकाश आसमानपौ
नभस्य पु० भाद्रपद भादों
नभस्वत् पु० वायु हवा पवन
नभोमणि पु० सूर्य सूरज भानु
नमस् अ० नति झुकना छोड़ना
शब्द करना [सलाम
नमस्कार पु० नमन नति प्रणाम
नमस्य त्रि० नति करने के
नमस्कार करने के लायक
नमेरु पु० रुद्राक्ष वृक्ष [नत
नम्र त्रि० विनयान्वित झुकाहुआ
नम्रक पु० वेतस बैंत नम्र
नय पु० नीति न्याय नेता रहनुमा
नयन न० पहुँचाना नेत्र आँख
नर पु० परमात्मा पुरुष
नरक पु० पापियों के पापका दुःख
भय फल भोगना दुःख
नरककुण्ड न० पापियोंके पाप
भोगने की योनि स्थान [राजा
नरदेव पु० नरोंमें देवता नृपति
नरपति पु० भूपाल राजा
नरपुङ्गव पु० मनुष्यों मे उत्तम
बहुतअच्छा
नरमेधपु० अन्त्येष्टिसंस्कार
अन्तिम आहुति [सवारीहो
नरवाहन त्रि० जिसके मनुष्य

नरसिंह पु॰ सिंहरूपी पुरुषश्रेष्ठ पुरुषार्थी [योंका गिरोह
नरस्कन्ध प॰ जनसमूह आदमि
नरेन्द्र पु॰ राजा विषवैद्य
नरोत्तमपु॰ पुरुषोंमेंश्रेष्ठ पुराणायति
नर्त्तक पु॰ चारण नट नचवैया
नर्त्तन न॰ नृत्य नाच
नर्मद पु॰ परिहासी मसौलिया दिल्लगीबाज़ [केलिक्रीड़ा
नर्मन् न॰ परिहास हँसी ठट्ठा
मल्लिकास्त्री॰नाली नाड़ी सुगन्धित द्रव्य
नव त्रि॰ स्तव तारीफ नूतन नया
नवग्रह पु॰ सूर्य आदि नौ ग्रह
नवति स्त्री॰ नब्बे ६०
नवद्वारपुर न॰ शरीर देह जिस्म इसमें नौ द्वार हैं कान२आंख२ नाक २ मुख १ गुदा १ लिंग१
नवधा अ॰ नव प्रकारसे नौतरहसे
नवधातु पु॰ सोना,आदिनौ धातु
नवन् त्रि॰ नौकी संख्या ९
नवनीत न॰ नौनी मक्खन
नवनीतक न॰ घृत घी
नवमल्लिका स्त्री॰नवमालिका बहुत फूलों वाला वृक्ष
नवम त्रि॰ नौवा नौमी तिथि
नवयौवनागमन न॰नई बहूकामाना
नववस्त्र न॰नूतनवस्त्र नया कपड़ा
नवान्न न॰ नया अन्न नवीनान्न
नवीन त्रि॰ नूतन नया ताज़ा
नवोदक न॰नवीन जल नयापानी ताजा पानी [निकाला हुआ
नवोद्धृत न॰ मक्खन नया
नव्य त्रि॰ नूतन नवीन [नाबूद
नष्ट त्रि॰तिरोहित छिपाहुआनेस्त
नहि अ॰ निषेध मनाई रोकना।
ना अ॰ निषेध मनाई रोकना
नाक पु॰जहांपर दुःख नहो सुख स्थान
नाग पु॰सांप हाथी बादल पर्वत
नागर त्रि॰चतुर शहरी होशियार
नागरक पु॰ चतुर शिल्पी चोर उचक्का
नागलोक पु॰पातालअमेरिकावेश
नागाशन पु॰ गरुड़ मोर
नाट पु॰ नृत्य नाच
नाटक पु॰लीला थियेटर
नाट्य न॰ नटका काम नाचना॰ गाना बजाना [नाचघर
नाट्यशाला स्त्री॰लीलाघर थियेटर

निचोल पु० पलँगपोश, डोलीका पड़दा स्त्री पिधानपट बुर्का डुपट्टा चादर -[अपना

निज त्रि० आत्मीय स्वाभाविक

निटल न० माथा कपाल खोपड़ी

नितम्ब पु० चूतड़ कमर

नितराम् अ० सुतराम् सदा अतिशय विशेष

नितान्त न० एकान्त बहुतही बिल्कुल

नित्य त्रि० तीनोंकाल में एकरस वाला सदा हमेशा

नित्यकर्म न० सन्ध्यावन्दन

नित्यता न० सातत्य सदा हमेशा

नित्यमुक्त पु० सदा छूटा हुआ बन्धन रहित परमात्मा

निदर्शन न० उदाहरणमिसालदृष्टान्त

निदाघ पु० तपन घाम गर्म गर्मी का वक्त

निदाघकर पु० सूर्य सूरज

निदान न० आदिकारण रोगका सबब शुद्धि सफाई [रहना

निदिध्यासनन० मननकरना मग्न

निदेश पु० आज्ञा शासन हुक्म कहना निकट भाजन

निद्रा स्त्री० शयन सोना नींद

निधन न० मृत्यु मौत मरना

निधान न० निधि खज़ाना माल

निधि पु० कोश खजाना

निधीश पु० कोषाध्यक्ष खजान्ची कोशका स्वामी

निन-नाद पु० ध्वनि शब्द आवाज़

निन्दा स्त्री० अपवाद गर्हा कुत्सा बदनामी [की अंगा

निपत्या स्त्री० युद्धभूमि लड़ाई

निपात पु० अन्तिम गिरना मरना व्याकरण में 'च' आदि

निपान न० प्याऊ तालाब [गंवा

निपीडित त्रि० दबाहुआ निचोड़ा

निपुण त्रि० चतुर दक्ष होशियार

निबन्ध पु० प्रतिज्ञा ग्रन्थ रचना बन्धन

निभृत त्रि० धृत भी शिक्षित निश्चल गुप्त निर्जन

निमज्जथु पु० अवगाहनस्नानकरना

निमज्जन न० अवगाह स्नानजलमें घुसकर नहाना

निमन्त्रण न० श्रद्धापूर्वक भोजनार्थ बुलाना आह्वान बुलावा

निमित्त न० कारण हेतु सबब

निमित्तकारण न० घटके बनानेमें कुम्भकार निमित्त कारण है

निमेषपु॰ आंखकामीचनाइतनासमय
निमीलन न॰ मरना सिकोड़ना
आंखका मीचना
निम्न त्रि॰ गम्भीर गहराईसे नीच
निम्नगा स्त्री॰ नदी दरिया
निम्नोन्नतत्रि॰ऊंचानीचाउन्नतानत
निम्ब पु॰ नीमका वृक्ष
निम्लोचन न॰ अस्तप्राय गरूब
नियत त्रि॰ निश्चित मुकर्रर
आचार वाला
नियति स्त्री॰ नियम भाग्य किस्मत
नियन्त्रित त्रि॰ प्रतिबन्ध बंधा हुआ
वशग । कब्जेमें आया
नियम पु॰ प्रतिज्ञा । निश्चय ।
अन्यथा रोक । व्रत । अंगीकार
नियामक पु॰ कर्णधार । मल्लाह
हुक्म चलानेवाला । मालिक
नियुत न॰ दश लाख (१०००००)
नियोग पु॰ आज्ञा । हुक्म । अव
धारण निश्चय । नियम
नियोक्त त्रि॰ स्वामी मालिक ।
नियोज्य त्रि॰ भृत्य नौकर भेजने
के योग्य [कायम करना
नियोजन न॰ लगाना मिलाना
निर् अ॰ निषेध रहित निश्चय निकलना

निरङ्कुश त्रि॰ स्वतन्त्र बेरोक
स्वच्छन्द
निरञ्जन पु॰ जिसमेंकिसीप्रकारका
कोई विकार न हो ईश्वर
निरतिशय त्रि॰ परमोत्कृष्ट बहुत बड़ी
निरत्ययत्रि॰ नाशरहितनमरनेवाला
निरन्तर त्रि॰ लगातार निबिड़
सघन निरवधि असीम
निरपत्रप त्रि॰ निर्लज्ज बेशर्म
निरर्गल त्रि॰ प्रतिबन्धरहित अबाध
बन्धनसे मुक्त
निरर्थक त्रि॰ निष्प्रयोजन बेमतलब
निरवग्रह त्रि॰ बेरोक आज़ाद
निरवद्य त्रि॰ श्रेष्ठ सज्जन दोषरहित
निरवयव जिसमें अवयव न हो ईश्वर
निरवशेष त्रि॰ सम्पूर्ण सब
निरसन न॰ परित्याग छोड़ना
मारना निकालना [थूका गया
निरस्त त्रि॰ तिरस्कृत शीघ्रोच्चारित
निराकरण न॰ निवारण दूरकरना
तिरस्करण
निराकरिष्णु त्रि॰ निवारणशील
निकालदेने वाला
निराकृति स्त्री॰ निवारण हटादेना
निरामय त्रि॰ नीरोग रोग रहित
सुन्दर

निरुक्ति स्त्री० निर्वचन किसीशब्द के विषयमें पूरा २ कहना
निरुद्द त्रि० मर्यादाहित विमाध्याहा
निरूढि स्त्री० प्रसिद्धि मशहूरी
निरूपण न० विचार निदर्शन दृष्टान्त
निरूपित त्रि० नियुक्त किसीकाम में लगाया गया रचा गया
निरोध पु० नाश तबाही रुकावट
निरोधन न० कारागार जेलखाना बन्दकरना
निर्गुण पु० जो जिसमें गुण न हो वह उससे निर्गुण है
निर्घृण त्रि० निर्दयी बेरहम
निर्घोष पु० शब्दमात्र हर तरहकी आवाज
निर्जन त्रि० विजन एकान्त तनहाई
निर्जर पु० जो बुड्ढा न हो बुढापा रहित
निर्झर पु० प्रवाह झरना स्रोत
निर्णय पु० निश्चय यकीन ज्ञान सन्देह [शोधित
निर्णिक्त त्रि० साफ किया हुआ
निर्णेजक पु० रजक धोबी
निर्दिष्ट त्रि० उपदिष्ट बतलायाहुआ कथित [हुक्म
निर्देश पु० शासन सिखाना आज्ञा

निर्धन पु० धनरहित गरीब
निर्धारण न० भिन्न करना मनुष्योंमें क्षत्रियशूरहैं[
निर्धारित त्रि० ठहराया
निर्द्वन्द्व त्रि० सर्वप्रकारके से निकलाहुआ सुखी
निर्बन्ध पु० आग्रह हठ प्रार्थना
निर्बाध त्रि० सुखपूर्वक नि०
निर्भय पु० ...
निर्भर न० जहां सब ... मात्र निहायत [
निर्मक्षिक अ० मक्खीका न
निर्मल त्रि० सुन्दर साफ ... कोई मैल न हो
निर्यातन न० वैरशुद्धि वैर देना लौटकर देना [
निर्यास पु० गोंद पूर्द
निर्वचन न० निरुक्ति अर्थकानि
निर्वाण न० नाश समाप्ति मोक्ष छुटकारा
निर्वाद पु० लोकापवाद बदनामी
निर्वापण न० मारना देना[छोड़
निर्वासन न० देशनिकाला मारना
निर्वाह पु० कार्यसम्पादन निर्वाह जीविका गुजारा

निर्विकार पु० जन्ममरणसे रहित ईश्वर
निर्बीजा स्त्री० किशमिश [मौत
निर्वृति स्त्री० सुख सुस्थिति मुक्ति
निर्वृत्त त्रि० निष्पन्न पूराकियाहुआ
निर्वेद पु० अनुताप वैराग्य । उदासीनता
निर्वेश पु० भोग वेतन । मजदूरी मूर्छन विवाह । प्राप्ति
निर्व्यूढ त्रि० त्यक्त छोड़ाहुआ पूर्ण
निर्हरण पूरीतरह लेजाना दाह शवका लेजाना
निर्हार पु० उखाड़ना उद्धरण कार्य में लगाना शव को बाहर लेजाना
निह्राद पु० शब्द आवाज
निलय पु० निवासस्थान रहनेकी जगह घर [को रोककर
निवचन न० वचनका नियमवाणी
निवर्तन न० हटाना बीसवर्गगजभूमि
निबर्हण न० मारण मारना
निवसति स्त्री० निवास गृह घर
निवसथ पु० ग्राम गांव
निवसन न० घर वस्त्र कपड़ा
निवह पु० समूह झुण्ड गिरोह
निवात पु० वायु रहित स्थान आश्रय आसरा
निवास पु० घर आश्रय [छेकरहित
निविड त्रि० सान्द्र घना मोटा
निवीत न० गलेमें लटकाहुआजनेऊ
निवृत्त न० निषेध निवृत्तहटाहुआ
निवृत्त स्त्री० उपरम विरति हटना
निवृत्ति स्त्री० उपरम विरति हटना
निवेदन न० सम्मानपूर्वक ज्ञापन दरख्वास्त
निवेश पु० विन्यास धरना शिविर छावनी विवाह शादी स्थान
निवेशन न० घरप्रवेश दाखिलहोना
निशा स्त्री० रात्रि रात
निशाकर पु० चन्द्र चन्द्रमा चाँद
निशाचर पु० रात को चलनेवाला चोर डाकू उल्लू चकवा
निशित त्रि० तेजित तीक्ष्णीकृत पैना किया गया
निशान न० तीक्ष्ण तेज पैना
निशान्त न० गृह बहुतशान्त
निशापति पु० चन्द्रमा चांद
निशीथ पु० आधीरात अर्धरात्रि
निश्चय पु० निर्णय फैसला यकीन पक्का

निश्चल त्रि॰स्थिर पक्का अचल
निश्वास पु॰ प्राणवायु का निकालना सांस
निषङ्ग पु॰ तूणीर तर्कश
निषद्या स्त्री॰हाट बाजार पैठ दूकान
निषद्वर पु॰अस्पाल कर्दम कीचड़
निषध पु॰ कठिन सख्त एक देश
निषिद्ध त्रि॰वर्जित मने कियागया
निषेक पु॰गर्भाधान हमल ठहरना
निष्क पु॰न॰ सोलह माशे का परिमाण
निष्कर्ष पु॰इयत्तापरिच्छेद थक्षो बात का सार निचोड़[नष्टवीर्य
निष्फल त्रि॰कलाशून्य । वेहुनर
निष्कासित त्रि॰ निःसारित । निकाला गया [थाग खेत
निष्कुट पु॰गृहके पास का उपवन
निष्कुषित त्रि॰खण्डित तोड़ागया खाल उतारा हुआ [निस्तार
निष्कृति स्त्री॰मुक्ति छुटकारा
निष्कष त्रि॰सारांश सार निचोड़
निष्कोषण न॰निकालना करदेना भीतरके अवयव को बाहर निकालना
निष्क्रमण न॰बहिर्गमन बाहरजाना
निष्ठा स्त्री॰ निष्पत्ति नाश माँगना बढ़ाई व्रत विश्वास [सक्त
निष्ठीव पु॰ थूक खकार [
निष्ठुर त्रि॰ कठोर सख्त
निष्ठ्यूत त्रि॰ फेंका गया
निष्णात त्रि॰सम्यक् हुआ । पारङ्गत निपुण
निष्पत्ति स्त्री॰ समाप्ति पूरापे सिद्धि । फल । नतीजा
निष्पन्न त्रि॰ सिद्ध ।
निष्परिग्रह त्रि॰ सन्यासी ।
निस्पृह त्रि॰ सांसारिक बातों से रहित । योगी महा
निष्फल त्रि॰फलसे रहित । निर्थक । बेफायदह [मोग
निस् अ॰ निषेध । निश्चय ।
निसर्ग पु॰ स्वभाव । स्वरूप सृष्टि ।
निसूदन न॰ मारना । वध
निसृष्ट त्रि॰ न्यस्त । दत्त त्यक्त [सरना । नि
निस्तरण न॰निस्तार । पार
निस्तल त्रि॰ वर्तुल । गोल
निस्तारपु॰उद्धारछुटकारा।नि

हनन न० मारना । वध । कतल करना
हव पु० आह्वान । पुकारना
हित त्रि०स्थापित । रक्खा हुआ
ह्नव पु० शठता । चालबाजी । छिपाना । अपलाप
काश पु०निश्चय । यकीन सदृश
च त्रि० पामर । कमीना । तुच्छ
चैस् अ०नीचे। धीमा ।थोड़ाकम
ड पु निवासस्थान । घोंसला । कुलाय
डज पु० पक्षी । परिन्द
ति स्त्री० न्याय इंसाफ कानून
र न० जल । पानी । रस
रज न० कमल । मोती । पानी में उपजा वस्तु
रद पु० बादल । मोथा
रस पु०रसरहित दाड़िम अनार
रुज स्त्री० आराम । सेहत रोग रहित
ल त्रि०नीले रङ्गवाला नीला रङ्ग
नीलकण्ठ पु०मयूर ।मोर । पपीहा खञ्जन
नीलाम्बर पु० नीले कपड़े वाला
नीलोत्पल न० नीला कमल । काला कमल

नीवार पु० तृणभेद । घास ।धान
नीवि-वी स्त्री० मूलधन । पूंजी । नाड़ा । कमरबन्द [कोहरा
नीहार पु०शिशिर । हिम । बर्फ ।
नु अ०विकल्प । अनुनय । अतीत। प्रश्न । हेतु । वितर्क । अपमान अपदेश । निश्चय [पूजा
नुति स्त्री०स्तव । तारीफ।प्रमाण।
नुन्न-त्त त्रि० प्रेरित । क्षिप्त । चलाया हुआ
नूतन त्रि० अभिनव । नवीन।नया
नूनम् अ० वितर्क । निश्चित । स्मरण । वाक्यपूर्ण । दलील यकीन । याद होना
नूपुर न० बिछुआ पादभूषण
नृ पु० पुरुष नर आदमी
नृत्य न० नाचना नाच
नृप पु० राजा बादशाह
नृपति पु० राजा बादशाह
नृपसभ न० राजसभा राजदरबार
नृयज्ञ पु० अतिथिसत्कार
नृशंस त्रि० क्रूर परद्रोही बेरहम
नैजक पु० रजक धोबी
नेतृ त्रि० नायक चलानेवाला ।
नेत्र न० आंख जटा नाड़ी शलाका

नैविड त्रि० अतिनिकट बहुत ही पास
नैदीयस् त्रि० अतिनिकट बहुत ही पास
नेपथ्य न० भूषण गहना वेष नखाड़ा
नेपाल पु० एक देशका नाम
नेम त्रि० अर्ध आधा अवधि प्रत्र
नेमि पु० भौतका पराधि घेरा
नैगम पु० ब्रह्मविद्याका पुस्तक वैश्य बनिया [करने योग्य
नैत्यिक त्रि० नित्यानुष्ठेय प्रतिदिन
नैपुण्य न० दक्षता चतुराई होशियारी
नैमित्तिक त्रि० कारण से सबबसे
नैयग्रोध न० बटका फल [मन्तकी
नैयायिक त्रि० न्यायको जाननेवाला
नैरन्तर्य न० अविच्छेद लगातार होना
नैराश्य न० चाहका न रखना आशा शून्यत्व [सफाई
नैर्मल्य न० निर्मलता स्वच्छता
नैष्कर्म्य न० कर्मसे रहित होना विधिपूर्वक सब कामोंको छोड़ना
नैष्ठिक पु० समस्त जीवन जो ब्रह्मचारी रहे।
नैसर्गिक त्रि स्वाभाविक कुदरती
नो अ० अभाव महिन होना [हुआ
नोचेत् अ० नहीं तो निषेध यदि न
नौ स्त्री० नौका तरणी नाव।
न्यग्रोध पु० बट वृक्ष [स्थित
न्यस्त त्रि० निहित रक्खा हुआ
न्याद पु० भोजन अशन खाना
न्याय पु० नीति उचित युक्ति गौतम मुनि प्रणीत शास्त्र
न्याय्य त्रि० न्यायपूर्वक इंसाफ के साथ [नत स्यागदानसंन्यास
न्यास पु० रखने योग्य वस्तु अमा-
न्युब्ज त्रि० कुबड़ा कुब्ज औंधा उलट
न्यून त्रि० ऊन कम गया निन्दित
न्योजस् त्रि० तिरछा टेढ़ा बुरा बदमाश

(प)

पक्कण पु० शबरालय भीलों का घर खद्दरकुटी [पकनेवाले
पक्तिम त्रि० पाकनिर्वृत्त पका हुआ
पक्व त्रि० परिणत पका हुआ
पक्ष पु० पार्श्व पखवाड़ा पक्षी तरफदारी
पक्षति स्त्री० प्रतिपद् पड़वा
पक्षपात पु० तरफदारी मुलाहिजा
पक्षिल त्रि० सहायक मददगार परवाला
पक्षिन् पु० पक्षवाला परिन्द चीर
पक्ष्मन् न० पलक पर

पु• म० कर्दम कीचड़ पाप
ह म० पद्म कमल सारस
ल त्रि• कीचवाला स्थान
रुह म० पद्म कमल [पकछंद
कि स्त्री०कतार श्रेणीकीगिनती
केपायन पु• स्वपद्रूकि को
पवित्र करनेवाला ईश्वर
त्रि• लंगड़ा लूला पानैवर
रक म•पञ्चकड़ी पंजा पांचकी
गिनती
गव्य म दूधदहीघीमूत्रगोवर
महत्य म•पृथिवी जल तेज
वायु आकाश
अग्राम पु० हस्त हाथ वस्त्र
पामृत म•दूध दही घृत शर्करा
शहद
साल पु• एकदेश उसका राजा
पाली स्त्री० गुड़िया गुड्डी
पाशत् स्त्री•पचासकीगिनतीपं•
न्द्रिय म•पांचज्ञानेन्द्रियश्रोत्र
कान त्वक् चमड़ा नैत्र आंख,
रसन जीभ नासिका-नाक
पञ्जर पु• म• हड्डियों का
समूह पिंजरा
ञ्चतय म•पांचपटपांचकीगिनती

पञ्चत्व म• मरण मौत
पञ्चदश त्रि• पन्द्रहवां पन्द्रह
पञ्चधा म• पांच प्रकार से पाच
तरह से [हस्ती व्याघ्रयादि
पञ्चनख पु•जिसकेपांचनाखूनहों
पञ्चनद पु• पञ्जाब देश जिसमें
पाचनदी सतलज व्यास रावी
चिनाव झेलम हैं [आकाश
पञ्चभूत म० पृथिवी तेज वायुजल
पञ्चम त्रि पांचवा जिससे पांचकी
गिनती पूरी होती है [मैथुन
पञ्चमकार म०मद्यमांस मत्स्यमुद्रा
पञ्चमहायज्ञ पु• स्वाध्याय, अग्नि-
होत्र अतिथिपूजन पितृयज्ञ, बलि
वैश्वदेव
पटकार पु• तन्तुवाय कोरी जुलाहा
पटकुटी स्त्री० रावटी तम्बू पटगृह
पटल म•छदि छात पड़दा नेत्ररोग
पटह पु•,म• ढोल ढोलक
पटीर म• केदार क्षेत्र खेत मेघ
बादल खदिर उदर
पटीयस् त्रि• चतुर होशियार
पटुजातीय त्रि०चतुर दक्ष होशियार
पटुरूप पु० अतिदक्ष बहुत चतुर
पटोल पु० परवल

पट्ट न० नगर मुल्क चतुष्पथ चौराहा
पट्टदेवी स्त्री० पटरानी राजमहिषी
पत्तन न० प्रधाननगर राजधानी
पण पु० पैसा मूल्य कीमत
साम्र तामा भृति मजदूरी द्यूत
जुआ ग्लह दाव नियम व्यवहार
पणन न० विक्रय बेचना
पणव पु० स्त्री पटह ढोल
पणाया स्त्री० व्यवहार देनलेन
पणितव्य त्रि० विक्रेतव्य खरीदने
योग्य स्तोतव्य तारीफकेयोग्य
पण्डित पु० तत्वज्ञ मालिम चतुर
दाना
पण्डितम्मन्य पु० अपने को बढ़कर
मानने वाला घमण्डी
पण्यवीथी स्त्री० विक्रयशाला
विपणि दूकान। हाट
पण्यस्त्री स्त्री० वेश्या रण्डी
पण्याजीव पु० वणिग्जन व्या-
पारी बनिया
पतग पु० पक्षी विहङ्गम परिन्दह
पतंग पु० शलभ सूर्य पक्षी
पतत् पु० पक्षी परिन्दह
पतत्र पु० पक्षियोंका पर-पक्ष
पतत्रि पु० पक्षी परिन्दह

पतयालु त्रि० पतनशील
पताका स्त्री० झण्डी ध्वजा [
पति पु० स्वामी मालिक
पतित त्रि० नीच अपने धर्म से
गिरा हुआ
पतिम्वरा स्त्री० वह कन्या जो अपने
आप पति को स्वीकार करे
पतिवत्नी स्त्री० सधवा सुहागन
पतिव्रता स्त्री० सती
माननेवाली
पत्ति पु० पैदल चलने वाली सेना
पत्नी त्रि० वैदविधिसेविवाहीगई
पत्र न० वाहन सवारी चिट्ठी कागज
पत्राञ्जल न० मसी स्याही
पत्रिन् पु० सचार पक्षी तीर
पथ पु० मार्ग रास्ता राह [राही
पथिक त्रि० रास्तेगीर मुसा फिर
पथिन् पु० मार्ग रास्ता बाट
पथ्य त्रि० हितकारक मुफीद
पद न० चौथा हिस्सा पाव किरण
पद्ग त्रि० पैदल पावसे चलनेवाला
पदवि वी स्त्री० पद दर्जा ओहदा
पदाति पु० पैदलपांवसेचलनेवाला
पदार्थ पु० अभिधेय वस्तु चीज
पदग पु० पैदलपांवसेचलनेवाला

पद्धति-ती स्त्री० पगडण्डी पथ रास्ता पोथी
पद्म न० कमल नागकेसर धातुसीसा
पद्मबन्धु पु० सूर्य भ्रमर भौंरा
पद्मराग न० लाल रंगकी एक प्रकार की मणि
पद्मा स्त्री० लक्ष्मी लवग लौंग
पद्मासन न० कमलके फूलकी तरह बैठना
पद्मिनी स्त्री० कमलोंका समूह बेल
पद्य न० कविता नज्म श्लोकमात्र
पनस पु० कटहर कटहल
पन्न त्रि० गलित, च्युत गिराहुआ
पन्नग पु० सर्प सांप
पन्नगाशन पु० गरुड़ मोर
पम्पा स्त्री० एक नदी
पयस् न० दुग्ध दूध जल पानी
पयस्विनी स्त्री० दूध वालीधेनु गौ
पयोधर पु० स्तनमांसलमेघ बादल
पयोधि पु० समुद्र सागर समुन्दर
पयोव्रत न० केवल दूध पीकर निर्वाह करना
पर त्रि० भिन्नऔरअन्यअगलाशत्रु
परःशत न सौसेअधिक संख्या
परश्वस् न० अगले दिनसे परला दिन परसों
परःसहस्र न० एक हजारसे ऊपर की संख्या
परकीय त्रि० दूसरेका अन्यकाकेकी
परच्छन्द पु० पराधीन विवश
परजात त्रि० दूसरेसे पैदा हुआ अन्य से पाला गया
परतन्त्र त्रि० पराधीन बेवश
परपिण्डाद त्रि० दूसरे के अन्नको खाने वाला
परभाग पु० बहुत बड़ाई अच्छा हिस्सा दूसरे का हिस्सा
परम् अ० नियोगक्षेपकेवल अनन्तर
परम त्रि० उत्कृष्ट प्रधान बड़ा प्रथम प्रबल [कबूल
परमम् अ० अनुज्ञा हुक्म स्वीकार
परमर्षि पु० श्रेष्ठमुनिप्रज्ञावेत्तावेदज्ञ
परमहंस पु० संन्यासीमहात्मा
परमाणु पु० अर्श धूलि का अति सूक्ष्म अंश जो झरोखोंमें सूर्य किरणों से विदित होता है
परमात्मन् अ० परब्रह्म ईश्वरखुदा
परमान्न न० खीर दूध में पका हुआ अन्न
परमेश्वर पु० जगत् की उत्पत्ति स्थिति और प्रलय कर्त्ता चक्रवर्ती राजा

परिभूत त्रि० तिरस्कृत अनादृत बे-
इज्जत कियागया [घर्षु डाकार
परिमण्डल त्रि० चारोंओरसे गोल
परिमल पु० केसर चंदन आदिका
मलना मलनेसे निकला सुगन्ध
परिमाण न० नाप बराबरी अर्ज
प्रमाण समता परिसर
परिमित त्रि० कृतपरिमाण नापा
गया युक्त मुनासिब ठीक माप
परि-री-रम्भ पु० आलिङ्गन छातीसे
लगाना [छोड़ना
परिवर्जन न० मारण मारना त्याग
परि-रीवर्त पु० विनिमय बदली
अध्याय आदि
परि-री वाद पु० अपवाद निन्दा
कलङ्क बदनामी गाली[मूँडना
परि-री-वाप न० मुण्डन परवापण
परिवापित त्रि० मुण्डित मुँडाहुआ
परि-र वार पु० परिजन कुटुम्ब
आदि तरवारका मियान
परि-री वाह पु० जलोच्छ्वास जल
प्रवाह पानीका बहाव[मालिक
परिवृढ त्रि० प्रभु अधिपति स्वामी
परिवेश पु० घेरम घेरा परिधि
दायरा

परिवेषण न० भोजनदान परोसन
परिव्राज्ञ पु० यतिसन्यासी मस्कर
परिशिष्ट न० फोकपत्र अवशिष्ट
परिश्रम पु० व्यायामकसरत मिहनत
परिश्रय पु० सभा मजलिस कमेटी
परिषद् स्त्री० समा स मेति कमेटी
परिषद्य पु० अनुचर सेवक चाकर
परिषद्वल त्रि० समासद् सभ्य मेम्बर
मजिलिसी [साफसजावट
परिष्कार पु० भूषण गहनास्वच्छ
परिष्वङ्ग पु० आलिङ्गन मिलना
परिसर पु० नदी नगर व पर्वतके
पास का स्थान मौत नियम
परिसर्ग पु० चारों ओरसे लपेटना
चारों ओर से आना
परिसर्य्या स्त्री० चारों ओर से
आना सेवा
परि-री-हार पु० त्याग लोप दूर
करना अनादर बेइज्जती
छोड़ना तोड़ना
परि रीहास पु० केलिक्रीडामखौल
ठट्ठा
परीक्षक त्रि० परीक्षा लेने वाले
मुम्तहिन परखने वाला

न० निरूपण परखना
जांच [तोल
०·इम्तिहान जाँच माप
गतवर्ष पिछला वर्ष
परुष न० निष्ठुर वचन बुरा
बोलना कठोर बुरा
परुस् न० ग्रन्थि गाँठ पर्व गिरह
परेत त्रि०मृत मरगयागुजरचलागया
परेद्युस् अ० परदिन दूसरा दिन
परोक्ष न०जो इन्द्रियों से न जाना
जाय
पर्जन्य पु०मेघ बादल बिजली
पर्ण न०पत्र पत्ता पक्ष पर[झोंपड़ी
पर्णशाला स्त्री० पत्रनिर्मित कुटीर
पर्पट पु० पापड़ पापर
पर्यङ्क पु०खट्वा खाट पलंग
पर्यटन न०चारोंओर घूमना बाहर
घूमना सैर करना [सवाल
पर्यनुयोग पु०अच्छी तरह पूछना
पर्यन्त न० सीमातक हद्दतक
पर्यन्तभू स्त्री० सीमाका स्थान
हद्द की ज़मीन [दस्तावेज
पर्यवस्था स्त्री० विरोध फर्क-
पर्यस्त त्रि० विक्षिप्त फेंका हुआ
पतित हत

पर्याणन०अश्वसज्जा घोड़ेकी काठ
पर्याप्त न० यथेष्ट इच्छापूर्वक तृप्ति
सामर्थ्य
पर्याय पु० अनुक्रम सिलसिला
प्रकार उसी शब्दके अर्थको
बतानेवाला दूसरा शब्द
पर्युदञ्चन न० ऋण कर्ज
पर्युदस्त निवारित हटाया गया
पर्युषित त्रि०बासीरक्खा हुआवस्तु
पर्येषणा स्त्री०अन्वेषणखोज तलाश
पर्वत पु० गिरि शैल पहाड़
पर्वतीय त्रि० पहाड़ी पहाड़िया
पर्वन् न० उत्सव ग्रन्थि गांठ पोई
पर्षद् स्त्री० सभा समिति समाज
पल न० घड़ीका ६० वां हिस्सा
चार कर्षभर वजन
पलल न० मांस कुछ। कीचड़
पलाण्डु पु० प्याज। मूलभेद
पलायन न० भागना दौड़ना
पलाल पु०न०पुआलभोमालविचार
पलाश न०ढाकका वृक्ष[कीसफेदी
पलित न० सफेदबालवाला बुढ़ापे
पल्यङ्क पु०शय्या पलँग सेज
पल्लव पु०नयेपत्तोंकीफैलावट म
शाखा राग शाखा पत्ता

पल्लि-ल्ली स्त्री०लघुग्राम भीलोंकी वाला गाँव
पल्वल पु०न०क्षुद्रसरछोटीतलैया
पवन पु० वायु समीर हवा [साँप
पवनाश पु०जो वायुखाताहो सर्प
पवमान पु०पवित्रकरनेवालावायु
पवि पु० वज्र बिजली
पवित्र त्रि०शुद्ध स्वच्छ साफ सत्य
पशु पु० ढोर मवेशी चौपाया
पशुराज पु० सिंह शेर
पश्चात् अ० चरम पीछे [पछतावा
पश्चात्ताप पु० पीछे पछताना
पश्चिम त्रि० पिछला प्रतीची
पश्यतोहर पु०जो देखतेहुए चुराले चोर ठग सुनार
पांशु सु पु० धूल पासा खाद
पांशुल त्रि० पापी बदमाश कुल्टा
पाक पु० पचन पकना परिणाम नतीजह [काच लवण
पाकज न०जो पकाने से उपजताहै
पाकशाला स्त्री०पाकस्थान पकाने की जगह रसोईखाना
पाक्षिक त्रि०पक्षसे प्राप्त हुआ पक्ष का पक्षवाला का [रसोइया
पाचक पु० अग्नि आगपकानेवाला
पाचन न० पचना पकना आग
पाञ्चाल त्रि०पञ्चाल देशमें हुआ
पाटच्चर पु० चोर चोर तस्कर
पाटल पु०श्वेतरक्तवर्णगुलाबीरंग
पाटलीपुत्र न० पटना नाम नगर
पाटव न०पटुता चतुराई होशियारी
पाठ पु० संस्था सबक डेसन।
पाठक पु०पढ़नेवालापढ़ानेवाला।
पाठशाला स्त्री०न०पढ़नेका स्थान मदर्सा स्कूल।
पाठिन् त्रि० पढ़ने वाला
पाणि पु० कर हस्त हाथ दस्त
पाणिगृहीती स्त्री० भार्या स्त्री औरत
पाणिग्रहण न०विवाहशादी ब्याह
पाणिघ पु० तबलची मृदंग या ढोलक बजाने वाला
पाणिनी पु०दाक्षीपुत्र अष्टाध्यायी व्याकरण के कर्त्ता
पाणिनीय त्रि०पाणिनिका या उन का कहा हुआ अष्टाध्यायी व्याकरण [डोर
पाणिसर्ग्या स्त्री० रज्जु।
पाण्डव पु० पाण्डु की सन्तान औलाद [श्वेतवर्ण
पाण्डु पु० चन्द्रवंशी एक राजा

पाण्डु पु॰श्वेत पीत मिश्रितवर्ण कमलवाय [पचा हुआ
पात पु॰ पतन गिरना रक्षित
पातक न॰ पाप बुराकाम गुनाह
पातञ्जल न॰पातञ्जलिका कहाहुआ महाभाष्य-योगसूत्र[अमेरिका
पाताल न॰पृथिवीके नीचेकालोक
पातुक त्रि॰पतनशील गिरनेहारा
पात्र न॰ बर्तन वासन
पात्रेसम्मित त्रि॰ भोजनकेतयार होने पर माजाये परन्तु काम कुछ न करने वाला-पेसानर
पाथ न॰ जल पानी सूर्य आग
पाथस् न॰पीना पचानाअन्नपानी
पाथेय त्रि॰ मार्गभोजन तोशा सफरी खाना
पाद पु॰ पैर पांव चतुर्थांश
पादचारिन् त्रि॰ पैदल पैरों से चलने वाला
पादत्राण न॰ पादुका जूती
पादप पु॰ वृक्ष रुख दरख्त
पादमूल न॰पांवकेनीचेकाहिस्सा
पादविक त्रि॰ पांव चलने वाला पैदल
पादुका स्त्री॰ खड़ाऊं जूती
पाद्य न॰ पांव धोने के लिये पानी
पान न॰पीना पचाना पीनेकापात्र
पानगोष्ठी स्त्री॰शरावपीनेवालोंकी चौकड़ी [पीनेका पात्र
पानपात्र न॰पीने का बर्तन शराब
पानीय न॰ जल पानी
पानीयशालिका स्त्री॰प्याऊ पानी पिलाने का घर
पान्थ पु॰पथिक मुसाफिरबटोही
पाप न॰ कुकर्म अधर्म गुनाह
पापघ्न पु॰ पापका नाश करने वाला धर्म [आदमी
पापपुरुष पु॰ पापीनर गुनहगार
पापात्मन् पु॰ पापी गुनहगार
पाप्मन पु॰ पाप गुनाह
पामन् पु॰ विचर्चिका खुजली
पामघ्न पु॰ गन्धक जो खुजली को दूर करता है
पामन त्रि॰ खुजली के रोगवाला
पामर त्रि॰नीच मूर्ख क्रूर बेवकूफ
पायस न॰ दूधमें पकाहुआ अन्न खीर
पायु पु॰ गुदा मलेन्द्रिय
पार न॰ दूसरीओरदूसराकिनारा
पारग त्रि॰ पार जाने वाला कार्य को पूरा करनेवाला

पारण न० व्रतान्त भोजन व्रत के समाप्त होजानेपर भोजन
पारतन्त्र्य न० पराधीनता तावेदारी
पारत्रिक त्रि० परलोकमें हितकारी
पारद पु० एक धातु । पारा
पारदार्य न० दूसरे की स्त्री के साथ गमन करना व्यभिचार
पारमार्थिक त्रि० जो दूसरे जन्म में धर्म के लिये हितकारी हो
पारम्पर्य न० कुलादि परम्परा पहिले से जो नियम चला आता हो
पारलौकिक त्रि० दूसरे जन्म के लिये हितकारी [आदमी
पारसीक पु० फारसदेश का वस्तु
पारस्त्रैणेय त्रि० जारज । पराई स्त्री का पुत्र
पारावत पु० कबूतर ।
पारावार न० इधर उधर । दोनों किनारे । समुद्र
पारायण न० पूर्ण कार्यकरना । किसीग्रन्थका पूरा पाठकरना
पारावारीण त्रि० इस किनारे से उस किनारे तक आनेवाला । समुद्रके पार जाने वाला ।

पाराशर पु० पराशरका पुत्र वेद व्यास पराशर [वेदव्यास
पाराशर्य पु० पराशरका पुत्र पराशर
पारपन्थिक पु० चोर । तस्कर
पारिप्लव न० चञ्चल । आकुल
पारिषद त्रि० सभा का सभा में हुआ सभासद मेम्बर
पारिहार्य पु० वलय । कटक कड़ा
पारीण त्रि० पारग पारजानेवाला कार्य समाप्त करने वाला
पार्थ पु० युधिष्ठिर आदि पाँचोंभाई
पार्थिव पु० पृथिवीकास्वामी राजा
पार्वत त्रि० पर्वतमें हुआ । पर्वतका
पार्श्व पु० न० कक्षा काँख बगल
पार्षद पु० सभास्थ सभामें बैठा हुआ
पार्ष्णि पु० स्त्री० एड़ी सेनाकोपीठ
पाल त्रि० बचाने वाला रक्षक
पालक त्रि० पालनकरनेवालारक्षक
पावक पु० अग्नि आग चिता बिजली [आग
पावन पु० पवित्रकरनेवाला अग्नि
पाश पु० जाल फंदा
पाश्चात्य त्रि० पश्चिम देश का पीछे उस में हुआ अगरवी

पाश्या स्त्री० पाशोंका समूह बहुत पाशें [वाला
पाशच्छिन्न त्रि० बेड़ाका तोड़ने
पाषाण पु० प्रस्तर उपल पत्थर
पाषाणदारक पु० पत्थरको काटने वाली छनी
पिक पु० कोकिल कोइल[का पक्षी
पिकबन्धु पु० कोइलका भाई आम
पिङ्गाक्ष पु० पीली आँखवाला
पिचण्ड पु० उदर पेट
पिचु पु० कार्पास कपास रुई
पिच्छ न० मयूरपुच्छ मोरकी पूछ
पिच्छट पु० नेत्ररोग आंखका मैल
पिञ्जर न० हरिताल स्वर्ण सोना नागकेशर पिंजरा
पिटक पु० पिटारी मञ्जूषा
पिठर पु० घर मुस्ता मोथा रई वाली [मैं भकड़ने वाला
पिण्डीशूर पु० घरमें बहादुर घर
पितामह पु० पिताका पिता बाबा दादा
पितृ पु० जनक। पिता। फादर
पितृव्य पु० पिताका भाई चाचा काऊ। [बेटा
पितृष्वस्रीय पु०स्त्री० बुआ का
पित्तल न० एक धातु। पीतल
पित्र्य त्रि० पितृ संबंधी पितासे आया
पिधान न० ढाकना ढकना पड़दा
पिपासा स्त्री०पीनेकीइच्छा प्यास
पिपासु त्रि०पीने की इच्छा करने वाला प्यासा
पिपीलक पु० काला कीड़ा या कीड़ी चींटा चींटी
पिप्पल न० जलपानीपीपलकापेड़
पिशाच पु० मांस खाने वाला बुरे काम करने वाला
पिशित न० मांस अदामासी
पिशुन त्रि० सूचक चुगलखोर क्रूर निर्दयी केसर
पिष्ट न० सीसक पिष्टक सीसा पीठी पीसा हुआ
पिष्टप पु० न० भुवन जगत् स्वर्ग
पिहित त्रि० तिरोहित छिपा हुआ आच्छादित
पीठ पु०न० पीढ़ा स्थूलकी वेदी
पीडन पु० अभिभव दबाव फएदेना
पीडा स्त्री० व्यथा दुःख दर्द तकलीफ
पीडित त्रि० मर्दित निचोड़ा हुआ दुःखित

पीत म० पालपीमा हरिताल पीलारंग
पीतक म० कुङ्कुम केसर हरिताल
पीतल
पीतवासस् पु० पीलेयस्त्रोंवाळा
पीन त्रि० स्थूल मोटा वृद्ध पूर्ण
पीनस पु० नासिका का रोग
जुकाम खांसी
पीयूप न० अमृत सुधा दूध
पीलु पु० परमाणु हाथी [वायु
पीवन् त्रि० मोटा स्थूल बलवान्
पीवर त्रि० स्थूल मोटा तरुणी गो
पुल्लिङ्ग न० पुरुषका चिह्न एक
प्रकारका अंग मुजक्फर
पुंश्चली स्त्री० व्यभिचारिणी
परस्माश्र औरत
पुंसवन म० द्वितीयसंस्कार जिस
से पुरुष हो
पुंस्त्व पु० पुरुषत्व मनुष्यसा
इ सामियत [पूरा
पुङ्ख पु० बाणमूल तीरकासिरा
पुङ्गव पु० वृष बैल श्रेष्ठ उत्तम
पुच्छ म० पूंछ पीछेका हिस्सा
पुञ्ज पु० राशि चय समूह ढेर
पुट म० महत्व पत्रपात्र दोना
पुटभेद पु० ममरमावर्तनगरयाजा
पुटिका स्त्री० एला इलायची
पुटित त्रि० मथित पीटित
हुआ [
पुण्डरीक पु० सफेदकमल
पुण्ड्र पु० एक प्रकारका गन्ना
पौंडा
पुण्य म० धर्म । अच्छा काम
पुण्यजन पु० अपापीजन धर्मा
पुण्यभूमी स्त्री० धर्म
आर्यावर्त । [मक्खी
पुत्तिका स्त्री० क्षुद्रमक्षिका छोटी
पुत्र पु० तनय आत्मज । बेटा
लड़का
पुत्रक पु० बेटा । धूर्त । शरभ
कृत्रिमपुत्र मुतबन्ना बेटा
पुत्रिकापुत्र पु० लड़कीका लड़
केवास [पुत्र
पुत्रेष्टि स्त्री० पुत्रके लिये
पुनःपुनर् म० बारबार अर्थ
पुनःसंस्कार पु० दुबारा संस्का
अनेक ब्याह [भेद
पुनर् म० अवधारण । निश्चय ।
पुनर्भव पु० फाटमे पर भी
पुनःभया हो नख । नाखून ।
पुमस् पु० पुरुष मनुष्य आदमी

पूग पु० सुपारीका वृक्ष समूह वृन्द
पूजा स्त्री० सत्कार । पूजा ।
पूजार्ह त्रि० पूजाके योग्य । सत्कारके योग्य
पूज्य त्रि० पूजा करनेयोग्य
पूत न० पवित्र साफ शुद्ध
पूतना स्त्री० पवित्रकर्त्री हरीतकी एक राक्षसी
पूति स्त्री० पवित्रता पाकीजगी
पूप पु० पूआ पूआ
पूय न० व्रण घाव फोड़ा जखम
पूर पु० जलका समूह घावकी सफाई
पूरुष पु० अमनर आदमी
पूर्ण त्रि० पूरित भराहुआ सकल
पूर्णपात्र न० भराहुआपात्र यतम
पूर्णमास पु० पूर्णमासी के दिन करने योग्य एक प्रकारकायज्ञ
पूर्णिमा स्त्री० पूर्णमासी पूनो
पूर्व त्रि० प्रथम पहिला प्राक्
पूर्वज त्रि० प्रथम उत्पन्न बड़ाभाई
पूर्वरूप न० आदिकारण पहिला, सयय
पूर्वाह्न पु० दिनका प्रथम भाग[दिन
पूर्ववयस न० प्रथमवियस पहिला

पूषन् पु० भानु सूर्य सूरज
पृच्छा स्त्री० प्रश्न सवाल प०
पृतना स्त्री० सेना फौज
पृथक् अ० भिन्न जुदा
पृथक्त्व न० भिन्नता जुदाई
पृथग्जन पु० नीच मूर्ख
पृथग्विध त्रि० जिसके प्रकार हों नानारूप
पृथिवी स्त्री० भूमि
पृथिवीपति पु० भूपति बादशाह । राजा
पृथुल त्रि० स्थूल मोटा फैट।
पृथूदर त्रि० बड़े पेट वाला
पृथ्वी स्त्री० भूमि क्षिति ज
पृदाकु पु० सर्प साप बृ विच्छू व्याघ्र
पृश्नि त्रि० खर्व बौना - छ पतला दुर्बल
पृषत् न० बिन्दु बूंद सामने प०
पृषत् पु० श्वेत बिन्दु युक्त प्रकार का मृग
पृषत्क पु० बाण तीर पवन
पृषदश्व पु० वायु हवा पवन
पृषदाज्य न० दधियुक्त घृत दही से मिला हुआ घी

[पृष]त्ति पु० विंदु बूँद
[पृष]ोदर त्रि० जिसके पेटपर विंदु हों विंदु वाला
[पृष्]ठ न० शरीरके पीछेका भाग पीठ
[पृष्ठ]तस् अ० पश्चात् भाग पीछेसे
[पृ]ष्ठग्रंथि पु० मस्तक भालु रीछ
[पृ]ष्ठवंश पु० पीठकी हड्डी
[पे]चक पु० उल्लू पयङ्क जू मेघ[पैला
[पे]टक पु० पिटार टोकरी सन्दूक
[पे]ल न० अण्डकोष पोता
[पे]लव त्रि० कोमल कृश विरल नाजुक नरम [कोमल
[पे]शल त्रि० चतुर दक्ष सुन्दर
[पे]षण न० पीसना चूर्ण खल गीघ
[पे]षणि स्त्री० पीसनेकी शिलासिल
पैतृक न० पितासे प्राप्त हुआ वस्तु दाय जायदाद
पैतृष्वसेय पु० बुआका बेटा
पैत्र न० पिताका पदार्थ
पोटा स्त्री० दाढ़ी मूछवाली स्त्री
पोत पु० जहाज अग्निबोट
पोतवणिक् पु० जहाजसे जीविका करने वाला
पोतवाह पु० जहाज् चलाने वाला
पौंड्र पु० पौंढा गन्ना ईख
पौत्र पु०पुत्रकी संतान नाती पोता
पौनःपुन्य न० बार २ होना सदा होना
पौनर्भव पु० दूसरीवार विवाही गई स्त्री में हुआ सन्तान
पौर न० नगर में हुआ शहरका
पौरस्त्य त्रि० पूर्वदिशा में हुआ पूर्वदिशा का
पौराणिक पु० पुराणको जानने वाला पढ़नेवाला [उद्यम
पौरुष न० विक्रम बहादुरी हिम्मत
पौरोगव पु० पाचक रसोइया
पौर्णमास पु० पौर्णमासी का यज्ञ विशेष [वाली पूर्णिमा हो
पौष पु० जिस मासमें पुष्यनक्षत्र
प्रकट त्रि० स्पष्ट। साफ जाहिर
प्रकम्पन पु० वायु हवा बहुत कांपनेवाला [बिखरा हुआ
प्रकर पु० समूह अधिकार प्रकीर्ण
प्रकरण न० प्रस्ताव प्रसंग एक विषय
प्रकर्ष पु० उत्कर्ष बड़ाई उत्तमता
प्रकाण्ड पु०वृक्षके मूल्से दूसरे शाखा
प्रकाम त्रि० यथेष्ट इच्छापूर्वक मर्जी के मुताफिक [बदी
प्रकार पु०भेद फर्क सादृश्य बरा-

प्रकाश पु• विकाश, चमक रोशनी
प्रकीर्ण न• भिन्न २ जातियों का
मेल चमार फेंका गया[किया
प्रकृत त्रि• अधिकृत, आरब्ध, शुरु
प्रकृति स्त्री• जगत् का कारण
माद्दा मैटर जिस से वस्तु
बनता है। [वाला
प्रकृष्ट त्रि• उत्तम, प्रधान बढ़ाई
प्रकोष्ठ पु० कोहनी से नहुँ तक
सहन कमरा [उपक्रम शुरू
प्रक्रम पु०क्रम सिलसिला अवसर
प्रक्रिया स्त्री• अधिकार प्रकरण
विषय हिस्सा [इयसज्ञा
प्रखर त्रि• अत्यन्तोग्र बहुत तीखा
प्रख्या स्त्री•सादृश्य, बराबरी समता
प्रगल्भ त्रि•प्रत्युत्पन्नमति जिसकी
बुद्धि समय पर झट फुर्ती से
हाजिर अधाव
प्रगाढ त्रि• बहुत गाढा अत्यन्त
भूश दृढ मजबूत [दक्ष चतुर
प्रगुण त्रि• सीधे स्वभाव वाला
प्रगृह्य न•व्याकरण में स्वरसन्धि
मेल न होना
प्रगे अ•अति प्रातःकाल बहुतसबेरे
प्रग्रह पु•प्रमाव ग्रहण करना एक
[illegible] लगाम किरण

प्रघण न• बाहिरे द्वारका
दहलीज
प्रचण्ड त्रि• दुर्धर्ष दुर्वह दुर
न्त प्रतापी
प्रचय पु• समूह, बढ़ना,
प्रचुर त्रि• अधिक बहुल, बहु
प्रच्छन्न न•गुप्तद्वार
अन्तर्द्वार आच्छन्न ढका छुपा
प्रच्छर्दिका स्त्री• वमन, वम
करे आना [कपड़ा
प्रच्छादन न• ऊपर से
प्रजा स्त्री•सन्ततिजन
प्रजापति पु•ईश्वर,
प्रजावती स्त्री• सन्तति वाली
प्रज्ञा स्त्री• बुद्धि, सरस्वती
प्रज्ञान न• बुद्धि चिह्न निशान
प्रडीन न•पक्षियों की गति
प्रणय प्रीति से प्रार्थना करना
उत्पत्ति स्नेह विश्वास
नायक
प्रणयिन् त्रि•प्रेम करने वाला
प्रणव पु• ओङ्कार, ईशमुख
प्रणाद पु• ऊँ चा शब्द
प्रणाम पु•प्रणति, झुकना, सलाम

ग्राम्य त्रि० असम्मत अप्रेष्य
प्रीतिशून्य [अमिनिवेश
येयाम न० प्रयत्न, कोशिश,
यिधि पु० गुप्तचर खुफिया
प्रपात पु० प्रणाम झुकना,
नमस्कृति [रक्खा हुआ
यिहित त्रि० प्राप्त गया स्थापित
णीत त्रि० कथा हुआ बनाया
हुआ रचित [आया हुआ
योग त्रि० वश्य प्राचीन काबू में
तति स्त्री० विस्तार फैलाव
बड़ी लता
तत्न पु० प्राचीनपदार्थ पुरानीचीज़
ताप पु० तेज ताप, इकबाल
तारण न० वंचन ठगना छल
ति म० व्याप्ति फैलना लक्षण
भाग उल्टा कर देना उलटा
प्रतिकर्मन् न० कृत्रिम भूषा बनावट
सजावट
प्रति-ती कारप्० वैरनिर्यातनबदला
निकालना रुकाव [बदला
प्रतिकूल त्रि० विरुद्ध अनुकूल
प्रतिकृति स्त्री० प्रतिमा सादृश्य
तसवीर प्रतिनिधि एवजी
प्रतिक्षण अ० बार २ होना सदा

प्रतिक्षिप्त त्रि० प्रेषित भेजा हुआ
प्रतिग्रह पु० स्वीकार, कबूल,
दानलेना
प्रतिघातन न० मारण मारना
प्रतिच्छाया स्त्री० प्रतिमा तसवीर
प्रतिज्ञा स्त्री० नियम इकरार वादा
प्रतिज्ञात त्रि० इकरार किया हुआ
प्रतिदान न० विनिमय बदला
लौटा देना [आवाज़
प्रतिध्वनि पु० प्रतिशब्द एक जैसी
प्रतिनिधि पु० प्रतिरूप वैसीशकल
वाला एवजी प्रतिमा
प्रतिपक्ष पु० विरुद्ध पक्षवाला शत्रु
प्रतिवादी
प्रतिपत्ति स्त्री० प्रवृत्ति प्रागल्भ्य
चतुराई गौरव प्राप्ति सिद्धि
प्रतिपद् स्त्री० पक्षको आरम्भ करने
वाली तिथि पड़वा पड़ति
प्रतिपन्न त्रि० अवगत जाना हुआ
स्वीकृत विक्रान्त [कहना
प्रतिपादन न० दानदेना समझाना
प्रतिबन्ध पु० अवरोध रुकावट
प्रतिभय त्रि० भयानक भयकर
डरावनी खौफनाक [अक्ल
प्रतिभा स्त्री० प्रत्युत्पन्न बुद्धि फुर्ति

प्रतिभू पु०एवज़ी लग्नक ज़ामिन
प्रतिमा स्त्री०सदृशीकरणतसवीर फोटो [प्रतिमा
प्रतिमान न० प्रतिबिम्ब परछाहीं
प्रतिमुक्त त्रि०परिहित पहिरागया छोड़ा हुआ बांधा गया लगा या गया
प्रतियत्न पु० याञ्छाइच्छाउपग्रह निग्रह रोकना संस्कार लेना मेहनतो [जैसी पीड़ा
प्रतियातनास्त्री०प्रतिमा तसवीरएक
प्रतिरूप न०प्रतिच्छाया प्रतिबिम्ब तसवीर चित्र
प्रतिविरोध पु०बाधरोकप्रतिबन्ध विघ्न निरोध तिरस्कारचोरी
प्रतिलोम त्रि० वाम विरुद्धउलटा
प्रतिलोमज त्रि०वर्णसंकर दोगला
प्रतिवचन न० उत्तर जवाब
प्रतिवादिन् पु० स्त्री० प्रत्यर्थी मुद्दालय
प्रतिवासिन् पु० स्त्री० पास रहने वाला पड़ोसी [बदला लेना
प्रतिविधान न० प्रतीकार उपाय
प्रतिबिम्ब न० प्रतिच्छायापरछाहीं
प्रतिशासन न० हुक्मकरना चिन्ह माला

प्रतिश्रय पु०स्वीकार कबूलकरना
प्रतिश्रुत त्रि०प्रतिशब्द ... इकरार
प्रतिषेध पु०निषेध मनाही ...
प्रतिष्टम्भ पु०प्रतिबन्ध ...
प्रतिष्ठा स्त्री०पृथिवी आश्रयइज्जत
प्रतिसर पु०सेनाका पिछलाभाग हस्तसूत्र
प्रतिसंग पु० विरुद्ध रचना प्रमद
प्रतिसीरा स्त्री० जवनिका कनात पर्दा
प्रतिहत त्रि० वैरकियागया रोका गया उलट कर मारा हुआ
प्रतीहार पु० द्वारपाल दर्बान दरवाजा
प्रतीक पु०अवयव हिस्सा विलोम प्रतिरूप। [माया
प्रतीक्षा स्त्री० अपेक्षा इन्तिज़ार
प्रतीक्ष्य त्रि० पूज्य इज्जत करने लायक [जान
प्रतीत त्रि० ख्यात प्रसिद्ध मशहूर
प्रतीति स्त्री० ज्ञान जानना ख्याति आदर हर्ष
प्रतीप त्रि० प्रतिकूल परस्परउलटा
प्रतीर न० किनारा तट

प्रतोद पु० कशा कोड़ा चाबुक
प्रतोली स्त्री० रथ्या गली कूचा
प्रत्न त्रि० पुरातन पुराना।
प्रत्यक्ष म०इन्द्रियजन्यज्ञान इन्द्रि
योंकी मालूमात।
प्रत्यग्र त्रि० नयी हुआ प्राथमिक
प्रत्यच त्रि० पश्चमकाल पिछला
समय प्रतीमी।
प्रत्यनीक पु०जिसका सेना विरुद्ध
हो विघ्न रोक।
प्रत्यभियोग पु० उलटा मुकद्दमा
प्रत्यभिवाद पु० उलट कर प्रणाम
करना आशीर्वचन [विश्वास
प्रत्यय पु० शपथ सौगन्द कसम
प्रत्ययित त्रि यथार्थ कहनेवाला
विश्वासी , [मुखालय
प्रत्यर्थिन त्रि० शत्रु दुश्मन।
प्रत्यर्पण म० प्रदान फिरदेना।
लौटाना।
प्रत्यवसान म० भोजन खाना।
प्रत्यवसित त्रि० भोगाहुआ खाया
हुआ।
प्रत्यवाय पु० पापदोषगुनाहपदे
प्रत्याख्यात त्रि० निराकृत खण्डन
किया गया।

प्रत्याखान म० निराकरण इनकार
प्रत्यादिष्ट त्रि० निरस्त निकाल
दियागया इनिकार किया गया
प्रत्यादेश पु०निराकरण निकालना
हुक्म। [बहुत नजदीक
प्रत्यासन्न त्रि० अतिनिकटस्थ
प्रत्याहार पु० पीछे खींचना हटा
देना अण् आदि। [जवाब
प्रत्युत्तर म० उत्तर का उत्तर
प्रत्युत्थान म०अभ्युत्थान आयेहुये
को आदरसे उठकर लेना।
प्रत्युत्पन्नमति त्रि०जिसकी बुद्धि
समय पर फुरती हो। [मुख
प्रत्यूष पु० प्रभात सबेरा दिन का
प्रत्यूह पु० विघ्न रुकावट रोक।
प्रथम त्रि०प्रधान बड़ा,आद्य पहिला
प्रथिमन् पु स्थूलत्वमोटाईमोटापन
प्रदर पु० स्त्रियों का फाड़ना एक
प्रकार का योनि का रोग।
प्रदीप पु० दीपक दिया लैम्प।
प्रदीपन पु० पेटकी अग्निको बढ़
काने वाला पचकने वाला।
प्रदेश पु० एक देश मस्तक मिति
दीवार, [श्री का पुत्र
प्रद्युम्न पु०बली कन्दर्प श्रीकृष्ण

प्रग्रह पु० पलायन भागना ।
प्रघन न० युद्ध लड़ाई जंग ।
प्रधान त्रि० श्रेष्ठ,बहुतमच्छामालिक
प्रधि पु० रथकीनाभि,पहिया धुरा
प्रपंच पु० फैलाव प्रतारण ठगना
प्रपथ्या स्त्री० हरीतकी हरड़
प्रपद न० पायके आगे का भाग ।
प्रपन्न त्रि० शरणागतशरणमेंआया
प्रपात पु० जिस से बहुत गिरता
-है कर्ता । [पिता
प्रपितामह पु० परदादा बाबा का
प्रपौत्र पु० पौत्रकापुत्र पोतेकापुत्र
प्रफुल्ल त्रि० खिलाहुआविकाशयुक्त
प्रबन्ध पु० सन्दर्भ ग्रन्थ आदिकी
रचना बन्दोबस्त ।
प्रबाल न० नव पल्लव नया पत्ता
प्रबोध पु० अच्छी समझ जागना
प्रबोधन न० जागना होश में आना
प्रबोधिनी स्त्री० बोधकराने वाली
प्रभञ्जन पु० वायु हवा
प्रभद्र पु० नींब का वृक्ष
प्रभव पु० पराक्रम बल जन्म
प्रभा स्त्री० दीप्ति चमक रोशनी
प्रभाकर पु० सूर्य सूरज
प्रभात न० प्रातःकाल सुबह
प्रभाव पु० तेज सामर्थ्य ताकत
प्रभु पु० स्वामी, अधिपति मालिक
प्रभूत त्रि० बहुत प्रचुर उद्गत
प्रभृति अ० लेकर इत्यादि
प्रमथन न० वध मारना क्लेश
पहुँचाना बिलोड़न
प्रमदा स्त्री० उत्तमयोषितामच्छीस्त्री
प्रमनस् त्रि० प्रहृष्टचित्त खुशदिल
प्रमा स्त्री० यथार्थज्ञानठीकरजानना
प्रमाण न० जिससेसच्चाज्ञानहोसबूत
प्रमातामह पु० नाना का पिता ।
प्रमाद पु० अनवधानता बेपरवाही
प्रमापण न० मारण मारना
प्रमिति स्त्री० प्रमा यथार्थ ज्ञान
प्रमीला स्त्री० ऊँघना आंख मूंदना
प्रमुदित त्रि० हृष्ट हर्षयुक्त प्रसन्न ।
प्रमेह पु० एकरोग धातुपात
प्रमोद पु० हर्ष खुशी ।
प्रयत त्रि० पवित्र साफ जितेन्द्रिय
प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
प्रयाग पु० जिसमें सम्यक् यज्ञ
होता है इलाहाबाद
प्रयास पु० प्रयत्न बहुत कोशिश ।
प्रयुत न० दशलाख १०००००० ।
प्रयोक्तृ त्रि० प्रयोग करने वाला
उत्तमर्ण कर्जा देनेवाला

प्रयोग पु० लगाना मुकर्रर करना इस्तैमाल [लगाने द्वारा
प्रयोजक त्रि हेतु नामीकर्ता।
प्रयोजन न० मतलब काम उद्देश्य
प्ररम्ब पु० बहुतलरथा बहुत लटकता हुआ।
प्रलय पु० नाशक्षयछिपनाकयामत
प्रवण पु० चतुष्पथ। चौराहा
प्रवयस् त्रि० जिसकी अधिक अवस्था हो
प्रवर पु० सन्तान गोत्र श्रेष्ठ अच्छा
प्रवर्तक त्रि चलाने वाला काम मैं लगाने वाला।
प्रवर्तना स्त्री० काम में लगाना।
प्रवर्ह त्रि० श्रेष्ठ मेक प्रधान सर्दार
प्रवहण न डोली पालकी
प्रवाह पु० परम्परागतवाक्य लगातार चला आना [रहना
प्रवास पु० विदेश वास विदेश मैं
प्रवासन त्रि० विदेशमैं वास करना मारना [वाला।
प्रवासित त्रि। विदेशमें वासकरने
प्रवाह पु० प्रवृत्ति जल का प्रवाह।
प्रविहारण न० युद्ध लड़ाई जल फाड़ना।

प्रवीण त्रि० निपुण चतुर समझदार
प्रवृत्ति स्त्री। प्रवाह वार्ता वात
प्रवृद्ध त्रि० वृद्धियुक्तबढ़ाहुआ प्रौढ़
प्रवेक त्रि० प्रधान श्रेष्ठ सर्दार बड़ा
प्रवेश पु० भीतर आना घुसना
प्रवेशन न० प्रधानद्वार बड़ादर्वाजा
प्रव्रजित त्रि० सन्यासी चतुर्थाश्रमी
प्रव्रज्या स्त्री० संन्यास
प्रशंसा स्त्री० स्तुति तारीफ
प्रशमन न० वध मारना [लायक
प्रशस्त त्रि० प्रशंसनीय तारीफके
प्रश्न पु० सवाल जिज्ञासा कथन
प्रश्रय पु० प्रणय स्नेह मुहब्बत।
प्रश्रित त्रि० विनीत शिक्षित नम्र
प्रष्ठ त्रि० आगेजानेवाला बहुसमझदार
प्रसक्त त्रि लगाहुआ तत्पर मशगूल
प्रसक्ति स्त्री० प्रसङ्ग लगना मशगूली
प्रसङ्ग पु० आपत्ति मेला अजमूल मैथुन
प्रसन्न त्रि० निर्मल साफ खुश
प्रसत्ति स्त्री० नैर्मल्य प्रसन्नता सफाई।
प्रसन्नता स्त्री० प्रसाद खुश होना
प्रसभ न० बलात्कार जबरदस्ती
प्रसर पु० प्रसव उत्पत्ति वेग समूह युद्ध।

प्रद्रव पु० पलायन भागना।
प्रधन न० युद्ध लड़ाई जंग।
प्रधान त्रि० श्रेष्ठ,बहुतमच्छामालिक
प्रधि पु० रथकीनाभि,पहिया धुरा
प्रपंच पु० फैलाव प्रतारण ठगना
प्रपथ्या स्त्री० हरीतकी हरड़
प्रपद न० पायके आगे का भाग।
प्रपन्न त्रि० शरणागतशरणमेंआया
प्रपात पु० जिस से बहुत गिरना
हो झर्ना। [पिता
प्रपितामह पु० परदादा बाबा का
प्रपौत्र पु० पौत्रकापुत्र पोतेकापुत्र
प्रफुल्ल त्रि० खिलाहुआविकाशयुक्त
प्रबन्ध पु० सन्दर्भ ग्रन्थ आदिकी
रचना यन्त्रोपस्त।
प्रबाल न० नये पल्लव नया पत्ता
प्रबोध पु० अच्छी समझ जागना
प्रबोधन न० जागना होश में आना
प्रबोधिनी स्त्री० बोधकराने वाली
प्रभञ्जन पु० वायु हवा
प्रभद्र पु० नीम का वृक्ष
प्रभव पु० पराक्रम बल जन्म
प्रभा स्त्री० दीप्ति चमक रोशनी
प्रभाकर पु० सूर्य सूरज
प्रभात न० प्रातःकाल सुबह
प्रभाव पु० तेज सामर्थ्य ताकत
प्रभु पु० स्वामी, अधिपति मालिक
प्रभूत त्रि० बहुत प्रचुर उद्गत
प्रभृति अ० लेकर इत्यादि
प्रमथन न० वध मारना क्लेश
पहुँचाना विलोडन
प्रमदा स्त्री० उत्तमयोषितामच्छीस्त्री
प्रमनस् त्रि० प्रहृष्टचित्त खुशदिल
प्रमा स्त्री० यथार्थज्ञानठीकरज्ञानना
प्रमाण न० जिससेसच्चाज्ञानहोसके
प्रमातामह पु० नाना का पिता
प्रमाद पु० अनवधानता बेपरवाही
प्रमापण न० मारण मारना
प्रमिति स्त्री० प्रमा यथार्थ ज्ञान
प्रमीला स्त्री० ऊँघना आंख मूंदना
प्रमुदित त्रि० हृष्ट हर्षयुक्त प्रसन्न।
प्रमेह पु० एकरोग धातुपात
प्रमोद पु० हर्ष खुशी।
प्रयत त्रि० पवित्र साफ जितेन्द्रिय
प्रयत्न पु० बहुत कोशिश
प्रयाग पु० जिसमें सम्यक् यज्ञ
होता है इलाहाबाद
प्रयास पु० प्रयत्न बहुत कोशिश।
प्रयुत न० दशलाख १०००००० ।
प्रयोक्तृ त्रि० प्रयोग करने वाला
उत्तमर्ण कर्जा देनेवाला

प्रयोग पु० लगाना मुकर्रर करना इस्तेमाल [लगाने द्वारा
प्रयोजक त्रि० हेतु नामीकर्ता।
प्रयोजन न० मतलब काम उद्देश्य
प्रलम्ब पु० बहुतलम्बा बहुत लट-कता हुआ।
प्रलय पु०नाशक्षयछिपनाकयामत
प्रवण पु० चतुष्पथ । चौराहा
प्रवयस् त्रि० जिसकी अधिक अवस्था हो
प्रवर पु०सन्तान गोत्र श्रेष्ठ अच्छा
प्रवर्तक त्रि चलाने वाला काम में लगाने वाला।
प्रवर्तना स्त्री० काम में लगाना।
प्रवर्ह त्रि०श्रेष्ठ नेक प्रधान सर्दार
प्रवहण न डोली पालकी
प्रवाह पु० परम्परागतप्रवाह लगातार चला आना [रहना
प्रवास पु० विदेश वास विदेश में
प्रवासन त्रि०विदेशमें वास करना मारना [वाला।
प्रवासिन् त्रि० विदेशमें वासकरने
प्रवाह पु० प्रवृत्ति जल का प्रवाह।
प्रविदारण न० युद्ध लड़ाई जङ्ग फाड़ना।
प्रवीण त्रि०निपुण चतुर समझदार
प्रवृत्ति स्त्री० प्रवाह वार्ता वास
प्रवृद्ध त्रि०वृद्धियुक्तबढ़ाहुआ प्रौढ़
प्रवेक त्रि०प्रधान श्रेष्ठ सर्दार बड़ा
प्रवेश पु० भीतर आना घुसना
प्रवेशन न० प्रधानद्वार बड़ादर्वाजा
प्रव्रजित त्रि०सन्यासी चतुर्थाश्रमी
प्रव्रज्या स्त्री० संन्यास
प्रशंसा स्त्री० स्तुति तारीफ
प्रशमन न० वध मारना [लायक
प्रशस्त त्रि० प्रशंसनीय तारीफके
प्रश्न पु० सवाल जिज्ञासा कथन
प्रश्रय पु० प्रणय स्नेह मुहब्बत।
प्रश्रित त्रि० विनीत शिक्षित नम्र
प्रष्ठ त्रि०आगेजानेवाला बहुतअच्छा
प्रसक्त त्रि लगाहुआ तत्पर मशगूल
प्रसक्ति स्त्री०प्रसङ्ग लगना मशगूली
प्रसङ्ग पु० आपत्ति मेला मजमून मैथुन
प्रसन्न त्रि० निर्मल साफ खुश
प्रसत्ति स्त्री० निर्मलत्व प्रसन्नता सफाई।
प्रसन्नता स्त्री० प्रसाद खुश होना
प्रसभ न० बलात्कार जबरदस्ती
प्रसर पु० प्रभव उत्पत्ति वेग समूह युद्ध।

प्रसर्पण न॰ सेनाकाचारोंओरफैलना
प्रसव पु॰ गर्भमोचन, उत्पत्तिफल
प्रसवित्री, स्त्री॰ उत्पन्नकरनेवाली
माता। [विरुद्ध।
प्रसव्य त्रि॰ प्रतिकूल बरखिलाफ
प्रसह्य अ॰ हठ से जबरदस्ती
जोरावरीसे [अनुग्रहमेहरबानी
प्रसाद पु॰ प्रसन्नतानैर्मल्यसफाई
प्रसादनास्त्री॰सेवातावेदारी[वाला
प्रसाधक त्रि॰ निष्पादक पूर्णकरने
प्रसाधन न॰ सजावट कृत्रिमभूषण
प्रसाधित त्रि॰ अलङ्कृत सजाया
गया
प्रसारण न॰ विस्तार करण फैलाना
प्रसित त्रि॰ आसक्त लगाहुआ
प्रसितिस्त्री॰र्यायमेका साधन रस्सी
प्रसिद्ध त्रि॰ भूषित सजा हुआ
ख्यात मशहूर
प्रसू स्त्री॰ जननी माता
प्रसूति स्त्री॰ प्रसव अपत्य औलाद
प्रसूतिका स्त्री॰ वह स्त्री जिसके
संतति पैदा हुई हो
प्रसून न॰ पुष्प फूल कुसुम
प्रस्तर पु॰ पाषाण पत्थर मणि
प्रस्तार पु॰ सुपयन प्रक्रिया फैलाव
प्रस्ताव पु॰ अवसर मौका प्रकरण
प्रसंग
प्रस्तावना स्त्री॰ प्रारम्भ शुरूकरना
प्रस्तुत त्रि॰ उपस्थित प्रकरणप्राप्त
प्रस्थ पु॰ एक सेरका माप पर्वत
फैलाव
प्रस्थान न॰ यात्रा जाना सफर
प्रस्फोटन न॰ शूर्प छाजचोटलगाना
प्रस्रवण न॰ बहना झरना टपकना
प्रस्राव पु॰पेशाब मूत्र बहना [पहर
प्रहर पु॰ दिनरात का आठवाँ भाग
प्रहरण न॰ ताडनकरना चोटलगाना
चोट प्रहार
प्रहसन न॰ हास्य हँसना[वासन्ती
प्रहसन्ती स्त्री॰ यूथिका लता
प्रहर्षिणी स्त्री॰ हरिद्रा हल्दी १२
अक्षरका एक छन्द
प्रहस्त पु॰ फैली हुई अङ्गुलियों
वाला हाथ
प्रहित त्रि॰ क्षिप्त फेंकाहुआ भेजागया
प्रहेलिका स्त्री॰ कठिन अर्थको
जानने के लिये सवाल करना
प्रह्लाद पु॰ हिरण्यकशिपु का पुत्र
प्रह्व त्रि॰ नम्र झुका हुआ हलीम
प्रांशु त्रि॰ उच्च उन्नत ऊँचा

म न० अपनी इच्छानुसार फल प्राप्ति [कोट
ार पु० घेरा महारदीवारी
त्र त्रि० शीघ्र मिजाजी
न त्रि० प्राचीन पुराना पूर्वकाल
प्रागभाव पु० प्रथम किसी वस्तु का न होना
प्राग्य त्रि० श्रेष्ठ अच्छा नेक
प्राघुण पु० अतिथि मेहमान आया हुआ जन
प्राङ्गण न० आंगन गृहभूमि चौतड़ा
प्राचीन त्रि० पुराना पहिला
प्राचीर न० अहाता घेरा कोट
प्राच्य त्रि० पूर्व देशका, के की
प्राजापत्य पु आठ विवाहोंमें से एक विवाह
प्राज्ञ पु० पण्डित चतुर होशियार
प्राड्विवेक-विवाक पु० वकील मुख्तार
प्राण पु० हृदयस्थ वायु
प्राणनाथ पु० प्राणोंका स्वामी पति मालिक [प्राणायाम
प्राणसंयम पु० प्राणका रोकना
प्राणायाम पु० प्राणवायुको वश में रखना
प्राणिन् त्रि० जीवधारी जीवचेतन
प्रातःकृत्य न० सुबह करने योग्य कर्म
प्रातःसन्ध्या स्त्री० सुबहकी सन्ध्या
प्रातर् अ० सवेरा सुबह
प्रातराश पु० प्रातःकालका भोजन
प्रातिपदिक पु० अर्थवाला शब्द
प्रातिभाव्य न० समानता जामिनी
प्रातिहारिक त्रि० मायावी छलिया
प्राथमिक त्रि० पूर्व समय में हुआ पहिला, ले, ली
प्रादुर्भाव पु० प्रकाश जाहिर
प्रादेश पु० तर्जनी सहित फैलाया हुआ अंगूठा
प्रादेशन न० दान देना खैरात
प्राध्व पु० अच्छा मार्ग नम्र
प्रान्त पु० शेषसीमा देश [मिलना
प्राप्ति स्त्री० वृद्धि लाभ प्राप्ति
प्राप्य त्रि० पानेके योग्य मिलने लायक
प्राभृत न० उपहार भेंट नजराना
प्रामाणिक त्रि० प्रत्यक्ष आदि प्रमाणों से सिद्ध हुआ बात्कील
प्रामाण्य न० प्रमाणका होना
प्राय पु० मृत्यु बाहुल्य बहुतायत

प्रायश्चित्त न० दुःख कष्टको सहते हुये चित्तको वशमें रखना
प्रायश्चित्तिन् त्रि० प्रायश्चित्तकरने योग्य
प्रायस् अ० बाहुल्य बहुतायत
प्रायोपविष्ट त्रि० कुछ न खाकर मरने के लिये बैठगया
प्रायोपवेश पु० भोजन के बिना मरने को बैठना
प्रारब्ध न० आरम्भ किया हुआ, शुरू किया हुआ
प्रार्थना स्त्री० याचना मांगना
प्रार्थित त्रि० याचित मांगागया
प्रावरण न० उत्तरीयवस्त्र दुपट्टा
प्रावृट्स्त्री० वर्षाकालमौसमबर्सात्
प्रावृषेण्य त्रि० वर्षामें होनेवाला
प्राश्निक त्रि० पूछनेवाला सवाल करने वाला
प्रास पु० कुन्त भाला
प्रासाद पु० राजभवन महल कोठी
प्राह्ण पु० अष्टछादिवस पहिलादिन
प्राह्णेतन त्रि० पहिले प्रहर का
प्राह्णेतराम् अ० बहुत सवेरे बहुत सुबह
प्रिय त्रि० प्यारा मनोहर अज़ीज़
प्रियंवद त्रि० मीठा बोलने वाला
प्रियतम त्रि० अतिप्रिय बहुतप्यारा
प्रियता स्त्री० स्नेह प्यार मोहब्बत
प्रियदर्शन त्रि० सुन्दर खूबसूरत
प्रीणन न० तर्पण प्रसन्न करना
प्रीत त्रि० हृष्ट प्रसन्न हुआ
प्रीति स्त्री० हर्ष खुशी मोहब्बत
प्रुष्ट त्रि० दग्ध जला हुआ
प्रेक्षा स्त्री० पर्य्यालोचना सोचना
प्रेक्षावत् त्रि० सोचकर कामकरने वाला
प्रेत पु० मृत मरा हुआ
प्रेतगृह न० श्मशान मरघट
प्रेत्य अ० लोकान्तरहोकर मरकर
प्रेमन् पु० स्नेहपियागानर्म हँसीठट्ठा
प्रेयस् त्रि० अतिशयप्रिय बहुत पियारा
प्रेरण न० प्रेषण भेजना
प्रेष्ठ त्रि० बहुत पियारा
प्रोक्षण न० चारों ओर सींचना
प्रोक्षित त्रि० सिक्त सींचा गया
प्रोञ्छन न० मार्जन पोंछना साफ करना
प्रोत त्रि० पिरोया हुआ गुम्फित
प्रोषित त्रि० परदेशी परदेशमें गया

प्रोषितभर्तृका स्त्री० जिस स्त्रीका पति परदेश में गया हो।
प्रौढ त्रि० उत्तम उद्योगी चतुर
प्लक्ष पु० पाकुड़नामीवृक्ष पीपल
प्लव पु० प्लवन उछलना तरना कूदना
प्लावित त्रि० गीला किया गया बहाया गया
प्लुत न० कूदकर चलना तीन मात्रा वाला अक्षर
प्लुष्ट त्रि० दग्ध जलाहुआ
प्लोष पु० दाह जलाना जलन
प्सात त्रि० भक्षित खायागया

(फ)

फक्किका स्त्री० असद्व्यवहार तत्त्व के निर्णय करनेके लिये पूर्वपक्ष
फट पु० सांपका फण
फल न० लाभ नतीजा वृक्षकाफल
फलद त्रि फलकादेनेवाला[कावृक्ष
फलश्रेष्ठ त्रि० अच्छे फलवालाआम
फलिन त्रि० फलवाला [मुनि
फलेग्रहि पु० फलोंको खानेवाला
फलोदय पु० फलप्राप्ति लाभ हर्ष
फल्गु त्रि० मनोहर निरर्थक
फाणि पु० गुड़विकार शीरा
फाणित न० फेनी कच्चीखांड
फाण्ट न० अनायासकृत आराम से बनायागया
फाल न० फलके लिये हितकारी हलमें लगा हुआ लोहा
फाल्गुन पु० फागनका महीना
फुट त्रि० फटगया फूटगया
फुल्ल त्रि० विकसित खिला हुआ
फेण न० झाग फसूकर
फेणिल त्रि० झागदार
फेरु पु० शृगाल गीदड़

(ब)

बंहिष्ठ त्रि० अतिशय बहुतही
बहीयस् त्रि० बहुतही बहुत
बडवा स्त्री० घोड़ी घोटकी
बडवाग्नि पु० समुद्रकी आग ख्वार भाटा
बणिक्पथ पु० बनियोंका रास्ता व्यापार हाट बाजार
बणिग्भाव पु० वाणिज्य व्यापार
बणिक् पु० बनिया व्योपारी वैश्य
बद्धमुष्टि त्रि० कृपण सूम कंजूस
बद्धशिख त्रि० जिसकी चोटीबँधीहो
बध पु० मारण मारना कतल
बधिर त्रि० बहिरा न सुननेवाला
बध्य त्रि० मारनेके योग्य

बालिश त्रि० बच्चा मूर्ख बेवकूफ
बाल्य न० लड़कपन । बचपन
बाष्प पु० नेत्रजल भाप उष्म
बाहु पु० भुजा बांह बाजू
बाहुमूल न० कक्ष कांख बगल
बाहुयुद्ध न० मल्लयुद्ध कुश्ती
बिन्दु पु०बूँद समग्रांश थोड़ाहिस्सा
बीभत्स त्रि० घृणित जुगुप्सित
बुद्ध पु० गौतम जागाहुआ ।
बुद्धि स्त्री० ज्ञान जान ११ समझ
बुद्बुद न० बुल्बुला बलबूला
बुध पु० पण्डित चतुर समझदार
बुधित त्रि० ज्ञात जानागया
बुध्न न० मूल जड़
बुभुक्षा स्त्री० क्षुधा भूख
बुभुक्षित त्रि० भूखा क्षुधित
बुस न० भुस भूसा
बोध पु० ज्ञान जानना
बोधकर त्रि० जतानेहारा
बोधन न० विज्ञापन नोटिस
बोद्ध न० बुद्धसे कहागया रचागया
ब्रतति स्त्री० लता बेल
ब्रध्न न० सूर्य आकका वृक्ष
ब्रह्मचारिन् त्रि० प्र० ब्राह्मणवाला
ब्रह्मबटु पु० ब्राह्मणकी बटुआ
ब्रह्महत्या स्त्री० विप्रहनन ब्राह्मण
का मारना
ब्रह्महन् त्रि०ब्राह्मणको मारनेवाला

(भ)

भक्त न० पु० ओदन भात भक्ति
करने वाला
भक्तमण्ड पु०न० चावलोंका मांड
भक्ति स्त्री० सेवा भजन विभाग
भगवत् त्रि० ऐश्वर्यवाला [बीमारी
भगाङ्कुर पु०मर्शरोग बवासीरकी
भगिनी स्त्री०सोदरा स्वसा बहिन
भगीरथ पु० सूर्यवंशी एक राजा
जिन्होंनेगङ्गापर्वतसेनिकालीथी
भग्न त्रि० पराजित । टूटगया
भङ्गि स्त्री० विच्छेद कौटिल्य
फरेब बनावट व्याज [वाला
भङ्गुर त्रि० कुटिल भापही टूटने
भग्नमाम त्रि० व्यायसे मारा हुआ
द्रव्य सेवक नौकर
भटित्र न० कषाय शूल पक्वमांस
भट्ट पु० पण्डित चतुर दूसरोंका
तारीफकर्ता
भट्टार पु० सूर्य सूरज
भट्टारक पु० राजा पूज्यके साथ
भट्टिनी स्त्री० ब्राह्मणी रानी

वध्यभूमि स्त्री० मारनेका स्थान
वध्र न० सीसक सीसा
बन्ध पु० बांधना रोकना [औरत
बन्धक पु० स्त्री० बदला छिनाल-
बन्धन न० बांधना रोकना
बन्धनवेश्मन् न० जेलखाना
बन्धु पु० ज्ञाति सम्बन्धी भाई
बन्धुता स्त्री० भाईपन भापसदारी
बन्धुर त्रि०बधिर बहिरा मनोहर
मुकट बेदया
बन्ध्य त्रि०बांघ फलादिरहितवृक्ष
बल न० सैन्य सेना ताकत
बलद त्रि० बलको देनेवाला जोर
देने वाला [बलराम बलभद्र
बलदेव पु० श्रीकृष्णके बड़ा भाई
बलवत् त्रि० बहुत ही बली,
बलविन्यास पु० सेनाकी रचना
बलशालिन् त्रि०बलवाला जोरावर
बला स्त्री० बलवाली [कतार
बलाका स्त्री० बकश्रेणी बगलोंकी
बलाट पु० मुद्गग मूंग
बलात् भ०हठसे जोरसे जबरदस्ती
बलात्कार पु० बलपूर्वक करण
जबरदस्ती
बलाहक पु० मेघ बादल मोथा
बलि पु० भोजन कर खिराज
बलिन् त्रि० बलवान् जोरावर
बलपुष्ट पु० काक कौवा
बलि-ली स्त्री० सरवट भिलडी
बलिष्ठ त्रि० बहुतबली जबरदस्त
बलीयस त्रि० बहुत जोरावर
बलीवर्द पु० वृष बैल
बहुव्रीहि पु० अन्यपदप्रधानवाला
एक समास
बहुशस् भ० अनेकबार बहुत बार
बाडव त्रि० ब्राह्मण घोडोंका समूह
बाडव्य पु० विप्रसमुदाय
बाणिज्य न० व्यापारबनियेकाकाम
बाधक त्रि०प्रतिबन्धकरोकनेवाला
बाधिर्य न० बहिरापन
बान्धकिनेय पु० स्त्री०कुलटाओंकी
सन्तति छिनाल औरतकी औलाद
बान्धव पु० बन्धु सम्बन्धी
रिश्तेदार [बालक
बाल पु०न० शिशु बच्चा मूर्ख केश
बालधि पु० लांगूल पूंछ
बालभोज्य पु० बालकोंके खाने
योग्य बच्चों का खाना
बालव्यजन न० बच्चों का
चमर चौरी

बालिश त्रि॰ बच्चा मूर्ख बेवकूफ
बाल्य न॰ लड़कपन । बचपन
बाष्प पु॰ नेत्रजल भाप ऊष्म
बाहु पु॰ भुजा बांह बाजू
बाहुमूल न॰ कक्ष कांख बगल
बाहुयुद्ध न॰ मल्लयुद्ध कुश्ती
बिन्दु पु॰ बूंद अल्पांश थोड़ाहिस्सा
बीभत्स त्रि॰ घृणित जुगुप्सित
बुद्ध पु॰ चेतन जागाहुआ ।
बुद्धि स्त्री॰ ज्ञान जान॥ अकल
बुद्बुद न॰ बुलबुला बलबूला
बुध पु॰ पण्डित चतुर समझदार
बुधित त्रि॰ ज्ञात जानागया
बुध्न न॰ मूल जड़
बुभुक्षा स्त्री॰ क्षुधा भूख
बुभुक्षित त्रि॰ भूखा क्षुधित
बुस न॰ भुस भूसा
बोध पु॰ ज्ञान समझ
बोधकर त्रि॰ जतानेहारा
बोधन न॰ विज्ञापन नोटिस
बौद्ध न॰ बुद्धमें कहागया रखागया
ब्रतति स्त्री॰ लता बेल
ब्रध्न न॰ सूर्य आकका वृक्ष
ब्रह्मचारिन् त्रि॰ पु॰ आश्रमवाला
[illegible] पु॰ ब्रह्मको [illegible]

ब्रह्महत्या स्त्री॰ विप्रहनन ब्राह्मण का मारना
ब्रह्महन् त्रि॰ ब्राह्मणको मारनेवाला

(भ)

भक्त न॰ पु॰ ओदन भात भक्ति करने वाला
भक्तमण्ड पु॰न॰ चावलोंका मांड
भक्ति स्त्री॰ सेवा भजन विभाग
भगवत् त्रि॰ ऐश्वर्यवाला [बीमारी
भगन्दर पु॰ मर्शरोग बवासीरकी
भगिनी स्त्री॰ सोदरा स्वसा बहिन
भगीरथ पु॰ सूर्यवंशी एक राजा जिन्होंनेगङ्गापर्वतसेनिकालीथी
भग्न त्रि॰ पराजित टूटगया
भङ्गि स्त्री॰ विच्छेद कौटिल्य फरेब बनावट व्याज [वाला
भङ्गुर त्रि॰ कुटिल नाशहो टूटने
भजमान त्रि॰ न्यायसे आया हुआ द्रव्य सेवक नौकर
भटित्र न॰ कबाब शूल पक्वमांस
भट्ट पु॰ पण्डित चतुर दूसरोंका मारीफकर्त्ता
भट्टार पु॰ सूर्य सूरज
भट्टारक पु॰ राजा पूज्यके साथ
भट्टिनी स्त्री॰ ब्राह्मणी रानी

भणिति स्त्री० कथन कहना
भण्ड पु० भांड
भद्र न० मङ्गल साधु भला
भय पु० डरना डर [वाला
भयङ्कर त्रि० डरको पैदा करने
भयानक त्रि० व्याघ्र डरावना
भरण न० वेतन मजदूरी पोषण
परवरिश
भर्ग पु० तेज प्रकाश रोशनी
भर्तृ पु० स्वामी मालिक
भर्त्सन न० झिड़कना घुड़की
भल्ल पु० भालू रीछ [जगत्
भव पु० जन्म उत्पत्ति पैदाइश
भवत् त्रि० आप तू [समान
भवादृश त्रि० आप जैसा आपके
भवानी स्त्री० शिवकी पत्नी
भवितव्य न० अवश्यमव्य अरूर
होने लायक
भविष्णु पु० होनहार होने वाला
भविष्य-त् पु० आनेवाला काल
भव्य त्रि० मनोहर सुन्दर शुभ
भषक पु० कुक्कुर कुत्ता
भस्त्रा स्त्री० फूकनी धोंकनी
भस्मसात् अ० बिलकुल जला देना
भाग पु० बांटना हिस्सा भाग्य

भागधेय न० भाग्य राजदेय कर,
दायाद हिस्सेदार [...
भागशस् अ० हिस्सेदार, एक दे
भागहर त्रि० अंशग्राही वारिस
भागिन् त्रि० भागवाला हिस्सेदार
भागिनेय पु० भगिनी पुत्र भानजा
भागीरथी स्त्री० गङ्गानदी [तकदीर
भाग्य न० शुभाशुभ सूचक कर्म
भाङ्गीन न० भांगका खेत
भाजन न० पात्र आधार योग्य बर्तन
भाज्य त्रि० बांटनेके लायक
भाटक न० भाड़ा किराया महसूल
भाण्ड न० पात्र बर्तन मूलधन
भाण्डारिन् त्रि० भण्डारी
भाण्डिवाह् पु० नापित नाई नौका
भाती स्त्री० शोभा, चमक दीप्ति
भानु पु० सूर्य किरण आकका पेड़
स्वामी
भाम पु० क्रोध गुस्सा दीप्ति चमक
भामिनी स्त्री० कोपशीला स्त्री
स्त्रीमात्र
भार पु० बोझा गुरुत्व परिमाण
भारती स्त्री० सरस्वती संस्कृतभाषा
भारवाट् पु० बोझा उठानेवाला
भारवि पु० किराताजुर्नीयके बनाने
वाले एक कवि

भारक पु० बोझा उठानेवाला [योग्य
भार्य्या स्त्री० रक्षा पालन करनेके
भाल न० छलाट मस्तक माथा
भाल्लु छ -क पु० भल्लूक रीछ
भाव पु० पदित राग आशय
मतलब
भावत्क त्रि० आपका महाराजका
भावना स्त्री० ध्यान चिन्ता फिक्र
भावित त्रि०वासितसुगन्धयुक्तप्राप्त
भाविनी स्त्री० स्त्री औरत
भावुक न० मङ्गल खुशी
भाषा स्त्री० वाक्य बोलना जबान
भाषित त्रि० कथित कहाहुआ
भाष्य न० टीका तिलक शरह
भास् स्त्री० दीप्ति रौशनी चमक
भास पु० दीप्ति चमक गोष्ठ कुत्ता
भासुरत्रि०दीप्तिशीलचमकनेवाला
भास्कर पु० प्रकाशक सूर्य अग्नि
भास्वर त्रि०दीप्तियुक्त चमकने
वाला
भास्वत् पु० सूर्य आकका वृक्ष
भिक्षा स्त्री०याचना मांगना भीख
भिक्षाक त्रि० भीख मांगनेवाला
भिक्षाशिन् त्रि० भीख मांगकर
खानेवाला संन्यासी

भिक्षु पु० संन्यासी चतुर्थाश्रमी
भिक्षुकपु०स्त्री०संन्यासी भिखारी
भित्त न० खण्ड टुकड़ा हिस्सा
भित्ति स्त्री० भीत दीवार
भिदा स्त्री० विदारण फाड़ना
भिदुर त्रि० वज्र तोड़नेवाला
भिन्न त्रि० विदारित फाड़ागया
जुदा कियागया
भिल्ल पु० जंगली जाति भील
भिषग् पु० वैद्य हकीम डाक्टर
भी स्त्री० भीति डर खौफ
भीति स्त्री० डर भय खौफ
भीम त्रि० डरावना खौफनाक
भीमसेन [सेनावाला
भीमसेन पु० एक पाण्डव भयङ्कर
भीरु त्रि० भयशील डरपोक
भीरुक पु० शृगाल सियार व्याघ्र
भीषण त्रि० भयानक डरावना
भीष्म पु० शन्तनुका पुत्र भयानक
भुक्त त्रि० भक्षित खाया गया
भुक्तसमुज्झित त्रि० भोजन करके
छोड़ागया अन्न
भुग्न त्रि० झुकगया कुबड़ा
भुज पु०स्त्री० बाहु भुजा कर
भुजग पु० सर्प सांप

भुजगान्तक पु० गरुड़ मोर नौला
भुजगाशन पु० गरुड़ मोर
भुजङ्ग पु० सर्प सांप
भुजङ्गप्रयात न० १२ अक्षरोंवाला एक छन्द
भुजङ्गम पु० सर्प सांप
भुजान्तर न० बाहुओंका बीच गोद
भुवन न० जगत् दुनिया संसार
भुवनकोष पु० भूगोल पृथिवीका गोला
भू स्त्री० पृथिवी जमीन
भूगोल पु० पृथिवी मण्डलदायरा
भूत न० न्याय उचित पृथिवीजल तेज वायुआकाश यथार्थ हुआ
भूतयज्ञ पु० बलिवैश्वदेव पाच यज्ञों में से एक यज्ञ
भूतल न० पाताल पृथिवीका तल
भूति स्त्री० भवन होना
भूदार पु० शूकर सूअर
भूदेव पु० विप्र ब्राह्मण
भूधर पु० पर्वत पहाड़
भूप पु० नृपति राजा बादशाह
भूपाल पु० नृप राजा बादशाह
भूभुक् पु० राजा बादशाह
भूमन् पु० बहुत्व बहुतायत
भूमि-मी स्त्री० पृथिवी जमीन
भूमिका स्त्री० दीबाचह
भूमिज त्रि० जमीन से उपजा
भूमि-मी स्त्री० जमीन भू
भूमिष्ठ त्रि० पृथिवीपर ठहरने वाल
भूमिस्पृक् पु० वैश्यबनिया मनुष्य
भूमीन्द्र पु० नृप राजा बादशाह
भूयस् अ० पु न० फिर बहुतही
भूयिष्ठ त्रि० बहुतही
भूरि पु० प्रचुर बहुत
भूरिगम पु० गर्दभ गदहा [गीदड़
भूरिमाय पु० बहुतछलिया शृगाल
भूरिशः अ० बहुशः बहुतबार
भूर्जपत्र पु० भोजपत्र
भूषण न० अलङ्कार गहना जेवर
भूषा स्त्री० सजावट मण्डनक्रिया
भूषित त्रि० अलङ्कृत सजायागया
भूष्णु पु० भवनशील होनहार
भृकुटि-टी स्त्री० भौंह का सिरका फरना भौंका चढ़ाना
भृगुपति पु० परशुराम
भृङ्ग पु० भौंरा भ्रमर [पक्ष
भृङ्गराज पु० भौंरेकाप्याराभामका
भृतक त्रि० मजदूरी नौकरी
भृति स्त्री० भरण पोषण मजदूरी

भृत्य पु॰स्त्री॰नौकर सेवक चाकर
भृश न॰ अतिशय जियादा बहुत
भृष्ट त्रि॰ भुनाहुआ पकाहुआ
भेक पु॰ मेंडक दादुर
भेड पु॰ मेष भेड़ा
भेद पु॰ पृथक् करण जुदा करना
भेदक त्रि॰ विदारक फाड़नेवाला
जुदा करने वाला
भेदन त्रि॰ फाड़नेवाला विरेचन
दस्त लेना विदारण फाड़ना
भेदित त्रि॰ विदारित फाड़ागया
जुदा किया गया [लायक
भेद्य त्रि॰ विदारणयोग्य फाड़ने
भेरि-री स्त्री॰ नगाड़ा ढोल
भेषज न॰ औषधि दवा
भेषजाङ्ग न॰ दवाका अङ्ग अनुपान
भैक्ष न॰भिक्षा भीख भीखकासमूह
भिक्षचर्या स्त्री॰भीख मांगना
भैक्ष्य न॰ भीखका समूह
भैषज्य न॰ औषधि दवा
भोस् अ॰ सम्बोधन में आताहै है
भोग पु॰ सुख दुःख आदिका
अनुभव धन पालन [स्तान
भोगभूमि स्त्री॰ भारतवर्ष हिन्दु
भोगिन पु॰ सर्प सांप नृप राजा
भोगिवल्लभ पु॰चन्दन [योग्य
भोग्य न॰ धन धान्य भोगनेके
भोजन न॰ खाना [भोज
भोज्य त्रि॰भक्षणीय वस्तु खानेकी
भोटाङ्ग पु॰एकदेश भूटान[विकार
भौतिक त्रि॰ पृथिवी आदिका
भौमिक त्रि॰ज़िमींदार भूमिकरसे
जीनेवाला
भौरिक त्रि॰ कोषाध्यक्ष खजानची
भ्रकुटि-टी स्त्री॰ भ्रूभङ्ग भौंहका
चढ़ाना
भ्रम पु॰ मिथ्याज्ञान झूंठीसमझ
भ्रमर पु॰ मधुकर भौंरा
भ्रमरक पु॰ चूर्ण कुन्तल जुल्फें
भ्रष्ट त्रि॰ च्युत गिराहुआ अधः-
पतित चुए हुआ [वार
भ्राजिष्णु त्रि॰ दीप्तिशील चमक-
भ्रातृ पु॰ सगाभाई भाई बिरादर
भ्रातृज पु॰ भाईका पुत्र भतीजा
भ्रातृव्य पु॰ भतीजा शत्रु दुश्मन
भ्रातृत्व न भाईपन भाईचार
भ्रात्रीय पु॰ भ्रातृपुत्र भाईका
लड़का

भ्रान्त न० भ्रमण घूमना मिथ्या ज्ञानवाला [घूमता
भ्रान्ति स्त्री० झूँठी समझ भ्रमण
भ्रामक त्रि० घूमनेवाला गीदड़
भ्राष्ट न० भाड़
भ्रू स्त्री० भौं भौंह
भ्रूक्षेप पु० भौंहका चढ़ाना सङ्केत
भ्रूण पु० गर्भ। बच्चा।
भ्रूणघ्न त्रि० गर्भकानाशकरनेवाला

(म)

मकर पु० मगरमच्छ। दशमी राशि
मकरन्द पु० पुष्पमधु। फूलकारस
मुकुट न० शिरोभूषण मुकुट ताज
मकुर पु० शीशा। दर्पण
मक्षि-क्षी-का स्त्री० मक्खी
मख पु० याग। यज्ञ। क्रतु
मघवन् पु० इन्द्र। सूर्य
मघा स्त्री० अश्विनी से दशम नक्षत्र
मङ्कुर पु० दर्पण। शीशा आइना
मङ्क्षु अ० शीघ्र। सत्य। जल्द
मङ्गल पु० कल्याण। तीसरादिन
मङ्गलच्छाय पु० जिन की अच्छी छाया हो वटवृक्ष
मङ्गलप्रद त्रि० कल्याणकोदेनेवाला
मज्जन न० स्नान। नहाना
मज्जा स्त्री० अस्थिसार हड्डियों का सार
मञ्च पु० उच्च आसन ऊँचामाच
मञ्जरि-री स्त्री० बाल वल्लरी
मञ्जिष्ठा स्त्री० मजीठ। एक बेल
मञ्जीर न० नूपुर झाजर [वस्त्र
मञ्जु त्रि० मनोहर सुन्दर दिल
मञ्जुल त्रि० मनोहर खूबसूरत
मञ्जूषा स्त्री० सन्दूकची पेटिका
मटची स्त्री० पाषाण वृष्टि
मठ पु० छात्रालय पाठशाला
मणि णी पु० स्त्री० रत्न जवाहरात
मणिग्रन्थ पु० हाथका पहुँचा
मणिबीज पु० दाडिम अनार
मणीव अ० मणिके समान
मण्ड पु० चावलों का मांड
मण्डन पु० अलङ्कार जेवर
मण्डप पु० न० बंगला कोठी
मण्डल न० घेरा ज़िला गोला
मण्डलाधीश पु० कलेक्टर
मण्डित त्रि० भूषित अलङ्कृत सजा हुआ
मण्डूक पु० मेंढक मेंक
मण्डूर न० लोहेका मैल
मत त्रि० अभिप्रेत माना हुआ मानाहुआ

मतङ्ग पु० मेघ बादल
मतङ्गज पु० गज हाथी फील
मतल्लिका स्त्री० प्रशस्त अच्छा
मति स्त्री ज्ञान बुद्धि जामना मह
मतिभ्रम पु० बुद्धि में विकार
मतिविभ्रम पु० उन्माद रोग पागलता
मत्क पु० मत्कुण खटमल
मत्कुण पु० खटमल
मत्कुणारि पु० विजया भाँग
मत्त त्रि० मतवाला पागल
मत्तमयूर पु० मेघ बादल
मत्तवारण पु० मतवाला हाथी
मत्सर पु० डाह दूसरे की वृद्धि देखकर जलना
मत्स्य पु० मच्छी मछली
मत्स्यण्डी स्त्री० मिश्रीखांड विकार
मत्स्यवेधन न० वडिश कांटा
मथन न० विलोना वध मारना
मथित त्रि० हत पीड़ित मारागया
मथुरा स्त्री० कृष्णजन्मभूमि एक नगरी
मदकल पु० लोह चीनी [हाथी
मदकल पु० मत्त हस्ती मतवाला
मदगन्ध पु० मदिरा शराब
मदन पु० कामदेव शराब
मदनमोहन पु० श्रीकृष्ण
मदनसदन पु० स्त्रीका विशेषचिह्न
मदालापिन् पु० कोकिल कोइल
मदिरा स्त्री० शराब मद्य
मदोत्कट पु० मत्तहस्ती मत्त
मदोद्धत पु० मत्त मतवाला
मदोद्धत त्रि० मत्त पागल
मद्य न० मदिरा शराब
मद्र पु० देशविशेष मद्रास
मधु पु० शहद मद्य मीठा
मधुकर पु० भ्रमर भौंरा
मधुत्रय न० शहद घृत मिश्री
मधुप पु० भ्रमर भौंरा [जल
मधुपर्क पु० दधि घृत शहद मिश्री
मधुपुरी स्त्री० मथुरा
मधुमक्षिका स्त्री० शहदकी मक्खी
मधुयष्टि स्त्री० गन्ना मुलैठी
मधुर त्रि० मीठा सुरीला मनोहर
मधुरस पु० इक्षु गन्ना जल
मधुलिह् पु० भ्रमर भौंरा
मधुबीज पु० दाडिम अनार [मोम
मधुशेष पु० न० मोहार का छत्ता
मधुसूदन पु० श्रीकृष्ण [कोइल
मधुस्वर पु० मीठी आवाजवाला

मधूच्छिष्ट न० छत्ता मोम
मध्य त्रि० अन्तराल बीच
मध्यगन्ध पु० आम्र आमका पेड़
मध्यतस् अ० बीच बीचसे
मध्यदेश पु० बीचकाभाग बीचका मुल्क एक देश
मध्यन्दिन न० मध्याह्न दुपहर
मध्यम त्रि० मध्यम बीचका
मध्यमलोक पु० पृथिवी भूमि
मध्यमसाहस पु० बिना विचारे कार्य करबालना बलपूर्वक कार्य करना
मध्यमाहरण न० बीजगणितमें प्रसिद्ध अव्यक्त मानके नापने वाली गणना
मध्यरात्र पु० निशीथ अर्धरात्र आधीरात [उदासीन
मध्यवर्तिन् त्रि० बीचमें रहनेवाला
मध्याह्न पु० बीचका समय दुपहर
मध्यासव पु० फूलमाविका अर्क
मनस् न० चित्त दिल मन
मनसिज पु० मनमें उपजा कामदेव
मनस्ताप पु० मनकी पीड़ा पीड़ा मनका तपना
मनस्विन् त्रि० पण्डितविचारशील
मनाक् अ० ईषद् कुछ थोड़ासा
मनित त्रि० ज्ञान जानाहुआ
मनीषा स्त्री० बुद्धि मति
मनीषिन् त्रि० पण्डित मन्त्री चतुर
मनु पु० धर्मशास्त्र के बनानेवाले एक मुनि
मनुज पु० मनुकी सन्तान नर मनुष्य
मनुष्य पु० मनुकी सन्तति पुरुष आदमी
मनोजव त्रि० मनके तुल्य जिसका वेग हो बड़े वेगवाला
मनोज्ञ त्रि० सुन्दर मनोहर मनको हरनेवाला दिलचस्प
मनोभव पु० मनोज कामदेव
मनोरथ पु० इच्छा अभिलाष
मनोरम त्रि० सुन्दर मनोहर [सूरत
मनोहर त्रि० रुचिर सुन्दर खूब
मन्तु पु० अपराध कसूर मनुष्य
मन्त्र पु० सलाह गुप्तभाषण
मन्त्रदातृ पु० स्त्री० मंत्रका देनेवाला गुरु सलाह देनेवाला
मन्त्रिन् पु० स्त्री० वजीर सेक्रेटरी
मन्थ पु० रई बिलोना किरण
मन्थज न० नवनीत मक्खन
मन्थन पु० रई मथानी बिलोना

मन्थर त्रि॰ मन्द धीमा सुस्त
मन्थिन् पु॰ स्त्री॰ बिलोनेवाला
मन्द त्रि॰ मूर्ख बेवकूफ कोमल
मन्दग त्रि॰ मन्द सुस्त बेवकूफ
मन्दता स्त्री॰ आलस्य मन्दपना
मन्दाक्रान्ता स्त्री॰ १७ अक्षरके पाद वाला एक छन्द
मन्दाक्ष न॰ लज्जा शर्म
मन्दाग्नि पु॰ बदहजमी अजीर्ण
मन्दिर न॰ गृह घर पुर
मन्दुरा स्त्री॰ अस्तबल तबेला
मन्दोदरी स्त्री॰ रावणकी स्त्री
मन्दोष्ण न॰ थोड़ागर्म
मन्मथ पु॰ कन्दर्प कामदेव
मन्यु पु॰ शोक दीनता कायरपना
मन्वन्तर न॰ ३११४४८०॰ इतने वर्षों का समय
ममता स्त्री॰ मेरापन स्नेह प्यार
मय पु॰ एक दैत्य ऊँट
मयूख पु॰ किरण शोभा शिखा
मयूर पु॰ मोरपक्षी
मरक पु॰ बिना समय मरना वबा
मरकत न॰ हरे रंगकी एक मणि
मरण न॰ मृत्यु मरना मौत [घोड़ा
मराल पु॰ हंस काजल बादल

मरु पु॰ निर्जलदेश रेगिस्तान
मरुत् पु॰ पवन हवा वायु
मरुत्पथ पु॰ आकाश आसमान
मरुत्सख पु॰ अग्नि आग
मरुभू पु॰ निर्जल देश मरुस्थल
मर्कट पु॰ बन्दर मकड़ी
मर्त पु॰ मनुष्य पृथिवीलोक
मर्दन न॰ मलना कूटना
मर्दित त्रि॰ चूर्णित पीसागया
मर्मज्ञ पु॰ स्त्री॰ तत्त्वज्ञ छिपी हुई बातको जाननेवाला
मर्मन् न॰ जीवनस्थान संधिस्थान
मर्मर पु॰ पत्तों आदि का शब्द
मर्य्या स्त्री॰ सीमा हद
मर्यादा " "
मलमास पु॰ लौंदका महीना
मलय पु॰ एक पर्वत जिस र चंदन होता है [चन्दन
मलयज न॰ मलय पर्वतमें उत्पन्न
मलिन त्रि॰ दूषित मैला [मुखवाले
मलिनमुख पु॰ स्त्री॰ जिसका मैला
मलीमस त्रि॰ मलिन मैला
मल्ल पु॰ पहलवान [स्थान
मल्लभू स्त्री॰ अखाड़ा बाहुयुद्ध
मल्लयुद्ध न॰ कुश्ती लड़ना

महेला स्त्री० बड़ी इलाइची
महोक्ष पु० बड़ा बैल [हर्ष
महोत्सव पु० बड़ा जल्सा महान्
महोत्साह त्रि० बहुत उद्यमी बड़ा-
हिम्मती
महोदधि पु० समुद्र सागर
महोदय त्रि० बहुत ऐश्वर्यवाला
महोन्नत त्रि० बहुत ऊंचा
महोरग पु० बड़ा सांप।
मा अ० निषेध वारण माप
मांस न० आमिष गोश्त [की चर्बी
मांसज न० मांस से पैदा हुई देह
मांसल त्रि० बली स्थूल मोटा
मांससार पु० मेद चर्बी
मांसिक त्रि० कसाई मांसजीवी
मागध पु० श्वेतजीरा स्तुतिपाठक
भाट
माघ पु० माघका महीना माह
माङ्गल्य न० कल्याणकारी शुभ
माक्षिका स्त्री० मक्षिका मक्खी
माञ्जिष्ठ न० मजीठ से रंगा हुआ
माणव पु० छोटा नर बालक
माणवीन त्रि० बालकका बालक
सम्बन्धी
माणव्य न० बालकों का समूह

माणिक्य न० लालरंगका एक
माणिमन्थ न० सेंधव लवण
मातङ्ग पु० गज हाथी
मातापितरौ पु० माता पिता
मातरिश्वन् न० वायु हवा
माता स्त्री० जननी मा
मातामह पु० नाना
मातुल पु० मामा
मातृ त्रि० प्रमाणकर्त्ता
मातृका स्त्री० उपमाता दाई
मातृबन्धु पु० मामा
मातृष्वसा स्त्री० मौसी
मातृष्वस्रेय पु० मौसी का पु
मात्र न० समस्त कुल
मात्सर्य्य न० हसद डाह कीना
माथ पु० मार्ग घाट, रास्ता
माथुर त्रि० मथुरा का, के, की
माद पु० दर्प, अहङ्कार गरूर
मादक त्रि० नशा करनेवालीचीज
माधव न० छवङ्ग लौंग
मादृश त्रि० मेरे समान मुझसा
माद्री स्त्री० पाण्डुराजाकीदूसरी
माध्यन्दिन न० मध्यदिनका शा
यजुर्वेदकी एकशाखा
माध्वीफल पु० नारियल का वृक्ष

मान न० परिमाण माप मापना
मानमन्थि पु० अपराध गुनाह भूल
मानव पु० मनुष्य नर आदमी
मानस न० मन दिल चित्त
मानिनी स्त्री० फलो वृक्ष मान करने वाली स्त्री
मानुष पु० पुरुष आदमी
मानुष्य न० मनुष्यत्व इंसानियत
मान्य न० धीमापन मूर्खपन
मान्य त्रि० पूज्य पूजाके लायक
मामक त्रि० मत्सम्बन्धी मेरा
माया स्त्री० कपट छल इन्द्रजाल
मायाकृत पु० मदारी बाजीगर
मायाविन् त्रि० ऐन्द्रजालिक मदारी छलिया
मायिक त्रि० छलिया कपटी
मायु पु० शरीर का पित्त
मायूर न० मोरोंका समूह
मार पु० कामदेव विघ्न रोक
मारक पु० मारण मारना
मारि स्त्री० मारण मारना
मारीच पु० ताडकात्मज एकदैत्य
मार्ग पु० पन्थ रास्ता शुद्धि साफ
मार्गण न० अन्वेषण तलाश
मार्गशिर-मार्गशीर्ष पु० अगहन
मार्गित त्रि० अन्वेषित तलाश किया गया
मार्जन न० शोधन सफाई
मार्जार पु० विडालबिलायबिल्लीटी
मार्जारी-ली स्त्री० बिल्ली बिलैया
मार्जितत्रि० शोधितसाफकियाहुआ
मार्तण्ड पु० सूर्यशूकर आकका वृक्ष
मार्त्तिक त्रि० मिट्टी से बना हुआ मिट्टी का
मार्द्विक त्रि० मृदङ्ग बजाने वाला
मार्दव न० कोमलता मृदुत्व मुला यमत
मार्ष्टि स्त्री० शोधन सफाई
मालती स्त्री० जातीलता युवती स्त्री जवान औरत
मालतीपत्री स्त्री० जातिपत्रीजावत्री
मालतीफल न० जायफल [माला
मालमारिक त्रि० मालाओं के बोझे
मालाकार पु० स्त्री० माली
मालिक पु० स्त्री० माली
मालिकास्त्री० नवमल्लिकामालतीबेल
मालिन् पु० स्त्री० मालाकार
मालूर पु० बिल्व बेल कपित्थ
माल्येय त्रि० चतुरमाली [फूलादि
माल्य न० मालाके लिये डिलकादि

माशब्दिक त्रि० निषेध करनेवाला
माप पु० हद्द उर्द एकतौल
मापचर्षक पु० सुवर्णकार सुनार
मापीण न० जिस खेत में उर्द होते हों वह खेत
मास् पु० मास महीना चन्द्रमा
मास पु० चन्द्रमा महीना
मासन न० सोमराजीलता
मासर पु० मकमवड मांड
मासान्त पु० मासावसान महीने की समाप्ति
मासिकत्रि० महीनेका माहवार
मास्म अ० निवारणर्थेकमा हटाना
माहाकुल त्रि० बड़े कुल में उपजा
माहात्म्य न० महिमा महत्त्वतारीफ
माहिष न० भैंसका दूध आदि सींग आदि
माहेय न० पृथिवी से उपजा
माहेश्वर त्रि० ईश्वर से मिला हुआ ज्ञान आदि
मित त्रि० परिमित मापा हुआ
मितद्रुमपु० गजहाथीपरिमितगामी
मितद्रु पु० सागर समुद्र
मितम्पच त्रि० कृपण कंजूस नाप-कर पकानेवाला [प्रमाण
मिति स्त्री० नाम मापना विक्षेप
मित्र न० पु० सखा दोस्त सूर्य
मित्रयु पु० मित्रकाप्रिय दोस्त प्यारा
मिथस् अ० रहसि एकान्तमें मके
मिथिला स्त्री० मधनेनामसेप्रसि नगर तिरहुत
मिथुन न० स्त्री पुरुष जोड़ा
मिथ्या न० असत्य झूठ
मिथ्याभिरसन न० शपथ कसम खाकर मने करना
मिथ्याभियोग पु० झूठा मुकद्दमा
मिथ्याभिशसन् न० मिथ्या कलंक झूठा दोष [झूठी समझ
मिथ्यामति स्त्री० भ्रान्ति भ्रम
मिश्र न० संयुक्त मिलाहुआ उत्तम श्रेष्ठ
मिश्रकाख्य न० एक वन
मिष न० छल बहाना कपट
मिषिका स्त्री० जटामांसी
मिष्ट त्रि० सिक्त मीठा
मिहिका स्त्री० नीहार पाला बरफ
मिहिर पु० सूर्य वृक्ष मेघ वायु वैयत
मीढ त्रि० मूत्रित मूता हुआ
मीढुष्टम पु० सूर्य सूरज

मीन पु० मत्स्य मछली
मीनकेतन पु० कन्दर्प कामदेव
मीमांसक पु० मीमांसा शास्त्र को जानने व पढ़ने वाला
मीमांसा स्त्री० एक शास्त्र का नाम
मीलन न० बन्दकरना मीचना
मीलित त्रि० मिचाहुआ मिलाहुआ
मुकुट पु० शिरोभूषण शिरकाजेवर
मुक्ति पु० मोक्ष छुटकारा त्याग
मुकुर पु० दर्पण शीशा
मुकुल पु० न० थोड़ीसी खिली हुई कली कली शरीर
मुक्त त्रि० त्यक्त छूटाहुआ
मुक्तसंग त्रि० परिव्राट् संन्यासी
मुक्तहस्त त्रि० दानशील बहुतदानी
मुक्ता स्त्री० मोती एक रत्न
मुक्ताप्रसू स्त्री० शुक्ति सीप
मुक्ताफल न० मौक्तिक मोती
मुक्तावली स्त्री० मोतियों का हार
मुक्ति स्त्री० मोचन छुटकारा रिहाई
मुख न० वदन मुंह भाग
मुखनिरीक्षक त्रि० दूसरे का मुंह देखने वाला आलसी
मुखभूषण न० ताम्बूल पान
मुखर त्रि० अप्रगल्भ कटुवादी चंचल [हुआ
मुखरित त्रि० शब्दायमान बोलता
मुखलाङ्गूल पु० शूकर सुअर
मुखवल्लभ पु० अनार का वृक्ष मुख का प्यारा
मुखवास पु० कर्पूर कपूर
मुखव्यादान न० मुंह का खोलना
मुखस्राव पु० मुख का बहना लार टपकना
मुख्य त्रि० प्रधान श्रेष्ठ
मुग्ध त्रि० मूर्ख मूढ़ बेवकूफ
मुञ्ज पु० एक तृण
मुण्ड पु० न० मस्तक माथा मूंड
मुण्डक पु० नापित नाई नाऊ
मुण्डन न० बालोंका कटवाना मूंड़ना
मुण्डफल पु० नारियल नारिकेल
मुदिर पु० मेघ बादल
मुद्ग पु० मूंग एकपक्षी
मुद्गर पु० न० मुगदर एकवृक्ष
मुद्रा स्त्री० मोहर अंगूठी
मुद्रिका स्त्री० अंगूठी [छिपाहुआ
मुद्रित त्रि० अङ्कित छपा हुआ
मुधा अ० मिथ्याहृथा झूठ बेफायदे

मुनि पु॰ मानी सत्य रूप विचार शील
मुनीन्द्र पु॰ पुरुषोत्तम मुनि श्रेष्ठ
मुन्यन्नन॰मुनियोंकाअन्नसामादि
मुमुक्षु त्रि॰ मुक्तिकी इच्छा करने वाला यति
मुमूचान न॰ मेघ बादल
मुमूर्ष त्रि॰ आसन्नमृत्यु जो मरना चाहता हो
मुर न॰ वेष्टन घेरना [मुरली
मुरला स्त्री॰ नर्मदानदी बांसुरी
मुरलीधर पु॰ श्रीकृष्ण
मुषित त्रि॰ चोरी किया गया जिसका धनादि चोरी गयाहो
मुष्क पु॰ अण्डकोष तस्कर
मुष्कशून्य पु॰ रसवास का रस वाला नपुंसक [मुक्का
मुष्टि पु॰ स्त्री॰ बन्धा हुआ हाथ
मुष्टामुष्टि अ॰ मुक्कामुक्की घूसाघूंसी
मुष्टिन्धय पु॰ बालक बच्चा
मुष्टिबन्ध पु॰ समह जमा करना
मुस्त पु॰ मुस्तक मोथा
मुहिर पु॰मूर्ख बेवकूफ कामदेव
मुहुस् अ॰ बारबार होना
मुहूर्त पु॰ न॰ कुछ समय तक
मूक त्रि॰ गूंगा
मूढ त्रि॰ मूर्ख जड़बालक बेवकूफ
मूर्च्छना स्त्री॰बेहोशी ग्रामका एक अंग
मूर्च्छा स्त्री॰ मोह बेहोशी
मूर्च्छाल त्रि॰ बेहोश बेसुध
मूर्च्छित त्रि॰ बेसुध बेहोश
मूर्ति स्त्री॰देह शरीर सर्वकाठिन्य प्रतिमा
मूर्तिमत् त्रि॰मूर्तिवाला शक्लवाला
मूर्धज पु॰ केश बाल
मूर्धन्य त्रि॰अक्षरपाणी जो मूर्धा से बोले जाते हों
मूर्धन् पु॰ मस्तक माथा [एक बेल
मूर्वा स्त्री॰ अपने नाम से प्रसिद्ध
मूर्धाभिषिक्त पु॰ राजतिलक को प्राप्त हुआ राजा क्षत्रिय
मूल न॰ जड़ सत्य खास
मूलक न॰ मूली एक कन्द
मूलप्रकृति स्त्री॰ सबका कारण सत रजसतमसकी समान दशा
मूलाधार पु॰ नाभि टूंडी
मूलिन् पु॰ जिसकी जड़हो वृक्ष
मूलविभुज पु॰ जो जड़को काटता हो रथ गाड़ी

मूल्य न० मोल कीमत धन।
मूषक पु० स्त्री० मूसा चूहा
मृग पु० पशुमात्र अन्वेषण माँगना
मृगजीवन पु० जो पशुओंके द्वारा
जीता है
मृगणा स्त्री० नष्ट हुए द्रव्य की
तलाश करना
मृगतृष्णा स्त्री मिर्जलदेशमेंदोपह
रपर सूर्य की किरणोंके पड़ने
से पानी का भ्यास होना
मृगदंशक पु० कुक्कुर कुत्ता
मृगधूर्तक पु० शृगाल सियार
मृगपति पु० सिंह शेर मृगेन्द्र
मृगपयाजीव पुं० व्याध
मृगया स्त्री० आखेट शिकार
मृगयु पु० हरिण वाला स्यार
मृगराज पु० सिंह शेर
मृगलक्षण पु० चन्द्र चाँद
मृगव्यय न० मृगया शिकार
मृगाक्षी स्त्री मृगकेसदृशनैनवाली
मृगित त्रि अन्वेषित तलाश
किया हुआ
मृगेन्द्र पु० सिंह शेर
मृगेन्द्रसटक पु० श्येन बाज
मृजा स्त्री० मार्जन सफाई

मृणाल न० कमलकी दण्डी
मृत त्रि० त्यक्तप्राण। मराहुआ
मृतक न० शव। मुर्दा
मृतकल्प त्रि० मरे हुये के सदृश
मृतवत्सा स्त्री० जिसका बच्चा
मरगया हो। मुर्दा
मृत्तिका स्त्री० मिट्टी।
मृत्यु पु० मरण। मरना। मौत
मृत्स्ना स्त्री० अच्छी मिट्टी
मृद्वा स्त्री० मृत्तिका। मिट्टी
मृदङ्ग पु०स्वनामसे प्रसिद्ध बाजा
मृदु त्रि० कोमल। मुलायम
मृदुल त्रि० कोमल। पानी। जल
मृद्वीका स्त्री० द्राक्षा। दाख
मृध न० युद्ध लड़ाई। जंग
मृषा अ मिथ्या। झूठ असत्य।
मृषार्थक न०जिसकाअर्थ सर्वथा
झूठा हो [वचन
मृषावाद पु० मिथ्या वाक्य झूठा
मृषोद्य न०मिथ्याकथन झूठकहना
मेखला स्त्री० तगड़ी करधनी
मेघ पु० जलधर बादल
मेघनाद पु० चातक पपीहा
मेघज्योतिस् न० बिजली
मेघयोनि स्त्री० धूम। धुआँ

मेघवर्त्मन् न० आकाश आसमान
मेघागम पु० वर्षाकाल बर्सात
मेघनन्दिन् पु०स्त्री० मयूर मोर
मेचक न० अन्धकार अंजन बादल
मेढ् पु० मेघ बादल लिङ्ग
मेदस् न० चर्बी
मेदिनी स्त्री० पृथिवी जमीन
मेदुर त्रि० बहुत चिकना
मेधा स्त्री० धारणावती बुद्धि
मेधाविन् पु० धारणावती बुद्धि वाला ली
मेधिर त्रि० अच्छी बुद्धिवाला
मेधिष्ठ त्रि० मेधावाला
मेध्य त्रि० पवित्र शुद्ध साफ
मेन्धी स्त्री० मैंदी जिस के लगानेसे लाल हस्त होते हैं [योग्य
मेय त्रि० मापने के लायक जानने
मेरु पु० एक पर्वत पहाड़
मेलक त्रि० विवाह संग मेल
मेला स्त्री० नील का वृक्ष शिलामा
मेष पु० स्त्री० मेढ़ा मेढ
मेह पु० प्रस्राव पेशाब मेघ
मेहन न० शिश्न लिङ्ग मूत्रोत्सर्ग
मैत्री स्त्री० मित्रता दोस्ती सख्य
मैथिली स्त्री० मिथिला में पैदा हुई सीता
मैथुन न० स्त्रीप्रसङ्ग भोग
मैनाक पु० एक पर्वत पहाड़
मैरेय पु० आसव शराब
मोक्ष पु० मोचन मुक्ति छुटना
मोचक पु० मोक्ष मुक्ति निकास
मोद पु० हर्ष प्रसन्नता खुशी
मोदक पु० हर्ष देनेवाला लड्डू
मोदिनी स्त्री० हर्ष देनेवाली अजवाइन
मोषक पु० तस्कर चोर चूहा
मोषण न० लुण्टन लूटना छेदन
मोह पु० मूर्च्छा बेहोशी अज्ञान भ्रम
मोहन त्रि० मोह करानेवाला चतुर
मौक्तिक न० मुक्ता मोती [हार
मौक्तिकसर पु० मोतियों की लड़ी
मौञ्जी स्त्री० मूंजकी करधनी
मौञ्जीबन्ध न० यज्ञोपवीत संस्कार
मौढ्य न० मूर्खता बालकपन [लेश
मौद्गीन न० मूंग की पैदा होने के खेत
मौन न० चुप चाप खामोश
मौनिन् त्रि० चुप रहनेवाला
मौरजिक त्रि० मृदङ्ग बजानेवाला
मौर्ख्य न० मूर्खता बेवकूफी
मौल न० मूल पीढ़ी आनेवाला मन्त्री राजा के राज्य में पुराना काम करनेवाला

मौक्ति पु॰ रमो॰ चूड़ा चोटी
म्रक्षण न॰ सयोजन जोड़ना
चाथीकरण
म्रदिमन् पु॰ मृदुत्व कोमलता
नाम कप॰ [मुर्झा यम
म्रदिष्ठ त्रि॰ बहुत कोमल बहुत
म्रियमाण त्रि॰ मृतसदृश मराहुआ
म्लान त्रि॰ मलिन मैला थकाहुआ
म्लिष्ट न॰ साफ न बोलाहुआ यवन
मुरझाया हुआ
म्लेच्छ पु॰ अपशब्द बुरायवन
भीच पु॰ रूप

(य)

यक्ष्य पु॰ पूजा करने योग्य
यक्ष्मघ्नी स्त्री॰ मिर्गी के रोग को
नाश करनेवाली दाक्षा दाख
यक्ष्मन् पु॰ मिर्गी का रोग
यज्ञात पु॰ योग यज्ञ ऋतु
यजन न॰ यज्ञकरना [करनेवाला
यजमान पु॰ यज्ञकर्ता स कार
यजुर्वेद पु॰ एक वेद का नाम है
यजुस् न॰ यजुर्वेद
यज्ञपशु पु॰ अश्व घोड़ा
यज्ञरूप पु॰ विष्णु ईश्वर
यज्ञपत्नी स्त्री॰ सोमलता

यज्ञवाट पु॰ यज्ञकी जगह
यज्ञसूत्र न॰ यज्ञोपवीत जनेऊ
यज्ञान्त पु॰ यज्ञकी समाप्ति [देश
यज्ञियदेश पु॰ यज्ञकरनेके योग्य
यज्ञेश्वर पु॰ विष्णु ईश्वर
यज्ञोपवीत न॰ जनेऊ [बाला
यज्वन् पु॰ विधिसे यज्ञकरने
यतस् अ॰ जिससे क्योंकि
यतम त्रि॰ इन में से एक
यतर त्रि॰ इन दोनों में से एक
यति पु॰ परिव्राट् संन्यासी
यति पु॰ जिसने अपनी इन्द्रियों
को दमन किया हो संन्यासी
यत्न पु॰ आयाम उद्योग कोशिश
यत्र अ॰ जिसमें जहां
यथाकाम अ॰ इच्छानुसार मर्जी के
मुआफिक [सिलेवार
यथाक्रम अ॰ क्रमानुसार सिल-
यथाजात त्रि॰ मूर्ख मूढ बेवकूफ
यथातथ अ॰ यथायथम् यथार्थ
ठीक २
यथार्थ अ॰ अर्थके अनुसार ठीक २
यथार्ह अ॰ यथार्थ उचित मुनासिब
यथार्हवर्ण पु॰ चर दूत जासूस
यथाशक्ति अ॰ शक्तिके अनुसार ता
कत के मुताबिक

यथाशास्त्र अ० शास्त्रानुसार शास्त्र के मुताबिक [के मुताबिक
यथोचित अ० इच्छानुसार यथा हिश
यथोचित अ० मौचित्य मुनासिब
यत् त्रि० सर्व नाम जो
यदा अ० जिस समय, जब
यदि अ० पक्षान्तर अगर जो
यदृच्छा स्त्री० स्वातन्त्र्य स्वैरता स्वाधीनता खुदमुख्तारी।
यन्तृ त्रि० गाड़ी चलाने वाला सारथी
यन्त्र न० कला कल, पात्र बर्तन
यन्त्रण न० नियमन रोकना रक्षण पीड़ा
यम पु० अहिंसा सत्य ब्रह्मचर्य चोरी त्याग इन्द्रिय संयम
यमज त्रि० एक साथ दो बच्चे जन्मे हुए
यमन न० बन्धन बांधना
यमराज पु० मृत्यु मौत
यमल न युग्म जोड़ा
यमुना स्त्री० प्रसिद्ध नदी जमुना
यव पु० जौ एक प्रकार का अन्न
यवन पु० एक देश उसके लोग
यवनप्रिय न० मरिच मिरच
यवनानी स्त्री० यवनलिपि तुर्कों के हाथ का लेख
यवनिका स्त्री० कनात, पर्दा
यवनीस्त्री० यवनकीस्त्रीएक
यवस न० नया घास एक प्रा
यवागू स्त्री० दुधलप्सी ह लप्सी
यविष्ठ त्रि० बहुत जवानकनिष्ठ
यव्य न० जौ बोने योग्य खेत
यशस न० कीर्ति नेकनामी
यशस्वत् त्रि०कीर्तिमान
यशोद त्रि०कीर्तिको देनेवाला
यष्टि स्त्री० लाठी डण्डा
याग पु० यज्ञ हवन होम
याचक त्रि० मांगनेवाला मं
याचन न मांगना याचना
याचनक त्रि० मांगने वाला
याचित त्रि० मांगना प्रा मांगागया
याच्ञा स्त्री० प्रार्थना मांग
याजक पु० यज्ञ कराने वाला
याज्ञवल्क्य पु० एक मुनि
याज्ञसेनी स्त्री० द्रौपदी
याज्ञिक पु० पलाश यज्ञ के नि उपयोगी वस्तु

यक्षमा स्त्री•तीव्रवेदनावाळोपीड़ा
यातयाम त्रि० जीर्ण बासी जूठा
यातव्य त्रि० जाने के लायक
यातुधान पु० राक्षस दैत्य
याता स्त्री० देवरानी
यात्रा स्त्री० सफर कूच [जैसा
याथातथ्य न० ज्यौंकात्यों, असा
यादृच्छिक त्रि०अपनी इच्छा से
आया
यान न० गमन सन्धि आदि छः
गुणों में से एक सवारी
यापन न० समय का नाश करना
फांदना
यामाता पु० जमाई दामाद
यामि स्त्री भात्र बहिन
यामिनी स्त्री० रात्रि रात
यामिनीपति पु० चन्द्रमा, चांद
यायजूक पु०बारर यज्ञकरनेवाला
यायावर पु०देशदेशान्तरोंमें घूमने
वाला
यावत् त्रि० जितना अबतक
यावतिथ त्रि०जितनोंकाभरनेवाला
यावनाल पु०जुआर, जुनरी अन्न
याष्टीक पु० लाठी वाला लठुवाज
युक्त त्रि० मिश्रित मिला हुआ
उचित
युक्ति स्त्री०न्याय, व्यवहार दलील
युग न०सत्ययुग त्रेता द्वापर,कलि
गाड़ी आदि का जुआ
युगपद् अ० एक साथ एकबार
युगळ न० युग्म जोड़ा
युगान्त पु०युगोंकाअन्त प्रलयकाल
युग्म न० युगळ दो
युग्य न० जुआ रखनेके योग्य बैल
आदि सवारी यान
युञ्जान पु सत्यवेत्ता, योगी,सारथी
युत त्रि० सयुक्त मिला हुआ
युद्ध न० संग्राम लड़ाई
युध स्त्री० युद्ध जंग
युधिष्ठिर पु०लड़ाई में ठहरनेवाला
एक पाण्डव
युयुधान पु० क्षत्रियमात्र
युवखलति स्त्री० गंज रोग वाली
जवान औरत [औरत
युवति स्त्री० यौवनवती जवान
युवन् पु० जवान मच्छा
युवराज पु०राजाके पश्चात् राजा
होने वाला
युष्मद् त्रि० तुम तुम्हारा
यूक पु० स्त्री० जूआं जू ढींगर
यूति स्त्री० मिश्री करण मिलाना

यूथ न० समूह गिरोह
यूथनाथ पु० जंगली हाथियों का स्वामी सरदार
यूप न० यज्ञ का खम्भा
योक्त्र न० जुआ बांधनेकी रस्सी
योग पु० मिलाना संयोग जोड़
योगक्षेम न० न मिले हुये वस्तुका मिलना और मिलेहुयेकी रक्षा करना
योगरूढ पु० धातु व प्रत्ययका अर्थ न होना किसी खास वस्तुका बोध होना जैसे पङ्कज कीचसे उपजा परन्तु कमल का बोध होता है
योगासन न० योगका आसन योग के लिये आसन
योगिन् त्रि० सुख तथा दुःख को समान देखने वाला योगी
योगीश्वर पु० योगियोंमें श्रेष्ठ
योगेश्वर पु० योग का मालिक श्रीकृष्ण
योग्य त्रि० उचित मुनासिब लायक
योग्यता स्त्री० सामर्थ्य शक्ति लियाकत
योजन न० संयोग मेल चारकोस
योत्र न० योक्त्र जोत जुआके साथ की रस्सी
योद्धा पु० पहलवान बहादुर
योध पु० पहलवानलड़ाईकरनेवाला
योधन न० पु० युद्ध लड़ाई जंग
योधसंराव पु० योधाओं का युद्धके लिये आपसमें बुलाना
योनि पु० स्त्री० आकरखानकारण स्त्रियोंका खास चिह्न
योनिज न० योनिसे पैदा हुआ
योषा स्त्री० स्त्री नारी औरत
योषित् स्त्री० स्त्री नारी औरत
यौक्तिक त्रि० युक्तिसिद्ध युक्ति के साथ योग्य
यौगिक त्रि० धातु तथा प्रत्यय के अर्थ को बतलाने वाला
यौतक न० विवाह कालमें मिला हुआ वस्तु दहेज
यौधेय पु० योद्धालड़ाईकरनेवाला
यौवन न० तारुण्य जवानी
यौवनकण्टक पु० न० मुहासा
यौवनदशा स्त्री० तारुण्य जवानी की हालत [नी का निशान
यौवनलक्षण न० लावण्य जवा-
यौवराज्यन० पिताके जीतेहुयेपुत्र

रत्नमुख्य न० हीरक हीरा
रत्नवती स्त्री० जिसमें रत्न होते हैं
रत्नसू स्त्री० रत्नों को पैदा करने वाली भूमि
रत्नाकर पु० मणिओं की खान
रत्नाभरण न० रत्नोंसे जड़ा हुआ गहना
रत्नावली स्त्री० रत्नों की पंक्ति रत्नोंका हार [हाथ का माप
रत्नि पु० स्त्री० बन्धीहुई मुट्ठी के
रथ पु० एक सवारी गाड़ी
रथकड्या स्त्री० रथोंका समूह
रथकार पु० बढ़ई तर्खान
रथयात्रा स्त्री० रथसे चलना
रथाङ्ग न० चक्र पहिया चक्या
रथिक पु० रथका सवार
रद पु० दन्त दांत
रदच्छद पु० ओष्ठ, ओठ, होट
रदन पु० न० दन्त दांत विदारण फाड़ना
रन्धन न० पकाना राधना
रन्ध्र न० छिद्र छेद सूराख
रभस पु० वेग तेजी हर्ष खुशी
रम पु० कान्त प्यारा [विलास
रमण पु० कामदेव रति भोग
रमणीय त्रि० सुन्दर खूबसूरत
रमा स्त्री० लक्ष्मी मानन्द देनेवाली
रम्भ पु० घूलि कदली केला गौओं का शब्द
रम्य त्रि० सुन्दर ललाम
रयण पु० कोयल उष्ट्र ऊँट
रवि पु० सूर्य सूरज
रशना स्त्री० काञ्ची तगड़ी जीभ
रश्मि पु० किरण लगाम
रस पु० स्वाद लेने के योग्य
रसकन पु० सुहागा
रसज न० रुधिर रक्त खून
रसज्ञा स्त्री० जिह्वा जीभ
रसन न० स्वाद मजा ध्वनि
रसना स्त्री० जिह्वा जीभ रस्सी
रसराज पु० पारद पारा [काम
रसवती स्त्री० पाकशाला रसोई
रसाल न० द्राक्षा आम्र ईख
रसिक पु० सारस रसज्ञ
रसेन्द्र पु० पारद पारा
रसोत्तम पु० मुद्ग मूंग
रहस्य त्रि० गोप्य छिपाने लायक
रहित त्रि० वर्जित छोड़ा हुआ
राक्षस पु० दुराचारी उलटे काम करनेवाला

राक्षा स्त्री० वृक्षि लाक्षा लाख
राग पु० रञ्जन रङ्गना
रागिणी स्त्री० एक प्रकारका स्वर
राघव पु० श्रीरामचन्द्रजी
राजक न० राजाओंका समूह
राजकल्प पु० नृपतुल्य राजा के समान
राजकीय त्रि० राजाका कार्य
राजकुमार पु० राजपुत्र राजा का लड़का
राजयक्ष्मन् पु० मिर्गी एक रोग
राजतरु पु० कनेर एकवृक्ष
राजदन्त पु० दाँतोंका राजा ऊपर की पङ्क्तिके दो दांत
राजदैशीय पु० राजाके सदृश राजाके समान [कर्तव्य
राजधर्म पु० राजाओं का अवश्य
राजधानी स्त्री० जहां राजा रहता हो महानगरी
राजन् पु० नृप बादशाह क्षत्रिय
राजनीति स्त्री० राजाओंका नियम नृपनीति
राजन्य पु० क्षत्रिय राजपुत्र
राजन्यक न० क्षत्रियों का समूह
राजन्वत् त्रि० वह देश कि जिसका राजा अच्छा है

राजपथ पु० बड़ा रास्ता बड़ीसड़क
राजपुत्र पु० राजाका पुत्र
राजभूय न० राजत्व राजापन
राजभोग्य त्रि राजाके भोग करने के लायक कोई वस्तु
राजराज पु० राजाओंका राजा
राजर्षि पु० राजा मानो ऋषि है। राजाओं में श्रेष्ठ [उत्पन्नहुआ
राजवंश्य त्रि० राजा के वंश में
राजवर्त्मन् न राजाके योग्यमार्ग
राजवत् त्रि० राजावाला देश
राजशाक पु० बथुयेका शाक
राजस त्रि० जो रजोगुणसे उत्पन्न हुआ हो कर्मेन्द्रिय
राजसभा स्त्री० नृपसमाज [एकयज्ञ
राजसूय पु० राजाओं के करने योग्य
राजस्व पु० कर, लगान, मालगुज़ारी
राजाम्र पु० अच्छाआम
राजार्ह त्रि राजा के लायक
राजि-जी स्त्री० भ णी प क्ति रेखा
राजेन्द्र पु० महाराज बड़ा राजा
राज्ञी स्त्री० रानी राजपत्नी
राज्य न० राजाका होना या कर्म
राज्यधुरा स्त्री० राज्यका बोझा
राज्याङ्ग न० मन्त्री आदि

रत्नमुख्य न० हीरक हीरा
रत्नवती स्त्री० जिसमें रत्न होते हैं
रत्नसू स्त्री० रत्नों को पैदा करने वाली भूमि
रत्नाकर पु० मणिओं की खान
रत्नाभरण न० रत्नोंसे जड़ा हुआ गहना
रत्नावली स्त्री० रत्नों की पंक्ति
रत्नों का हार [हाथ का माप
रत्नि पु० स्त्री० बन्धी हुई मुट्ठी के
रथ पु० एक सवारी गाड़ी
रथकड्या स्त्री० रथोंका समूह
रथकार पु० बढ़ई वर्ण्सान
रथयात्रा स्त्री० रथसे चलना
रथाङ्ग न० चक्र पहिया चकवा
रथिक पु० रथका सवार
रद पु० दन्त दांत
रदच्छद पु० ओष्ठ, ओठ, होट
रदन पु० न० दन्त दांत विदारण फाड़ना
रन्धन न० पकाना रांधना
रन्ध्र न० छिद्र छेद सूराख
रभस पु० वेग तेजी हर्ष खुशी
रम पु० कान्त प्यारा [विलास
रमण पु० कामदेव रति भोग
रमणीय त्रि० सुन्दर खूबसूरत
रमा स्त्री० लक्ष्मी आनन्द देनेवाली
रम्भ पु० धूलि कदली केला गौ का शब्द
रम्य त्रि० सुन्दर ललाम खूबसूरत
रवण पु० कोयल उष्ट्र ऊंट
रवि पु० सूर्य सूरज
रशना स्त्री० काञ्ची तगड़ी जीभ
रश्मि पु० किरण लगाम
रस पु० स्वाद लेने के योग्य
रसघ्न पु० सुहागा
रसज न० रुधिर रक्त खून
रसज्ञा स्त्री० जिह्वा जीभ
रसन न० स्वाद मज्जा ध्वनि
रसना स्त्री० जिह्वा जीभ रस्सी
रसराज पु० पारद पारा [खाना
रसवती स्त्री० पाकशाला रसोई
रसाल न० द्राक्षा आम्र इक्षु
रसिक पु० सारस रसज्ञ
रसेन्द्र पु० पारद पारा
रसोत्तम पु० मुद्ग मूंग
रहस्य त्रि० गोप्य छिपाने काबिल
रहित त्रि० वर्जित छोड़ा हुआ
राक्षस पु० दुराचारी उलटे काम करनेवाला

लज्जन न० ओलना न करना
लज्जा स्त्री० शरम लाज
लज्जालु त्रि० शरम करनेवाला
लज्जाशील त्रि० शरमकरनेवाला
लज्जित पु० शरमिन्दा लजाया
लटपर्ण न० दालचीनी
लड्ड त्रि० सुन्दर खूबसूरत
लड्डुक पु० लड्डू लडुआ
लता स्त्री० बेल शाखा
लताफ पु० हरा प्याज
लपन न० मुख मुह कथन
लपित त्रि० कथित कहागया
लब्ध त्रि० प्राप्त पाया
लब्धवर्ण पु० पण्डित चतुर
लमक पु० यार यार लम्पटसम्भाषी
लम्पट पु० पराई स्त्रियोंपरलालच
करने वाला बदमाश
लम्ब त्रि० नर्तक नाचनेवाला सुन्दर
त्रिकोण रिशवत रुश्वाई
लम्बकर्ण त्रि० लम्बे कान वाला
लम्बेकान बकरा आदि
लम्बकेश त्रि० लम्बे बालोंवाला
लम्बे बाल [शियपुत्र गणेश
लम्बोदर त्रि० जिसका बड़ा पेटहो
लय पु० लसर गल विनाश

ललाट न० मस्तक माथा [सूर्य
ललाटन्तप पु० माथेकोतपानेवाला
ललाटपट्ट न० प्रशस्त मस्तक
मच्छा माथा
ललाटिका स्त्री० माथेका भूषण
ललाम न० सुन्दर भूषा घोटक
ललित त्रि० सुन्दर चाहागया
लव पु० लेश जरसा कुछ
लवङ्ग न०अपने नामका वृक्ष लौंग
लवण न० एकरस नमक [खार
लवणाहार पु० नमकीनरसवाला
लवित्र न० दात्र दराँत चाकू
लहरि-री स्त्री० वरी लहर
लाक्षणिक त्रि० लक्षणसे अर्थ को
जतानेवाला शब्द [आ०नेवाला
लाक्षण्य त्रि० भलेबुरे लक्षण को
लाक्षा स्त्री० लाख
लाक्षारस पु० लाखका रंग
लाघव न० लघुत्व हलकापन
लाङ्गल न० हल हर
लाङ्गलिन् पुं० हलवाला बलराम
लाङ्गूल न० पूछ पूछ [आदि
लाङ्गूलिन् त्रि० पूछवाला बन्दर
लाञ्छन न० चिह्न निशान अङ्कन
लाभ पु० फायदा वृद्धि

वक्रिम न० कौटिल्य टेढापन
वक्रतुण्ड पु० टेढे मुखवाला गणेश
वक्रोक्ति स्त्री० टेढे वचन ठट्ठा
वक्षस् न० हृदय सीना छाती
वक्षःस्थल न० छाती सीना
वक्षोज पु० स्तन कुच आंचल
वक्षोरुह पु० स्तन कुच
वगाह पु० अवगाहन नहाना
वङ्कु पु० नदीवक्र नदी की टेढ
वङ्ग न० एकधातु रांगा, एक देश
वंगारि पु० हरिताळ
वचन न० कथन वाक्य कहना
वचनमाहिन् त्रि० कहनेके अनुसार करनेवाला
वचनीय त्रि० कथनीय कहने योग्य
वचनेस्थित त्रि० आज्ञाकारक वशीभूत
वचस् न० वाक्य वचन कहन
वचस्कर त्रि० वचनको करनेवाला
वज्र पु० न० हीरक हीरा बिजली
वज्रदन्त पु० शूकर सूअर मूसा
वज्रनिर्घोष पु० बिजली का शब्द
वज्रमय त्रि० अतिकठिन बहुत सख्त
वञ्चक पु० शृगाल गीदड खल
वञ्चन न० प्रतारण ठगना ठगी

वट पु० अपने नाम का वृक्ष बड
वटक पु० पिष्टकभेद बड़ी
वटी स्त्री० बड़ी, गोली वटिका
वटु पु० माणवक बालक ब्रह्मचारी
वटुक पु० बालक लड़का
वठर पु० मूर्ख बेवकूफ
वडिश न० मछली पकड़नेका कांटा
वण्टक पु० विभाजक बांटनेवाला
वत् अ० सादृश्य बराबरी
वतंस पु० भूषण शिरोभूषण
वत्स बछड़ा शिशु सबद
वत्सतर पु० छोटा बछड़ा
वत्सर पु० वेद संवत्
वत्सल त्रि० स्नेहयुक्त प्यारवाला
वद त्रि० वक्ता बोलनेवाला
वदन न० मुख मुंह कथन [वाला
वदान्य पु० बहुदानी बहुतदेने-
वदाम पु० एकफल बादाम
वधू स्त्री० बहू भार्या
वधूजन पु० नारीजन स्त्री लोग
वधूटी स्त्री० काम उमरवाली स्त्री
 जंव न मौरस [करने लायक
वध्य त्रि० मारने लायक । कतल-
वन न० जंगल घर निवास
वनकदली स्त्री० वनका केला

वनवस्त्र न० वनका वस्त्र
वनज न० वनमें पैदा हुआ कमल
वनशोभन न० पद्म । कमल
वनस्पति पु० वृक्षमात्र हर पेड़
वनायु पु० अरबदेश [घोड़ा
वनायुज पु० अरबी घोड़ा अबलक
वनिता स्त्री० स्त्री योषित् औरत
वनिन् पु० वान० वानप्रस्थी
वनेचर त्रि० वनमें घूमनेवाला जंगली
वनौकस पु० बन्दर वानर
वन्दन न० प्रणाम स्तवन तारीफ
वन्दनीय त्रि० भजनीय स्तवनीय
तारीफ के योग्य
वन्दारु त्रि० वन्दनशील भजनेवाला
वन्दिपाठ पु० वन्दिपाठक स्तुति
करने वाला [योग्य
वन्द्य त्रि० वन्दनीय नमस्कृति के
वन्य न० वनमें हुआ दालचीनी
वपन न० केशमुण्डन बालमुड़ाना
वपा स्त्री० चरबी छिद्र
वपुस् न० शरीर देह जिस्म
वप्तृ पु० पिता बोने वाला
वप्र पु० न० कम्पा कोट सर्कल खेत
पिता । [मर्दन सम
वमन न० मर्दन मलना छर्दन कै

वमि स्त्री० छर्दन कै वमन
वमित पु० जिसने कै कीहो कैकीगई
वयस् न० पक्षी । अवस्था
वयस्य पु० स्त्री० समान उम्र
वाला मित्र सखा
वयुन न० ज्ञान इल्म,नियम,तरीका
वयोधस् पु० तरुण जवान
वर न० अभीष्ट वरदान इच्छा।
वरद त्रि० वर देने वाला ईप्सित
वस्तु का दाता ।
वरम् अ० समीचीन बहुत अच्छा
वराक त्रि० बिचारा गरीब क्षुद्र
वराङ्ग न० मस्तक गुदा योनि
वराट पु० कपर्द कौड़ी
वरारोह पु० हस्ती सुन्दर नित-
म्बिनी स्त्री
वराशि पु० स्थूलवस्त्र मोटाकपड़ा
वरासन न० उत्तम आसन जार
वराह पु० शूकर सुअर
वरिवस् न० पूजन सत्कार
वरिवस्या स्त्री० पूजा सेवा सत्कार
वरिष्ठ त्रि० बहुत बड़ा उत्तम
वरुण पु० मेघ जल [का स्थान
वरूथ न० चर्म कवच रथक। रक्षा
वरेण्य त्रि० प्रार्थनीय श्रेष्ठ [मादि
वर्ग पु० सजातीय समूह कवर्ग

वान्त त्रि० उद्गीर्ण की कियागया
वाप पु० वस आदिका बुनना
बीज आदिका बोना
वापि-पी स्त्री० बावड़ी
वापीह पु० चातक पपीहा
वाम न० मनोहर प्रतिकूल अधम
वामन त्रि० बौना अमुत नाटा भर
वामलूर पु० वाल्मीक वामी
वामलोचना स्त्री० सुंदरनेत्रवालीस्त्री
वामाचार पु० उल्टा काम करना
वामी स्त्री० घोड़ी शृगाली गदही
सृष्टी
वामोरू स्त्री० सुन्दर जङ्घावाली स्त्री
वायवी स्त्री० उत्तर और पश्चिमके
बीच की दिशा
वायस त्रि० काक कौआ
वायसारातिपु० उल्लूकोआकाशत्रु
वायु पु० पवन हवा ब्यार
वायुभक्ष पु० हवाको खानेवालासर्प
वायुवर्त्मन् न० आकाश आसमान
वायुवाह पु० धूम धुआं
वायुसख पु० हवाकादोस्त आग
वार् न० जल पानी वाटर
वार पु० समूह अवसर द्वार क्षण
रविवार आदि क्रम
वारक त्रि० हटानेवाला रोकनेवाला
वारण न० रोकना निषेध कवच
वार वारम् अ बार२ फईबार
वारयोषा स्त्री० वेश्या रण्डी
वारवाण पु० न० कवच बख्तर
वाराम्निधि पु० समुद्र सागर
वाराणसी स्त्री० काशी बनारस
वाराही स्त्री० सूअरी सु अरिया
वारि न० जल पानी
वारिचरपु० जलजन्तु मछलीमगर
वारिज न० पद्म कमल
वारित्र न० छत्र छाता
वारिद न० मेघ बादल
वारिधि पु० समुद्र सागर
वारिमसि पु० मेघ बादल
वारिराशि पु० समुद्र सागर
वारिरुह पु० पद्म कमल
वारिवाह पु० मेघ बादल
वारीश पु० समुद्र सागर
वारुण न० जल पानी
वार्त न० आरोग्य तन्दुरुस्ती
वार्ताक पु० बैंगन भाटा
वार्द्धक्य न० बुढ़ापा जईफी
वार्धि पु० समुद्र सागर

वार्जुषि पु० सूदपर जीने वाला व्याजिया
वार्द्धुष्य न० सूदपर कर्ज देना
वार्मण न० कवचसमूह बहुतकवच
वार्मुच पु० मेघ बादल
वार्षिक त्रि० वर्षाऋतुका सालाना
वाल्मीकि पु० यामीमें हुआएकमुनि
वावदूक त्रि० बहुत बोलनेवालाबकवा
वाशिता स्त्री० हथिनी हर औरत
वास्र न० गृह घर चौराहा दिन
वाष्य पु० उष्मा भाप मांस
वास पु० गृह वस्त्र रहना सुगन्धि
वासगृह न० रहने योग्य घर
वासतेयी स्त्री० रात्रि रात
वासन न० सुगन्धित करना
वासना स्त्री० प्रत्याशा भरोसा
वासर पु० न० दिन दिवस
वासस् न० वस्त्र कपड़ा
वासागार पु० रहनेयोग्य गृह
वासित त्रि०सुगन्धित कियाहुआ
वासुदेव पु० वसुदेव की संतति कृष्ण
वास्तविक त्रि० स्वतः सिद्ध ठीक२
वास्तु पु० रहने के योग्य स्थान
वास्तेय त्रि० रहने के योग्य
वास्तोष्पति पु० घर का स्वामी
वाह्य पु० वस्त्र से ढका हुआ रथ आदि
वाह पु० अश्व, घोड़ा सवारी
वाहन न० घोड़ा आदि सवारी
वाहिनी स्त्री० सेना फौज
वाहिनीपति पु० सेना का मालिक
वाहीक पु० एक जाति जाट
वाहु पु० भुजा बांह बाजू
वाहुमूल न० कक्ष कांख बगल
वाह्य न० चलाने के योग्य घोड़ा आदि सवारी
वि अ० वियोग, विशेष, निश्चय
विंश त्रि० बीसवां　　[लाभ
विंशक न० बीस, १००पीछे बीसका
विंशति स्त्री० बीस २० संख्यावाला
विंशतिक त्रि० बीस के योग्य
विंशतितम त्रि० विंश बीसवां
विकच पु० विनाबालका बहुतबालों वाला
विकट पु० विस्फोटकफोड़ाभयानक
विकण्टक पु० जिसका कांटा नाता रहाहो शत्रुरहित　　[तारीफ
विकत्थन न० आत्मश्लाघा अपनी
विकर्तन पु० सूर्य सूरज[द राजारी
विकर्मस्थ पु० स्त्री० वधचलन

विफल त्रि० व्यर्थफल घबड़ाया हुआ
विकल्प पु० सन्देह शक
विकषा स्त्री० मजीठ
विकशित त्रि० प्रकाशित खिला
विकार पु० बदलना तबदीली
विकालपु० विरुद्धसमय उलटाकाल
विकाश न० प्रकाश चमक [कीला
विकाशिन् त्रि० प्रकाशशील चम-
विकिर पु० विहङ्ग पक्षी
विकिरणी स्त्री० क्षेपण फेंकना
विकीर्ण त्रि० विक्षिप्त फेंका हुआ
विकृत त्रि० बीभत्स मलिनीकृत
रोग युक्त
विकृति पु० रोग बीमारी
विक्रम पु० बहादुरी शूरत्व
विक्रमादित्य पु० एकराजा इसके
नामसे संवत चल रहा है
विक्रमिन् पु० सिंह शेर
विक्रय पु० बेचना फरोख्त [वाला
विक्रयानुशयपु० बेचकरपीछेपछ
विक्रयिक पु० विक्रेता,बेचनेवाला
विक्रयिन् त्रि० विक्रेता, बेचनेवाला
विक्रान्त पु० सिंह,बहादुर,शूर
विक्रिया स्त्री० विकार बदलना
विक्रेय त्रि० बेचने के योग्य वस्तु
विक्लव त्रि० व्याकुलीभाव,
घबराहट
विक्लिन्न त्रि० गीला, टूटा हुआ
विक्षेप पु० त्याग छोड़ना
विख त्रि० नकटा
विख्यात त्रि० प्रसिद्ध मशहूर
विगणन न० बहुत गिनना
विगत त्रि० प्रमाद रहित घबरदार
दूरगया ।
विगम पु० नाश, अपाय,दूर होना
विगर्ह ण न० निन्दन, बदनामी
विगर्हित त्रि० निन्दित निन्दा,
बदनामी
विगाद त्रि० स्नान नहाया हुआ
विगान न० निन्दा बदनामी
विगीति स्त्री० निन्दा बुराई
विगुण त्रि० गुणरहित
विगूढ त्रि० गर्हित निन्दित
विगृहीत त्रि० पकड़ा हुआ
विग्र त्रि० नकटा
विग्रह पु० देह हिस्सा युद्ध
विघटिका स्त्री० एक पल
विघटित त्रि० जुदा किया हु
विघट्टित त्रि० चलाया गया
विघसपु० भोजनशेष,खानेकाप..

विघात पु० आघात, नाश, चोट, विघ्न
विघातिन् त्रि० निवारक हटानेवाला
विघ्न पु० व्याघात, अन्तराय, रोक
विघ्ननाशक त्रि० रुकावटों का दूर करने वाला
विचक्षण पु० पण्डित चतुर होशियार
विचयन न० अन्वेषण तलाश इकट्ठा करना
विचर्चिका स्त्री० पामा खुजली
विचार पु० तत्त्वनिर्णय गौर, सोच
विचारण न० मीमांसा, ध्यान, सोच
विचि-ची स्त्री० तरङ्ग लहर
विचिकित्सा स्त्री० सन्देह शक
विचित्र त्रि० बहुत भांति का बहुत अजीब
विचित्रवीर्य पु० शान्तनु राजाका पुत्र
विचित्राङ्ग त्रि० अजीब अङ्गवाला
विचेतस् त्रि० बुरे दिलवाला
विचेष्टित त्रि० चेष्टाशून्य बेहरकत
विच्छाय न० पक्षियों की छाया
विच्छित्ति स्त्री० छेदन टूटना घनाश
विच्छिन्न त्रि० विभक्त फटा हुआ
विच्छेद पु० वियोग बिछोह
विजन त्रि० निर्जन एकान्त अकेली जगह
विजनन न० गर्भमोचन प्रसव
विजय पु० जय जीत
विजया स्त्री० भंगा भांग
विजातीय त्रि० दूसरी जातवाला
विजिगीषा स्त्री० जीतनेकी इच्छा
विजृम्भण न० विकाश जमुहाई
विजृम्भित त्रि० विकसित चमक
विज्ञ त्रि० चतुर प्रवीण
विज्ञात त्रि० ख्यात मशहूर
विज्ञान न० ज्ञान जानना
विज्ञानिक त्रि० विज्ञानयुक्त समझदार
विट पु० लुच्चा जार यार
विटङ्क न० कबूतरोंका दरबा छतरी
विटप पु० शाखा टहनी वृक्ष
विटपिन् पु० वृक्ष पेड़
विटि-टी स्त्री० पीतचन्दन, पीला चंदन
विड्वर पु० शूकर सुअर
विट्पति पु० जामाता जमाई
विडम्बन न० तिरस्करण निरादर
विडाल पु० बिल्ला बिलौटा
विडीन पु० पक्षियों का उड़ना
वितण्डा स्त्री० अपने पक्षको स्थापन करना दूसरे के पक्षका खण्डन करना व्यर्थ बकना
वितथ त्रि० मिथ्याभूत पदार्थ झूठी चीज

विकल त्रि० व्याकुल घबड़ाया हुआ
विकल्प पु० सन्देह शक
विकषा स्त्री० मजीठ
विकशित त्रि० प्रकाशित खिला
विकार पु० बदलना तबदीली
विकालपु० विरुद्धसमय उलटाकाल
विकाश नं० प्रकाश चमक [कीला
विकाशिन् त्रि० प्रकाशशील चम-
विकिर पु० विहङ्ग पक्षी
विकिरणी नं० क्षेपण फेंकना
विकीर्ण त्रि० विक्षिप्त फेंका हुआ
विकृत त्रि० बीभत्स मलिनीकृत,
रोग युक्त
विकृति पु० रोग बीमारी
विक्रम पु० बहादुरी शूरत्व
विक्रमादित्य पु० एकराजा इसके
नामसे संवत् चल रहा है
विक्रमिन् पु० सिंह शेर
विक्रय पु० बेचना फरोख्त[नामा
विक्रयानुशयपु० बेचकरपीछेपछ
विक्रयिक पु० विक्रेता, बेचनेवाला
विक्रयिन त्रि० विक्रेता, बेचनेवाला
विक्रान्त पु० सिंह, बहादुर, शूर
विक्रिया स्त्री० विकार बदलना
विक्रेय त्रि० बेचने के योग्य वस्तु
विक्लव त्रि० व्याकुलीभाव,
घबराहट
विक्लिन्न त्रि० गीला, टूटा हुआ
विक्षेप पु० त्याग छोड़ना
विख्र त्रि० नकटा
विख्यात त्रि० प्रसिद्ध मशहूर
विगमन नं० बहुत गिमना
विगत त्रि० प्रमाद रहित खबरदार
दूरगया।
विगम पु० नाश, अपाय, दूर होना
विगर्हण नं० निन्दन, बदनामी
विगर्हित त्रि० निन्दित निन्दा,
बदनामी
विगाढ त्रि० स्नात नहाया हुआ
विगान नं० निन्दा बदनामी
विगीति स्त्री० निन्दा बुराई
विगुण त्रि० गुणरहित
विगूढ त्रि० गर्हित निन्दित
विगृहीत त्रि० पकड़ा हुआ
विग्र त्रि० नकटा
विग्रह पु० देह हिस्सा युद्ध
विघटिका स्त्री० एक पल
विघटित त्रि० जुदा किया हुआ
विघट्टित त्रि० चलाया गया
विघस पु० भोजनशेष, बाकीखाना

विभावरी स्त्री॰रात्रि, रात कुट्टनी
विभाषा स्त्री॰ विकल्प निषेध
विभिन्न त्रि॰खिला हुआ, विभक्त
जुदा [रावण का भाई
विभीषण पु॰बहुत डराने वाला
विभीषिका स्त्री॰भय प्रदर्शन कर
विभु पु॰ सब पदार्थों से मिला
हुआ प्रभु
विभूति स्त्री॰ऐश्वर्य,भस्म खाक
विभूषा स्त्री॰शोभा भूषण सजाना
विभ्रम पु॰सन्देह भ्रमण घूमना
विभ्राज त्रि॰ भूषण दीप्त
विमत त्रि॰विरुद्ध मतियुक्त दुश्मन
विमनस्क त्रि॰ उदासीन व्याकुल
विमर्द पु॰मर्दन मलना मटना
विमर्श न॰ परामर्श सोच
विमल त्रि॰स्वच्छ साफ निर्मल
विमाता स्त्री॰सौतेली मा
विमातृज पु॰ सौतेला भाई
विमान पु॰न॰वायु मे चलने वाली
सवारी हवाई जहाज
विमार्ग पु॰ कुपथ बुरा रास्ता
विमुख त्रि॰ विरुद्ध बरखिलाफ
विमुग्ध त्रि॰ विकसित खिलाहुआ
विम्ब पु॰न॰ रझाई प्रतिबिम्ब

वियत् न॰ आकाश आसमान
वियात त्रि॰ धृष्ट ढीठ बेशरम
वियोग पु॰ विच्छेद बिछोह
वियोगिन् पु॰ चक्रवाक चकवा
चकई पक्षी [हुआ
विरक्त त्रि॰ विच्छिन्न जुदा हटा
विरचित त्रि॰ कृत निर्मित बनाया
हुआ
विरञ्चि पु॰विधाता ईश्वर
विरत त्रि॰निवृत्त हटाहुआ
विरतिस्त्री॰निवृत्ति हटना
विरल त्रि॰ अवकाश वाली
विरह पु॰ विच्छेद जुदाई अभाव
विरहित त्रि॰त्यक्त छूटाहुआ
विराग पु॰अप्रीति स्नेहका न होना
विराज् पु॰बहुशोभायुक्त क्षत्रिय
राजा
विराध पु॰एक राक्षस
विराव न॰ पीड़ा दर्द
विराम पु॰अवसानआखिर ठहरना
विराव पु॰ शब्द आवाज़
विरिञ्चि पु॰जगत्कर्ता ईश्वर[हुआ
विरूढ त्रि॰अच्छे प्रकारसे उत्पन्न
विरूप त्रि॰बुरी शकलवाला
विरूपाक्ष पु॰डरावनी आंखवाला

विपथ पु॰ कुमार्ग बुरा रास्ता
विपद् स्त्री॰विपत्ति मुसीबत
विपन्न त्रि॰विपत्तिमें पड़ा हुआ
विपरीत त्रि॰प्रतिकूल उलटा
विपर्यय पु॰उलटा खिलाफ
विपर्यस्त त्रि॰उलटा हुआ
विपर्यास पु॰वैपरीत्य उलटा
विपल पु॰पल का साठवां भाग
विपश्चित् पु॰पण्डित चतुर
विपाक पु॰पकाना तयार होना
पचना कर्म का फल [व्यासी
विपाशास्त्री॰पञ्जाबकी एक नदी
विपिन न॰ जंगल वन
विपुल त्रि॰विस्तीर्ण फैला हुआ
अगाध बहुत
विप्र पु॰ब्राह्मण ऋषि [तिरस्कार
विप्रकार पु॰ अपकार बुराई
विप्रकर्षपु॰दूरत्व,दूरपन,दूरहोना
विप्रकृत त्रि॰क्लेशित सतायाहुआ
विप्रकृष्ट त्रि॰ दूरस्थ दूर का
विप्रतिपत्ति स्त्री॰विरोध संशय
धिक्कार [धोखा
विप्रतिपन्न त्रि॰ सन्देहयुक्त शक
विप्रति-सी-सार पु॰ अनुताप
पछतावा
विप्रयुक्त त्रि॰ वियुक्त अलग
विप्रयोग पु॰ विरोध फरेब
विप्रलब्ध त्रि॰वंचित ठगा हुआ
विप्रलम्भ पु॰ विसम्वाद झगड़ा
विप्रलाप पु॰विवाद झगड़ा
विप्रवास न॰ब्राह्मण के आधीन
विप्रस्व न॰ब्राह्मण का धन
विप्रिय न॰ अपराध दुश्मन
विप्रुष् स्त्री॰बिन्दु बूंद [प्रवासित
विप्रोषित त्रि॰ परदेश में गया
विप्लव त्रि॰उपद्रव झगड़ा [उजड़
विप्लुत त्रि॰मुसीबतमें फंसा हुआ
विफल त्रि॰निरर्थक बेफायदा
विबुध पु॰पण्डित,शिक्षित,दाना
विभक्त पृथक्कृत, अलहदा किया
हुआ
विभक्ति स्त्री॰विभाग हिस्साव्या-
करण में सुप तिङ् प्रत्यय आदि
विभव पु॰ धन मोक्ष ऐश्वर्य
विभा स्त्री॰किरण शोभा
विभाकर पु॰सूर्य सूरज
विभाग पु॰ भाग हिस्सा
विभाज्य त्रि॰बांटने लायक
विभात न॰प्रभात प्रातःकाल
विभाव पु॰उद्दीपक, चौकसियत

विरेक पु० अतिरेक जुलाब
विरेचनम०मल मार्ग्यिका निकालना
विरोक पु० न० छिद्र छेद
विरोचन पु० सूर्य प्रहादका पुत्र
विरोध पु० वैर दुश्मनी उल्टापन
विरोधिन् त्रि० रिपु दुश्मन शत्रु
विरोधोक्ति स्त्री०उलटाकथन एक अलङ्कार
बिल न० छिद्र छेद गुहा गुफा
विलक्ष त्रि० विस्मययुक्त हैरान हुआ
विलक्षण त्रि० विभिन्न अजीब
विलग्न त्रि० सलग्न अच्छेप्रकार लगा हुआ
विलम्बित त्रि० धीमा देर लगाने वाला लटका हुआ
विलय पु० प्रलय नाश
विलशाय पु० सर्प साप [कपना
विलाप पु० परिदेवनोक्ति रोकर
विलास पु० स्त्रियोंकी शृ गारचेष्टा विशेष
विलासिनीस्त्री०विलासवालीनारी
विलीन त्रि०बहगया नाश होगया
विलेपन न० जिससे ली पाजाय लपना
विलोचन न० नेत्र आख दर्शन
विलोडित न० तक छाछ
विलोम त्रि० विपरीत उलटा [हाथ
विलोमजिह्व पु० उलटी जीभवाला
विलोल त्रि० चञ्चल लालची
विल्व पु० श्रीफल वृक्ष बेल
वि-वीवध पु० डोली
विवर न० छिद्र छेद चिद्र
विवरण न० व्याख्यान रिपोर्ट
विवर्ण त्रि० अधम नीच
विवर्त्त पु० नृत्य नाच समुदाय
विवश त्रि० पराधीन बेबश लाचार
विवस्वत् पु० सूर्य सूरज
विवाद पु० झगड़ा कलह
विवाह पु० पाणिग्रहण शादी
विवाहित त्रि०व्याहा जिसकीशादी होगई हो [लायक
विवाह्य त्रि० विवाह योग्य व्याह
विविक्त त्रि० निर्जन अकेली जगा पवित्र
विविध त्रि० नानाप्रकारमुतफरिक
विवृत त्रि० विस्तृत फैलाहुआ
विवृति स्त्री० विस्तार फैलाव व्याख्यान
विवेक पु० विचार तमीज़

विशोह पु० जामाता जमाई
विश पु० मनुज मनुष्य आदमी
विशङ्कट त्रि० विशाल लम्बा
विशद त्रि० विमल पवित्र साफ
विशय पु० संशय शक
विशर पु० बध मारना
विशसन न० मारण मारना
विशसन पु० तलवार खड्ग
विशस्त त्रि० मारा किया हुआ
विशारण न० मारण मारना
विशारद पु० पण्डित प्रगल्भचतुर
विशाल त्रि० विस्तीर्ण लम्बा
चौड़ा बड़ा [फैलाव
विशालता स्त्री० पार्श्वविस्तार
विशालाक्ष त्रि० बड़े नेत्र वाला
विशिष्ट त्रि० विलक्षण विशेष
विशीर्ण त्रि० शुष्क सूखगया बूढा
होगया
विशुद्ध त्रि० निर्मल साफ विशद
विशुद्धि स्त्री० शोधन साफकरना
विशृङ्खल त्रि० अनियम से वर्तने
वाला परिपाटी से रहित
विशेष पु० प्रभेद फर्क प्रकार
विशेषण न० भेदकधर्म बताने
वाला गुण

विशेषविधि पु० जैसे ब्रह्मचारियों
को दूध दिया जावे परन्तु
देवदत्त को नहीं
विशेषोक्ति स्त्री विशेष कथन
विशोक त्रि० जिससे शोक दूर हो
गया हो
विश्राणन न० वृद्धि दान देना
विश्रब्ध त्रि० विश्वस्त भरोसा
किया हुआ दृढ़ मजबूत।
विश्राम पु० वृद्धि विराम हटना
आराम। [प्रत्यय
विश्रम्भ पु० विश्वास भरोसा
विश्रावपु० प्रसिद्धि जगतिमशहूरी
विश्रुत त्रि० प्रसिद्ध मशहूर ख्यात
विश्लिष्ट त्रि० वियुक्त अलहदाकिया
हुआ।
विश्लेष पु वियोग बिछोह जुदा।
विश्व न० संसार दुनियां सर्व
विश्वकर्मन् पु० जगदीश्वर खुदा
विश्वकृत् पु० ईश्वर जगदीश
विश्वधारिणी स्त्री० पृथिवी जमीन
विश्वप्सन् पु० अग्नि चन्द्रमा
विश्वम्भर पु० जगदीश्वर भूमि
विश्ववेदस् पु० संसारको जानने
वाला ईश्वर

विश्वसृज् पु० संसारको बनाने वाला ईश्वर
विश्वस्त त्रि० भरोसे का
विश्वामित्र पु० संसारका मित्र एकऋषि
विश्वाराज् पु० ईश्वर परेश
विश्वावसु पु० रात्रि रात
विश्वास पु० प्रत्यय श्रद्धा यकीन
विश्वेदेव पु० सबदेवतासबविद्वान
विश्वेश पु० जगदीश्वर ईश्वर
विष् स्त्री० विष्ठा मैला गू
विष न० जल मृणाल कमलकीडण्डी
विषघ्न पु० विषकोदूर करनेवाला चम्पक
विषज्वर पु० महिष भैंसा
विषपद्म न० मृणाल कमलकीडण्डी
विषध्वंसक पु० सर्प सांप
विषधर पु० सर्प सांप
विषम त्रि० जो बराबर न हो ऊंच नीचा दारुण[बढ़नेवालाज्वर
विषमज्वर पु० सकम बुखार घटने
विषमस्थ त्रि० कष्ट में पड़ा हुआ
विषमशिष्ट न० अनुचित शासन
विषय पु० मजमून देश
विषयिन् त्रि० जाना इन्द्रिय
विषविद्या स्त्री० विष को दूरकरने वाली विद्या [हकम
विषवैद्य पु० विषकोदूर करनेवाला
विषाण न० पशु का सींग हाथी तथा सुअर का दांत
विषाद पु० अवसाद अफसोस खेद
विषान्तक त्रि० विषको दूर करने वाला
विषाराति पु० धतूरा
विषास्य पु० सर्प साप
विषु अ० साम्य बराबरी भागी रूप वाला
विषुव न० वह समय जब कि रात दिन बराबर हो
विष्कम्भ पु० विस्तार फैलाव प्रतिबिम्ब रोक
विष्टप न० भुवन लोक जगत
विष्टब्ध त्रि० प्रतिरुद्ध रुका हुआ
विष्टम्भिन् त्रि० प्रतिबन्धक, रोक-नेहारा
विष्टर पु० आसन विस्तर
विष्टि स्त्री० वेतन तनख्वाह
विष्ठा स्त्री० पुरीष, मल गू
विष्णु पु० व्यापक परमेश्वर
विष्य त्रि० ज़हरसे मारनेके लायक

विद्राण न० भागना चाला
बिस न० मृणाल कमलकी ककड़ी
विसंवाद पु० विप्रलम्भ वंचन ठगना
विसर पु० समूह विस्तार
विसर्ग पु० त्याग दान देना
विसर्जन न० त्याग दान देना भेजना
विसर्पण न० प्रसार फैलावसरकना
विसूचिका स्त्री० एक रोग हैजा
विसृत त्रि० विस्तीर्ण फैलाहुआ
विसृत्वर त्रि० विसरण शील फैलने वाला [फैलने वाला
विसृमर त्रि० विसरण शील
विसृष्ट त्रि० प्रेरित भेजा हुआ छोड़ा हुआ
विस्त न० पु० उत्सर्ग छोड़ाहुआ सोनेका मोहर [कि शायद
विस्तार पु० विटपस्तम्बविस्तीर्णता
विस्तीर्ण त्रि० विपुल फैला हुआ
विश्राम करना [को मिलगाटो
विस्फुलिङ्ग पु० अग्निकण आग
विस्फोट पु० फोड़ाफुनफुटनाहै
विस्मय पु० आश्चर्य अद्भुत अनोखा
विस्मयाकुल पु० हैरान हुआ
कुदक स्वरमाल [हुआ
विस्मित त्रि० विस्मययुक्त हैरान

विस्मृति स्त्री० भूल भूलना
विस्रम्भ पु० विश्वासप्रणयपरिचय
विस्रम्भित त्रि० विश्वास वाला
विस्रसा स्त्री० जरा बुढापा
विहग पु० विहङ्गम पक्षी परिन्द
विहङ्गम पु० पक्षी परिन्द
विहर पु० वियोग बिछोह
विहसित न० थोड़ा हँसना
विहस्त त्रि० व्याकुलघबड़ायाहुआ पण्डित चतुर
विहापित न० दानदेनाछुड़ायागया
विहायस पु० न० शून्य आकाश
विहार पु० भ्रमण घूमना
विहित त्रि० कृत कियाहुआ
विहीन त्रि० त्यक्तछोड़ाहुआवर्जित
विह्वल त्रि० भयभीतघबड़ायाहुआ
वीक्षण न० नेत्र आंख देखना
वीचि वी पु० स्त्री० तरङ्ग लहर अवकाश अल्प
वीचिमालिन् पु० समुद्र समुन्दर
बीज न० शुक्र अङ्कुर कारण
बीजगर्भ पु० पटोल परवल
वीजन न० व्यजना पङ्खा
बीजसू स्त्री० पृथिवी जमीन
बीजिन् त्रि० बीज वाला पिता

वीज्य त्रि० आदरकेयोग्य कुलीन
वीटि-टी स्त्री० पान की बीडी
वीणा स्त्री० बीन बाँसुरी
वीतशोक त्रि० जिसका शोक दूर
होगया हो [चमक सामा
वीति स्त्री० गति जाना दीप्त
वीथि-थी स्त्री० पङ्क्ति श्रेणी
कतार गली [वायु
वीध्र त्रि० निर्मल साफ आकाश
वीनाह पु० मुखबन्धन ढक्कन पाठ
वीप्सा स्त्री० विशेष इच्छा व्याप्ति
फैसना [कांजी
वीर न० मिर्च कमल की जड़
वीरण न० उशीर खस
वीरपत्नी स्त्री० बहादुर की स्त्री
वीरसू स्त्री० बहादुरों को पैदा
करने वाली माता
वीरसेन पु० जिसकी वीरसेनाहो
वीरासन न० बहादुरकीतरहबैठना
वीरुध् धा स्त्री० विस्तृत लता
फैली हुई बेल
वीरेश्वर त्रि० वीरों का मालिक
वीर्य न० शुक्र बीज पराक्रम बल
वीर्यवत् त्रि० बलवाला जोरावर
वीवध पु० गल्ला संग्रह मार्ग

वीवधिक पु० बोझा उठाने वाले
कुली भारवाहक
वीहार पु० विहार क्रीड़ा
वृ हिवन० कलिंगअन हाथीकाग़र्जन
वृक पु भेड़िया कौवा
वृकदंश पु० कुक्कुर कुत्ता
वृकधूर्त पु० शृगाल गीदड़
वृकोदर पु० भीमसेन
वृक्ण त्रि० छिन्न काटा हुआ
वृक्ष पु० विटप दरख्त
वृक्षचर पु० वानर बन्दर
वृक्षछाय न० पेड़ों की छाया
वृक्षनाथ पु० वटवृक्ष
वृक्षमधन न० वृक्ष में खोखल
वृक्षवाटिका स्त्री० घरके पास का
उपवन
वृजन न० पाप गुनाह केश
वृजिन न० पाप भुग्न टेढा देश
वृत त्रि० प्रार्थित मांगागया
वृतिस्त्री० मांगनाघेरनालपेटना बाड़
वृत्त न० चरित्र चालचलन सत्य
भाषणादि
वृत्तस्थ त्रि० अच्छे चालचलनवाला
वृत्तान्त पु० समाचार हाल खबर

वृत्र पु० अन्धकार रिपु दुश्मन
बादल पर्वत
वृत्रहन् पु० सूर्य वायु
वृथा अ० निरर्थक बेफायदा
वृथादान न० निरर्थक देना
वृद्ध पु० बूढ़ा पण्डित चतुर
वृद्धा स्त्री० बुढ़िया बूढ़ीस्त्री
वृद्धि स्त्री० समृद्धि अभ्युदयबढ़ती
वृद्धिजीविका स्त्री० सूदकारोबार
वृद्ध्याजीव त्रि० सूदसे जीनेवाला
ब्याजखिया [बठरा
वृन्त न० फलपत्तों का बन्धन
वृन्द न० समूह दश अरबकीसंख्या
वृन्दारक त्रि० मनोहर सुन्दर
मुख्य [नगर
वृन्दावन न० मथुरा के समीप एक
वृन्दिष्ठ त्रि० सबका मुखिया
वृश्चिक पु० बिच्छू बीछी [पशु
वृष पु० वृषभ बैल धर्म सींगवाला
वृषण पु० अण्डकोश पोता
वृषदंशक पु० बिलाव बिलौटा
वृषभ पु० बैल बहुत अच्छा
वृषभानु पु० राधिकाका पिता
वृषल पु० शूद्र गाजर घोड़ा
वृषली स्त्री० नीच स्त्री

वृषलोचन पु० मूषक चूहा [शिव
वृषवाहन पु० बैलकी सवारीवाला
वृषस्यन्ती स्त्री० कामुका स्त्री
वृषाकर पु० बलकारी माष उर्द
वृषि-षी स्त्री० कुशासन
वृष्टि स्त्री० वर्षण बरसना
वृष्टिभू पु० मेंढक,मेक वर्षामें हुआ
वृष्णि पु० यादव वंश बादल
बृहत् त्रि० महत् बड़ा
बृहती स्त्री० बड़ी महती
बृहद्भानु पु० सूर्य सूरज [औष
बृहस्पति पु० वाणी का स्वामी
वेग पु० जल जोर तेजी
वेगिन् पु० श्येन बाजपक्षी
वेणु पु० वंश बांस वृक्ष
वेणुध्म पु० बंशी बजाने वाला
वेणुवाद पु० बंशी बजाने वाला
वेतन न० तनख्वाह तलब
वेतनादान न० कर्म दक्षिणा तन-
ख्वाह का देना
वेतस् पु० बेंत बेंत वृक्ष
वेतस्वत् त्रि० बेंत वाला देश
वेद त्रि० ज्ञाता जानने वाला
वेत्र न० बेंत बेंत वृक्ष
वेत्रधर पु० बेंत रखने वाला

वेत्रासन न० बेंतका बनाहुआ आसन कुर्सी आदि
वेद पु० जिस के द्वारा ज्ञान हो ऋग् यजु, साम अथर्व
वेदगम पु० ईश्वर परमेश्वर
वेदन न० ज्ञान जानना विचार
वेदपारग पु० अच्छे प्रकार से वेदोंको जानने वाला
वेदविद् पु० वेदको जाननेवाला
वेदस् पु० ज्ञाता जाननेवाला
वेदाङ्ग न० शिक्षा कल्प व्याकरण निरुक्त छन्द ज्योतिष
वेदान्त० ब्रह्मको प्रतिपादन करने वाला ग्रन्थ उपनिषद्
वेदान्तिन् त्रि० वेदान्तको जानने वाला [करना विचारना
वेदाभ्यास पु० वेदका अभ्यास
वेदि स्त्री० परिष्कृत भूमि साफ ज़मीन
वेदितृ त्रि० ज्ञाता जाननेहारा
वेदिन् त्रि० जाननेवाला पण्डित
वेध पु० वेधन बींधना
वेधक न० कर्पूर काफूर
वेधस् पु० ब्रह्मा सूर्य पण्डित
वेधित त्रि० वेधागया छेदागया
वेधिनी स्त्री० जलौका जोंक
वेपथु पु० कम्प कांपना
वेपन न० कम्पन कांपना हिलना
वेम पु० वापदण्ड बुननेकाडण्डा
वेल न० उपवन बाग काल समय
वल्क सागरतट
वेल्लज पु० मरिच मिरच
वेल्लन न० बेलना काष्ठपात्र
वेल्लित न० गमन जाना कम्पित
वेश पु० वेश्यागृह रंडीका घर
वेशधारिन् त्रि० कपटी तपस्वी
वेशन्त पु० छोटातालाब अग्नि
वेश्मन् न० घर घर मकान
वेश्मभू स्त्री० मकान बनाने के लायक जगह
वेश्य न० वेश्याके लायक वेश्याका
वेष्टन न० पगड़ी, साफा प्राचीर सफील घेरा [घिराहुआ
वेष्टित त्रि० प्राचीर सफील घेरा
वेसन न० द्विदल दाल
वैहार पु० विहारदेश मगधदेश
वै अ० पादपूर्त्यर्थ निश्चय [वाला
वैकल्पिक त्रि० एक पक्ष में होने
वैकल्प न० विकलता घबराहट
वैकृत न० विकार बदल

वैखरी स्त्री० वर्णात्मक शब्द
वैखानस पु० वानप्रस्थतृतीयाश्रमी
वैगुण्य न० उलटा अन्यायत्व
बेइन्साफी [क्षमता मजीबपना
वैचित्र्य न० नानारूपता विल-
वैजिक न० बीज के लिये हितकारी
कारण बीजका
वैज्ञानिक त्रि० निपुण होशियार
विज्ञानदायक पुस्तक
वैडालव्रत त्रि० कपटक धूर्त
वैणव त्रि० बांसका बाँसुरी
वैणविक न० बांसुरी बजानेवाला
वैणिक त्रि० बीन बजानेवाला
वैतंसिक त्रि० शिकारी व्याधा
वैतनिक त्रि० तनख्वाहदार नौकर
वैतालिक त्रि० स्तुति पाठक भाट
चारण
वैदग्ध न० स्त्री० चातुर्य चतुराई
वैदिक त्रि० वेदविहित, वेद में
कहाहुआ [पाण्डित्य
वैदुष्य न० विद्वान का होना
वैदूर्य न० एक प्रकार की एक
मणि [बनिया
वैदेह पु० वणिग् जन, व्योपारी
वैदेही स्त्री० जनककन्या सीता
वैद्य पु० विद्वान, हकीम,
वैद्यक न० आयुर्वेद, इल्महकीमी
वैध त्रि० विधिसेविधानक्रियागत
वैधृति त्रि० धीरज रहित
वैधेय त्रि० मूर्ख० बेवकूफ [धर्म
वैधर्म त्रि० उल्टे धर्मवाला उल्टा
वैधव्य न० रण्डापा विधवापन
वैनतेय पु० गरुड़ एकपक्षी
वैनयिक त्रि० विनयपूर्वक हलीम
वैपरीत्य न० उलटापन विपर्यय
वैभव न० विभुत्व विभूति
ऐश्वर्य
वैमुख्य न० विमुखता मुंहमोड़ना
वैमात्र त्रि० सौतेलीमाकी सन्तति
वैमात्रेय पु० स्त्री० सौतेला भाई
बहिन
वैयाकरण त्रि० व्याकरणज्ञ
व्याकरण पढ़ने वाला
वैयाघ्र पु० भेड़िये के चमड़े से
मढ़ा हुआ रथ
वैयात्य न० निर्लज्जता बेशर्मी
वैयासकि पु० व्यासकी सन्तति
शुकदेव [संहिता
वैयासिकी स्त्री० व्यास रचित
वैर न० बहादुरी दुश्मनी विरोध
वैरकर त्रि० विरोध करनेवाला

वैरक्त्य न० विरक्तता विराग
वैरनिर्यातन न० बदला निकालना प्रतीकार
वैराग्य न० रागरहित होना
वैरिन् त्रि० वैर करनेवाला दुश्मन
वैरूप्य न० विरूपता बदशकल उलटारूप
वैलक्षण्य न० विलक्षणता अजीबपन
वैलक्ष्य न० लज्जा शरम स्वभाव का बदलना
वैवधिक त्रि० वार्तावह मैगम व्यापारी बनिया
वैवर्ण्य न० रङ्ग बदला मैलापन
वैवाहिक त्रि० विवाह के लायक विवाह वाला [मुनि
वैशम्पायन पु० महाभारतवक्ता एक
वैशस न० मारना मारने वाला
वैशाख पु० चन्द्रमास दूसरा महीना
वैशिष्ट्य न० गुणगुणीका मेल, भेद फर्क [एक शास्त्र
वैशेषिक न० कणादमुनि का रचा
वैशेष्य न० विशेषता विशेषपन
वैश्य पु० एक वर्ण बनिया
वैश्यवृत्ति स्त्री० कृषि, खेती, व्यापार
वैश्वानर पु० अग्नि, आग, सूर्य
वैषम्य न० वैलक्षण्य अजीबपन जैसा न होना [वाला सुख
वैषयिक त्रि० विषयसे सम्बन्ध रख
वैष्णव त्रि० विष्णु की उपासना करनेवाला [नमूबदार
वैहासिक पु० मखौल करनेवाला
वोढृ त्रि० वाहक, उठाने वाला
वौषट् न० देवोद्देश्य दान में
व्यंसक पु० धूर्त, ठग, नटखट
व्यंसित त्रि० वञ्चित, ठगा हुआ
व्यक्त त्रि० स्फुट प्रकाशित
व्यक्ति स्त्री० प्रकाश, जाहिर पृथगात्मक
व्यग्र त्रि० व्याकुल घबराया हुआ
व्यङ्ग न० विकलाङ्ग अङ्गहीन
व्यञ्जन न० बीजना पंखा
व्यञ्जक त्रि० हृदयके भावको बताने वाला भोपाणादि
व्यञ्जन न० भोजन भोजनोपकरण
व्यञ्जित त्रि० प्रकाशित, जतलाया गया [मुसीबत
व्यतिकर पु० मेल व्यसन दुःख
व्यतिक्रम पु० विपर्यय उलटा
व्यतिरिक्त त्रि० भिन्न, अलग और

व्यतिरेक पु० विशेष, सिवाय
अतिक्रम [हुआ
व्यतिषक्त त्रि० मिला हुआ, गुथा
व्यतिषङ्ग पु० आपस में मिलाना
परस्पर मेल
व्यतिहार पु० परीवर्त, अदला
आपसमें एकप्रकारका काम
करना [गुज़र चुका
व्यतीत त्रि० अतीत, बीत गया
व्यतीपात पु० एक बड़ा उपद्रव
व्यत्यय पु० व्यतिक्रम विपर्यय
उलटा
व्यत्यास पु० विपर्यय उलटा
व्यथा स्त्री० पीड़ा, दर्द दुःख
व्यध पु० चोट लगना, छेद करना
व्यध्व पु० बुरा रास्ता कुपथ
व्यपदेश पु० कथन, कहना संज्ञा
कापट्य
व्यपरोपण न० छेदन काटना।
व्यपरोपित त्रि० छिन्न काटाहुआ
व्यपाकृति स्त्री० निराकरण न
मानना
व्यपाश्रय पु० आश्रय आसरा
व्यपेक्षा स्त्री० अपेक्षा ज़रूरत
व्यभिचार पु० बुरा चाल चलन
बदचलनी दोष
व्यभिचारिन् त्रि० बदचलन जार
व्यय पु० विगम जाना खर्च
व्यर्थ त्रि० निष्प्रयोजन निष्फल
निरर्थक [अमृत झूठ।
व्यलीक न० अकार्य अप्रिय
व्यवकलन न० वियोजन विगमन
निकालना घटाना बाकी [लना
व्यवकलित त्रि० वियोजित घटाया
व्यवच्छिन्न त्रि० छिन्न काटाहुआ
व्यवच्छेद पु० पृथक् करण जुदा
करना मोचन।
व्यवधा स्त्री० व्यवधान फरक बीच
व्यवधायक त्रि० फर्क डालनेवाला
ढांक डालने वाला
व्यवधि पु० व्यवधान बीचमेंपड़ना
व्यवसाय पु० उद्यम हिम्मत रोज़ी
काम करना
व्यवस्था स्त्री० फैसला शास्त्रमर्यादा
व्यवस्थित त्रि० असली हालत में
ठहरा हुआ वस्तु [व्यवहारी
व्यवहर्तृ त्रि० व्यवहार कर्ता
व्यवहार पु० मुक़द्दमा कार्यशैली
व्यवहारपद न० मुक़द्दमेके लायक
व्यवहारमातृका स्त्री० वकील
आदि के द्वार पैरवी

व्यवहारिक त्रि० व्यवहारकेलायक
व्यवहार्य त्रि० व्यवहारका स्थान काममें आने लायक
व्यवहित त्रि० व्यवधान (फर्क) वाला पदार्थ ।
व्यवाय पु० मैथुन भोग छिपना ।
व्यसन न० विपत्तिमुसीबत भ्रंश
व्यसु त्रि० मृत मरगया
व्यस्त त्रि० व्याकुल, घबरायाहुआ
व्याकरण न० ग्रामर सर्फनहव ।
व्याकुल त्रि० घबराया हुआ हैरान हुआ [करना शकल
व्याकृति स्त्री० प्रकाशन । प्रकट
व्याकृत त्रि० प्रकाशित, जाहिर किया हुआ
व्याकोश-ष त्रि० खजानेसे निकल गया प्रफुल्ल खिला हुआ
व्याख्या स्त्री० विशेष कहा हुआ, विवरण
व्याख्यात त्रि० कथित, कहाहुआ,
व्याघात त्रि० अन्तराय, विघ्न रुकावट
व्याघ्र पु० बाघ, लालएरण्ड,
व्याघ्रास्य पु० बिडाल बिलौटा
व्याज पु० कपट छल अपदेश बहाना
व्याजनिन्दा स्त्री० बहानेसे निन्दा
व्याजस्तुति स्त्री० बहानेसे तारीफ
व्याजोक्ति स्त्री० बहाने से कहना
व्याड पु० मांसाशी बाघ आदिपशु
व्याध पु० व्याध व्याधा चिड़ीमार
व्याधभीत पु० शिकारी से डरा हुआ मृग
व्याधि पु० रोग बीमारी
व्याधित त्रि० रोगी बीमार
व्याधूत त्रि० कम्पित हिल गया
व्यानपु० सर्वशरीरमें रहनेवाला वायु
व्यापक त्रि० सब जगह रहनेवाला
व्यापन्न त्रि० मरगया मुसीबत में पड़ा हुआ
व्यापद पु० द्रोहविनाश किसीका बुरा चाहना [चाहना
व्यापादन न० मारना किसीका बुरा
व्यापार पु० कर्म काम कामधाम कम
व्यापारिन त्रि० व्यौपारी वणिज
व्यापिन् त्रि० व्यापक फैलाहुआ
व्यापृत त्रि० व्यापारवाला
व्याप्त त्रि० पूर्ण पूरा भराहुआ
व्याप्ति स्त्री० व्यापकता सबस्थान में एक जैसा रहना
व्याप्य त्रि० व्याप्त फैला हुआ

व्याम पु॰ फैलाई हुई भुजाओं का परिमाण बांमा [फैलाव
व्यायत त्रि॰ दीर्घ लम्बा चौड़ा
व्यायाम पु॰ श्रम मेहनत हिम्मत कसरत
व्याल पु॰ सर्प सांप हस्ती हाथी
व्यालग्राहिन् पु॰ सर्पों को पकड़नेवाला
व्यावहासी स्त्री॰ आपसमें हंसना
व्यावृत्त त्रि॰ वृत्त गोल घेरा दायरा हटाना
व्यावृत्ति स्त्री॰ निवारण हटाना
व्यास पु॰ पराशरका पुत्र एकमुनि
व्यासक्त त्रि॰ आसक्त तत्पर लगा हुआ
व्यासङ्ग पु॰ और कामों से हटकर एक काम में लगजाना
व्यासिद्ध त्रि॰ मने कियागया रोकागया
व्याहत त्रि॰ रुकाहुआ घबड़ायाहुआ
व्याहार पु॰ वाक्य उक्ति कहना
व्याहृति स्त्री॰ उक्ति कहना भूर्भुवः स्वः आदि [उत्तर
व्युत्क्रम पु॰ क्रमविपरीत्य उलटी
व्युत्थान न॰ विरोधकरण स्वप्रमनी करना [पैदाइश
व्युत्पत्ति स्त्री॰ विशेषोत्पत्तिविशेष
व्युत्पन्न त्रि॰ पण्डित ज्ञायक
व्युदस्त त्रि॰ निराकृत, तिरस्कृत
व्युदास पु॰ निराकरण निरादर करना
व्युष्ट त्रि॰ दग्ध जलाहुआ वासी
व्यूढ त्रि॰ संहत चौड़ा पृथुल फैलाहुआ परिहित [हुआ
व्यूत त्रि॰ तांतसे गुथाहुआ बुना
व्यूह पु॰ समूह निर्माण बनावट
व्यो म॰ लोहा बीज
व्योकार पु॰ लोहकारक लुहार
व्योमचारिन् पु॰ आकाशमें विचरने वाला पक्षी
व्योमन् न॰ आकाश आसमान
व्योमयान न॰ आकाशमें सवारी विमान बैलून [त्रिकुटा
व्योष न॰ शुंठि मिर्च पीपल
व्रज पु॰ समूह गोष्ठ गोहरा मार्ग
व्रजनाथ पु॰ व्रजके स्वामी कृष्ण
व्रजमोहन पु॰ श्रीकृष्ण व्रजवासियों को मोहने वाले
व्रजाङ्गना स्त्री॰ व्रजकी स्त्री गोपी
व्रज्या स्त्री॰ पर्यटन, घूमना जाना आना
व्रण न॰ पु॰ क्षत, घाव फोड़ा
व्रत न॰ नियम उपवासादि

शम्पा स्त्री० विद्युत् बिजली
शम्बर न० जल धन दौलत मत
 सूरत बहुत मच्छा
शम्बल पु०न० फल किनारा पाथेय
 सफर खर्च
शम्भल पु० मुरादाबाद के समीप
 का नगर (कसबा) [स्थान
शम्भु पु० महादेव शिव कल्याणका
शम्या स्त्री० युगकील्क जुयेकीकील
शय पु० हस्त हाथ सांप नींद शय्या
शयनीय न० सोने के योग्य शय्या
 सेज
शयालु त्रि० निद्राशील सोनेवाला
शयित त्रि० निद्रित सोगया
शयु न० अजगर सांप
शय्या स्त्री० खट्वा खाट पलंग
शर न० जल तीर सैंठा
शरण न० रक्षण बचाव घर
शरणागत त्रि० रक्षणमें आयाहुआ
शरण्य त्रि० रक्षण के योग्य
शरद् स्त्री० एकऋतुक्वारकार्तिक
शरधि पु० तूण तर्कश
शरयू स्त्री० एक नदी
शरव्य न० लक्ष्य निशाना [शिक्षा
शराभ्यास पु० तीर चलाने की
शरारु त्रि० हिंस्र हिंसा करने
शराव पु० सर्वा दीयला पि
शरावती स्त्री० एक नदी
शराश्रय पु० तूण तर्कश
शरीर न० देह जिस्म काया
शरीरक पु० जीवात्मा रूह
शरीरज त्रि० शरीरसे पैदा
 वाला रोग आदि [ब
शरीरावरण न० शरीरके ऊप
शरीरिन् पु० जीवात्मा रूह
शरु पु० क्रोध गुस्सा तीर
शर्करा स्त्री० शक्कर चीनी
शर्द्ध पु० अपान वायु पाद
शर्मद त्रि० सुखदेने वाला ईश
शर्मन् पु० न० सुख देनेवाला
शर्वरी स्त्री० रात्रि हल्दी
शलभ पु० पतंगा एक कीड़ा
शलाका स्त्री० सलाई तीर
शलाटु त्रि० कच्चाफल बिल्व
शल्क न० टुकड़ा वृक्षकी छाल
शाल्मलि पु० सेमरका वृक्ष
शल्य न० बाण तीर तोमर
शव पु० न० मृतदेह मुर्दा
शवकाम्य पु० सारमेय कुत्ता
शवयान न० मुर्दे लेजानेकी सम
 र्थी ठठरी

शबर न० एक म्लेच्छ जाति
शयरथ पु० मुर्दा उठानेकी गाड़ी
शयरालय पु० मौलोंके रहने की जगह
शबल पु० कर्बुर वर्ण रंगबरंगा
शश पु० खरगोश खरहा
शशधर पु० चांद मृगांक शशाङ्क
शशाद पु० श्येन बाज [हिस्रा
शशिकला स्त्री० चांदका सोलहवां
शशिकान्त न० कुमुद चन्द्रकान्त मणि
शशिन् पु० चन्द्रमा चांद [कुमुद
शशिप्रभ न० चन्द्रमाकी शोभा चांदनी
शशिलेखा स्त्री० चांदकी कला गुडुची गिलोई [हमेशा
शश्वत् म० नैरन्तय लगातार सदा
शष्कुल पु० मालपूआ एक पूआ
शष्प न० बालतृण कोमल घास
शसन न० मारण मारना
शस्त न० कल्याण प्रशंसा स्तुत
शस्त्र न० तलवार आदि औजार
शस्त्रजीविन त्रि० शस्त्र से जीने वाला [हथियार हो
शस्त्रपाणि पु० जिस के हाथ में
शस्त्राभ्यास पु० शस्त्र चलानेका मुहावरा—शिक्षा
शस्त्रिन् पु० स्त्री शस्त्रवाला [आदि
शस्त्री स्त्री० छोटा हथियार छुरी
शस्य न० खेतका वस्तु खेती
शस्यमञ्जरी स्त्री० नये अन्नकी बाल [साग
शाक पु० न० पत्ते फूल आदि
शाकटायन पु० व्याकरण के रच- -यिता एक मुनि
शाकटिक त्रि० गाड़ीसे चलनेवाला
शाकम्भर त्रि० शाक से पेटभरने वाला
शाकराज पु० बथुवे का शाक [भूमि
शाकिनी स्त्री० शाक उपजानेवाली
शाकुनिक पु० चिड़ीमार व्याध
शाकुन्तलेय पु० भरतराजा [वाला
शाक्त त्रि० शक्तिकी उपासनाकरने
शाक्तीक त्रि० बर्छीसे लड़नेवाला
शाक्य प० बुद्धदेव
शाखानगर न० छोटाशहर कस्बा
शाखामृग पु० वानर बन्दर
शाट पु० वस्त्र कपड़ा पट
शाटक पु० स्त्री० वस्त्र कपड़ा धोती
शाठ्य न० शठता मूर्खता ढीठपना
शाण न० सानका पत्थर कसौटी-सान [हुआ
शाणित त्रि० सं पैनीकृत तेजकिया

शिथिल त्रि॰ ढोला मुक्त धीमा
शिफाकन्द पु॰ कमल की जड़ मसींडा
शिरःशूल न॰ शिर की पीड़ा
शिरज पु॰ केश बाल
शिरस् न॰ मस्तक माथा सिर
शिरसिरुह पु॰ बाल केश
शिरस्त्र न॰ शिरका मसालेबाला साफा पगड़ी
शिरा स्त्री॰ नाड़ी नस
शिराल त्रि॰ नाड़ीवाला
शिरीष पु॰ सिरीसका वृक्ष
शिरोगृह न॰ ऊपर का घर
शिरोधरा स्त्री॰ ग्रीवा गर्दन
शिरोमणि पु॰ सर्वोत्तमशिरकामणि
शिरोरुह प॰ केश बाल
शिरोवेष्ट पु॰ पगड़ी साफा
शिल न॰ सिला चुगना
शिलाभेद पु॰ पत्थरको फाड़ने वाला अस्त्र
शिलासार न॰ लोहा
शिलीमुख पु॰ भ्रमर भौंरा
शिलोच्चय पु॰ पर्वत पहाड़
शिलोञ्छ पु॰ गिरे हुये अन्न को इकट्ठा करना
शिल्प न॰ कारीगरी कला विद्या
शिल्पकारिन् त्रि॰ कारीगर[इहुक]
शिल्पशाला स्त्री॰ कारीगरी का
शिल्पशास्त्र न॰ वस्तुविज्ञानशास्त्र
शिव त्रि॰ मङ्गल सुख जल सैंधा नमक मङ्गल मुक्ति वेद कालाधतूरा पारा ईश्वर
शिवक पु॰ पकुर्व्व टाखम्भा
शिवधातु पु॰ पारद पारा
शिवपुरी स्त्री॰ काशी नगरी
शिवा स्त्री॰ मङ्गल वाली स्त्री गीदड़ी मालमकी
शिविका स्त्री॰ डोली स्त्रीवाहन
शिविर न॰ सेनास्थान । छावनी
शिशिर न॰ हिम बर्फ माघफाल्गुन
शिशु पु॰ बालक । बच्चा
शिशुत्व न॰ शिशुता । बचपन
शिशुपाल पु॰ चन्देलों का राजा
शिशुमार पु॰ जलजीवसाटोंकामक
शिश्न पु॰ मेढ़, लिङ्ग पुरुषचिन्ह विशेष
शिश्नोदर त्रि॰ पामर । पापी
शिष्ट त्रि॰ शिक्षित । शांत । धीर
शिष्टाचार पु॰ सज्जनों का आचार भला व्यवहार ।

शिष्टि स्त्री० माज्ञा हुक्म ताड़न
शिष्य त्रि० शिक्षणीय विद्यार्थी
शीकर न० सीथात्रहमा पानी का कण हवा।
शीघ्र त्रि० जल्दी जल्दी वाला
शीत त्रि० शीतल जल बर्फ शीत स्पर्श वाला। [शीत पदार्थ
शीतक पु० ढीलाकाम करनेवाला
शीतकर पु० चन्द्रमा चांद [वक
शीतकाल पु० पौष माघ सर्दीका
शीतगु पु० चन्द्रमा कपूर
शीतभानु पु० चन्द्रमा कपूर
शीतभीरु स्त्री० मल्लिका मालती
शीतरश्मि पु० चन्द्रमा चांद
शीतल त्रि०ठण्डास्पर्श–उसवाला मलयका चन्दन मौक्तिक मोती
शीतला स्त्री० चेचक माता कर्पूर-सदल मोती [फाला
शीता स्त्री० लाङ्गलपद्धति हलका
शीतांशु पु० चन्द्रमा चांद
शीतार्त त्रि० शीतपीड़ित शीतालु
शीतालु त्रि०जिसमें सर्दी होगई हो शीतबाधा युक्त
शीत्कार पु० शी शी करना
शीधु पु० न० सोरेकी शराब
शीन त्रि० अमाङ्गमा मूर्ख
शीर पु० मजगर सांप बड़ा सांप
शीर्ण त्रि० कृश पतला कमजोर
शीर्ष न० सिर मस्तक [सुर्खी
शीर्षक न०शिरस्त्राण टोप साफा
शीर्षच्छेद्य त्रि०वध्य मारनेलायक
शीर्षण्य पु०शिरस्त्राण साफा टोप
शील न०स्वभावमच्छावाचअचर्म चरित्र चलन
शीलन न०मभ्यास बार २ करना मिजाज बहुत ही [हुआ
शीलित त्रि०अभ्यस्त पूर्ण किया
शुक पु० न० तोता व्यासका पुत्र कपड़ा
शुकदेव पु० व्यासका पुत्र
शुक्त न०सिरका अम्ल दुर्वच सीप
शुक्तिज न० मुक्ता मोती
शुक्तिमत् पु० एक पर्वत
शुक्र न० वीर्य बीज ज्येष्ठमास
शुक्रशिष्य पु० असुर दैत्य
शुक्रिय त्रि० शुक्र देवता वाला शुक्रका
शुक्ल त्रि० चांदी मक्खन सफेद साफ सफेद र गवाला
शुक्लकर्मन् त्रि० साफ कामकरने वाला नेकचलन

शु क्लपक्ष पु० उजेला पाख
शु क्लवायस पु० बक बगुला श्वेत काक [मोर
शु क्लापाङ्ग पु० सफेद नजरवाला
शु क्लमन् पु० सफेदी चिट्टापन
शु क्लोपेका स्त्री० गिरिरी सफेद पत्थर खांड़
शु द्रु पु० पत्रवृक्ष पाकुड़ का वृक्ष
शु च स्त्री० शोक रंज चिन्ता
शु चि पु० माग जेठ का महीना आषाढ़ नेकचलन
शु चिद्रुम पु० अश्वत्थवृक्ष पीपल
शु एड पु० मदका भरना हाथीको सं ड शरावघर वेश्या सुरा
शुण्डीर पु० कलाल शराब बेचने वाला, [शुभ्र
शुद्ध न० नेरधसमयण संध्यापवित्र
शु द्धवल्ली स्त्री० गुडूची गिलोय पवित्रलता
शुद्धान्त पु० सत्र ओरसे पवित्र
शु द्धि स्त्री० मार्जन सफाई मांजना
शु न पु० कुक्कुर कुत्ता
शु नःशेफ पु० एक ऋषि
शु नी स्त्री० कुतिया सारमेयी
शु भ न० मंगल भलाई
शु भयु त्रि० शुभयोला भलाईवाला
शु भमह पु० भलका समय
शु भङ्कर त्रि० मङ्गलकारक भला करनेवाला
शु भद त्रि० मङ्गलदेनेवाला
शु भा स्त्री० शोभा कान्ति [सफेद
शु भ्र त्रि० सफेद रंग वाला धवल
शु म्भ पु० एक दैत्य बदचलन नर
शु ल्क पु० न० कर महसूल
शु ल्कस्थान न० चुंगीघर
शुल्ब न० ताम्र, तांबा रस्सी,
शु ल्ब न० तांबा, रस्सी, जल का निकट
शु श्रूषण न० सेवा नौकरी खोदना
शु श्रूषा स्त्री० श्रवणेच्छा सुनने.
शु ष पु० गर्त, गढ़ा बिल, सूराख
शु षिर न० छिद्र सूराख
शु ष्क त्रि० सूखा
शु ष्कल न० सूखा हुआ
शु ष्कवैर न० वैमनस्य दुश्मनी
शु ष्कव्रण पु० सूखा घाव
शु ष्मन् न० तेज शौर्य
शु क पु० यव की सूक
शु कर पु० सूअर कोला
शु द्र पु० चौथा वर्ण

शूद्र कर्मन् न० सेवा करना
शूना स्त्री० कसाईखाना प्राणिवध स्थान
शून्य त्रि० अकेली जगह, खाली जगह
शून्यवादिन् पु० कुछ भी न मानने वाला
शूर पु० वीर बहादुर सिंह
शूरसेन पु० जिसकी बहादुर सेना हो
शूर्प पु० शूप छाज
शूर्पकर्ण पु० जिसके कान सूप से हों हाथी
शूर्पणखा स्त्री० रावण की बहन
शूर्म्म पु० लोहे की मूर्ति
शूल पु० न० पीड़ा एक बीमारी कांटा निशान
शूलपाणि न० दर्द को दूर करने वाला मयहर
शूलद्विष पु० हींग हिंगु
शूलिक त्रि० शूलाकृत मांस
शूलिन् त्रि० शूलरोग वाला
शूल्य त्रि० शूला कृत कबाब
शृगालिका स्त्री० गीदड़ी स्यारी
शृंखल पु० जंजीर निगड़

शृङ्ग न० पर्वत की चोटी
शृङ्गमूल पु० शृङ्गाटक सिंघाड़ा
शृङ्गारिन् पु० भारतवर्षहिन्दुस्तान
शृङ्गवेर न० अदरक सोंठ
शृङ्गाट पु० चतुष्पथ चौराहा
शृङ्गार पु० सजावट लौंग चूरा
शृङ्गारिन् पु० पूग सुपारी
शृङ्गिन् पु० सींगवाला मेष
शृत त्रि० पक्व पकाहुआ
शेखर पु० शिखा चोटी ताज
शेफ पु० न० शिश्न लिङ्ग मेढ़
शेफालिका स्त्री० फूलदार वृक्ष
शेमुषी स्त्री० बुद्धि अकल
शेप पु० शिश्न लिङ्ग शेफ
शेवधि पु० निधि खजाना
शेवाल न० सिवाल एक जलकी घास
शेष पु० बाकी ईश्वर सांप
शैक्ष पु० शिक्षा शिक्षण
शैखरिक पु० चोटीपर पैदाहुआ
शैत्य न० शीतलता सर्दी
शैथिल्य न० ढीलापन सुस्ती
शैल न० पर्वत पहाड़
शैलराज पु० हिमालय पर्वत
शैलाधिप न० सागर समुद्र

शैलाग्र न० पहाड़की चोटी
शैलाट पु० शेर भीलखिंदकिरात
शैली स्त्री० चारित्र नियम रीति
शैलूष पु० नट बिल्ववृक्ष धूर्त
शैव त्रि० शिव का भक्त
शैवाल न० सेवाल एक घास
शैशव न० बालत्व बचपन
शैशिर त्रि० शीतकाल में हुआ
शोक पु० सन्ताप अफसोस
शोचिष्केश पु० वह्नि अग्नि
शोचिस् न० प्रभा चमक प्रकाश
शोच्य त्रि० क्षुद्र छोटा बेचारा गरीब
शोण न० रुधिर लोहू सिन्दूर
[शोणित न० रुधिर लोहू खून
शोणोपलपु० लालपत्थर माणिक्य
शोथ पु० सूजन सोज
शोधन न० शौच सफाई विष्ठा
दोष हटाना [हुआ
शोधित त्रि० मार्जित साफ किया
शोफ पु० शोथ सूजन
शोभन त्रि० शोभावाला खूबसूरत
। स्त्री० दीप्ति चमक प्रकाश
पु० सूजना मिर्गीकी बीमारी
न० सुसमा सूजना
कन • सीतों का समूह
शौक्तिकेय न० मुक्ता मोती
शौक्ल्य पु० श्वेतता सफेदी
शौच न० शुद्धि सफाई पवित्रता
शौटीर पु० त्यागी दानी बहादु
शौण्ड त्रि० शराबी मत्त मतवाल
शौण्डिक त्रि० शराब बेचनेवाल
शौण्डीर त्रि० अहङ्कारी कलाल
शौद्र पु० शूद्रका लड़का
शौनिक पु० कसाई शिकारी
शौभिक त्रि० इन्द्रजाली मदारी
शौरि पु० श्रीकृष्ण शनैश्चर
शौर्य न० वीर्य बहादुरी शक्ति
शौल्किक पु० महसूल वसूल करने
वाला महसोलदार [पदार्थ
शौवस्तिक त्रि० भावीवाले दिनक
श्च्योत पु० चारों ओर सींचन
श्मशान न० मरघट मुर्दे जलानेका
स्थान
श्मश्रु न० दाढ़ी मूछ
श्मश्रुमुखी स्त्री० मूंछवाली स्त्री
श्मश्रुल पु० दाढ़ी मूंछवाला
श्याम त्रि० सूखाहुआ सुकड़ाहुआ
श्याम त्रि० नीला काला [मोर
श्यामल पु० काली रंगवाला पीपल
श्यामलता स्त्री० कालापन

श्यामसुन्दर पु॰ काला होकर भी सुंदर, कृष्ण
श्याल पु॰ पत्नीवाला साला
श्याव त्रि॰ काले पीले रंगवाला रक्त
श्यावदत् त्रि॰ काले दांतोंवाला
श्यावदन्त त्रि॰ काले दांतोंवाला
श्येत त्रि॰ सफेद रंगवाला
श्येन पु॰ एक पक्षी बाज़
श्येनम्पाता स्त्री॰ मृगया शिकार
श्रथन न॰ वध मारना
श्रद्धा स्त्री॰ विश्वास भक्ति
श्रद्धालु त्रि॰ श्रद्धावाला
श्रन्थन न॰ ग्रन्थन रचना
श्रपित त्रि॰ पक पकाहुआ
श्रम पु॰ आयास मेहनत खेद
श्रमिन् त्रि॰ मेहनती श्रमवान्
श्रय पु॰ आश्रय सहारा
श्रव पु॰ कान कर्ण श्रोत्र
श्रवण न॰ कर्ण कान श्रोत्र
श्रवस् न॰ कर्ण कान श्रोत्र
श्राण त्रि॰ पक पकाहुआ खिचड़ी
श्राद्ध न॰ श्रद्धासे जीवित पितामादि को भोजन कराना
श्राद्धिक त्रि॰ श्राद्धमें खानेवाला
श्रान्त त्रि॰ मेहनती थकाहुआ
श्रावण पु॰ सावनका महीना
श्री स्त्री॰ शोभा धन प्रभा कीर्ति
श्रीकण्ठ न॰ सम्पन्न सम्पन्न
श्रीगर्भ पु॰ तलवार खड्ग
श्रीपथ पु॰ राजमार्ग बड़ी सड़क
श्रीपुष्प न॰ लवङ्ग लौंग
श्रीफल पु॰ बिल्ववृक्ष बेल
श्रीमत् त्रि॰ शोभावाला
श्रील त्रि॰ शोभावाला दौलतमंद
श्रुत न॰ सुनाहुआ शास्त्र ज्ञान
श्रुतकीर्ति त्रि॰ प्रसिद्ध यशवाला
श्रुतदेवी स्त्री॰ सरस्वती विद्या
श्रुतबोध पु॰ छन्दोविषयक एक पुस्तक
श्रुति स्त्री॰ वेद कान सुनना
श्रुतिवर्जित त्रि॰ वेदसे भिन्न
श्रुतिविध पु॰ कर्णवेध संस्कार
श्रुत्युक्त त्रि॰ वेदमें कहाहुआ
श्रेणि णी स्त्री॰ पङ्क्ति कतार
श्रेयस् न॰ कल्याण धर्म मोक्ष
श्रेष्ठ त्रि॰ बहुत अच्छा उम्दा
श्रेष्ठिन् पु॰ स्त्री॰ सेठ साहूकार
श्रोण पु॰ पङ्गु लंगड़ा काजी
श्रोणि णी स्त्री॰ कटि कमर पथ रास्ता

श्रोतव्य त्रि॰ सुनने के लायक
श्रोतस् न॰ कान नदी का वेग
श्रोत्र न॰ कर्ण कान श्रवण
श्रोत्रिय त्रि॰ वेदज्ञ धर्मात्मा विप्र
श्रौत त्रि॰ वेदविहित कर्म
श्रौत्र त्रि॰ वेदज्ञ कार्य आदि
श्रौषट् अ॰ यज्ञ में हविर्दान
श्लक्ष्ण त्रि॰ अल्प थोड़ा चिकना
मनोहर
श्लथ पु॰ ढीला कमजोर
श्लाघा स्त्री॰ प्रशंसा तारीफ
श्लाघ्य त्रि॰ प्रशंस्य तारीफके लायक
श्लिष्ट त्रि॰ आलिङ्गित मिला हुआ
श्लील त्रि॰ शोभावाला अच्छा
श्लेष पु॰ संसर्ग मेल मिलना
श्लेष्मण पु॰ कफवाला कफविशिष्ट
श्लेष्मन् पु॰ कफ बलगम
श्लेष्मल त्रि॰ कफवाला बलगमी
श्लोक पु॰ पद्य छन्द कविता
श्वःश्रेयस् न॰ मङ्गल कल्याण भलाई
श्वदंष्ट्रक पु॰ गोक्षुर गोखरू
श्वधूर्त पु॰ शृगाल गीदड़
श्वन् पु॰ सारमेय कुत्ता
श्वपच पु॰ चाण्डाल मेहतर भंगी
श्वपाक पु॰ चाण्डाल मेहतर

श्वभीरु पु॰ शृगाल गीदड़
श्वभ्र न॰ छिद्र छेद सूराख
श्वयथु पु॰ शोथ सूजन
श्ववृत्ति स्त्री॰ दास्य नौकरी
श्वशुर पु॰ पतिका पिता पत्नी[का पिता]
श्वशुर्य पु॰ देवर साला
श्वश्रू स्त्री॰ सास सासु
श्वस् अ॰ आने वाला दिन [कल]
श्वसन पु॰ वायु हवा पवन
श्वसित न॰ सांस प्राण वायु
श्वस्तन त्रि॰ आने वाले कल
दिन का [दिन]
श्वस्त्य त्रि॰ आने वाले कल
श्वागणिक पु॰ शिकारी व्या
बहेलिया
श्वान पु॰ कुक्कुर कुत्ता [कु]
श्वापद पु॰ हिंस्रपशु मारने वा
श्वास पु॰ हवा सांसकी बीमा
श्वित्र न॰ सफेद कोढ़
श्वित्रिन् त्रि॰ श्वेत कोढ़ वा
श्वेतपद्म न॰ सफेद कमल
श्वेतकुष्ठ पु॰ सिंह शेर
श्वेतरक पु॰ गुलाबी पाटल
श्वेतसर्षप पु॰ सफेद सरस
श्वेतहय पु॰ सफेद घोड़ा

श्वेता स्त्री० वराटिका कौड़ी
श्वैत्य न० शुक्लवर्ण सफेद
श्वैत न० सफेद कोढ़

(ष)

षट्कर्मन् न० छह कोम
षट्कोण न० छः कोनवाला छकोना
षट्चत्वारिंशत् स्त्री० छियालीस ४६
षट्चरण पु० भ्रमर भौंरा
षट्त्रिंशत् स्त्री० छत्तीस ३६
षट्पञ्चाशत् स्त्री छप्पन ५६
षट्पदी स्त्री० यूका जूं षकसम्द
षडङ्ग न० शिक्षा कल्प व्याकरण निरुक्त, छन्द, ज्योतिष
षडशीति स्त्री० छियासी ८६
षडानन पु० छः मुखवाला स्वामी कार्तिकेय
षड्भि पु० छ ऐश्वर्य वाला ईश्वर
षड्गव त्रि० छः बैलोंवाला रथ आदि
षड्गुण पु० छ गुण सन्धि आदि
षड्धा अ० छ प्रकारसे-तरह से
षड्रस पु० मधुर-मीठा लवण नमकीन तिक्त-चरपरा कषाय कसैला अम्ल-खट्टा कटु-कडुआ
षड्वर्ग पु० काम, क्रोध, लोभ, मोह मद मात्सर्य
षण्ढ-षण्ड पु० बैल नपुंसक हीजड़ा
षण्ढ पु० नपुंसक हीजड़ा
षष् त्रि० छ की संख्या ६
षष्टि स्त्री० साठकी गिनती ६०
षष्टितम त्रि० साठवां साठवीं
षष्ठ त्रि० छठा छटी
षष्ठक त्रि० छठा हिस्सा
षष्ठांश पु० छठा भाग
षष्ठी स्त्री० छटी छठवीं
षाड्गुण्य न सन्धि, विग्रह, आदि
षाण्मातुर पु० कार्तिकेय
षाण्मासिक त्रि० छ महीने का छिमाही।
षिड्ग पु० धूर्त लुच्चा लम्पट
षोडत् पु० छ दांत वाला बैल आदि
षोडशन् त्रि० सोलह की संख्या
षोडश पु० सोलहवां
षोडशक न० सोलह वस्तु [बना
षोडशांग पु० सोलह वस्तुओं से
षोडशाङ्घ्रि पु० कर्कट केकड़ा
षोडशार न० सोलह कोणवाला
षोडशिन् पु० सोलह कला वाला। चन्द्रमा
षोढा अ० छः प्रकार छः तरह से
ष्ठ्यूत त्रि० तिरस्कृत-थूकागया

(स)

संक्षेप पु॰ मुख्तसिर सूक्ष्मता से
संक्षोभ पु॰ चाञ्चल्य घबराहट
संग्राहिन् त्रि॰ इकट्ठा करनेवाला
संघ पु॰ समूह पक्का मेल
संघर्ष पु॰ आपसकी रगड़
संज्ञ त्रि॰ आख्या नाम इशारा
संज्वर पु॰ ताप सेक
संमर्द पु॰ आपसकी रगड़
संयत् स्त्री॰ युद्ध लड़ाई
संयन्त्र त्रि॰ रोकने वाला
संयम पु॰ इन्द्रियोंकोरोकनानियम
संयमन न॰ बन्धन बांधना ।
संयमिन् त्रि॰ इन्द्रियों को रोकने वाला
संयाव पु॰ हलवा
संयुज त्रि॰ जुड़ा हुआ
संयुक्त त्रि॰ मिला हुआ पदार्थ
संयुग न॰ युद्ध लड़ाई
संयोग पु॰ मिलन मेल
संयोजित त्रि॰ मिला हुआ
संरम्भ पु॰ कोप गुस्सा
संराधन न॰ भलीभांतिपूजाकरना
संराव पु॰ शब्द आवाज
संरूढ त्रि॰ मौढ भरपूरउपजाहुआ
संरोध पु॰ रोधन रोकना
संलग्न त्रि॰ मिलित मिला हुआ
संलय पु॰ निद्रा प्रलय
संलाप पु॰ बात चीत करना
संवत्सर पु॰ साल वर्ष सन्
संवत् अ॰ साल सन्
संवर्त पु॰ प्रलय क़यामत
संवर्तिका स्त्री॰ दीपमादिकीलपट
संवर्धक त्रि॰ अच्छे प्रकार बढ़ाने वाला
संवलित त्रि॰ मिलित मिलाहुआ
संवसथ पु॰ ग्राम गाँव
संवास पु॰ गृह घर [वाला
संवाह पु॰ अङ्गमर्दक शरीरदाबने
संविग्न त्रि॰ उद्विग्न घबरायाहुआ
संवित्ति स्त्री॰ ज्ञान समझ बुद्धि
संविद् स्त्री॰ ज्ञान समझ बुद्धि
संविदा स्त्री॰ सिद्धि भांग
संविदित त्रि॰ अंगीकृत मानाहुआ
संविधान न॰ उपाय रचना
संवीक्षण न॰ तलाश देखना
संवीत त्रि॰ आवृत ढका हुआ
संवृत त्रि॰ आवृत ढका हुआ
संवेग पु॰ सम्यक् बल ओर
संवेद पु॰ ज्ञान बुद्धि

संवेश पु० निद्रा नींद [कपड़ा
संव्यान न० उत्तरीय वस्त्र दुपट्टा
संशय पु० सन्देह शक[पड़ा हुआ
संशयस्थ त्रि० सन्देहयुक्त शकमें
संशयात्मन् पु० शक में पड़ा हुआ
संशयालु त्रि० संशययुक्त शकी
संशयित त्रि० संशय वाला
संशरण न० युद्धारम्भ लड़ाई
संशितव्रत त्रि० नियम को पूरा
करने वाला
संशुद्धि स्त्री० सम्यक् शोधन
संश्यान त्रि० शीत आदि से
सिकुड़ा हुआ
संश्रय पु० आश्रम आसरा
संश्रव पु० अंगीकार इकरार
संश्रुत त्रि० अंगीकृत इकरार
किया हुआ
संश्लिष्टत्रि०आलिङ्गितमिलाहुआ
संश्लेष पु० आलिङ्गन मिलना
संसक्त त्रि० मिलित मिलाहुआ
संसद् स्त्री० सभाकमेटीमजलिस
संसरण न० जन्म गमन हमला
संसर्ग पु० सम्बन्ध मेल साझा
संसर्गाभाव पु० मेल का न होना
संसार पु० जगत् दुनिया
संसारमार्ग पु० दुनियाकारास्ता
संसारिन् त्रि० जीवात्मा देही
संसिद्ध त्रि० स्वभावसे बनाहुआ
संसृति स्त्री० संसारकाप्रवाहमेल
संसृष्टत्रि०मिलाहुआ|माताविमेल
संस्कर्तृ त्रि०संस्कारकरानेवाला
संस्कार पु० शुद्ध करना
संस्कृतत्रि०साफकियाहुआवस्तु
संस्तार पु० यज्ञ शय्या विस्तर
संस्तव पु० परिचय वाकफियत
संस्त्याय पु० संघात गाढ़ घर
संस्थ त्रि०मर्यस्थित टिका हुआ
संस्थित त्रि० अच्छे प्रकार ठहरा
हुआ मृत मरा हुआ
संस्फुट त्रि०विकसितखिलाहुआ
संस्फोट पु० युद्ध जंग लड़ाई
संहत त्रि० दृढ़ पक्का मिला हुआ
संहति स्त्री० समूह मेल [मारना
संहनन न० देह शरीर समूह
संहर्ष पु० आनन्द खुशी वायु
संहार पु० प्रलय नाश कयामत
संहिता स्त्री०मेल कई विषयों को
बतलाने वाला पुस्तक
संहूति स्त्री० बुलाना आह्वान
सकर्ण त्रि० कानवाला श्रुतिशील

सकर्मक पु० कर्म जिस धातु के साथ लगा हो ऐसा धातु
सकल त्रि० सम्पूर्ण सब कलासहित
सकारण त्रि० कारण के साथ
सकाश पु० अन्तिक समीप पास
सकुल्य त्रि० एकही कुल में हुआ [होनेवाला
सकृत् अ० एकबार
सकृत्प्रसू० एकबार सन्तान उत्पन्न
सकृत्फला स्त्री० कदली केला
सक्त त्रि० आसक्त फँसाहुआ लगा हुआ [आटा सत्तू
सक्तु पु० भुँजेहुये जौ आदि का
सक्थि न० ऊरु जांघ
सखि त्रि० समान व्यवहार वाला प्रेम करनेवाला
सखी स्त्री० सहचरी सहेली वयस्या
सख्य न० मित्रता दोस्ती मैत्री
सगर्भ पु० स्त्री० सहोदर भ्राता सगा भाई बहिन
सगोत्र न० एकगोत्र एक कुल
सग्धि स्त्री० सहभोजन साथखाना
संकट त्रि० छोटी जगह संबाध कष्ट दुःख
संकर पु० कूड़ा घोगला
संकर्षण न० खींचना घसीटना
संकलन न० योजन जोड़ना
संकल्प पु० पक्का विचार इर
संकसुक त्रि० मन्द मूर्ख बुरा
संकाश त्रि० सदृश समान
संकीर्ण त्रि० संकुचित सिकुड़ा हुआ [संक्षिप्त
संकुचित त्रि० सिकुड़ा हुआ
संकुल न० आपस में मारने वा लड़ाई असंबद्ध प्रलाप
संकेत पु० इशारा सैन
संकेतित त्रि० इशारा किया हु
संकोच पु० संक्षेप सिकुड़ना
संक्रन्दन न० खूब चिल्लाना रो
संक्रमण न० संक्रान्ति आना लांघना [अच
संक्रान्ति स्त्री० सम्यक क्रम चलना एक राशि से दूस राशि में सूर्यका आना.
संख्य न० स्त्री० युद्ध जंग विच बुद्धि गिनती
संख्यावत् पु० विचारशील पंडि
संख्येय त्रि० गिनने के लायक
संग पु० मेल सम्बन्ध
संगत न० सौहार्द मित्रता
संगति स्त्री० संगम मेल मिल

संगम पु० संगति मेल
संगर पु० आपदा मुखोपत युद्ध प्रतिज्ञा विष
संगव पु० गायों के दुहनेकासमय
संगिन् त्रि० सग वाला साथी
संगीत त्रि० भलीभांतिगायाहुआ गाना बजाना नाचना
संगीर्ण त्रि० स्वीकार माना हुआ
संग्रह पु० सञ्चय इकट्ठा सङ्क्षेप
संग्रहणी स्त्री० एकरोग कच्ची अपच
संग्राम पु० युद्ध लड़ाई जङ्ग
संग्रामपटह पु० युद्ध का बाजा
संघ पु० सजातीय समूहगिरोह
संघट्ट पु० परस्परसमर्थभभीड़भाड़
संघर्ष पु०आपसमेंरगड़आपीसमा स्पर्द्धा
संघशस् अ० भूरिशः बहुत समूह
संघात पु० समूह अच्छी तरह चोट लगाना
सचिव पु० सहाय मन्त्री वज़ीर
सचेतन त्रि० विशिष्ट ज्ञानयुक्त अच्छी समझवाला होशियार
सचेष्ट त्रि० निपुण चालाक भाग्य भाग

सच्चिदानन्द पु० सदारहने वाला चेतनस्वरूप आनन्दमय ब्रह्म ईश्वर
सच्छूद्र पु० गोप गूजर नापित
सजाति त्रि० समान जाति वाला एक जाति वाला
सजातीय त्रि० समानधर्म वाला अपनी जाति का
सजुस् अ० साथ के अर्थमें
सज्ज त्रि० तयार सम्बद्ध लगाना
सज्जन त्रि० आयोजन जोड़ना भला मानुष [सम्बद्ध
सज्जित त्रि० इसवेश सजा हुआ
सञ्चय पु० समूह संग्रह इकट्ठा
सञ्चयिन् त्रि० इकट्ठा करने वाला
सञ्चार पु०न० सेतु पुल देह शरीर भली भांति जाना
सञ्चारिन् पु० वायुहवाचलनेवाला
सञ्चित त्रि० संगृहीत इकट्ठाकिया हुआ [भौमसेवा
सञ्जीवन न० चतुःशालागृह
सट न० स्त्री० केश चोटी शिखा
सत् त्रि० सत्य भला धीर प्रशस्त सदा रहने वाला
सतत न० निरन्तर लगातार

सतानन्द् पु० गौतम का पुत्र एक
मुनि [पास पढनेवाला
सतीर्थ्य पु० गुरु भाई एक गुरुके
सत्कर्तृ त्रि० अच्छेकामकरनेवाला
सत्कर्म न० वेद विहित कर्म
सत्कृत त्रि० पूजाहुआ आदरकिया
सत्क्रिया स्त्री० सत्कार आदर
पूजन साधन [अच्छा
सत्तम त्रि० अतिशय धातु बहुत
सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान
होना
सत्र न० स्थान यज्ञ सदा दान
जङ्गल
सत्रशाला स्त्री० धर्मशालाधर्मगृह
सत्राजित् पु० सत्यभामाकापिता
एक राजा
सत्रिन् पु० गृहस्थ
सत्पथ पु० अच्छा मार्ग
सत्फल त्रि० दाडिम अनार अच्छे
फलवाला
सत्व न०सत्ययुगशपथसौगंध सच
सत्यंकार पु० मुझको ऐसा अवश्य
मेव करना है ऐसा, कथन
बयाना देना [पत्नी
सत्यभामा स्त्री० श्रीकृष्णजीकी
सत्ययुग न० प्रथमयुग
सत्यवचस् त्रि० सच्चे वचनवाला
सत्यवचन
सत्यवत् त्रि०सत्यवालासत्य युक्त
सत्यवतीसुत पु० व्यास मुनि
सत्यवाच् त्रि० सच्ची वाणीवाला
सत्यवादिन् त्रि० यथार्थभाषक
वक्ता सच बोलने वाला
सत्यव्रत त्रि० नियम पूर्वक कार्य
करने वाला सच्चा
सत्यसङ्कर त्रि०सच्ची प्रतिज्ञावाला
सत्यसन्ध त्रि० सच्चा मेल करने
वाला रामचन्द्र
सत्यानृत न० सत्य और झूठ
बनियों का काम [देना
सत्यापन न० सत्याकृति बयाना
सत्योद्य त्रि० सत्यवादी सच्चा
वर्णन [वाला
सत्वर त्रि०शीघ्र जल्द जल्दीकरने
सदन न० गृह घर मकान
सदय त्रि० दयान्वित दयाशील
अच्छी विधि
सदस् स्त्री० सभा मजलिससमाज
सदस्य त्रि० सभासद् मेम्बर
सदा न० सर्वदा हरवक्त

सदागति पु० वायु हवा
सदाचार पु० अच्छा चाल चलन
सदातन अ० सदा रहनेवाला ईश्वर
सदात्मन् त्रि० अच्छे चित्तवाला
सदादान त्रि० सर्वदादान देनेवाला
सदानन्द पु० सदा आनन्दमेंरहने वाला ईश्वर [भंजनपक्षी
सदानर्त्त त्रि० सदा नाचनेवाला
सदानीरा स्त्री० जिसनदीमें सदा पानी रहता हो
सदाशिव त्रि० जिससे सदा कल्याणहो शुभकर्म [उत्तरवाला
सदुत्तर न० अच्छा जवाब अच्छे
सदृश त्रि० तुल्य सम बराबर
सदेश पु० पास देशवाला
सद्धेतु पु० अच्छा हेतु
सद्भाव पु० विद्यमानता होनापन
सद्भूत न० यथार्थ ठीक
सदन् न० गृह घर [हुआ
सद्यःकृत त्रि०तत्क्षणकृत झटकिया
सद्यःप्राणकर त्रि० झट बल और प्राण को करनेवाला मन्नादि
सद्यःप्राणहर त्रि० शीघ्र जीवनको नाश करने वाला अमियमिता उत्का काम करना

सद्यःशौच न० शीघ्रपवित्र होना।
सद्योजात त्रि० शीघ्र उत्पन्नहुआ वत्स बछड़ा
सद्वृत्त त्रि० अच्छे चरित्र वाला
सद्वृत्ति स्त्री० पु० अच्छीजीविका अच्छी जीविकावाला [बराबर
सधर्म त्रि० एकसाधर्मवाला सदृश
सधर्मचारिणी स्त्री० साथ होकर धर्मका आचरण करने वाली स्त्री भार्या
सधर्मिन् त्रि०समानधर्मकरनेवाला
सधवा स्त्री०पतिवाली स्त्री [वाला
सध्र्यच् त्रि० सहचरसाथविचरने
सनत् अ० सदा
सनन्द त्रि० आनन्दवाला
सनत्कुमार पु० एकमुनि
सना अ० सदा हमेश
सनातन त्रि० सदा होने वाला
सनाभि पु० ज्ञाति जाति भाई स्नेहयुक्त
सनीड त्रि० पास निकट वाला
सन्तत त्रि० विस्तीर्ण फैलाहुआ निरन्तर लगातार
सन्तति स्त्री० सन्तान औलाद विस्तार पङ्क्ति

सतानन्द पु० गौतम का पुत्र एक मुनि [पास पढनेवाला
सतीर्थ्य पु० गुरु भाई एक गुरुके
सत्कर्तृ त्रि० अच्छेकामकरनेवाला
सत्कर्म न० वेद विहित कर्म
सत्कृत त्रि० पूजाहुआ आदरकिया
सत्क्रिया स्त्री० सत्कार आदर पूजन साधन [अच्छा
सत्तम त्रि० अतिशय धातु बहुत
सत्ता स्त्री० विद्यमानता वर्तमान होना
सत्र न० स्थान यज्ञ सदा दान अनुकूल
सत्रशाला स्त्री० धर्मशालाधर्मगृह
सत्राजित् पु० सत्यभामाकापिता एक राजा
सत्रिन् पु० गृहस्थ
सत्पथ पु० अच्छा मार्ग
सत्फल त्रि० दाडिम अनार अच्छे फलवाला
सत्य न०सत्ययुगशपथसौगंध सच
सत्यंकार पु० मुझको ऐसा अवश्य मेव करना है ऐसा कथन बयाना देना [पत्नी
सत्यभामा स्त्री० श्रीकृष्णजीकी

सत्ययुग न० प्रथमयुग
सत्यवचस् त्रि० सच्चे वचनवाला सत्यवचन
सत्यवत् त्रि०सत्यवालासत्य युक्त
सत्यवतीसुत पु० व्यास ऋषि
सत्यवाच् त्रि० सच्ची वाणीवाला
सत्यवादिन् त्रि० यथार्थवक्ता सच्चा सच बोलने वाला
सत्यव्रत त्रि० नियम पूर्वक काम करने वाला सच्चा
सत्यसङ्गर त्रि० सच्ची प्रतिज्ञावाला
सत्यसन्ध त्रि० सच्चा मेल करने वाला रामचन्द्र
सत्यानृत न० सत्य और झूठ व्यापारियों का काम [देना
सत्यापन न० सत्याकृति बयाना
सत्योद्य त्रि० सत्यवादी सच्चा वचन [वाला
सत्वर त्रि०शीघ्र जल्द जल्दीकरने
सदन न० गृह घर मकान
सदय त्रि० दयान्वित दयावाला अच्छी विधि
सदस् स्त्री० सभा मजलिसजमाव
सदस्य त्रि० सभासद् मेम्बर
सदा अ० सर्वदा हरवक्त

सदागति पु० वायु हवा
सदाचार पु० अच्छा चाल चलन
सदातन अ० सदा रहनेवालाईश्वर
सदात्मन् त्रि० अच्छे चित्तवाला
सदादान त्रि० सर्वदादान देनेवाला
सदानन्द पु० सदा आनन्दमेंरहने
वाला ईश्वर [अंजनपक्षी
सदानर्त त्रि० सदा नाचनेवाला
सदानीरा स्त्री० जिसनदीमें सदा
पानी रहता हो
सदाशिव त्रि० जिससे सदा
कल्याणहो शुभकर्म[उत्तरवाला
सदुत्तर न० अच्छा जवाब अच्छे
सदृश त्रि० तुल्य सम बराबर
सदेश पु० पास देशवाला
सद्धेतु पु० अच्छा हेतु
सद्भाव पु० विद्यमानता होनापन
सद्भूत न० यथार्थ ठीक
सद्मन् न० घर घर [हुआ
सद्यःकृत त्रि०तत्क्षणकृत झटकिया
सद्यःप्राणकर त्रि० झट बल और
प्राण को करनेवाला अन्नादि
सद्यःप्राणहर त्रि० शीघ्र जीवनको
नाश करने वाला अनियमिता
जल्दा काम करना
सद्यःशौच न० शीघ्रपवित्र होना।
सद्योजात त्रि० शीघ्र उत्पन्नहुआ
वत्स बछड़ा
सद्वृत्त त्रि० अच्छे चरित्र वाला
सद्वृत्ति स्त्री० पु०अच्छीजीविका
अच्छी जीविकावाला [बराबर
सधर्म त्रि० एकसाधर्मवाला,सदृश
सधर्मचारिणी स्त्री० साथ होकर
धर्मका आचरण करने वाली
स्त्री भार्या
सधर्मिन त्रि०समानधर्मकरनेवाला
सधवा स्त्री०पतिवाली स्त्री [वाला
सध्यञ्च् त्रि० सहचरसाथविचरने
सनत् अ० सदा
सनन्द त्रि० आनन्दवाला
सनत्कुमार पु० एकमुनि
सना अ० सदा हमेशा
सनातन त्रि० सदा होने वाला
सनाभि पु० ज्ञाति जाति भाई
स्नेहयुक्त
सनीड त्रि० पास निकट वाला
सन्तत त्रि० विस्तीर्ण फैलाहुआ
निरन्तर लगातार
सन्तति स्त्री० सन्तान औलाद
विस्तार पङ्क्ति

समब्रचारिन् पु॰ गुरुभाई एकसाथ पढ़ने वाला [सुहागन
समर्ङ्का स्त्री॰ सौभाग्यवती
सभा स्त्री॰ परिषद् कमेटी
समाजन न॰ गमनसमय में कुशल पूछना सत्कार
समासद् पु॰ सभ्य मेम्बर[मेम्बर
समास्तार त्रि॰ सभ्य, सामाजिक
सभिक पु॰ जुआरी
सभ्य पु॰ सामाजिक मेम्बर
सन् अ॰ भली भांति, बहुत, मिलना
सम त्रि॰ समान, तुल्य, बराबर
समक्ष त्रि॰ अ॰ चक्षुः सामने पास
समग्र त्रि॰ सकल सारा कुल
समङ्गा स्त्री॰ मञ्जिष्ठा मजीठ
समचित्त त्रि॰ समदेखने वाला तटस्थकामी
समज न॰ वन जंगल पशु समूह मूर्ख मण्डली
समज्ञा स्त्री॰ कीर्ति, यश बड़ाई
समज्या स्त्री॰ सभा कीर्ति
समञ्जस त्रि॰ औचित्य उचित
समदर्शिन् त्रि॰ सब जगह समान देखने वाला पण्डित तटस्थामी
समदृष्टि त्रि॰ समदर्शी बराबर देखना
समधिक त्रि॰ बहुत अधिक
समन्त पु॰ अच्छा अन्त सीमा
समन्तस् अ॰ चारों ओर से
समन्तभुज् पु॰ अग्नि आग
समन्तात् अ॰ चारों ओर से
समन्वित त्रि॰ संगत मिला हुआ
समभिहार पु॰ पौनःपुन्य बारबार
समम् अ॰ साहित्य साथ एकहीब
समय पु॰ काल शपथ अङ्गीकार
समया अ॰ निकट्य समीपता
समयाध्युषित पु॰ सूर्य और तारामों के बिना समय
समर पु॰ न॰ युद्ध लड़ाई
समर्थन न॰ अच्छे प्रकार मापना करना
समर्थ त्रि॰ शक्त बलवान् हितकारी
समर्धन न॰ साधित करना फैसला
समर्याद त्रि॰ नियम के साथ निकट पास
समल न॰ बहुत मैला विष्ठा काला
समवतार पु॰ पानी में उतरने की सीढ़ी
समवाय पु॰ समूह मेल सम्बन्ध विशेष
समवेत त्रि॰ मिलाहुआ समूहयुक्त
समष्टि स्त्री॰ समुदाय मिलकर जी

समसन न० समास मिलाना
समस्त त्रि० संक्षिप्त सकल सारा मिलाहुआ
समस्या स्त्री० एकचरणको सुन कर शेष तीनको पूरा करना
समा स्त्री० बरस साल
समाकर्षा स्त्री०कीर्तियशनामसभा
समाघात पु० युद्ध जङ्ग लड़ाई
समाज पु० सभा कमेटी परिषद्
समाधा स्त्री० मिष्पत्ति सिद्धि झगड़ा मिटाना
समाधि पु० समाधान मनलगाना
समाध्मात त्रि० अच्छी तरह फूंकागया
समान त्रि० तुल्य बराबर सदृश
समानोदर्य पु० स्त्री० एक पेट से पैदा हुआ भाई बहिन
समाप पु० अच्छे जलवाला देश
समापन न० समाप्ति खतम
समापन्न त्रि० समाप्त प्राप्त
समाप्त त्रि०पूराहुआ खतम
समायोग पु० मेल मिलाप
समालम्भ पु० केशर आदि से शरीर पर लेप करना
समावर्तन न० गुरुकुलसे ब्रह्मचर्याश्रम में आनेका संस्कार
समाविष्ट त्रि० युक्त मिलाहुआ
समावेश पु० इकट्ठाकरना अभिनिवेश [समभेद
समास पु०संक्षेप खुलासा सम०
समासक्त त्रि०संयुक्त मिलाहुआ
समासङ्ग पु० संयोगमेलपूरा
समासादित त्रि० पाया हासिल किया गया
समाहित त्रि० समाधिलगाये हुए आहित प्रतिज्ञात
समाहृत त्रि० संगृहीत इकट्ठा कियागया
समाहास स्त्री० संक्षेप संग्रह
समाह्वय पु० युद्ध जंग बुलाना
समित् स्त्री०युद्ध लड़ाई
समिता स्त्री० गोधूमचूर्ण गेहूं का आटा
समिति स्त्री० समर सभा जंग
समिध स्त्री० समिधा काष्ठ
समिध पु० समिधा काष्ठ आग
समिन्धन न० काष्ठ अच्छे प्रकार चमकना
समीक न० युद्ध जंग लड़ाई
समीक्ष न० पर्यालोचन मीमांसादि देखना

समीक्ष्यकारिन् त्रि० अच्छे प्रकार
विचार कर काम करने वाला
समीचीन त्रि० यथार्थ ठीक ठीक
साधु सत्य हाँ , [मिलता है
समीप त्रि० निकट पास अहापानी
समीर पु० वायु वात हवा
समीरण पु० वायु हवा पथिक
समीरित त्रि० कथित उच्चारित
कही हुई । भेजी
समीहित त्रि० अभीष्ट चाहा गया
अभिलषित
समुचित त्रि० योग्य बहुत ठीक
समुच्चय पु०एकीकरणइकट्ठाकरना।
समुच्चित त्रि० कृतसमुच्चय इकट्ठा
किया हुआ
समुच्चार-च्चार पु० अच्छी तरह
बोलना अच्छी तरह त्यागना
समुच्छेद पु० विनाश अच्छे प्रकार
काटना
समुच्छ-च्छ्राय पु० अत्युन्नति
बहुत ऊँचा विरोध दुश्मनी
समुच्छ्रित त्रि० अत्युन्नत बहुत
ऊँचा
समुच्छलित पु० चारों ओर से
उछला हुआचारोंओरसेफैला
हुआ [साँसचालाफिरओछटा
समच्छ्वसित त्रि० अच्छी भाँति

समुज्झित त्रि० त्यक्त छोड़ा हुआ
समुत्क्रम पु० वृद्धि ऊपर आना
समुत्थ त्रि० अच्छी तरह उपजा
उठा [उठाना
समुत्थान न० समुद्योग उद्योग
समुत्पन्न त्रि० उपजा पैदा हुआ
समुत्पाट पु० जड़से उखाड़ लेना
समुत्पिञ्ज त्रि० व्याकुल बहुत
घबड़ाया हुआ
समुत्सर्ग पु० अच्छे प्रकार त्यागदेना
समुत्सुक त्रि० चाहे हुये वस्तुको
पानेके लिये जल्दीकरनेवाला
समुत्सृष्ट त्रि० भलीभांतिछोड़दिया
समुत्सेध पु० बहुत ऊंचाई बहुत
बढ़ना
समुदय पु० समूह लड़ाई युद्धयोग
समुदीरण न० अच्छेप्रकार कहना
समुद्गम पु० ऊपर आना उत्पत्ति
समुद्गीत त्रि० ऊंचे स्वरसे गाया
गया
समुद्गीर्ण त्रि० वमन उगला हुआ
समुद्दिष्ट त्रि० अच्छे उद्देश वाला
पदार्थभलीभांतिबतलायाहुआ
समुद्धत त्रि० अत्यन्त पागल
अत्यन्त अविनीतघमण्डीउद्धत
अभिमानी बहुत बहुत

समुद्वर्तन न० उत्तोलन उठाना
 वमन उगलना उखाड़ना।
समुद्भव पु० समुत्पत्ति पैदाहोना
 उपजना
समुद्भूत त्रि० पैदा हुआ उपजा
समुद्यत त्रि० तैयारपूरे उद्यमवाला
समुद्यम पु०पूराप्रयत्नपूरीकोशिश
समुद्र पु० सागर समुन्दर
समुद्रफेन पु० समुद्रका फाग
समुद्रगा स्त्री० नदी दरिया
समुद्रमेखला स्त्री० पृथिवीज़मीन
समुद्रयान न० पोत जहाज [वस्तु
समुद्रि-द्रीय त्रि० समुद्रमेंहोनेवाली
समुद्धत त्रि० श्रेष्ठ सबसे अच्छा
समुन्नत न० बहुत नमी भोगना
समुन्न न० आर्द्र गीला भीगा[हुआ
समुन्नत त्रि० अच्छेप्रकारसे बढ़ा
समुन्नति स्त्री० उन्नता ऊंचाई
समुन्नद्ध त्रि० गर्वित अभिमानी
 पण्डितम्मन्य प्रभु [पहुँचा
समुपेयिवस् त्रि०समीपागतपासमें
समुपोढ त्रि० संगत मिल गया
समुल्लेख पु० पोद भाविसे भूमि
 को खोदना [हुआ
समूढ त्रि० राशीकृत इकट्ठाकिया

समूल त्रि० जड़सहित मय जड़के
समूह पु० समुदाय गिरोह
समूहनी स्त्री० झाड़बुहारीपोंछना
समूह्य पु०यज्ञकी आग [बढ़ा हुआ
समृद्ध त्रि० बहुतसम्पदावालाबढ़ेल
समृद्धि स्त्री०बहु: सम्पदा दौलत
समेत त्रि० समागत आया हुआ
 मिला हुआ
समेधित त्रि०सवर्द्धितअच्छेप्रकार
 बढ़ा हुआ [दौलत धन
सम्पत्ति स्त्री० अतिविभव बड़ी
सम्पद् स्त्री० विभव सम्पत्ति धन
सम्पन्न त्रि० साधित धनी दौलत-
 मन्द [आपदा।
सम्पराय पु० युद्ध जंग लड़ाई
सम्परायिक न० आपत्ति के लिये
 हितकारी युद्ध जंग
सम्पर्क पु० सम्बन्ध मेल
सम्पर्किन् त्रि० सम्बन्ध वाला
 मेल वाला
सम्पा स्त्री० विद्युत् बिजली
सम्पात पु० अच्छे प्रकार गिरना
सम्पाति पु० जटायु का भाई
सम्पुटक पु०मञ्जूषासन्दूकपिटारी
सम्पूर्ण त्रि० समग्र साराभराहुआ]

सम्पृक्त त्रि० मिश्रित मिला हुआ
सम्प्रति अ० इदानीम् इसवक्त अब
सम्प्रतिपत्ति स्त्री० वादी से कहे हुए अर्थको स्वीकार करना
सम्प्रदाता त्रि० दानदाता देनेवाला
सम्प्रदान न० अच्छे प्रकार देना। विना बदला मांगके देना
सम्प्रधारणा स्त्री० सारमसार का विचार
सम्प्रयोग पु० काममें लाना मेल सम्बन्ध जोड़ना [सजाना
सम्प्रसाधन न० कटक कड़ाभूषण
सम्प्रसारण न० अच्छेप्रकारफैलाना। व्याकरणमेंयण्केस्थानमें इक्
सम्प्रहार पु० युद्ध जंगअच्छीतरह चोट लगाना
सम्प्राप्ति स्त्री० अच्छे प्रकार पाना
सम्प्रैष पु० नियोग आज्ञा हुक्म
सम्प्रोक्षण न० छिड़कना सींचना
सम्फुल्ल त्रि० विकसित खिलाहुआ
सम्बद्ध पु० सम्बन्धवाला अच्छा बन्धा हुआ
सम्बन्ध पु० संसर्ग मेल संयोग
सम्बल न० अल पुल एक मूंग
सम्बाध पु० न० आपसकी रगड़ जहां बहुत पीड़ा हो

सम्बोधन न० अच्छी समझ अच्छी तरह जापन ज्यों विभक्ति
सम्भली स्त्री० कुट्टिनी व्यभिचारिणी
सम्भव पु० उत्पत्ति पैदायश मुमकिन
सम्भावित त्रि० होसकनेवालीबात
सम्भाषण न० अच्छी तरहकहना आपसमें बात चीत करना
सम्भिन्न त्रि० विदलित टूटाहुआ कटा हुआ
सम्भूति स्त्री० विभव ऐश्वर्य उत्पत्ति मूल मेल ताकत
सम्भृति स्त्री० अच्छी तरह पालना
सम्भोग पु० अच्छी क्रीड़ा हर्षखुशी
सम्भ्रम पु० भय डरसे उपजा वेग हड़बड़ी अतिशयप्रेम
सम्मति स्त्री० अनुमति राय बाई
सम्मद पु० हर्ष खुशी हर्षवाला
सम्मर्द पु० युद्ध जंग आपसकी रगड़
सम्मान पु० आदर इज्जत
सम्मार्जन न० संशोधन साफकरना
सम्मार्जनी स्त्री० झाड़ बुहारी
सम्मित त्रि० सदृश तुल्य बराबर
सम्मुख त्रि० सामने आया अभिमुखागत

सम्मुखीन त्रि० सामने आनेवाला सामने हुआ [ऊंचाई मोह
सम्मूर्छनम न०अच्छे प्रकार फैलना
सम्मृष्ट त्रि०मार्जनयुक्त पोंछाहुआ
सम्मोद पु० हर्ष खुशी
सम्यच् न० शोभन संगत मनोज्ञ
सम्राज् पु० राजा बादशाह
सर न० सरोवर तालाब जल तीर
सरघा स्त्री० मधुमक्षिका शहदकी मक्खी
सरज न० नवनीत मक्खन
सरजस् स्त्री० ऋतुमती
सरट पु० कृकलास काकलास
सरण न०गमन जाना लोहेकामैल
सरणि णी स्त्री०पथ रास्ता सड़क कतार [स्त्री
सरमा स्त्री० कुतिया विभीषणकी
सरयु पु०स्त्री०वायु हवा एकनदी
सरल त्रि० सीधा ऋजु उदार पीतदारु
सरस न० जल सरोवर ताल
सरस त्रि०रसवाला सरोवरगीला
सरसिज न० पद्म कमल
सरसिरुह न० पद्म कमल
सरसी पु० सरोवर ताल

सराव पु० सरवा पियाला
सरित्पति पु० सागर समुद्र
सरिताम्पति पु० समुद्र
सरिद्वरा स्त्री० गङ्गा
सरीसृप पु० सर्प सांप बिच्छू
सरु पु० खड्ग तलवार आदिकी मूंठ
सरूप त्रि० सदृश समान एक जैसारूप वाला
सरोज न० पद्म कमल
सरोजिनी स्त्री० कमलोंका समूह
सरोवर पु० तड़ाग तालाब
सर्ग पु० स्वभाव रचना बनावट विभाग मोह अनुमति
सर्गबन्ध पु०महाकाव्य[रघुविरचना
सर्ज न० सेनाकापिछला भाग
सर्प पु० नागकेसर सांप
सर्पहण पु० नकुल नौला
सर्पभुज् पु० मयूर मोर
सर्पाराम पु० मयूर गरुड़ मोर
सर्पिणी स्त्री सांपिन
सर्पेष्ट न० चन्दन वृक्ष
सर्व त्रि० सब सम्पूर्ण
सर्वसहा स्त्री०पृथिवीभूमि ज़मीन
सर्वकर्ता पु० सबको बनानेवाला ईश्वर

सर्वकर्मीण त्रि॰ सबकाम करनेवाला
सर्वक्षार पु॰ साराखारा साबुन
सर्वग त्रि॰ जल वायु ईश्वर
सर्वंकष त्रि॰ पापी खल सबको
 दुख देनेवाला [आम
सर्वजनीन त्रि॰ सबजगह प्रसिद्ध
सर्वज्ञ पु॰ विधाता ईश्वर
सर्वतस् अ॰ चारों ओर से
सर्वतोभद्र त्रि॰ चारों ओरसे सुख
 देने वाला
सर्वतोमुख न॰ ब्रह्म ईश्वर
सर्वत्र अ॰ हरवक्त हरजगह
सर्वत्रगामिन् त्रि॰ सब जगह जाने
 वाला । वायु । ईश
सर्वथा अ॰ सबतरह हरएक तरहसे
सर्वदमन पु॰ भरतराजा सर्ववशी
सर्वदर्शिन् पु॰ परमेश्वर
सर्वदा अ॰ सबकाल में सदा
सर्वधुरीण त्रि॰ सारा बोझ उठाने
 वाला ।
सर्वनाम पु॰ एक संज्ञा, मोनावम
सर्वभक्ष त्रि॰ सबकुछ खाने वाला
सर्वमय त्रि॰ परमात्मा ईश
सर्वरसोत्तम पु॰ लवण रस
सर्वरात्र पु॰ सारीरात

सर्वरी स्त्री॰ रात्रि रात
सर्वविद् पु॰ परमेश्वर ईश
सर्ववेद पु॰ सब वेदोंको जानने
 वाला ईश्वर।
सर्ववेशिन् त्रि॰ बैरूपिया, नट
सर्वसन्नहन न॰ युद्धके लिये
 सबको तयार करना।
सर्वसह त्रि॰ सबकुछ सहनेवाला
सर्वस्व न॰ सबकुछ सारा धन
सर्वाह पु॰ सब दिन सारादिन
सलिल न॰ जल पानी
सव पु॰ यज्ञ सन्तान
सवन न॰ सोमका पानी यज्ञ प्रसव
सवयस् त्रि॰ समान उम्रवाला
 सखा मित्र
सवर्ण त्रि॰ एक जातिका बराबर
 रंगवाला
सविकाश त्रि॰ समंकृता हुआ
 खिला हुआ
सवितृ पु॰ जगत्स्रष्टा ईश्वर सूर्य
सविध त्रि॰ निकट पास
सविभ्रम त्रि॰ भ्रमणों के साथ
सवेश त्रि॰ निकट पास वेश
सव्य त्रि॰ वाम दहिना
सव्येष्ठ पु॰ सारथि कोचवान

ससत्वा स्त्री० गर्भवती
सस्य न० खेती खेतकी उपज
सह अ० साथ संग बराबर एक बार
सह त्रि० सहने वाला अगहन
सहकार पु० आम्र आम का वृक्ष
सहकारिन त्रि० साथी सहायक
सहगमन न० साथ जाना साथ मरना
सहचर त्रि० मित्र दोस्त सहायक
—। सेवक
सहज पु० सहोदर भाई, स्वभाव
सहजमित्र न० स्वाभाविक मित्र
सहजारि पु० स्वाभाविक शत्रु
सहदेव पु० माद्रीका पुत्र एक पाण्डव
सहधर्मिणी स्त्री० स्वपत्नी स्त्री।
सहन त्रि० सहनेवाला क्षमाशील
सहना [पीना
सहपान न० साथ पीना इकट्ठे होकर
सहभोजन न० साथ भोजन, एक
जगह भोजन
सहमरण न० साथ मरना
सहस् न० बल अगहन मास
सहसा अ० अकस्मात् अचानक
जोरावरी बिना विचारे
सहस्य पु० पौष पूष
सहस्र न० दश सौ की गिनती
सहस्रकर पु० सूर्य सूरज
सहस्रपाद पु० परमात्मा
सहस्रांशु पु० सूर्य सूरज
सहस्राक्ष पु० ईश्वर विष्णु
सहाय पु० सहचर साथी अनुकूल
सहायता स्त्री० मदद सहारा
सहासन न० एक साथ बैठना
सहित त्रि० साथ हुआ, मिलाहुआ
सहित् त्रि० सहने वाला सीता
सहिष्णु त्रि० सहनशील सहनेवाला
सहिष्णुता स्त्री० सहनशीलता सहना
सहृदय त्रि० अच्छे मन वाला।
चतुर चतुर
सहोक्ति स्त्री० साथ कहना
सहोटज पु० न० मुनियोंकी कुटी
सहोढ पु० साथमें विवाहीहै जिसने
सहोदर पु० स्त्री० सगा सहित भाई
सह्य त्रि० सहनेके योग्य, सह्याद्रि
सा स्त्री० यह
सांख्य न० कपिलकारचितएकदर्शन
सांघातिक त्रि० इकट्ठा करनेवाला
सांयात्रिक पु० जहाज व्यापारी
सांयुगीन त्रि० रण जङ्ग में कुशल
सांवत्सर पु० गणक ज्योतिषी
सांशयिक पु० भलीभांति शास्त्रार्थ
करने वाला नैयायिक

सांशयिक त्रि० सन्दिग्ध शक्की
सांसारिक त्रि० संसारी दुनयवी
सांसिद्धिक त्रि० स्वाभाविक कुदरती
साकम् अ० साथ साहित्य
साकल्य न० समुदाय,सबसामग्री
साकाङ्क्ष त्रि० इच्छासहित चाह के साथ
साकार त्रि० शकल वाला।
साकेत न० आयोध्यापुरी
साक्षात् अ० सामने हूबहू
साक्षात्कार पु० प्रत्यक्ष मुलाकात
साक्षिन् त्रि० गवाह, देखने वाला
साक्ष्य न० गवाही दृष्टवृत्त वचन
सागर पु० समुद्र समुन्दर
सागरगामिनी स्त्री० नदी,दरिया
सांकर्य्य न० एकमें दूसरेका मिल जाना मेला
साङ्ग त्रि० अङ्गसहित पूरा
सांग्रामिक त्रि० सेनापति कसाम युद्धसम्बन्धी
साचीकृत त्रि० टेढ़ा किया हुआ
सात्यकि पु० कृष्ण का सारथी
सात्विक त्रि० सतोगुणी
सादिन् पु० स्त्री० सवार घोड़े आदि पर चढ़ा हुआ

सादृश्य न० समानता बराबरी।
साधक त्रि० मददगार साबित करने वाला
साधन न० सिद्धिकरण
साधर्म्य न० समानता बराबरी
साधारण न० आम सदृश,समान
साधारणधर्म पु० समानधर्म
साधित त्रि०थापित,साबितकिया हुआ [मजबूत
साधिष्ठ त्रि० अत्यन्त दृढ़, बहुत
साधिष्ठान न० निकट पास
साधीयस् त्रि० अत्यन्तदृढ़ बहुत पक्का
साधु त्रि० उत्तम मनोहर अच्छा
साध्य त्रि०साबितकरनेके लायक
साध्यसिद्धिस्त्री०सिद्धकरनेयोग्य पदार्थ का साधन
साध्वी स्त्री० पतिव्रता सती
सानन्द त्रि० आनन्द के साथ
सानु पु० न०पर्वत की चोटी सम मार्ग
सानुज त्रि० भाई के सहित
सानुमत् पु० चोटी वाला पर्वत
सान्तर न० विरला कोई
सान्त्वन न० आनुकूल्य करना अपने मुआफिक करना।

सान्द्र त्रि॰ निबिड़ गाढ़ा मृदुकोमल
सान्ध्य त्रि॰ सन्ध्याकालिकसांझ
के समय का [होना
सान्निध्य न॰ नैकट्य समीपता पास
सापत्न्य पु॰ शत्रु दुश्मन [दोस्ती
सापत्नीन न॰ सख्य मित्रता प्रेम
साफल्य न॰ पूरा होना सार्थक्य
सफलता [वाला
सामग पु॰ स्त्री॰ सामवेदका गाने
सामग्री स्त्री॰ वस्तु सरञ्जाम
कारण समूह
सामञ्जस्य न॰ मौचित्य मुनासिब
सामन्त पु॰ छोटा राजा कर देने
वाला राजा
सामयिक त्रि॰ वक्तपर हुआ
सामर्थ्य न॰ शारीरिकबल ताकत
सामाजिक त्रि॰ सभ्य सभासद्
सभा का
सामान्य न॰ आम अविशेष
सामि अ॰ आधा अर्द्ध
सामीप्य न॰ निकट पास [युद्ध
साम्परायिकत्रि॰परलोककासाधन
साम्प्रतम् अ॰ उचित योग्य मुना-
सिब। अब। ठीक २
साम्य न॰ साधारणधर्म। बराबरी

साम्राज्य न॰ सार्वभौम राज्य
पादशाहत [उपासना
सायंसन्ध्या स्त्री॰ सांझ की
सायक पु॰ बाण तीर तलवार
सायन्तनत्रि॰ सांझको हुआशामका
सायम् अ॰ सांझ शाम
सायाह्न पु॰ दिनका अन्त सांझ
सायुज्य न॰ साथ मे मिलाहुआ
सार पु॰ अक्ष धन छोह बल
अंश पक्का हिस्सा वायु
सारगन्ध पु॰ चन्दन
सारघ पु॰ मधु शहद क्षौद्र
सारङ्ग पु॰ चातक पपीहा हरिण
हाथी भंरा कपड़ा मोर
कमान बाल भूषण चन्दन
कपूर फूल कोयल बादल
सारङ्गिक पु॰ व्याध शिकारी
सारज न॰ नवनीत मक्खन
सारथि पु॰ नियन्ता गाड़ीवान
ड्राइवर [सरस्वती
सारदा स्त्री॰ सारको देनेवालीविद्या
सारमेय पु॰ कुक्कुर कुत्ता
सारस पु॰ एकपक्षीरसयुक्तचन्द्ररस
सारिका स्त्री॰ एकपक्षी मैना
सार्थ पु॰ समूह धनसहित धनी

सार्थवाह पु० व्यापारी वणिग्जन
सार्द्र त्रि० गीलेपनके साथ गीला
सार्ध त्रि०भाधेके साथ डेढ़ साथ
सार्पिष्क त्रि० घीमें सत्कार
 कियाहुआ व्यञ्जन
सार्वजनीन त्रि० सर्वलोक प्रसिद्ध
सार्वत्रिक त्रि० सब समयमेंहुआ
सार्वधातुक न० लेट् लोट् लङ्
 विधि लिङ् [ईश्वर
सार्वभौतिक त्रि०सबजगहरहनेवाला
सार्वभौमपु०चक्रवर्तीसर्वप्रसिद्ध
सार्वलौकिक त्रि० सब लोकों में
 जाना हुआ सबम प्रसिद्ध
सार्वविभक्तिक त्रि० सब विभक्ति
 यों के अर्थ में विधान किया
 गया। तसिल् आदि प्रत्यय
सार्षप त्रि०सरसोंका बनाहुआ तेल
 आदि [का वृक्ष
साल पु० हरएक वृक्ष इस नाम
सालूर पु० भेक मण्डूक मेंडक
सावधान त्रि०सचेतन होशियार
 खबरदार
सा-शा-वर पु०पाप कलङ्क अपवाद
सास्ना स्त्री०गाय के गलेके नीचे
 लटकती हुई खाल

सास्र त्रि० जिसकी आंखों में
 आंसू हों
साश्चर्य न० अचम्भित तमाशेयुक्त
साहस न०पकापको विना विचा
 जोर से किया गया
साहसिक त्रि०मनुष्यों को मार
 डालना दिलेर पारदारिक चोर
साहस्र न०कई हजार
साहाय्य न०सहायता मदद
साहित्य न०मेलन मिलाना शास्त्र
 काव्य
साह्वय पु०नाम के साथ
सिंहपु०शेर अपने नामसे प्रसिद्ध
सिंहध्वनि पु०सिंहनाद सिंह का
 शब्द
सिंहल पु० एक देश सीलोन
सिंहविक्रान्त पु०शेर के समान
 बलवाला
सिंहासन न०राजगद्दी तख्त
सिकता स्त्री०बालू रेत
सिकतिल त्रि०रेतीली जगह
सिक्थ न०मोम भात
सिंघा-घा स्त्री० ईंट नाकका मैल
सिचय पु०वस्त्र कपड़ा
सित न०शुक्ल सफेद रूपा चन्दन

सितकर पु॰ चन्द्रमा चांद
सितपक्ष पु॰ शुक्लपक्ष उजेरापाख
सिता स्त्री॰ सर्करा शकर चीनी
सिताशाङ्गपु॰ मयूर मोर[अड़िया
सितोपल पु॰ स्फटिक बिल्लौर
सिद्ध न॰ सैंधानिमक
सिद्धधातु पु॰ पारद पारा
सिद्धान्त पु॰ मतलब मत तत्त्व
सिद्धि त्रि॰ निष्पत्ति कामयाबी
सिद्धिद त्रि॰ कामयाबी को पूरा करनेवाला
सिध्मल त्रि॰ कोढ़ी पकवाला
सिन्दूर न॰ अपने नामसे प्रसिद्ध
सिन्धु पु॰ समुद्र पश्चमंग
सिन्धुर पु॰ हस्ती हाथी
सिम त्रि॰ सर्व सब
सीकर पु॰ जलकण पानीका कतर
सीता स्त्री॰ हलका फाला नामकी
सीत्कार पु॰ सीसीकरना
सीधु पु॰ मद्य शराब
सीमन्त पु॰ एक संस्कार
सीमन्तिनी स्त्री॰ स्त्री औरत
सीमन्तोन्नयन न॰ गर्भस्थ एक संस्कार
सीमन स्त्री॰ मर्यादा हद
सीमा स्त्री॰ मर्यादा हद
सीर पु॰ सूर्य । हल [सुन्दर
सु अ॰ अतिशय बहुत अच्छा
सुकर त्रि॰ सहलमें करने योग्य
सुकर्मन् त्रि॰ अच्छेकाम करनेवाला
सुकाण्ड पु॰ अच्छे गुदेवाला वृक्ष
सुकृत त्रि॰ धार्मिक धर्मात्मा अच्छी करनी
सुकृति स्त्री॰ अच्छी करनी [वाला
सुकृतिन् त्रि॰ अच्छे काम करने
सुख न आनन्द चैन आराम
सुखभाज् त्रि॰ सुखी खुश
सुखरात्रिका स्त्री॰ दिवाली
सुखाधार पु॰ सुखोंका आश्रय स्वर्ग वाला
सुखावह त्रि॰ सुख को उपजाने
सुखोत्सव पु॰ सुखोंका जल्सा
सुगन्धि पु॰ सुरभि सुगंध
सुग्रीव त्रि॰ सुन्दर गर्दन वाला बालि का भ्राता [वाला
सुचरित्र त्रि॰ अच्छे चालचलन
सुचिर त्रि॰ बहुकालका [वाला
सुचेलक त्रि॰ महीन कपड़े पहरने

सुजल न० अच्छा पानी
सुत पु० स्त्री० पुत्र पुत्री
सुतनु-नू स्त्री० सुन्दर शरीरवाली
सुतपस पु० सूर्य सूरज
सुतराम् अ० बहुतही अतिशय
सुतिक्त पु० पापड़ बहुत तीखा
सुतीक्ष्ण त्रि० बहुत तेज़
सुतुङ्ग त्रि० बहुत ऊँचा [मित्र
सुदामन् पु० मेघ समुद्र कृष्ण का
सुदि अ० शुक्लपक्ष उजेला पाख
सुदिन न० अच्छादिन
सुदिनाह न० बहुत अच्छा दिन
सुदूर त्रि० अतिदूर बहुतदूर
सुद्युम्न पु० वैवस्वतमनुका पुत्र
अच्छा धनी [एकराजा
सुधन्वन् अ०अच्छा धनुषधारी
सुधर्मन् त्रि० अच्छेधर्मवाला
अच्छा धर्म
सुधा स्त्री० अमृत । चूना-कलई
सुधांशु पु० चन्द्रमा चांद
सुधाशीयिन् त्रि० राल धर्वई
सुधानिधि पु० चन्द्रमा चांद
सुधी पु० स्त्री० पण्डित अच्छी
बुद्धि [अच्छा नेत्र
सुनयन त्रि० अच्छे नेत्र वाला
सुनाशीर पु० इन्द्र सूर्य
सुनीति पु०स्त्री०अच्छी नीतिवा
अच्छी नीति
सुनील न० एकमणि नीलम
अनार सुन्दर नीलारंग
सुन्दर त्रि० मनोहर खूबसूरत
सुपक्वत्रि०अच्छे प्रकारपकाहुअ
सुपथ पु० अच्छामार्ग सद्राच
सुपर्ण पु० अच्छे पत्ते वालावृ
सुपीत न० गर्जर गाजर
सुपुष्प न० लौंगका फूल तूल
सुप्त त्रि० शयन सोयाहुआ
सुप्ति स्त्री० शयन सोना
सुप्रतिभा स्त्री० स्वच्छबुद्धि वा
फैली बुद्धि
सुप्रभा स्त्री० अच्छी दीप्ति [सवे
सुप्रभात न० शुभ भलाई प्रात
सुप्रयुक्तसर पु० शीघ्रहस्तजिसक
हाथ बाणतीर चलानेमें अच
चलता है
सुप्रलाप पु० सुवचन अच्छावच
सुप्रसन्न त्रि० बहुत खुश हुआ
सुप्रसर त्रि० अच्छेप्रकारफलाहुअ
सुप्रसाद पु०सुन्दरप्रसन्नताअच्छ
खुशी [अच्छा फल
सुफल त्रि० सुन्दरफलवालाअच्

सुभगे पु० जिसकी बड़ाई आदि अच्छी है सुन्दर प्रिय
सुमङ्ग पु० नारियल का वृक्ष पेड़
सुमट पु० सुन्दर योद्धा अच्छा शूरवीर
सुमद्र त्रि० अच्छे मङ्गल वाला
सुमिक्ष त्रि० सुकाल अन्न का अच्छा होना
सुभूति त्रि० अच्छे ऐश्वर्य वाला
सुभ्रू भ्रू स्त्री० अच्छे भौंहवाली
सुमदन पु० आम्र आमका पेड़
सुमधुर न० बहुत प्यारा वचन
सुमनस् न० अच्छे चित्त वाला
सुमित्रा स्त्री० लक्ष्मणकी माता
सुमुख त्रि० अच्छेमुखवालापण्डित
सुमेखल त्रि० अच्छी तगड़ीवाला
सुमेधस् त्रि० अच्छी बुद्धिवाला
सुमेरु पु० एक पर्वत अमराला का सब से बड़ा दाना [दुर्योधन
सुयोधन पु० धृतराष्ट्र का पुत्र
सुर पु० देव सूर्य पण्डित
सुरगुरु पु० बृहस्पति देवगुरु
सुरङ्ग न० भूमिके नीचे पोल होंग
सुरत न० स्त्री पुरुष प्रसंग।
सुरदारु न० देवदारु वृक्ष
सुरदीर्घिका स्त्री० सुरवापी गङ्गा
सुरद्विप् पु० असुर दैत्य दुर्जन
सुरपथ पु० आकाश आसमान
सुरपुरी स्त्री० अमरावती
सुरभि त्रि० अच्छे गन्ध वाला सुगन्ध पण्डित सोना
सुरवर्त्मन् न० आकाश आसमान
सुरवल्ली स्त्री० तुलसी
सुरा स्त्री० मद्य शराब
सुराजीविन् पु० शराब से जीने वाला शौण्डिक कलाल
सुराप त्रि० शराबपीनेवालाशराबी
सुरापगा स्त्री० गङ्गानदी
सुरापान न० शराबका पीना
सुरूप त्रि० अच्छेरूपवालापण्डित मूर्ख हई
सुरेन्द्र पु० देवराजा अच्छाराजा
सुलभ त्रि० सहज में मिलता है। अनायास लभ्य
सुलोचन त्रि० अच्छी आंखवाला
सुलोमश त्रि० अच्छे लोमवाला
सुवचस् त्रि० बाग्मी अच्छा बोलने वाला
सुवर्ण न० अच्छे रङ्गवाला सोना

सूर्यमन पु० सूर्यकान्त मणि आतिशी शीशा [अतिथि
सूर्योदपु०मायङ्कालको मायाहुआ
सृक्कन न० मोष्ठप्रान्तभाग ओंठों के ऊपर का हिस्सा
सृगाल पु० स्यार गीदड़ जम्बुक
सृणिणी पु० स्त्री० अंकुश आँकुश
सृति स्त्री० गमन आनापथ [माता
सृत्वर त्रि० गमनकर्ता जानेवाला
सृष्ट त्रि० निर्मित रचाहुआ बनाया हुआ
सृष्टि स्त्री० निर्माण रचना बनाना
सेक पु० सेचन सींचना
सेकपात्र न० सींचने का बर्तन
सेक्तृत्रि०सींचनेवाला पति स्वामी खाविन्द
सेचन न० सींचना भिगोना
सेतु पु० पुल नदी आदि के पार होने का साधन
सेतुबन्ध पु० पुलका, समुद्र का बाँधना बन्धाना रामनिर्मित एक पुल
सेव न० बेड़ी निगड़ हथकड़ी
सेना स्त्री०सैन्यदल फौजरिसाला
सेनाङ्ग न० हाथी घोड़ा रथ पैदल का समूह

सेनाचर त्रि० सेना में जानेवाला
सेनानी पु० सेनापति कार्तिकेय
सेनापति पु० फौज का अफसर कप्तान [का भाग
सेनामुख न० सैन्याग्र सेनाकेआगे
सेनारक्षक पु० सेनाकीरक्षाकरने वाला पहरेवाला
सेफ पु० पुरुष का विशेष चिह्न मूत्रेन्द्रिय [नौकर
सेवक त्रि० सीनेहारा दरजी भृत्य
सेवधि पु० कोश निधि खजाना
सेवन न० सीना आसरा लेना बाँधना सुई
सेवा स्त्री० भजन आराधना भोगना आसरा लेना नौकरी [गया
सेवित त्रि० पूजा गया सेवाकिया
सेव्य त्रि० सेवा के लायक
सैकत त्रि० बहुत रेतीली जगह
सैद्धान्तिक त्रि० असली बात को जाननेवाला सिद्धान्तविद
सैनापत्य न०फौजीकाम सेनापति का फर्ज

सौम्य पु० सेनाका समूह हाथी आदि
सैरभि भैंसा महिष
सैवाल न० शैवाल सिवार
सो त्रि० सहनकर्ता क्षमा शील
सहारने वाला [प्रभुत शीघ्रता
सोत्कण्ठ त्रि० बहुत इच्छा के साथ
सोत्प्रास न० प्रिय वचन के साथ
प्रिय वचन
सोदय त्रि० प्रकट हुआ जाहिर हुआ
सोदर त्रि० एकही पेट से हुआ
सगा भाई वहिन
सोदर्य त्रि० सगा भाई वहिन
सोन्माद पु० पागलपन के साथ।
उन्मत्त पागल [हुआ
सोपप्लव पु० बड़ा विपत्तिमें फंसा
सोपाधि-क त्रि० उपाधि के साथ
किसी गुण विशेषको धारण
करने वाला ।
सोपान न० सीढ़ी जीना नसैनी
सोम पु० चन्द्रमा, कपूर, वायु जल
सोमगम पु० परमात्मा विष्णु
सोमज न० दुग्ध दूध
सोमप त्रि सोमकेरसकोपीनेवाला
सोमबन्धु पु० सूर्य सूरज
सोमयाग पु० एकयज्ञविशेष [वाला
सोमयाजिन् पु० सोमरससेयज्ञकरने
सोमलता स्त्री० अपने नाम से
प्रसिद्ध बेल [मैंडपजा क्षत्रिय
सोमवंश पु० चन्द्रवंश इस वंश
सोमवार पु० चन्द्रवार, पीर
सोमसुत पु० जिसने सोमलताका
रस निकाल लिया है
सोमसूत्र न० पानीनिकालनेकीनाली
सोल्लुण्ठन न० आक्षेप के साथ
ताना के साथ
सौकर्य न० अनायास आसानी से
सौख्य न० सुख आराम, चैन
सौगंधिक पु० सोने वाला दरजी
सौजन्य न० सुजनता साधुत्व
सौदामनी स्त्री० विद्युत् बिजली
सौध न० पु० चूना से पुता हुआ
स्थान अमृत का
सौनिक पु० कसाई मांसजीवी
सौन्दर्य न० मनोहरता सुन्दरता
खूबसूरती
सौपर्ण न० मरकतमणि पन्ना
सौपर्णेय पु० गरुड़
सौभद्र पु० अभिमन्युसुभद्राकापुत्र
सौभाग्य न० सुहाग, अच्छीकिस्मत

सौमनस्य न० अच्छे मन का होना, प्रसन्न चित्तता
सौमित्र पु० सुमित्राकापुत्रलक्ष्मण
सौम्य त्रि० मनोहर सुन्दर सोम देवता का सूक्त [ऐसा सूक्त
सौर त्रि० सूर्यका जिसमें वर्णन हो
सौरभ न० अच्छी गन्ध सुगन्धि वाला केसर
सौरमेय पु० गौ गौ का
सौराष्ट्र पु० एक देश सूरत
सौ स्यक त्रि० कसेरा
सौवस्तिकपु० मलामानस पुरोहित
सौष्ठव न० सुन्दरता खूबसूरती
सौहार्द न० मित्रता सख्य मैत्री दोस्ती
सौहृद न० मित्रता,दोस्ती
स्कन्दन न० रेचन बहना चूना
स्कन्ध पु० कन्धा वृक्षकाधड़तना
स्कन्न त्रि० च्युत गिरगया गलित क्षरित
स्खलन न० चलन गिरना
स्तन न० स्त्रियों का एक अंग कुच चौंचक
स्तनन न० मेघ की आवाज [बच्चा
स्तनन्धय पु० स्त्री० दूधपीनेवाला
स्तनप पु० स्त्री० दूधपीनेवालाबच्चा
स्तनभर पु० मोटेस्तनोंकाभारबोझ
स्तनयित्नु पु० मेघबादल बिजली मौत
स्तनान्तर न० स्तनोंकामध्यछाती
स्तन्य न० दूध स्तन में हुआ
स्तम्ब पु० झाड़ी तृण घास
स्तम्बेरम पु० गज हाथी
स्तम्भ पु० स्थूल खम्भा थम्भ
स्तम्भन न० जड़ीकरण रोकदेना
स्तव पु० स्तुति तारीफ बड़ाई
स्तबक पु० गुच्छा
स्तावक पु० तारीफ करने वाला
स्तिमित न० आर्द्रता गीलापन
स्तुत त्रि० स्तुति किया हुआ तारीफ कया गया
स्तुतिपाठक पु० खुशामदीतारीफ करने वाला [तस्कर
स्तेन त्रि० चोर, चोरी करना
स्तेम पु० आर्द्रा ,भाव, गीलापन चिकना
स्तेय न० चौर्य, चोरी
स्तैयिन त्रि० तस्कर चोर
स्तोक त्रि० अल्प, कुछ, पपीहा बाला

स्तोत्र न० स्तव तारीफ बड़ाई
स्तोम पु० गान गीत रोकना
स्तोम पु० समूह यज्ञ स्तव बड़ाई
मस्तकमाथातारीफ[योडापन
स्त्यान न० स्नेह चिकना घनता
स्त्री स्त्री० योषित् नारी औरत
स्त्रीचिह्न न० मूत्रस्थान भग योनि
स्त्रीचोर पु० कामी बदमाश
स्त्रीजित पु० जो स्त्री के वशमें हो
स्त्रीवश्य
स्त्रीधन न० स्त्रीका धन माल
स्त्रीधर्म पु० मासिक धर्म, कपड़ों से होना
स्त्रीधर्मिणी स्त्री० ऋतुवती हैसते
स्त्रीपुन पु० स्त्री पुरुष औरत मर्द
स्त्रीपुंसलक्षण स्त्री० पण्ड हाजड़ा
स्त्रीलिङ्ग पु० मोअन्नस स्त्रीकाचिह्न
स्त्रीवश पु० स्त्री के माधीन हुमा
स्त्रीविधेय पु० स्त्रीकेवशमेंरहनेवाला
स्त्रीसंग्रहण न० स्त्री का पकड़ना
स्त्रीसभ न० स्त्रियों का समाज
स्त्रीसेवा स्त्री० स्त्रियोंकीतावेदारी
स्त्रैण त्रि० स्त्रियोंका समूह स्त्रीका
स्त्री की आज्ञा मानने वाला
स्थ त्रि० स्थितिशील ठहरनेवाला
स्थगन न० आच्छादन ढाकना
स्थगित त्रि० आवृत ढका हुआ
छिपा हुआ
स्थली स्त्री० ग्रामग्राम [गन टीला
स्थण्डिल न० चबूतरा भूतराम-
स्थण्डिलशायिन् त्रि व्रतसे चबू-
तरे पर सोने वाला ब्रह्मचारी
स्थपति पु० अन्तःपुर में रहने
वाला बूढ़ा ब्राह्मण
स्थपुट त्रि० टेढ़ी और ऊंचीजगह
स्थल न० स्त्री० शुष्कभूमि अकृत्रिम
भूभाग [पर सोनेवाला
स्थलेशय पु० वराह भूभर स्थल-
स्थविर त्रि० वृद्ध बूढ़ा स्थिर
स्थविष्ठ त्रि० अ तवृद्ध अतिबूढ़ा
स्थाणु पु० ठूंठ बूढ़ा सूखा वृक्ष
स्थान न० स्थिति समानता जगह
रंगमामाजनशस[का मालिक
स्थानिक त्रि० स्थाना स्थद जगह
स्थानिन् त्रि० जगहकी रक्षा करने
वाला [मुल्क
स्थानीय त्रि० स्थानवाला नगर
स्थाने न० औचित्य मुनासिब, ठीक
स्थापन न० ठिकाना । आरोपण ।
कायम करना रखना

स्थापित त्रि० निश्चित पक्का न्यस्त
स्थायिन् त्रि० स्थितिशील, रहने वाला मुस्तकिल [वाला
स्थायुक त्रि० स्थिरमति, शीलरहने
स्थाल न० थाल अन्नपात्र
स्थाली स्त्री० बटलोई
स्थालीपुलाक पु० एक न्याय कहावत एक चावल को देखकर बटलोई भर चावलोंके पकने की परीक्षा होजाती है [वाला
स्थावर त्रि० अचञ्चल न चलने स्थिर, एक जगह रहने वाला
स्थाविर न० वृद्धपन,बुढ़ापा,वृद्धत्व
स्थासक पु० मलङ्कार,गहना जेवर
स्थास्नु त्रि० स्थिरशील ठहरा हुआ, ठहरने वाला [वाला
स्थित त्रि० ठहरा हुआ प्रतीक्षा
स्थिति स्त्री० मर्यादा नियम स्थान
स्थिर त्रि० ठहरा हुआ वृक्षादि
स्थिरतर त्रि० बहुतही जमा हुआ
स्थिरमति त्रि० दृढ बुद्धिवाला, पक्की अकल
स्थिरयौवन न० पक्की-जवानी
स्थूल त्रि० पीवर मोटा समृद्ध [जुगी
स्थेय त्रि० विवादनिर्णेता पुरोहित
स्थैर्य न० स्थिरता, पक्कापन, मजबूती
स्थौल्य न० पीवरता मुटाई
स्नय पु० स्नानवाला बगा
स्नातक पु० स्त्री० ब्रह्मचर्यव्रत के साथ विद्याको समाप्त करनेवाला
स्नान न० अवगाहन नहाना
स्नानीय न० स्नानके लिए फुलेल सामान साबुन आदि [चिकना
स्निग्ध त्रि० स्नेह वाला, प्यारा,
स्निग्धता स्त्री० स्नेह, चिकनाई, प्रियता
स्नायु पु० शरीर नसां हुआ
स्नुषा स्त्री० पत्रवधू, पुत्र की स्त्री
स्नेह पु० प्रेम प्यार चिकनाई
स्नेहन न० तेल आदि का मलना
स्नेहभू स्त्री० प्रेमपात्र प्रेमका स्थान
स्नेहिन् त्रि० प्रेम करने वाला
स्पन्द न० थोड़ासा चलना हिलना
स्पर्धा स्त्री० प्रसन्नता दूसरे को दबाने की इच्छा, बराबरी
स्पश पु० छूना, कांसे मणि वर्ण
स्पर्श पु० चर दूत युद्ध जसूस गुप्तचर जासूस
स्पष्ट त्रि० व्यक्त प्रकट साफ
स्पृष्ट त्रि० छूआ हुआ, स्पर्शपूर्ण

स्पृष्टास्पृष्टि म॰ छूना और न छूना
स्पृहणीय त्रि॰वाञ्छनीय चाहने लायक
स्पृहयालु त्रि॰चाहने वाला
स्पृहा स्त्री॰इच्छा, चाह ख्वाहिश
स्पृह्यत्रि॰वाञ्छनीय चाहने लायक
स्फटिक पु॰ सूर्यकान्तमणि, आतशी शीशा [हुआ
स्फार त्रि॰विपुल बहुत चमकता
स्फारण न॰विकाशन खिलाना
स्फिच् स्त्री॰कटिप्रदेश नितम्ब
स्फिर त्रि॰प्रचुर बहुत बढ़ा हुआ
स्फुट त्रि॰विकासित,खिला हुआ व्यक्त जाहिर
स्फुटन न॰विकसन खिलना
स्फुरण न॰थोड़ासा कांपना [धर
स्फुल न॰हिलना,कांपना कपड़ेका
स्फुलिङ्ग पु॰स्त्री॰आगकीचिनगारी
स्फूर्जथु पु॰बिजली गिरन की आवाज
स्फूर्त्ति स्त्री॰फुरना,खिलना प्रतिभा
स्फोट पु॰व्रण विशेष फोड़ा
स्फोटक पु॰फोड़ा फोड़ने वाला
स्फोटन न॰विदारण फाड़ना विकाशन खिलाना

स्फय न॰लकड़ी तलवार[पूर्णकरना
स्म म॰अतीत बीतगया वाद को
स्मय पु॰गर्व, अहङ्कार, मगरूरी आश्चर्य
स्मरणन॰याददाश्त, याद सोचना
स्मार्त त्रि॰स्मृति मे कहाहुआ धर्मशास्त्र का
स्मितन॰थोड़ासा हँसना,विकसित
स्मृतत्रि॰याद कियाहुआ[धर्मशास्त्र
स्मृति स्त्री॰ याददाश्त यादगारी
स्मृतिहेतु पु॰स्मृति का कारण
स्मेर त्रि॰विकसित खिला हुआ थोड़ा हँसने वाला
स्यद पु॰ वेग जोर बल
स्यन्द पु॰क्षरण,बहना चूना, पानी
स्यन्दमारोह पु॰रथपर चढ़ने वाला
स्यन्दिन् त्रि॰ प्रस्रवी, बहनेवाला
स्यन्न त्रि॰च्युत,बहाहुआपानीआदि
स्यूत त्रि॰सूत का बनाया हुआ
स्यूति स्त्री॰सीवन सीना
स्रंसन न॰नीचे गिरना पकना
स्रंसिन् त्रि॰नीचे गिरने वाला
स्रग्वत् त्रि॰माला वाला
स्रज् स्त्री॰मौड़ा,माल्य
स्रवण न॰मूत्र, पेशाब, पसीना

स्रष्ट पु॰जगत् का बनाने वाला ईश्वर
स्रस्त त्रि॰च्युत पतित गिराहुआ
स्रस्तर पु॰आसन
स्राक् अ॰त्वरित शीघ्र झट
स्रुव न॰अगरा पकनगर [^्रि कलछा
स्रोत न॰प्रवाह सोता पानी का
स्रोतस न॰पानीका निकलना
स्रोतस्वत् त्रि सोतेवाला पर्वतादि
स्रोतस्वती स्त्री॰सोतेवाली
स्व न॰धन-दौलत आत्मा आप
ज्ञाति बिरादरी अपना
स्वकर्मन् न॰ अपन करम योग्यकाम
स्वकीय त्रि॰आत्मीय अपना [बात
स्वगत त्रि॰चुपचाप वचन मनकी
स्वच्छ त्रि॰बहुत अच्छा बहुत
निर्मल साफ [आजाद खुदमुख्तार
स्वच्छन्द त्रि॰स्वाधीन स्वतन्त्र
स्वच्छमणि पु॰साफमणि स्फटिक
बिल्लौर [र्वाचर पुत्र कन्या
स्वज त्रि॰अपने शरीर से उपजा
स्वजन पु॰अपने कुलका
स्वतन्त्र त्रि॰स्वाधीन खुदमुख्तार
स्वतस् अ॰स्वयम् अपने आपही
स्वता स्त्री॰अपनापन कब्जा
स्वत्व न॰ स्वामित्व मालिकपना
स्वधर्म पु॰ अपना कर्त्तव्यकर्म
अपना फर्ज
स्वन पु॰ शब्द आवाज [हुआ
स्वनित त्रि॰शब्दितआवाजकिया
स्वपन न॰शयन सोना निद्रा नींद
स्वप्न पु॰ नींद सोना ख्वाब
स्वभाव पु॰ शील आदत
स्वभू पु॰जो अपने आपही है ईश्वर
स्वयंवर पु॰ पतिको अपने आप
स्वीकार करना
स्वयम् अ॰ अपने आ ही [ईश्वर
स्वयम्भू पु॰जो अपने आप हो है
स्वर् अ॰ स्वर्ग सुन्दर अच्छा
स्वर पु॰ उदात्त, अनुदात्त स्वरित
स्वरभङ्ग पु॰स्वर-आवाजका टूट
जाना
स्वरापगा स्त्री॰ गङ्गानदी
स्वरित पु॰ एकस्वर जो उदात्त
और अनुदात्तके मेलसे उत्पन्न
होता है
स्वराज्य त्रि॰ स्वातन्त्र्य, आजाद
स्वरूप न॰ अपना रूप
स्वर्ग पु॰ सुखका स्थान
स्वर्गिन् त्रि॰ स्वर्गवासी बहिश्ती
स्वर्ण न॰ काञ्चन सुवर्ण सोना

स्वर्णकार पु० सुनार पत्थरोहर
स्वर्लोक पु० स्वर्ग बहिश्त
स्वल्प त्रि० क्षुद्र थोड़ा कम
स्ववासिनी स्त्री० पिताके घरमें रहनेवाली स्त्री
स्वसृ स्त्री० भगिनी बहिन
स्वस्ति अ०क्षेम आशिष् कल्याण
स्वस्तिक पु०न०कल्याण देनेवाला
स्वस्तिवाचन न० मङ्गलका पाठ
स्वस्तिवाचनिक त्रि०स्वस्तिवाचनका पाठ करनेवाला
स्वस्त्ययन न० शुभकर्म यज्ञादि
स्वस्थ त्रि०सुखपूर्वक ठहरा हुआ
स्वस्रीय पु०भागिनेय भगिनीसुत भानजा
स्वागतन०सुखसे आना भलेआना
स्वाद पु० रसका अनुभव स्वाद लेना चाटना
स्वादु पु० स्वादयुक्त मीठारस इष्ट मजेदार खाहागया
स्वाधीन त्रि० स्वायत्त स्वतन्त्र मुखमुख्तार
स्वान्त न० मन दिल सहाय मदद
स्वाप पु०सोना निद्रा नींद अज्ञान
स्वापतेय न० धन दौलत माल
स्वाभाविक त्रि०नैसर्गिक कुदरती
स्वामिन् त्रि०धनी स्वतन्त्र अधिपति मालिक ईश्वर
स्वार्थिक त्रि०अपने अर्थका उसी अर्थमें विधान कियाहुआ प्रत्यय
स्वार्थ पु०अपनामतलब अस्तशीअर्थ
स्वास्थ्य न० आरोग्य आराम सन्तोष सुख
स्वाहा अ० देवता के उद्देश से आहुति देना अच्छा कहा
स्वाहाप्रिय न० अग्नि आग
स्विद् अ० प्रश्न सवाल
स्विन्न त्रि० घर्मयुक्त पसीनेवाला
स्वीकार पु० अंगीकार कबूल मान लेना
स्वीय त्रि० अपना स्वसम्बन्धि
स्वेच्छा स्त्री० अपनी अभिलाषा चाह
स्वेच्छामृत्यु पु० अपनी इच्छासे जिसका मृत्युहो भीष्म
स्वेद पु० घर्म पसीना
स्वेदज पु०पसीनेसे उपजाजू आदि
स्वैर त्रि० स्वतन्त्र अपनी इच्छावसवाला [व्यभिचारिणी
स्वैरिन् त्रि० अपनी इच्छावाला

स्वोपार्जित त्रि० अपनेआपकमाया हुआ

स्वो॰=यीयन॰ प्रसन्नताखुशीसम्पदा

(ह)

ह अ० पादको पूराकरनेवाला सम्बोधन प्रसिद्ध [ईश्वर संन्यासी

हंस पु० अपनेनाम का एकपक्षी सूर्य

हंसगामिनी स्त्री० धीरे२चलनेवाली

हंसी स्त्री० २२अक्षरोंका एक छन्द

हहो अ० सम्बोधन बुलाना अरे२ प्रश्न सवाल

हंञ्जे अ० नाटकमें चेरीका सम्बोधन

हट्ट पु० बाजार पैंठ हाट

हट्टचौरक पु० खुलेजगहमें चोरी करने वाला बाजारू चोर

हठ पु० बलात्कार जोरावरी

हड्ड न० अस्थि हड्डी हाड़

हड्डा स्त्री० पक्वावस्त न ईंका हाड़

हत त्रि० मारित ,मारागया आशारहित [गुजारा

हतक त्रि० मानोमराहुआ है गया

हताश त्रि० आशाशून्य जिसकी उम्मेद खारीरही हो

हति स्त्री० हनन गुणना

हत्या स्त्री० मारण मारना वध प्राणवियोग

हनु-नू-मत्पु० ठोड़ीवालारामसेवक

हन्त अ० हर्ष खुशी दया विषाद मनका टूटना

हन्तकार पु० खुशीका करना खुशीहो अतिथिसत्कार

हन्तृ त्रि० हननकर्त्ता मारनेवाला

हन्न त्रि० मलमूत्रीपोत्सर्ग मलत्याग किया हुआ हगाहुआ

हम्मा म्मा स्त्री० गायकी आवाज

हय पु० घोटक घोड़ा वाजी

हयग्रीव पु० घोड़ेकी सी लम्बी गर्दन वाला

हरपु० रुद्र अग्नि गर्दभ भाजकांक

हरण न० विभाजन बांटना

हरि पु० विष्णु सिंह, शेर सर्प वानर मेंडक चन्द्र, सूर्य वायु, अश्व मोर किरण

हरिण पु० हिरन मृग

हरिणाक्षी स्त्री० हिरन के नेत्र के समान नेत्र हैं जिस स्त्री के

हरिणाङ्क पु० चन्द्रमा चांद

हरित पु० नीला और पीला रङ्ग मिलाहुआ हरा

हरिताल न० एक धातु
हरितालिका स्त्री० भादों के शुक्ल-
पक्षकी तृतीया [एक स्थान
हरिद्वार न० सहारनपुर के ज़िले में
हरिन्मणि पु० हरेरंगकी मणि
हरिभक्त त्रि० परमात्मा की भक्ति
करने वाला
हरिभुज् पु० सर्प सांप
हरिवर्ष न० अमेरिका एकद्वीप
हरिसंकीर्तन न० ईश्वरका भजन
हरीतकी स्त्री० हरड़ हर्ड
हर्तृ त्रि०तस्कर चोर सूर्य[घेवाला
हर्म्य त्रि०महल धनिकगृह कोठी
हर्यक्ष पु० सिंह शेर
हर्ष पु० प्रसन्नता खुशी०
हर्षण त्रि० हर्षकरनेवाला खुशी
खुशी को देनेवाला
हर्षमाणत्रि०प्रसन्नचित्त खुशदि-
हर्षिणी स्त्री०हर्षकारक खुशी देने
वाली
हर्षित त्रि० जातानन्द खुश हुआ
हल न० लाङ्गल अपने नामसे
प्रसिद्ध
हलधर त्रि० किसान बलराम
हलभूतिस्त्री०हलके द्वाराजीविका
हला स्त्री० सखी सहेली पृथिवी
जल
हलायुध पु० बलदेव बलराम
हलाहल पु० विष ज़हर गरल
हलिन त्रि०कृषक किसान बलरामें
हल्य न० हलों का समूह जुता
हुआ खेत
हव पु० यज्ञ भाज्ञा हुकुम होम
हवन न० होम यज्ञ अग्निहोत्र
हवनी स्त्री० यज्ञ कुण्ड
हवनीय त्रि० होमका पदार्थ
हविष्यान्नन०होमके योग्यपदार्थ
हविस् न० होम के योग्य वस्तु
हव्य त्रि० होम के योग्य वस्तु
हव्यवाह पु० अग्नि आग
हहास पु०हँसना हास्य
हसन न०हास्य हँसना
हसन्ती स्त्री०अँगीठी हसनेवाली
हसित न०हँसना जो हँसा है खिला
हुआ
हस्त पु०हाथ कर १३ वां नक्षत्र
हस्तामलक न० हाथमें आमलेका
फल सहज ही से देखने
योग्य पदार्थ
हस्तिक न०हाथियों का समूह

हस्तिदन्त पु० हाथीका दान्त
हस्तिन् पु०हाथी। गज
हस्तिनापुर न०एक नगर विशेष
हस्तिनी स्त्री०हथिनी [हाथीवान्
हस्तिप पु०हाथीपर चढ़नेवाला
हस्त्यारोह पु०हास्तिपक,पीलवान
हा म०विषाद शोक, पीड़ा निन्दा
हाटक न०सोना। धतूरा, सोनेका बना वस्तु
हान न० परित्याग। छोड़ना
हानि स्त्री०अपचय। क्षति। नुकसान
हायन पु० व्रीहि। धान। सघन् आगकी लपट
हार पु०मोतियोंकी माला।माला
हारक पु० चोर,धूर्त, माजक, भक्षु चुरानेवाला [का हार
हारावली स्त्री०मुक्तावली,मोतियों
हारिद्र त्रि० हल्दी से रंगा हुआ कदम का वृक्ष
हारिन् त्रि०हारक,चुरानेवाला
हारीत पु०एकमुनि
म० स्नेह प्यार,प्रेम
हार्य त्रि०लेजानेलायक, बहेड़ा
हाल पु०हलवाला,बलराम
हाला स्त्री०ताड़ी,मद्य,मद

हालाहल पु०विष,जहर, मद्य
हालिक त्रि०किसान। हलका
हांव पु० आह्वान बुलाना
हास्तिक न०हाथियों का समूह
हास्तिन न०हस्तिनापुर
हास्य न० हँसना [मायाम
हाहाकार पु०भयाकरना,लड़ाईकी
ह अ०हेतु संबध,अवधारणविशेष
प्रश्न सवाल [करनेवाला
हिंसक त्रि०व्याघ्र, भेड़िया, हिंसा
हिंसा स्त्री० वध, मारना, भातम दुःख देना
हिंस्र त्रि० मारनेवाला,हिंसाशील
हिक्का स्त्री० हिचकी एकरोग
हिङ्गु न०, हींग
हित त्रि०पथ्य। सुफोद। मंगल। भलाई गत बीतगया
हितकारिन् त्रि० भलाईकरनेवाला
हितैषिन् त्रि०हितकारक। भलाई करनेवाला
हितोपदेश पु० भलाईकीनसीहत
हिन्दोल पु०झूलना। दोलन
हिम न० आकाश से गिरा हुआ पानी का कण कतरा
हिमकर पु०चन्द्र। चांद। कपूर

हिमगिरि पु॰ हिमालयपर्वत
हिमवत् पु॰ हिमालय
हिमसहति स्त्री॰ बर्फका ढेर
हिमांशु पु॰ चन्द्रमा। चांद
हिमागम पु॰ अगहन। पूस
हिमाद्रितनया स्त्री॰ पार्वती
हिमानी स्त्री॰ बर्फका ढेर
हिमाराति पु॰ यक्षकाकुश्मतसुरज
हिमालय पु॰ बर्फका घरएकपहाड़
हिरण्यमय त्रि॰ सोनेकाबनाहुआ
हिरण्य न॰ सुवर्ण सोना सूर्य
हिरण्यगर्भ पु॰ सूर्यमादि प्रकाशक लोक जिसके पोखमें हैं ऐसा ईश्वर
हिरण्यरेतस् पु॰ अग्निवड़िआग
हिरण्याक्ष पु॰ कश्यपकापुत्रएकदैत्य
हिरुक् न॰ बजन रोकना
हिल्लोल पु॰ तरंग, लहर झूलना
ही अ॰ विस्मयहैरानी, दुःखविषाद
हीन त्रि॰ ऊन, कम, अधम, नीचा
हीनवादिन् त्रि॰ वादी, मुद्दई
हीनाङ्ग त्रि॰ कम अंगवाला अन्धा लूला लंगड़ा
हीर न॰ वज्र, सर्प, सिंह, एकमणि
हुङ्कार पु॰ 'हुं' ऐसाअव्यक्तशब्द
हुड पु॰ मेष बादल मेष कील
हुत त्रि॰ होमकिया हुआ
हुतभुज् पु॰ अग्नि पावक आग
हुतवह पु॰ अग्नि आग वन्हि
हुताश पु॰ अग्नि आग
हुति स्त्री॰ हवन, होम
हुम् अ॰ स्मरण याद्करना प्रश्न सवाल
हुङ्कार पु॰ भयका पैदाहोना
हूत त्रि॰ बुलाया हुआ, आहूत
हूति स्त्री॰ आह्वान, बुलाना
हूण पु॰ एक देश विशेष
हृच्छय न॰ कु देखना तिरछापन
हृच्छूल न॰ उदररोगपेटकोपीड़ादर्द
हृणीया स्त्री॰ निन्दा बदनामी
हृत्कम्प पु॰ हृदय का कांपना
हृत त्रि॰ अपहृत चुरायागया
हृत त्रि॰ छीनने या चुरानेवाला
हृदय न॰ मन छाती सीना [गांठ
हृदयग्रन्थि पु॰ अविद्या हृदय की
हृदयङ्गम न॰ युक्तियुक्त हृदय में आनेवाला
हृदयस्थान न॰ मनकीजगहछाती
हृदयिक त्रि॰ प्रशस्तचित्तवाला अच्छे चित्त वाला

हृदयेश पु० स्वामी मनोमालिक
हृदिस्पृश त्रि० हृदयको छूनेवाला हृद्य मनोहर
हृद्य न० मनोहर सुन्दर खूबसूरत
हृल्लास पु० हृदय का फड़कना हिक्का हिचकी [खलील
हृल्लेख पु० ज्ञान जानना तर्क
हृषित त्रि० खुशहुआ प्रीत विस्मित
हृषीकेश पु० इन्द्रियों का स्वामी कृष्ण
हृष्ट त्रि० प्रीत प्रसन्न जातरोमांच
हृष्टमानस त्रि०प्रसन्नचित्तखुशदिल
हृष्टरोमन् त्रि० जिसके रोयें खड़े होगये हों
हृष्टि स्त्री० आनन्द हर्ष खुशी
हे अ० सम्बोधन बुलाना
हेति स्त्री० भल्ल बाण तीर
हेतु पु० कारण सबब फल
हेतुता स्त्री० कारणत्व सबबपन
हेतुमत् त्रि० सबब वाला
हेत्वाभास पु० हेतुसा मालूम हो परन्तु हेतु न हो
हेम न० सोना सुवर्ण कंचन
हेमकार पु० सुवर्णकार सुनार
हेमन् न० सुवर्ण सोना [ऋतु
हेमन्त पु० न० अगहन पूष एक
हेममालिन् पु० सूर्य सूरज
हेमाङ्ग पु० सिंह पीलेरंगवाला
हेमाद्रि पु० सुमेरुपर्वत
हेय त्रि० छोड़नेकेलायक
हेरम्ब पु० गणेश शिवशिशु
हेलम न० निरादर, बेकदरी
हेला स्त्री० उपहास,दिल्लगी मन दूर वेइज्जती
हेषा स्त्री० हिनहिनानाघोड़ेकाशब्द
हैहै अ० सम्बोधन बुलाना
हैतुक त्रि०हेतुवादरतसयुक्तिकार के झगड़े में फँसा हुआ
हैमवत न० हिमालय के निकट का देश भारतवर्ष
हैयङ्गवीन न० नवनीत, मक्खन
होड पु० बेड़ी डोंगी किश्ती
होतृ पु० होम करने वाला
होत्र न० हव्य सामग्री
होमिन् पु० होम करने वाला
होत्रीय न० होमकेलिये हितकार
होम पु० अग्निहोत्र, हवन
होमकुण्ड न० हवनकुण्ड
होम्य त्रि० होम के उपयोगी
होरा स्त्री०मिषराशिकाआधाभाग
होलाका स्त्री०होलिका पर्व

ह्यस् अ० गत दिवस, बीता कल
ह्यस्तन त्रि० बीतेहुएकलका काम
ह्रद पु० गहरा तालाब, तड़ाग
ह्रदिनी स्त्री० नदी, तालाब
ह्रसिष्ठ त्रि० बहुत छोटा
ह्रसिमन् पु० छोटापन [ह्रस्व
ह्रसीयस् त्रि० बहुत छोटा अति
ह्रस्व त्रि० लघुवर्ण, छोटा नीचा
ह्रादिनी स्त्री० बिजली विद्युत्

ह्राद पु० शब्द आवाज करना
ह्री स्त्री० लज्जा शरम [वाला
ह्रीक्षित त्रि० लज्जा युक्त शरम
ह्रेषा स्त्री० घोड़ेकी आवाज हिन-
हिनाना
ह्लाद पु० हर्ष खुशी संतोष
ह्लादिनी स्त्री० विद्युत् बिजली
ह्वान न० आह्वान बुलाना पुकारना

इति श्रीभीमाचार्यप्रणीतः सरस्वती कोशः समाप्तः।

अङ्कपञ्चाङ्गविधावब्दे माघमासेऽसिते दले।
नवम्यां चन्द्रवारे च कोश.पूर्तिमगादयम् ॥ १ ॥
कोष भवेद् यदि त्रुटिः सुधियो महेच्छाः।
सानुग्रहेण कृपया च प्रबोधनीया।
सत्कारकाशनयमे परितो विचार्य,
अग्रे मया गुणतया परिशोधनीया ॥ २ ॥

इत्यनेन पदान्तस्य तुकि कृते सम्+तुक्+शम्भुरिति जाते हल-न्त्यम्' इति कस्येत्संज्ञायाम् 'उपदेशेऽजनुनासिक इत्' इति तकारोत्तरवर्तिन उकारस्येत्संज्ञायाम् 'तस्य लोपः' इत्युकारककारयोर्लोपे सन् त्-शम्भुरिति भूते 'स्तोः श्चुना श्चुः' इति तस्य चत्वे सन्-च-शम्भुरिति भूते 'शश्छोऽटि' इत्यनेन शम्भोः शस्य छत्वे सन्-च् छम्भुरिति जाते सति 'स्तोः श्चुना श्चुः' इति नस्य ञत्वे च विहिते सञ्च्छम्भुः। अत्र 'झरो झरि सवर्णे' इति वैकल्पिके चलोपे तत्र सञ्छम्भुः। छत्वाऽभावे श्चुत्वे सति सञ्चशम्भुः तुकोऽभावे नस्य ञत्वे सञ् शम्भुः इति रूपचतुष्टयी जायते। एवमेव समस्त पुस्तके साधनिका विज्ञातव्या।

अष्टाध्यायी भाष्य।

जब से अष्टाध्यायी के अध्यापन और अध्ययन का प्रचार रुक गया है तब से व्याकरण के पठन पाठन में लोगों का बहुत समय नष्ट होता है और व्याकरण पढ़ने का जैसा फल होना चाहिए वैसा नहीं होता। हमने इसके प्रचार के लिये निम्नस्थ रीति से यह भाष्य प्रकाशित किया है मूल सूत्र पदच्छेद वर्णित वार्तिक संस्कृतवृत्ति तथा भाषावृत्ति एवम् उदाहरण विशेष टिप्पणियों के सहित। यह पुस्तक रायल अठपेजी १००८ पृष्ठ पर समाप्त हुआ है। मू० ५) सजिल्द ५॥) डाकव्यय १)

सरस्वती कोश।

हमने इस कोश को वर्तमान आवश्यकतानुसार अतीव परिश्रम से सङ्कलित किया है कठिन से कठिन शब्दों का अर्थ प्रायः आपको इसमें मिल सकेगा हमारा विश्वास है कि यह कोश अध्यापक और अध्येता तथा भाषा जानने वाले नर नारी सभी को लाभ पहुंचावेगा। १०००० दश हजार से भी अधिक शब्दों का विवरण है इस की एक प्रति यदि पास में हो तो समय पर एक अध्यापक का काम देती है। मू० १।) सजिल्द १॥~)

अस्मत्प्रकाशितपुस्तकानां सूचीपत्रम्

१ अष्टाध्यायीभाष्यम् संस्कृतभाषा विवृतिविभूषितम् मू० २)
२ लघुकौमुदी सरलाटीका द्वितीयावृत्तिः-संस्कृते प्रत्येक प्रयोगसाधनसहिता मू० ॥) सम्पूर्ना १॥=)
३ सरस्वतीकोशः—दशसहस्रावृत्त्यात्मिकशब्दविवर णोपेत १)
४. रघुवंशम् सर्गचतुष्टयम् छात्रबोधिनीटीकोपेतम् ॥=)
५ माघस्य च सर्गद्वयम् ,, ॥=)
६ किरातार्जुनीमस्याद्य सर्गत्रयम् ,, ॥=)
७ रामायणमहाभारतयो. परीक्षासंकलितांशः =)
८ श्रुतबोधः वि० =)॥
९ तर्कसमरः—भाषाटीकोपेत)
१० मध्यमपरीक्षाया एकोनविंशतिवर्षाणां प्रश्नपत्राणि ॥)
११ प्रथमापरीक्षाया अष्टादशवर्षाणां प्र० ॥=)
१२ संस्कृतशिक्षा प्रथमोभागः मू० =) द्वितीयोभागः मू० ।)
तृतीयोभागः मू० ।=) चतुर्थोभागः मू० ॥)
पञ्चमोभाग. ।=)॥ षष्ठोभाग ॥) डाकव्यय पृथक् होगा।

पुस्तकें मिलने का पता—

श्री प० जीवाराम शर्मा उपाध्याय
मोहल्ला-किसरौल मुरादाबाद यू० पी०

आ ब्रह्मन् ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चसी जायतामा राष्ट्रे राजन्यः शूर इष-
व्योऽतिव्याधी महारथो जायतां दोग्ध्री धेनुर्वोढानड्वानाशुः
सप्तिः पुरन्धिर्योषा जिष्णू रथेष्ठाः सभेयो युवास्य यजमानस्य
वीरो जायतां निकामे निकामे नः पर्जन्यो वर्षतु फलवत्यो न ओषधयः
पच्यन्तां योगक्षेमो नः कल्पताम् ॥ यजुर्वेद अध्याय २२ मंत्र २२ ॥

प्रातरग्निं प्रातरिन्द्रं हवामहे प्रातर्मित्रावरुणा प्रातरश्विना । प्रात-
र्भगं पूषणं ब्रह्मणस्पतिं प्रातस्सोममुत रुद्रं हुवेम ॥ १ ॥ प्रातर्जितं भग-
मुग्रं हुवेम वयं पुत्रमदितेर्यो विधर्ता । आध्रश्चिद्यं मन्यमानस्तु-
रश्चिद्राजा चिद्यं भगं भक्षीत्याह ॥ २ ॥ भग प्रणेतर्भग सत्यराधो
भगेमां धियमुदवा ददन्नः । भग प्र णो जनय गोभिरश्वैर्भग प्र नृभि-
र्नृवन्तः स्याम ॥ ३ ॥ उतेदानीं भगवन्तः स्यामोत प्रपित्व उत मध्ये
अह्नाम् । उतोदिता मघवन्त्सूर्यस्य वयं देवानां सुमतौ स्याम ॥ ४ ॥
भग एव भगवाँ अस्तु देवास्तेन वयं भगवन्तः स्याम । तं त्वा भग
सर्व इज्जोहवीति स नो भग पुर एता भवेह ॥ ५ ॥ ऋग्वेद मं० ७
सूक्त ४१ ॥